THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-27 अंक : 356 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) चैत्र कृ.4 2079 शनिवार, 11 मार्च 2023

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

कविता की भूख हड़ताल खत्म

> बजट सत्र में महिला आरक्षण बिल लाने की मांग > 17 विपक्षी दलों के नेता भी मौजूद

नई दिल्ली, 10 मार्च (एजेंसियां)। तेलंगाना के सीएम केसीआर की बेटी के. कविता की दिल्ली के जंतर-मंतर पर एक दिन की भूख हड़ताल खत्म हो गई है। वे संसद के बजट सत्र में महिला आरक्षण बिल लाने की मांग कर रही हैं।

उनके साथ आप, अकाली दल, पीडीपी, टीएमसी, जेडीयू, एनसीपी, सीपीआई, आरएलडी, एनसी और समाजवादी पार्टी समेत 17 विपक्षी दलों के नेता भी मौजूद हैं।

उन्होंने कहा, महिला आरक्षण बिल जरूरी है और इसे जल्दी से लाने की जरूरत है। मैं आपसे वादा करती हूं कि जब तक ये बिल नहीं आएगा तब तक ये प्रदर्शन नहीं रुकेगा। ये बिल देश के विकास में मदद करेगा। हालांकि, दिल्ली पुलिस ने धरना देने की परमिशन नहीं दी थी। इस पर कविता ने कहा था, परमिशन पहले दे दी गई थी। अब अचानक इसे रद्द कैसे किया जा सकता है। मैं इस बारे में पुलिस से बात करूंगी।

कविता बोलीं, विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण हो

कविता ने कहा कि पिछले 27 सालों से महिला आरक्षण बिल के लिए संघर्ष चल रहा है। कितनी भी सरकारें बदलीं, उसे मंजूरी नहीं मिली।

लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण होना चाहिए। हम इस विधेयक के लिए अपनी लड़ाई जारी रखेंगे। भाजपा ने 2014 और 2019 के चुनाव में महिला आरक्षण बिल का वादा किया था, लेकिन अब इस पर बात नहीं कर रही है।

कविता का करीबी ईडी की हिरासत में है

ईडी दिल्ली शराब नीति मामले में मनी लॉन्ड्रिंग की शिकायतों की जांच कर रही है।

मंगलवार को दिल्ली की एक कोर्ट ने हैदराबाद के एक व्यवसायी अरुण रामचंद्रन पिल्लई को 13 मार्च तक ईडी की हिरासत में भेजे जाने का आदेश दिया था।

अरुण को के. कविता का करीबी माना जाता है। पिल्लई पर आरोप है कि उसने शराब नीति में बदलाव के लिए आम आदमी पार्टी को 100 करोड़ रुपये भेजे थे। कोर्ट ने एक और शराब कारोबारी अमनदीप ढल को 21 मार्च तक न्यायिक हिरासत में भेजा था।

ईडी का आरोप है कि के कविता 'साउथ कार्टेल' का हिस्सा हैं, जिसने रिश्वत के जरिए दिल्ली की शराब नीति से बदलाव कर पैसा बनाया। उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने दिल्ली शराब नीति की सीबीआई जांच के आदेश दिए थे। इसके बाद नीति को वापस लिया गया था। ईडी और सीबीआई दोनों ने आरोप लगाया है कि साउथ कार्टेल लॉबी से रिश्वत की वजह से शराब नीति में बदलाव के समय अनियमितता बरती गई। साउथ कार्टेल में कथित तौर पर के. कविता, मगनुनता श्रीनिवासलु रेड्डी, आंध्र प्रदेश के वाईएसआरसीपी के एक सांसद शामिल थे।

शराब नीति केस में कविता से आज ईडी पूछताछ करेगी

दिल्ली शराब नीति केस में ईडी ने कविता को 11 मार्च को पूछताछ के लिए बुलाया है। इस पर उन्होंने केंद्र सरकार पर जांच एजेंसियों का गलत इस्तेमाल करने का आरोप लगाया है। कविता ने कहा कि जहां चुनाव होता है, वहां मोदी से पहले प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) पहुंच जाती है। कविता ने आगे कहा कि मैं जंतर-मंतर में धरना के बाद ईडी के सामने पेश होने के संबंध में अपनी टीम से सलाह-मशविरा करूंगी। मैं जांच में पूरा सहयोग करूंगी। इससे पहले 12 दिसंबर 2022 को कविता से सीबीआई हैदराबाद में करीब 7 घंटे पूछताछ कर चुकी है।

सिसोदिया 17 मार्च तक ईडी की कस्टडी में

> 7 लोगों के साथ आमने-सामने बैठाकर पूछताछ करेगी एजेंसी
> जमानत पर सुनवाई 21 मार्च को

नई दिल्ली, 10 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली शराब नीति केस में कोर्ट ने ईडी को मनीष सिसोदिया की 7 दिन (17 मार्च तक) की रिमांड दे दी है। हालांकि एजेंसी ने दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम की 10 दिन की रिमांड मांगी थी। वहीं, कोर्ट सिसोदिया की जमानत याचिका पर अब 21 मार्च को दोपहर 2 बजे सुनवाई करेगी।

बता दें कि ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में सिसोदिया को गुरुवार देर शाम तिहाड़ जेल में ही गिरफ्तार किया था। आज उन्हें कोर्ट में पेश किया गया। यहां एजेंसी ने सिसोदिया की 10 दिन की रिमांड मांगी थी। ईडी सिसोदिया को लेकर दोपहर 2 बजे दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट पहुंची थी।

इसके बाद स्पेशल जज एमके नागपाल ने पहले ईडी की रिमांड पर सुनवाई शुरू की।

कोर्ट में ईडी का पक्ष एडवोकेट जोहेब हुसैन ने रखा। उन्होंने दावा किया कि शराब नीति तैयार करने के पीछे साजिश थी। इसके नियम बदलकर कुछ खास लोगों को 6 प्रतिशत की जगह 12 प्रतिशत लाभ पहुंचाया गया। सिसोदिया ने इससे जुड़े डिजिटल सबूत भी मिटा दिए। एजेंसी ने कहा कि शराब नीति केस में 7 और लोगों को नोटिस भेजा है, ताकि उन्हें सिसोदिया के आमने-सामने बैठाकर पूछताछ की जा सके।

सिसोदिया के प्रतिनिधि ने के. कविता से मुलाकात की :

ईडी के वकील जोहैब हुसैन ने कहा, सिसोदिया के असिस्टेंट विजय नायर इस पूरी साजिश को कोऑर्डिनेट कर रहा था। इस घोटाले में सरकारी तंत्र, बिचौलिये और कई अन्य लोग शामिल हैं। ये साजिश नायर, सिसोदिया, तेलंगाना के चीफ मिनिस्टर के. चंद्रशेखर राव की बेटी के. कविता और कई दूसरे लोगों ने मिलकर रची। इस मामले में 219 करोड़ रुपये के मनी ट्रेल का पता चला है। >14

लालू के करीबियों के 15 ठिकानों पर रेड

3 बेटियों हेमा, रागिनी और चंदा के घर सर्च जारी-दिल्ली में तेजस्वी के घर भी ईडी

पटना, 10 मार्च (एजेंसियां)। लैंड फॉर जॉब स्कैम केस में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार को लालू यादव के करीबियों के दिल्ली, मुंबई, नोएडा और पटना में 15 जगहों पर छापेमारी की है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पटना में आरजेडी के पूर्व विधायक के अबू दोजाना के घर पर भी ईडी की टीम पहुंची है। यहां भी तलाशी ली जा रही है। पूर्व विधायक अबू दोजाना लालू के करीबी हैं। पेशे से बिल्डर हैं।

जानकारी है कि लालू यादव की तीन बेटियों के घर भी रेड की गई है। हेमा, रागिनी और चंदा का घर दिल्ली में है, जिनके घर पर ईडी की टीम मौजूद है। सूत्रों की मानें तो बिहार के उपमुख्यमंत्री और लालू यादव के बेटे तेजस्वी यादव के दिल्ली आवास पर भी ईडी की टीम पहुंची है। अबू दुजाना के घर आय से अधिक संपत्ति मामले में ईडी ने रेड मारी है। सुबह 6 बजे ईडी के 12 अफसर उनके घर पहुंचे। छापेमारी के दौरान अबू दुजाना घर की बालकनी में आए और कहा कि ये कार्रवाई राजनीतिक साजिश है। इस दौरान अधिकारियों ने सभी लोगों को घर के अंदर ही रहने की हिदायत दी। इस मामले में अधिकारी कुछ भी बोलने से बचते नजर आए। दुजाना आरजेडी के पूर्व विधायक हैं। वे सुरसंड से पिछला चुनाव हार गए गए थे। लालू प्रसाद यादव के समधी जितेंद्र यादव के गाजियाबाद (यूपी) स्थित आवास पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने छापा मारा है। ईडी की टीम सुबह 8 बजे से जितेंद्र यादव के आवास पर जांच कर रही है। सबसे पहले सुबह के वक्त दो गाड़ियों में ईडी के 7-8 कर्मचारी-अफसर आए थे। इसके बाद दोपहर करीब 12 बजे एक और गाड़ी आई है, जिसमें ईडी के 3 सदस्य और आए हैं। घर का मुख्य गेट बंद करके ये सभी टीमें अंदर जांच कर रही हैं।

किसी भी बाहरी व्यक्ति को अंदर आने या घर के सदस्य को बाहर जाने पर पाबंदी है। सूत्रों ने बताया, परिवार के सभी सदस्यों के फोन बंद करा दिए गए हैं। जितेंद्र यादव सपा के पूर्व एमएलसी हैं और गाजियाबाद के आरडीसी राजनगर इलाके में रहते हैं। ईडी की कार्रवाई को लेकर लालू यादव की बेटी रोहिणी ने एक के बाद एक दो ट्वीट किए। >14

एक हफ्ते में कोरोना केस 63 प्रतिशत बढ़े

67 दिन बाद एक्टिव केस 3000 के पार, केरल में सबसे ज्यादा

नई दिल्ली, 10 मार्च (एजेंसियां)। देश में कोरोना के बढ़ते मामले फिर डराने लगे हैं। 67 दिन बाद कोरोना के एक्टिव केस 3 हजार से ज्यादा हो गए हैं। कोविड मामलों में अचानक वृद्धि के साथ-साथ एच3एन2 वायरस के मामलों में भी वृद्धि हुई है, जो चिंता बढ़ाने वाली है।

देश में पिछले 3 हफ्तों से कोरोना के मामलों में अचानक तेजी देखने को मिली है। 27 फरवरी से 5 मार्च के बीच देश में कोरोना के 1898 नए मामले सामने आए। यह इसके पहले हफ्ते में आए कोरोना केस से 63 प्रतिशत ज्यादा है। 20 से 26 फरवरी के बीच कोरोना के 1163 केस आए थे, जो इससे पहले के हफ्ते से 39 प्रतिशत ज्यादा था। वहीं 13 से 19 फरवरी के बीच कोरोना इंफेक्शन के 839 केस आए थे, जो इससे पहले के हफ्ते से 13 प्रतिशत ज्यादा था। कोरोना के एक्टिव केस की संख्या अभी ज्यादा नहीं है, लेकिन केस में लगातार बढ़ोतरी चिंता का विषय है। देखा जाए तो कोरोना के मामले लगातार पांच हफ्तों से बढ़ रहे हैं। पहले दो हफ्तों में मामूली वृद्धि देखी गई। यह पिछले साल जुलाई के बाद से वृद्धि की सबसे लंबा पीरियड है, जब देश में आखिरी बार कोविड स्पाइक हुआ था। उस दौरान 18 से 25 जुलाई के बीच कोरोना के 1.4 लाख मामले आए थे। तब से दो हफ्ते से अधिक की तीन छोटी अवधि को छोड़कर, कोरोना मामलों में लगातार गिरावट आ रही है। वीकली केस 23 से 29 जनवरी के बीच अपने सबसे निचले स्तर 70 प्रतिशत पर पहुंच गए थे। 27 फरवरी से 5 मार्च के बीच सबसे ज्यादा कोरोना के मामले दक्षिण भारत और महाराष्ट्र में आए। इनमें 473 मामले कर्नाटक में आए जो हफ्ते पहले मिले 230 से काफी ज्यादा है। वहीं केरल में पिछले हफ्ते 410 मामले आए, जबकि दो हफ्ते पहले 298 मामले आए थे।

एच3एन2 इन्फ्लुएंजा से देश में पहली बार 2 मौतें

नई दिल्ली, 10 मार्च (एजेंसियां)। देश में कोविड की तरह फैल रहे एच3एन2 इन्फ्लुएंजा से पहली बार मौतों की खबर सामने आई है। मीडिया रिपोर्ट्स में हेल्थ मिनिस्ट्री के सूत्रों के हवाले से दावा किया गया है कि हरियाणा और कर्नाटक में इन्फ्लुएंजा के एक-एक मरीजों की मौत हुई है। देश में अभी तक एच3एन2 के 90 केस सामने आए हैं। हरियाणा के मामले की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन कर्नाटक केस की जानकारी सामने आई है। मृतक का नाम हीरा गौड़ा है और उम्र 82 साल है। जिला स्वास्थ्य अधिकारी के मुताबिक, हीरा की एक मार्च को मौत हुई थी। वह डायबिटीज और हाइपरटेंशन का मरीज था। जांच के दौरान उनका सैंपल लिया गया था। 6 मार्च को सामने आया कि वह एच3एन2 से संक्रमित था।

एम्स के पूर्व निदेशक डॉ. रणदीप गुलेरिया ने पिछले दिनों एच3एन2 इन्फ्लुएंजा से लोगों को सावधान रहने की अपील की थी। उन्होंने कहा कि यह कोरोना के जैसे ही फैलता है। इससे बचने के लिए मास्क पहनें, सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करें और बार-बार हाथ धोते रहें। बुजुर्गों और पहले से ही किसी बीमारी से परेशान लोगों को इससे ज्यादा परेशानी हो सकती है।

ऑस्ट्रेलिया में मंदिरों पर हुए हमलों पर बोले पीएम मोदी

कहा-ऑस्ट्रेलिया के पीएम एंथनी एल्बनीज ने दिया भारतीयों की सुरक्षा का भरोसा

नई दिल्ली, 10 मार्च (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के पीएम एंथनी एल्बनीज और पीएम नरेंद्र मोदी दिल्ली के हैदराबाद हाउस में पहली इंडिया-ऑस्ट्रेलिया एनुअल समिट में हिस्सा ले रहे हैं। इस दौरान हुई संयुक्त प्रेस ब्रीफिंग में पीएम मोदी ने ऑस्ट्रेलिया में मंदिरों पर हमले की बात उठाई। उन्होंने कहा कि मैंने ऑस्ट्रेलिया में मंदिरों पर हमले की रिपोर्ट्स देखी हैं।

मैंने इस बारे में पीएम एल्बनीज को बताया और उन्होंने मुझे भरोसा दिलाया है कि ऑस्ट्रेलिया में भारतीय समुदाय की सुरक्षा और भलाई उनके लिए प्राथमिकता है। पीएम मोदी ने कहा कि हमारी टीमें दोनों देशों के बीच एक आर्थिक समझौते पर काम कर रही हैं। वहीं ऑस्ट्रेलिया पीएम ने कहा कि आज मैं और पीएम मोदी आर्थिक समझौते को जल्द से जल्द पूरा करने पर सहमत हुए हैं। मुझे उम्मीद है कि हम इसे साल के अंत तक फाइनल कर लेंगे। पीएम मोदी ने कहा, हमने आज इंडो-पैसेफिक

रीजन में समुद्री सुरक्षा पर भी चर्चा की। दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी में सुरक्षा सहयोग एक जरूरी पिलर है। दोनों पीएम के बीच द्विपक्षीय बैठक के साथ समिट की शुरूआत हुई। इसके बाद दोनों देशों के बीच डेलिगेशन स्तर की बातचीत हुई। इसमें पीएम मोदी के अलावा विदेश मंत्री एस जयशंकर और एनएसए अजीत डोभाल भी शामिल हुए। समिट के दौरान दोनों देशों के अधिकारियों ने एमओयू एक्सचेंज किए। ये एमओयू स्पोर्ट्स, सोलर टास्कफोर्स और ऑडियो-विजुअल को-प्रोडक्शन एग्रीमेंट से संबंधित थे।

एल्बनीज को राष्ट्रपति भवन में गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। ऑस्ट्रेलिया के पीएम ने कहा, मैं गर्मजोशी से स्वागत करने के लिए पीएम मोदी का धन्यवाद करता हूं। ऑस्ट्रेलिया और भारत बहुत अच्छे दोस्त हैं। हम पार्टनर्स हैं और अपनी पार्टनरशिप को हर दिन और मजबूत बना रहे हैं। हम भारत के साथ सहयोग करना चाहते हैं और संस्कृति, आर्थिक संबंधों और सुरक्षा के क्षेत्र में अच्छे संबंध बनाना चाहते हैं।

ऑस्ट्रेलियन पीएम ने कहा, क्रिकेट के मैदान में हम दुनिया का बेस्ट बनने के लिए कॉम्पिटिशन कर रहे हैं लेकिन हम साथ मिलकर दुनिया को बेहतर बना रहे हैं।

प्रवेश वर्मा के बिगड़े बोल

नई दिल्ली, 10 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी की दिल्ली इकाई ने आज आम आदमी पार्टी के कार्यालय के बाहर शराब घोटाले के खिलाफ प्रदर्शन किया। इसके साथ ही भाजपा ने दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल से इस्तीफा भी मांगा। यहीं पर भाजपा के कई बड़े नेताओं ने मंच से बयानबाजी की जिसमें सांसद प्रवेश वर्मा ने कुछ आपत्तिजनक बातें भी कह दीं। प्रवेश वर्मा ने केजरीवाल के खिलाफ आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल करते हुए कहा कि इसको इसकी औकात दिखाना जरूरी है। यहां प्रवेश वर्मा का इसको से मलतब केजरीवाल से था। अपने पूरे संबोधन में उन्होंने कुछ ऐसी ही भाषा का प्रयोग किया। प्रवेश वर्मा ने कहा, केजरीवाल घटिया आदमी है। इसका दिमाग खराब हो गया है। इसका दिमाग घूम गया है। प्रवेश वर्मा ने केजरीवाल की ओर इशारा करते हुए कहा कि, तू भी जेल में चक्की पीसेगा। सौरभ भी शराब घोटाले में लिप्त है, वो भी लपेटे में आएगा।

प्रवेश वर्मा ने आगे कहा, केजरीवाल को कोई बचा नहीं पाएगा। दिल्ली में भाजपा सरकार बनाएगी। ये लोग (आप कार्यकर्ता) भ्रष्टाचार में फंसते हैं तो भगत सिंह और गांधी याद आते हैं।

कर्नाटक चुनाव से पहले बीजेपी को लग सकता है बड़ा झटका

ये 2 मंत्री कांग्रेस का थाम सकते हैं दामन

बेंगलूरू, 10 मार्च (एजेंसियां)। कर्नाटक में सत्तारूढ़ बीजेपी को चुनाव से पहले बड़ा झटका लग सकता है. सूत्रों के अनुसार, बीजेपी आवास मंत्री वी. सोमन्ना और खेल व युवा सेवा मंत्री डॉ. के.सी नारायण गौड़ा पार्टी छोड़ कांग्रेस में शामिल हो सकते हैं. दरअसल, एक मार्च को बीजेपी नेता सोमन्ना ने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा की विजय संकल्प यात्रा में हिस्सा नहीं लिया था. बीजेपी सूत्रों का ये भी कहना है कि वो पिछले एक हफ्ते से बीजेपी के किसी भी कार्यक्रम या बैठक में शामिल नहीं हो रहे. सूत्रों ने दावा कर कहा, सोमन्ना को कांग्रेस की तरफ से ऑफर मिला है जिसे वो स्वीकार कर सकते हैं. वहीं, बीजेपी विधायक नारायरण गौड़ा भी पार्टी की विजय संकल्प यात्रा में शामिल नहीं हुए. सूत्रों ने बताया, 12 मार्च को नारायण बेंगलरु-मैसूर एक्सप्रेस्वे को समर्पित करने और पीएम मोदी की मांड्या जिले की यात्रा के बाद कांग्रेस का दामन थाम सकते हैं. खबर ये भी है कि स्थानीय कांग्रेस विधायकों ने उनका पार्टी में शामिल होने पर एतराज भी जताया है हालांकि अब इस विरोध पर काबू पा लिया गया है और जल्द नारायण बीजेपी छोड़ कांग्रेस में शामिल हो सकते हैं. बता दें, कर्नाटक में अप्रैल-मई में विधानसभा चुनाव होने की उम्मीद है. राज्य में 224 विधानसभा सीटों के लिए चुनाव होगा जिसमें सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी एक बार फिर से वापसी करने की कोशिश में एड़ी चोटी का दम लगाए हुए है. ऐसे में दो मंत्रियों का पार्टी छोड़ कांग्रेस में शामिल होना बीजेपी के लिए बड़ा झटका के तौर पर देखा जा सकता है.

सत्तापक्ष के लिए चीयरलीडर नहीं हो सकते उपराष्ट्रपति : जयराम रमेश

नई दिल्ली, 10 मार्च (एजेंसियां)। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को किसी पार्टी का पक्ष नहीं रखना चाहिए। वह अब एक संवैधानिक पद पर हैं। असल में धनखड़ ने गुरुवार को एक कार्यक्रम में बिना राहुल गांधी का नाम लिए कहा था कि विदेशी धरती से यह कहना गलत है भारतीय संसद में विपक्ष का माइक बंद कर दिया जाता है।

यह कहना देश और संविधान का अपमान करना और मिथ्या प्रचार करना है।

इस मुद्दे पर जयराम रमेश ने शुक्रवार को ट्वीट कर कहा कि भारत के उपराष्ट्रपति ने राहुल गांधी द्वारा यूनाइटेड किंगडम में

दिए गए भाषण पर कुछ टिप्पणी की। कुछ पद ऐसे होते हैं जिन पर आसीन होने पर हमें अपने पूर्वाग्रह, पार्टी विशेष के प्रति निष्ठाओं को त्यागना होता है। भारत के उपराष्ट्रपति का पद भी ऐसा ही पद है, जिसे हमारा संविधान राज्यसभा के सभापति होने की अतिरिक्त जिम्मेदारी भी प्रदान करता है। ऐसे में उपराष्ट्रपति को राजनीतिक बयान से बचना चाहिए। रमेश ने कहा कि राहुल गांधी ने विदेश में ऐसा कुछ नहीं कहा है जो उन्होंने यहां कई बार नहीं कहा हो। राहुल गांधी का बयान तथ्यात्मक और जमीनी वास्तविकता को दर्शाता है। पिछले दो सप्ताह में संसद के 12 से ज्यादा विपक्षी सदस्यों को विशेषाधिकार हनन का नोटिस दिया गया,

क्योंकि उन्होंने संसद के भीतर एक ऐसे मुद्दे पर अपनी आवाज दबाए जाने का विरोध किया था, जो सत्ता पक्ष के लिए असुविधाजनक है। पिछले आठ सालों में, चैनलों और समाचार पत्रों को ब्लैक आउट किया गया है, छापे मारे गए हैं, और इस हद तक धमकाया गया है कि अब केवल सरकार की ही आवाज सुनाई देती है। रमेश ने कहा कि आपातकाल भले ही घोषित नहीं किया गया है, लेकिन सरकार के कदम वैसे नहीं हैं जैसा कि संविधान का सम्मान करने वाली सरकार के होते हैं। राज्यसभा के सभापति, यद्यपि, सभी के लिए अंपायर, रेफरी, मित्र और मार्गदर्शक हैं। वह किसी सत्तापक्ष के लिए चीयरलीडर नहीं हो सकते। उल्लेखनीय है कि धनखड़ गुरुवार को एक कार्यक्रम के दौरान बिना राहुल गांधी का नाम लिए कहा था कि विदेशी धरती से यह कहना मिथ्या प्रचार और देश का अपमान है कि भारतीय संसद में विपक्ष का माइक बंद कर दिया जाता है। धनखड़ के इस बयान पर कांग्रेस ने आपत्ति जताई है। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि उपराष्ट्रपति सत्ता पक्ष का मत रख रहे हैं।

उद्धव ठाकरे गुट को झटका

सदानंद कदम को ईडी ने किया गिरफ्तार

मुंबई, 10 मार्च (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे गुट को एक और झटका लगा है. प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार को महाराष्ट्र सरकार में मंत्री रह चुके और उद्धव ठाकरे गुटे के नेता अनिल परब के बेहद करीबी सदानंद कदम को गिरफ्तार किया है. सदानंद कदम की गिरफ्तारी दापोली साईं रिसॉर्ट से संबंधित घोटाले में हुई है. बता दें कि सदानंद कदम एकनाथ शिंदे गुट के नेता रामदास कदम के छोटे भाई हैं. आरोप है कि महाराष्ट्र के रत्नीगिरी के दापोली इलाके में स्थित साईं रिसॉर्ट को अवैध तरीके से बनाया गया है. इसमें कथित रूप से सदानंद कदम और पूर्व परिवहन मंत्री अनिल परब दोनों पार्टनर हैं. घोटाले का आरोप बीजेपी नेता किरीट सोमैया ने लगाया है. जानकारी के मुताबिक, रत्नागिरी से गिरफ्तार किए सदानंद कदम को ईडी के अधिकारी मुंबई लेकर आ रहे हैं. ईडी के मुंबई ऑफिस में सदानंद कदम से पूछताछ की जाएगी. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, ईडी की टीम ने सदानंद कदम को रत्नागिरी गांव के कुदोशी स्थित अनिकेत फार्म हाउस से गिरफ्तार किया है. सदानंद कदम की गिरफ्तारी पर बीजेपी नेता किरीट सोमैया ने ट्विटर पर प्रतिक्रिया दी. उन्होंने लिखा, सदानंद कदम को गिरफ्तार कर लिया गया है.

जब जस्टिस चंद्रचूड़ से ही आईएएस अफसर ने पूछा

कहां रह गए जस्टिस चंद्रचूड़? जानिये मजेदार किस्सा

नई दिल्ली, 10 मार्च (एजेंसियां)। 50वें चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया डीवाई चंद्रचूड़ अपनी उदारवादी छवि के लिए मशहूर हैं। कविताई अंदाज में जजमेंट लिखने के लिए मशहूर जस्टिस चंद्रचूड़ का सेंस ऑफ ह्यूमर भी गजब का है। इससे जुड़े कई किस्से हैं। ऐसा ही एक किस्सा एडवोकेट मानसी चौधरी ने अपने ब्लॉग में शेयर किया है। मानसी उस वक्त जस्टिस चंद्रचूड़ की सहकर्मी थीं, जब वो सुप्रीम कोर्ट के जज हुआ करते थे। मानसी चौधरी ने साल 2019 में जस्टिस चंद्रचूड़ के 60वें जन्मदिन के मौके पर लिखे ब्लॉग में उनसे जुड़े तमाम किसने साझा किए थे। बताया था कि किस तरीके से जस्टिस चंद्रचूड़ अपने सहकर्मियों का ख्याल रखते हैं और अपने सेंस ऑफ ह्यूमर से सबका दिल जीत

लेते हैं। मानसी लिखती हैं कि जस्टिस चंद्रचूड़ अक्सर ऑफिस में हम लोगों को तमाम मजेदार किस्से सुनाया करते थे। ऐसा ही एक किस्सा तब का है जब जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ इलाहाबाद हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस हुआ करते थे। एक बार एक सरकारी कार्यक्रम में उन्हें बतौर चीफ गेस्ट आमंत्रित किया गया। उस कार्यक्रम में जस्टिस चंद्रचूड़ की अगवानी और स्वागत की जिम्मेदारी एक वरिष्ठ आईएएस अफसर को मिली। उस आईएएस अफसर को लग रहा था कि जस्टिस चंद्रचूड़ भारी-भरकम काफिले के साथ आएंगे, लेकिन वह बहुत साधारण अंदाज में कार्यक्रम में पहुंचे। वहां पहुंचने पर अफसर ने जस्टिस चंद्रचूड़ को पहचाना नहीं और उसे लगा कि यह चीफ जस्टिस के सेक्रेटरी हैं। आईएएस ने जस्टिस चंद्रचूड़ से सवाल किया- 'जस्टिस चंद्रचूड़ कहां हैं'? आईएएस अफसर के सवाल पर जस्टिस चंद्रचूड़ ने मुस्कुराते हुए जवाब दिया 'पीछे से आ रहे हैं...' और चुपचाप अंदर चले गए। बाद में जब उस आईएएस को पता लगा तो बहुत शर्मिंदा हुए।

स्कूल के दिनों में 'डैनी' पड़ गया था नाम

चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया डीवाई चंद्रचूड़ शास्त्रीय संगीत में भी पारंगत हैं और उन्हें यह कला अपनी मां से मिली है। उनकी मां ऑल इंडिया रेडियो पर संगीत के कार्यक्रम प्रस्तुत करती थीं। जस्टिस चंद्रचूड़ को क्रिकेट में भी खासी दिलचस्पी है। स्कूल के दिनों में उनके दोस्त उन्हें 'डैनी' कहकर पुकारा करते थे। चर्चित लेखिका शोभा डे 'द वीक' पर अपने कॉलम में लिखती हैं कि चंद्रचूड़ के माता-पिता ने उन्हें बचपन में 'धनु' नाम दिया था। मराठी में इसका मतलब होता है मेधावी या तेज-दिमाग वाला।

4 वर्षीय बच्ची की मौत मामले में बड़ा खुलासा, रेप के बाद हत्या की आशंका

नई दिल्ली, 10 मार्च (एजेंसियां)। द्वारका नार्थ थाना इलाके में रहने वाली चार साल की बच्ची की मौत मामले में पोस्टमार्टम रिपोर्ट ने खेल-खेल में हुई मौत की थ्योरी को बदल दिया है. रिपोर्ट में यह बताया गया की उसके साथ सेक्सुअल असॉल्ट (यौन उत्पीड़न) हुआ है. इस खुलासे के बाद पुलिस ने बच्ची से रेप, पॉक्सो एक्ट और मर्डर का केस दर्ज कर लिया है. अब इस मामले में पुलिस नए सिरे से जांच कर मामले का खुलासा करने में लगी हुई है. द्वारका नार्थ थाने के इस मामले में पुलिस को शक है कि इस बच्ची को किसी ने मारने के बाद उसे हादसे का रूप देने के लिए खेल-खेल में खुदकुशी में बदलने की कोशिश की थी. द्वारका डिस्ट्रिक्ट के एक पुलिस ऑफिसर ने बताया 4 मार्च को तारक हॉस्पिटल से इस मामले की सूचना मिली थी.

दिल्ली की नई शिक्षा मंत्री आतिशी ने संभाला कार्यभार, बोलीं- मनीष सिसोदिया बेकसूर

नई दिल्ली, 10 मार्च (एजेंसियां)। आप विधायक आतिशी को उपराज्यपाल वी. के.सक्सेना ने कल मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की उपस्थिति में मंत्री पद की शपथ दिलाई थी. आतिशी को शिक्षा, लोकनिर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी), ऊर्जा और पर्यटन विभाग का कार्यभार दिया गया है. दिल्ली की नई शिक्षा मंत्री आतिशी ने कहा कि हमारी नजर में मनीष सिसोदिया ही शिक्षा मंत्री थे, शिक्षा मंत्री हैं और शिक्षा मंत्री रहेंगे. जो काम उन्होंने दिल्ली वालों के लिए किया उस काम को जब तक वह बाहर नहीं आते हम संभाल कर रखेंगे, उतनी ही मेहनत और लगन से काम करेंगे. मनीष जी की तरह मैं भी दिल्ली के सरकारी स्कूलों पर काम करूंगी. आतिशी ने आगे कहा कि दिल्ली की जनता बहुत समझदार है. वह देख रही है कि एक तरफ बीजेपी के नेता से करोड़ों रुपए मिलता है. लेकिन उनको कोई जेल में नहीं डालता, दूसरी तरफ मनीष जी और सत्येंद्र जी हैं जिनके यहां एक पैसे का सबूत नहीं मिला. गिरफ्तार करना केंद्र सरकार के हाथ में हैं. पूरा देश जानता है कि मनीष जी बेकसूर हैं. जब मनीष जी और सत्येंद्र जी बाहर आएंगे तो वही पदभार संभालेंगे. दिल्ली के उप मुख्यमंत्री रहे मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन के इस्तीफे के बाद मंत्रिमंडल में दो पद खाली हुए थे. सिसोदिया और जैन क्रमशः भ्रष्टाचार और धन शोधन के मामलों में इस समय दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद हैं. सिसोदिया को केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने 26 फरवरी को दिल्ली आबकारी नीति 2021-22 तैयार करने में कथित भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तार किया था। वह 20 मार्च तक न्यायिक हिरासत में हैं.

महिला की चेन छीनने आया स्नैचर, 10 साल की लड़की ने किया ऐसा मुकाबला

मुंबई, 10 मार्च (एजेंसियां)। चेन स्नैचर सड़कों पर बेखौफ होकर किसी के भी गले पर हाथ साफ करके चले जाते हैं। आए दिन किसी ना किसी चेन स्नैचिंग के सीसीटीवी वीडियो सामने आते रहते हैं। लेकिन महाराष्ट्र के पुणे शहर से एक ऐसी सीसीटीवी वीडियो आई है जिसमें एक छोटी बच्ची ने अपनी बहादुरी से चेन स्नैचर के इरादों पर पानी फेर दिया। पुणे में एक 10 साल लड़की ने अपनी दादी की चेन छीनने आए एक चेन स्नेचर का डटकर मुकाबला किया।

पीएम मोदी करें मदद तो हमें मिल जाएगी हमारी बच्ची

जर्मन कस्टडी में 3 साल की बच्ची की मां का दर्द

मुंबई, 10 मार्च (एजेंसियां)। भारत का एक परिवार जर्मनी में अपनी बच्ची को हासिल करने की लड़ाई लड़ रहा है. तीन साल की बच्ची पिछले डेढ़ साल से जर्मन चाइल्ड सर्विस अथॉरिटी की कस्टडी में है. कथित रूप से बच्ची के प्राइवेट पार्ट में चोट को डॉक्टर ने डोमेस्टिक वायलेंस करार देकर उसकी कस्टडी चाइल्ड सर्विस को दे दी थी, जहां बच्ची के माता-पिता उसकी कस्टडी वापस लेने की जतन कर रहे हैं. वे हाल ही में मुंबई लौटे हैं और एक प्रेस कांफ्रेंस में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से हत्तक्षेप की अपील की है. मुंबई में एक

प्रेस कॉन्फ्रेंस में बच्ची की मां ने कहा, "सितंबर 2021 में हमारी बेटी को जर्मन चाइल्ड सर्विस उठा ले गई. गलती से उसके प्राइवेट पार्ट में चोट लग गई थी और हम उसे डॉक्टर के पास ले गए थे. डॉक्टर ने हमें यह कहकर वापस भेज दिया कि वह ठीक थी. फिर हम रूटीन चेक-अप के लिए गए और डॉक्टर ने मेरी बेटी को फिर से ठीक बताया, लेकिन डॉक्टरों ने इस बार, चाइल्ड सर्विस को बुला लिया और उन्हें मेरी बेटी की कस्टडी दे दी." बच्ची की मां ने बताया कि हमें बाद में पता चला कि उस चोट को लेकर डॉक्टर को यौन शोषण का शक था.

लड़की पर तेजाब फेंकने वाला मुख्य आरोपी चढ़ा पुलिस के हत्थे

भुवनेश्वर, 10 मार्च (एजेंसियां)। देश के अलग-अलग हिस्सों में एसिड की घटनाएं सामने आती रहती हैं. ताजा मामला ओडिशा के बालासोर का सामने आया है जहां एसिड पीड़िता की छह दिन बाद इलाज के दौरान मौत हो गई थी. इस मामले में जिला पुलिस ने मुख्य आरोपी के साथ तेजाब बेचने वाले को भी गिरफ्तार कर लिया है. बालासोर एसपी सागरिका नाथ के मुताबिक घटना 20 फरवरी की है. एक लड़की पर तेजाब फेंकने का मामला सामने आया था. इस घटना की पीड़िता को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था. लेकिन उसकी घटना के 6 दिन बाद ही मौत हो गई थी. एसपी का कहना है कि इस मामले के मुख्य आरोपी जिसका नाम चंदन राणा है, को गिरफ्तार कर लिया है. इसके अलावा तेजाब बेचने वाले को भी पुलिस ने धरदबोचा है. पुलिस के मुताबिक इस मामले में अब तक 7 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है.

केरल के लिए कहीं काल न बन जाए गर्मी! मार्च में ही पारा 54 डिग्री पहुंचा! खतरे का अलर्ट जारी

तिरुवनंतपुरम, 10 मार्च (एजेंसियां)। केरल, जिसने कुछ महीने पहले तक अत्यधिक बारिश का अनुभव किया था, अब मार्च के महीने में ही तापमान के अभूतपूर्व स्तर तक बढ़ने के साथ भीषण गर्मी का सामना कर रहा है. भारत के इस तटीय राज्य में गर्मी के मौसम ने अभी दस्तक ही दी है, और तापमान में बढ़ोतरी देखी जा रही है. केरल राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा तैयार की गई एक रिपोर्ट के अनुसार, राज्य के कुछ हिस्सों में तापमान 54 डिग्री सेल्सियस से अधिक दर्ज किया गया, जो गंभीर स्वास्थ्य जोखिम और हीट स्ट्रोक की संभावना पैदा करता है. तापमान का यह स्तर उस गर्मी की ओर इशारा करता है, जो वायुमंडलीय तापमान और आर्द्रता के संयुक्त प्रभाव से अनुभव होती है. कई विकसित देश सार्वजनिक स्वास्थ्य चेतावनी जारी करने के लिए 'तापमान जैसा महसूस होता है' रिकॉर्ड करने के लिए हीट इंडेक्स का उपयोग करते हैं. इसके अनुसार, तिरुवनंतपुरम जिले के दक्षिणी सिरे और अलप्पुझा, कोट्टायम और कन्नूर जिलों के कुछ क्षेत्रों में तापमान 54 डिग्री सेल्सियस से अधिक जैसा महसूस किया गया. तिरुवनंतपुरम, कोल्लम, अलप्पुझा, कोट्टायम, एर्नाकुलम, कोझिकोड और कन्नूर के प्रमुख क्षेत्रों में भी गुरुवार को 45-54 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया. केरल राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने कहा कि इन जगहों पर लंबे समय तक घर से बाहर रहने और फिजिकल एक्टिविटी के कारण हीट स्ट्रोक का खतरा हो सकता है. आम तौर पर, पूरे कासरगोड, कोझिकोड, मलप्पुरम, कोल्लम, पठानमथिट्टा और एर्नाकुलम में हीट इंडेक्स 40-45 डिग्री सेल्सियस तक होता ही है, जो लंबे समय तक धूप में रहने पर थकान का कारण बन सकता है. इडुक्की और वायनाड जैसे पहाड़ी जिलों के कुछ हिस्सों में ही 29 डिग्री सेल्सियस से नीचे का हीट इंडेक्स है. गर्मियों के दौरान आम चलन के विपरीत, इस साल अब तक पलक्कड़ में कम गर्मी पड़ रही है,

जिले में 30-40 डिग्री सेल्सियस का हीट इंडेक्स है. इडुक्की जिले के अधिकांश क्षेत्रों में भी तापमान इसी श्रेणी में दर्ज किया गया है. जैसा कि राज्य में तापमान बढ़ रहा है, केएसडीएमए, आईएमडी की स्वचालित मौसम मानचित्रण सुविधाओं का उपयोग करके हीट इंडेक्स मैप तैयार करता है. आईएमडी के तिरुवनंतपुरम केंद्र ने इस रिपोर्ट पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है. स्वास्थ्य अधिकारियों ने लोगों से अनुरोध किया है कि वे बाहर जाते समय अतिरिक्त सावधानी बरतें और खुद को तेज गर्मी से बचाने के लिए अच्छी तरह से हाइड्रेट रहें.

'30 करोड़ का ऑफर, सीएम विजयन का नाम मत लेना नहीं तो...

केरल सोना तस्करी केस में स्वप्ना सुरेश को मिली फोन पर धमकी

तिरुवनंतपुरम, 10 मार्च (एजेंसियां)। केरल सोना तस्करी मामले की मुख्य आरोपी स्वप्ना सुरेश ने विस्फोटक दावा किया. स्वप्ना ने फेसबुक लाइव पर कहा कि उन्हें एक फोन कॉल पर 30 करोड़ रुपये की पेशकश की गई, और देश छोड़कर कही और बसने के लिए कहा गया, साथ ही उन्हें मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन के बारे में कुछ भी नहीं बोलने के लिए कहा गया. अगर वह ऐसा नहीं करती तो उन्हें और उनके परिवार को गंभीर परिणाम भुगतने पड़ेंगे. स्वप्ना के मुताबिक सीपीआईएम सचिव गोविंदन मास्टर ने उन्हें जान से मारने की धमकी दी. रिपोर्ट के अनुसार, स्वप्ना ने बताया, "एम. शिवशंकर (केरल के मुख्यमंत्री के पूर्व प्रमुख सचिव) के असली रंग का पता चलने के बाद मैंने सच्चाई का खुलासा करना शुरू किया. मुझे विजय पिल्लई नाम के एक व्यक्ति का एक गुमनाम फोन कॉल आया. वह समझौता करना चाहता था. विजय ने मुझे बेंगलुरु से बाहर चले जाने के लिए कहा. यह सब कुछ सीपीएम

पार्टी के सचिव गोविंदन मास्टर ने मुझे धमकाने के लिए किया. उन्होंने मुझे पिनाराई विजयन, उनकी बेटी और व्यवसायी युसुफ अली के बारे में मुंह बंद रखने के लिए कहा है. उन्होंने मुझे 30 करोड़ रुपये की पेशकश की." स्वप्ना ने बताया, "मेरा सीएम पिनाराई विजयन या उनके परिवार के साथ कोई व्यक्तिगत एजेंडा नहीं है और न ही मैं उनके राजनीतिक करियर को नष्ट करना चाहती हूं. मुझे साफ-साफ कहा गया था कि सीपीएम सचिव गोविंदन मास्टर मेरी जिंदगी खत्म कर देंगे. इस व्यक्ति ने मुझसे कहा कि वह मुझे निर्णय लेने के लिए 2 दिन का समय देगा. मैंने अपने वकील को उनके फोन नंबर और ईमेल पते का विवरण भेज दिया है." उन्होंने कहा, "मैं सीएम को उनके मुंह पर बताना चाहती हूं, मैं अंत तक लड़ने जा रही हूं. मेरे पास ऐसे लोग हैं जो मुझ पर भरोसा करते हैं. यदि मैं जीवित रही, तो मैं आपके पूरे व्यापारिक साम्राज्य का पर्दाफाश कर दूंगी और मुझे धमकी देने के बारे में कभी न सोचें और न ही हिम्मत करें. मैं दुनिया के सामने आपका असली चेहरा उजागर कर दूंगी." स्वप्ना ने कहा, "मैं किसी समझौते के लिए तैयार नहीं हूं और मैं आखिरी सांस तक लड़ने जा रही हूं. उन्होंने (विजय पिल्लई) मुझसे साफ कहा कि गोविंदन मास्टर मेरी जिंदगी खत्म कर देंगे. मैं उस व्यक्ति की पूरी जानकारी मीडिया को दूंगी. मैं बेंगलुरु से भागने वाली नहीं हूं. मैं यहीं हूं. कृपया मेरे जीवन के लिए प्रार्थना करें." पिछले साल अक्टूबर में स्वप्ना सुरेश ने आरोप लगाया था कि पिनाराई विजयन विकास की आड़ में अपनी बेटी वीना विजयन और अपने परिवार की आने वाली पीढ़ियों के लिए राज्य में प्रोजेक्ट बना रहे हैं. मुख्यमंत्री की परियोजनाएं कमीशन कमाने के लिए है. वह विकास के आड़ में अपनी बेटी और उनकी आने वाली पीढ़ियों के लिए अनुचित कमीशन कमाना चाहते हैं. गौरतलब है कि सोने की तस्करी का यह मामला पांच जुलाई 2020 को कोच्चि स्थित सीमा शुल्क (निवारक) आयुक्तालय द्वारा त्रिवेंद्रम अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे के एयर कार्गो में एक राजनयिक सामान से 30 किलोग्राम सोना जब्त किए जाने से संबंधित है. खेप को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से कथित तौर पर राजनयिक सामान में छिपाकर लाया गया था, जिसे विएना संधि के अनुसार जांच से छूट हासिल है.

इंस्टाग्राम पर नकली नोटों का कारोबार

नोट की जगह ठगों ने बेचे चूरन वाले नोट

नई दिल्ली, 10 मार्च (एजेंसियां)। फर्जी आई डी इस्टाग्राम पर नकली नोट (चूरन वाले नोट) बेचने वाले एक आरोपी दिल्ली पुलिस-स्पेशल की आईएफएसओ (इंटेलिजेंस फ्यूजन एंड स्ट्रैटेजिक ऑपरेशंस) यूनिट ने गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी की पहचान बाड़मेर, राजस्थान निवासी मुलाराम (22) के रूप में हुई है। आरोपी इंस्ट्राग्राम पर रुपये लेकर दोगुने नोट देने की बात कर लोगों के साथ ठगी करता था। इसकी गिरफ्तारी वित्त मंत्रालय, भारत सरकार की गई शिकायत के बाद की गई है। इसके पास से वारदात में इस्तेमाल दो मोबाइल के अलावा 500 के चार नकली नोट, 100 के 731 नकली नोट बरामद हुए। वहीं 500 के दो और 100 के 17 असली नोट मिले। बरामद नकली नोट चूरन वाले थे। आरोपी इनका वीडियो बनाकर इंस्टग्राम पर डालता था। इसको देखकर लोग इसके जाल में फंस जाते थे। इससे पूर्व आरोपी जिगोलो क्लब के नाम पर लोगों के साथ ठगी कर रहा था। आईएफएसओ के पुलिस उपायुक्त प्रशांत पी गौतम ने बताया पिछले माह उनकी टीम को वित्त मंत्रालय, भारत सरकार के उप-सचिव की ओर से एक शिकायत मिली थी। शिकायत में कहा गया था कि कोई अज्ञात शख्स इंस्टाग्राम पर आईडी बनाकर लोगों को नकली नोट ऑन लाइन सप्लाई कर रहा है। फौरन इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया गया।

पोस्ट कर बेचता था नोट

डीसीपी ने बताया कि उसने आरोपी नोटों को भेजने का वीडियो बनाकर इंस्टाग्राम पर अपलोड कर देता था। पुलिस ने आरोपी के पास से वारदात में इस्तेमाल दो मोबाइल, वीडियोा बनाने में इस्तेमाल माइक, कुछ नकली व कुछ कैश बरामद किया है। आरोपी नकली नोटों का धंधा करने से पूर्व जिगोलो क्लब में शामिल करने के नाम पर नौजवान लडक़ों को ठगी करता था। पुलिस इससे पूछताछ कर मामले की छानबीन कर रही है। आईएफएसओ के पुलिस उपायुक्त प्रशांत पी गौतम ने बताया कि जांच के लिए एसीपी संजीव कुमार, एसआई मनीष, शुभम व अन्यों की टीम का गठन किया गया। आरोपी को पकडने के लिए एक नकली ग्राहक का इंतजाम कर आरोपी से इंस्टाग्राम पर संपर्क किया गया। आरोपी ने 3000 रुपये के बदले 6000 रुपये भेजने की बात की। आरोपी द्वारा उपलब्ध कराए गए यूपीआई लिंक पर रुपये भेज दिए गए। आरोपी ने अमेजन के जरिये नकली नोट भेजने की बात की। लेकिन उसे भनक लग गई कि पुलिस ने उसके लिए जाल बिछाया है। आरोपी फरार हो गया। एक टीम को तुरंत उसकी तलाश में बाड़मेर-राजस्थान भेजा गया। लेकिन आरोपी वहां से फरार हो गया।

इसके बाद उसकी लोकेशन तेलंगाना, हरियाणा, दिल्ली और राजस्थान की मिली। वह लगातार पुलिस को चकमा देता रहा। कई दिनों की मशक्कत के बाद आरोपी को रानीवाड़ा, जालोर, राजस्थान से दबोच लिया गया। पुलिस की पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह 10वीं तक पढ़ा है। वह ठगी की रकम पांच अलग-अलग खातों में मंगवाता था। यूपीआई से कैश लेने के बाद चूरन वाले नोटों का पार्सल बनाकर कूरियर कर देता था। कूरियर करते समय यह कभी असली पता नहीं लिखवाते थे। पुलिस पकड़े गए आरोपी से पूछताछ कर मामले की छानबीन कर रही है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

शनिवार, 11 मार्च, 2023 3

सुविचार

बात तो सिर्फ विश्वास की होती है 100-200 के ताले के भरोसे हम लाखों का सामान रख देते हैं...

कविता को भूख हड़ताल का कोई नैतिक अधिकार नहीं : बंडी

भाजपा सरकार ने महिलाओं के लिए बहुत कुछ किया

हैदराबाद, 10 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य भाजपा अध्यक्ष बंदी संजय कुमार ने कहा है कि भारत राष्ट्र समिति की विधान परिषद सदस्य विधायक के. कविता को महिला आरक्षण विधेयक पर दीक्षा लेने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। यह एक खुला रहस्य है कि बीआरएस में एकमात्र ज्ञात महिला केसीआर की बेटी है। तेलंगाना जागृति में भी कविता के अलावा कोई और महिला नहीं है। महिला बिल पर दीक्षा लेने के लिए लोग उन पर हंस रहे हैं। हैदराबाद में पार्टी मुख्यालय में महिला भाजपा नेताओं के 'महिला गोसा-भाजपा भरोसा' धरने को संबोधित करते हुए उन्होंने जानना चाहा कि गुरुवार को केसीआर द्वारा बुलाई गई कैबिनेट बैठक में महिला विधेयक पर चर्चा क्यों नहीं हुई, बीआरएस सांसदों ने इस मुद्दे को सदन में क्यों नहीं उठाया। संसद में और केंद्र में बीआरएस के सत्ता में आने पर महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने का कोई आश्वासन नहीं दिया गया। संजय ने इस बात पर भी आश्चर्य जताया कि केसीआर तेलंगाना में महिलाओं के लिए इस 33 प्रतिशत कोटा का पालन क्यों नहीं कर रहे हैं। कैबिनेट गठन, सांसदों और विधायकों को पार्टी के टिकटों के वितरण और बीआरएस संगठनात्मक ढांचे में में ऐसा कुछ नहीं हो रहा है। महिला आरक्षण विधेयक पर भाजपा की ईमानदारी पर संदेह करने के लिए कविता पर बरसते हुए संजय ने याद दिलाया कि अटल बिहारी वाजपेयी के शासन के दौरान, तत्कालीन एनडीए सरकार ने 13 जुलाई, 1998 को विधेयक पेश किया था, लेकिन राष्ट्रीय जनता दल ने इसे फाड़ दिया था। . उन्होंने कहा, 'यहां तक कि 1999, 2002 और 2003 में तत्कालीन एनडीए सरकार ने महिला आरक्षण विधेयक पेश किया था, लेकिन विपक्षी दलों ने इसका विरोध किया था। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने महिलाओं को अत्यधिक सम्मान दिया है। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि 11 महिलाओं को मोदी कैबिनेट में शामिल किया गया था, उनमें से कुछ को प्रमुख पोर्टफोलियो मिले - जैसे सुषमा स्वराज पहली विदेश मंत्री और निर्मला सीतारमन पहली रक्षा मंत्री के रूप में मंत्री और वित्त मंत्री। एक आदिवासी महिला को भारत का राष्ट्रपति बनाया गया है। आठ महिलाओं को राज्यपाल और चार को मुख्यमंत्री बनाया गया। तीनों सैन्य बलों में महिलाओं को प्रमुख स्थान दिया गया था। इसी तरह मोदी ने नौ करोड़ महिलाओं को गैस कनेक्शन दिए। सौभाग्य योजना के तहत 2.5 करोड़ लोगों को बिजली कनेक्शन, 3 करोड़ महिलाओं के लिए घर और 25 करोड़ महिलाओं के लिए 25 करोड़ जन धन बैंक खाते खोले गए। दूसरी ओर, केसीआर सरकार ने महिलाओं के लिए कुछ नहीं किया। जब सड़कों पर महिलाओं की हत्या हो रही थी, अत्याचार हो रहे थे और छात्रावासों में सुविधाओं की कमी से पीड़ित थे, तो यह मूक दर्शक बनी हुई थी। उन्होंने कहा कि महिलाएं दो झंडों से डरती हैं - बीआरएस और एआईएमआईएम, क्योंकि वे महिलाओं पर अत्याचार के आरोपियों की रक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा, 'कविता के लिए महिलाओं के लिए दीक्षा लेना शर्मनाक है, जबकि वह शराब के धंधे में शामिल थी, जो महिलाओं के जीवन को बर्बाद कर रहा है।' उन्होंने आरोप लगाया कि कविता की दीक्षा केवल शराब माफिया से लोगों का ध्यान हटाने के लिए थी। दूसरी ओर, उसके पिता और भाई भाजपा के खिलाफ बेकार की टिप्पणियां कर रहे हैं। उन्हें याद रखना चाहिए कि भ्रष्ट लोगों को बख्शने का कोई सवाल ही नहीं है।

अदालत ने सोमवार तक अविनाश रेड्डी की गिरफ्तारी पर रोक लगाई

हैदराबाद, 10 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना उच्च न्यायालय ने सीबीआई को वाईएस विवेकानंद रेड्डी की हत्या के मामले में सोमवार तक कडप्पा सांसद वाईएस अविनाश रेड्डी को गिरफ्तार नहीं करने के लिए कहा है। इसने सीबीआई को सोमवार को उसके समक्ष मामले का पूरा विवरण प्रस्तुत करने के लिए भी कहा है। अदालत ने सांसद द्वारा दायर एक याचिका पर सुनवाई करते हुए आदेश पारित किया, जिसमें सीबीआई को हत्या के मामले में उनके खिलाफ कोई प्रतिकूल कार्रवाई नहीं करने के आदेश जारी करने का आग्रह किया गया था। मामले पर बहस करते हुए सांसद के वकील ने अदालत से कहा कि उन्हें सीबीआई पर सांसद के बयान को उचित तरीके से दर्ज करने के बारे में भरोसा नहीं है। दलील का जवाब देते हुए, सीबीआई के वकील ने एचसी को बताया कि वे अपनी पूछताछ की वीडियो रिकॉर्डिंग कर रहे थे। एचसी ने सीबीआई से वीडियो रिकॉर्डिंग की स्थिति के बारे में पूछा। सीबीआई के वकील ने एचसी को बताया कि सीबीआई के एसपी राम सिंह अदालत में अपनी जांच के ऑडियो और वीडियो रिकॉर्डिंग की हार्ड डिस्क लाए थे और कहा कि वे मामले की फाइल अदालत को सौंपने के लिए तैयार हैं।

एनआईएसए हैदराबाद में सीआईएसएफ स्थापना दिवस परेड कल

पहली बार राजधानी क्षेत्र से बाहर हो रही है परेड

हैदराबाद, 10 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। अपनी स्थापना के बाद पहली बार, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) रविवार, 12 मार्च को हैदराबाद में राष्ट्रीय औद्योगिक सुरक्षा अकादमी (एनआईएसए) में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के बाहर अपनी स्थापना दिवस परेड का आयोजन कर रहा है। केंद्रीय गृह मंत्री, अमित शाह 54 वें स्थापना दिवस परेड की समीक्षा करेंगे, जो 1969 में सीआईएसएफ की स्थापना के उपलक्ष्य में प्रतिवर्ष आयोजित की जाती है। सीआईएसएफ के इतिहास में यह पहली बार है कि स्थापना दिवस परेड नई दिल्ली से बाहर आयोजित की जा रही है। एडीजी नार्थ पीयूष आनंद, एडीजी एपीएस ज्ञानेन्द्र सिंह मलिक, एडीजी साउथ जगवीर सिंह, एनआईएसए के निदेशक के. सुनील इमानिया ने बताया कि यह सरकार का निर्देश है कि हमें देश की जनता के बीच रहना चाहिए। क्योंकि सीआईएसएफ एक अखिल भारतीय बल है और देश भर के लोगों को इस बल को करीब से देखना चाहिए। इसलिए, एक निर्णय लिया गया कि सीआईएसएफ को बारी-बारी से एनसीआर के बाहर जाना चाहिए। एनआईएसए सीआईएसएफ के लिए उत्कृष्टता का एक केंद्र है, इसलिए यह निर्णय लिया गया है कि स्थापना दिवस परेड यहां आयोजित की जाएगी।' परेड के दौरान एक वीरता और 22 राष्ट्रपति पुलिस पदक सहित कुल 23 पदक सराहनीय सेवा के लिए और राष्ट्रपति पुलिस पदक विशिष्ट सेवा के लिए प्रदान किए जाएंगे, जिसके बाद सीआईएसएफ और अग्निशमन कर्मियों द्वारा शानदार प्रदर्शन किया जाएगा। वर्तमान में, सीआईएसएफ के पास देश में 354 महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों को सुरक्षा प्रदान करने वाले 1.70 लाख कर्मियों की ताकत है, जिसमें 66 हवाई अड्डे, बंदरगाह, परमाणु और अंतरिक्ष प्रतिष्ठान, दिल्ली मेट्रो, इस्पात और बिजली संयंत्र शामिल हैं। सीआईएसएफ ओडिशा में इंफोसिस टेक्नोलॉजीज, बैंगलोर और पुणे, इलेक्ट्रॉनिक सिटी, बैंगलोर, टाटा स्टील कलिंगनगर सहित 11 निजी प्रतिष्ठानों को भी सुरक्षा प्रदान कर रहा है।

यातायात प्रशिक्षण केन्द्र में कार्यशाला का उद्घाटन

हैदराबाद, 10 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। अपर पुलिस आयुक्त, हैदराबाद यातायात जी सुधीर बाबू ने बेगमपेट यातायात प्रशिक्षण केंद्र में वर्क स्टेशन का उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम के तहत उन्होंने विभिन्न डिग्री कॉलेजों के एनसीसी कैडेटों और एनएसएस सदस्यों को संबोधित किया। इस कार्यक्रम में एवी कॉलेज, हिंदी महा विद्यालय, अंबेडकर कॉलेज, महबूबिया कॉलेज, जागृति कॉलेज, भारत डिग्री, कस्तूरबा कॉलेज और डीबीपीएम डिग्री कॉलेज के लगभग 400 एनसीसी और एनएसएस छात्रों ने भाग लिया। इस अवसर पर सुधीर बाबू ने कहा कि शहर में होने वाले बड़े समारोहों और अन्य व्यवस्थाओं में यातायात पुलिस की सहायता के लिए आगे आने के लिए एनसीसी एनएसएस छात्रों का स्वागत करते हुए, पुलिस के साथ इस तरह से काम करना उनके जीवन और उनके लिए उपयोगी अनुभव होगा। समाज, इसके लिए उन सभी के पास ड्राइविंग लाइसेंस होना चाहिए और नियमों का पालन करना चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि वह दूसरों के लिए एक मार्गदर्शक हो सकते हैं। सड़क हादसों के कारण देश को आर्थिक नुकसान के साथ-साथ कीमती नौजवानों का जीवन व्यर्थ चला जाता है। उन्होंने कहा कि यह युवाओं की मौत का नंबर एक कारण है। इसी तरह, हैदराबाद ट्रैफिक पुलिस ने सड़क का उपयोग करने वाले पैदल यात्रियों की सुरक्षा और सभी वर्गों के आराम के लिए किए गए उपायों की याद दिलाई। बाद में उन कैडेटों को हेलमेट भेंट किए गए जिनके पास ड्राइविंग लाइसेंस था और जिन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया था।

उनके द्वारा तिरंगे के गुब्बारे उड़ाए गए। अतिरिक्त उपायुक्त श्री एस रंगा राव, एसीपी ट्रैफिक ट्रेनिंग सेंटर शंकर राजू, इंस्पेक्टर नागराजू, कर्मचारी राजेश, कृष्णा, चक्रधर, राजेश्वर राव, सुमन और हीरो पार्क प्रबंधकों ने इस कार्य में भाग लिया।

चिक्कड़पल्ली से यातायात प्रतिबंध

हैदराबाद, 10 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। "स्टील ब्रिज" के निर्माण के संबंध में और तेजी से निर्माण की सुविधा के लिए, जनता को आने-जाने में असुविधा को कम करने के लिए 10 मार्च से 10 जून तक नीचे दिए गए मार्गों में ट्रैफिक को डायवर्ट किया जाएगा। चिक्कड़पल्ली से आरटीसी एक्स रोड के रास्ते अशोक नगर की ओर आने वाले ट्रैफिक को सुधा नंदी होटल लेन, चिक्कड़पल्ली से सिटी सेंट्रल लाइब्रेरी होते हुए स्ट्रीट नंबर 9, राइट टर्न अशोक नगर एक्स रोड, लेफ्ट टर्न इंदिरा पार्क की ओर डायवर्ट किया जाएगा। वीएसटी से अशोक नगर की ओर आरटीसी एक्स रोड से आने वाले ट्रैफिक को हेब्रोन चर्च लेन, आंध्रा कैफे, जगदंबा हॉस्पिटल, लेफ्ट टर्न अशोक नगर एक्स रोड, राइट टर्न इंदिरा पार्क होते हुए आरटीसी "एक्स" रोड पर डायवर्ट किया जाएगा। इंदिरा पार्क से आरटीसी एक्स रोड की ओर आने वाले ट्रैफिक को अशोक नगर एक्स रोड से जगदंबा हॉस्पिटल राइट टर्न, आंध्र कैफे, हेब्रोन चर्च, चिक्कड़पल्ली मेन रोड से डायवर्ट किया जाएगा। इंदिरा पार्क से आरटीसी एक्स रोड की ओर आने वाले ट्रैफिक को अशोक नगर एक्स रोड से स्ट्रीट नंबर 9, लेफ्ट टर्न सिटी सेंट्रल लाइब्रेरी, सुधा नंदी होटल लेन, चिक्कड़पल्ली मेन रोड से डायवर्ट किया जाएगा। सीजीओ टावर्स से आरटीसी एक्स रोड की ओर आने वाले ट्रैफिक को आरसी रेड्डी लेन से जगदंबा अस्पताल, आंध्र कैफे, हेब्रोन चर्च, चिक्कडपल्ली मेन रोड की ओर मोड़ा जाएगा। स्ट्रीट नंबर 9 से आरटीसी एक्स रोड की ओर आने वाले ट्रैफिक को अशोक नगर चमन, राइट टर्न सिटी सेंट्रल लाइब्रेरी, सुधा नंदी होटल लेन, चिक्कडपल्ली मेन रोड पर डायवर्ट किया जाएगा। हैदराबाद यातायात पुलिस ने नागरिकों से अनुरोध है कि वे इस डायवर्जन को ध्यान में रखें और गंतव्य तक पहुंचने के लिए वैकल्पिक मार्ग/उपरोक्त मार्गों से बचें। नागरिकों को आने-जाने में किसी भी तरह की असुविधा होने पर किसी भी यात्रा सहायता के लिए हैदराबाद ट्रैफिक पुलिस ने हेल्प लाइन नंबर 9010203626 पर कॉल करने का अनुरोध किया है। हैदराबाद यातायात पुलिस इस मार्गों में यातायात के नियमन में नागरिकों से सहयोग की अपील करती है।

मुख्यमंत्री ने नए सचिवालय भवन के कार्यों का निरीक्षण किया

तेलंगाना सचिवालय का उद्घाटन 30 अप्रैल को होगा

हैदराबाद, 10 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार ने 30 अप्रैल को नवनिर्मित सचिवालय खोलने का फैसला किया है। साथ ही 2 जून को तेलंगाना स्थापना दिवस पर सरकार ने 14 अप्रैल को अंबेडकर की जयंती और एक शहीद स्तूप के अवसर पर अंबेडकर की एक विशाल प्रतिमा का अनावरण करने का फैसला किया है। मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने शुक्रवार को नए सचिवालय भवन, डॉ. बीआर अंबेडकर प्रतिमा और शहीद स्मारक के अंतिम चरण के काम का निरीक्षण किया और चल रहे कार्यों की विस्तार से जांच की। सबसे पहले, मुख्यमंत्री ने सचिवालय का दौरा किया और पूरे भवन का दौरा किया, सभी कार्यों की जांच की, जिसमें ऊंचाई, फव्वारे, हरे लॉन और चिनाई शामिल थे, जो अंतिम चरण में थे। मुख्यमंत्री अपने कक्षों और फर्नीचर का निरीक्षण करने के लिए छठी मंजिल तक गए। निरीक्षण के दौरान केसीआर ने वॉल क्लैडिंग और डेकोरेशन कार्यों के संबंध में विशेष निर्देश दिए थे और कार्यों के निष्पादन पर संतोष व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने कलेक्टर कांफ्रेंस हॉल, जीएडी प्रोटोकाल अधिकारी कक्ष और निर्वाचित जनप्रतिनिधियों व वीआइपी के प्रतीक्षालय का भी निरीक्षण किया। अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के लिए कहा गया था कि सभी मंत्रियों के कक्ष एक ही स्थान पर व्यवस्थित हों। उन्होंने सुझाव दिया कि किसी विशेष विभाग में कर्मचारियों की संख्या के आधार पर, अनुभागों को डिजाइन और व्यवस्थित किया जाना चाहिए। बाद में, उन्होंने दक्षिणी छोर से पार्किंग क्षेत्र का दौरा किया और परिसर के भीतर और बाहर सड़क के कार्यों का निरीक्षण किया। सचिवालय के बाद मुख्यमंत्री 125 फीट ऊंची डा. बी.आर. अंबेडकर प्रतिमा पहुंचे और सभागार, वाटर फाउंटेन व भूनिर्माण कार्यों का जायजा लिया। केसीआर ने बाद में शहीद स्मारक का दौरा किया, जहां उन्होंने स्मारक में सभागार, लेजर शो सुविधा, रैंप और पार्किंग सुविधाओं का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने उन्हें काम की स्थिति और कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने कार्य पर संतोष व्यक्त किया। इस दौरान सीएम के साथ मंत्री वेमुला प्रशांत रेड्डी, कोप्पुला ईश्वर, विधायक बालका सुमन और ए जीवन रेड्डी, मुख्य सचिव ए शांति कुमारी और अन्य वरिष्ठ अधिकारी रहे।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें ट्वीट्टर @SCRailwayindia पर फालो करें। दमरे की निविदा सूचनाओं का विवरण हमारे वेबसाइटः- www.scr.indianrailways.gov.in पर भी देखें।

सं. सी/सी/ई-आक्शन्स कैटलाग/एससी/2022-23 दि.10.03.2023

PUB/0246

कृते एवं भारत के राष्ट्रपति, भारत गणराज्य की ओर से, वरिष्ठ मंडल वाणिज्यिक प्रबंधक, सिकंदराबाद डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे व्दारा वाणिज्यिक आय अनुबंध या कमर्शियल एर्निंग्स कांट्राक्ट्स तथा एनएफआर कांट्राक्ट्स के लिए ई-नीलामी आमंत्रित है। तदनुसार, एससी डिवीजन ने निम्न श्रेणियों के लिए ई-नीलामी संसाधित की है, जिसे https://www.ireps.gov.in/website पर अधिसूचित किया गया है।

विवरण	श्रेणी	सूची सं. :	नीलामी शुरु तिथि:	नीलामी बंद तिथि:
निम्न विवरित रेल सं.	पार्सल, पार्किंग, पे एंड यूज	एससी-पार्कपेएनयूज1	16.03.2023 के 11.00 बजे	16.03.2023 के 16.20 बजे

व्दारा 02 पार्सल वीपी कांट्राक्ट्स : 22718-22717-वीपी-1-एससी-आरजेटी, 12791-12792-वीपी-1-एससी-डीएनआर

निम्न स्टेशनों पर पे एंड यूज टायलेट कांट्राक्ट्सः काजीपेट, लिंगमपल्ली, रामगुंडम, विकाराबाद, आलेर, भोंगिर, भाल्की, बेल्लमपल्ली, चित्तापूर, डोर्नकल, लातूर रोड, मधिरा, नेकोंडा, पेध्दापल्ली, सेडम, सिरपुर कागजनगर, सनतनगर, जहीराबाद व शंकरपल्ली स्टेशन्स।

निम्न स्टेशनों पर पार्किंग कांट्राक्ट्सः मलखेड रोड, बोनाकल्लु, नेचरक्यूर हास्पीटल, हाफीजपेट, बोराबंडा, चित्तापुर, भोन्गीर व शंकरपल्ली स्टेशन्स।

इच्छुक पार्टीज तथा ठेकेदारगण तत्संबंधित पर ध्यान दें एवं ई-नीलामी सूचना की अधिक जानकारी हेतु उपरोक्त वेबसाइट का अवलोकन करें। पूछताछ/ स्पष्टीकरणों के लिए कृपया अधोहस्ताक्षरी कार्यालय पर संपर्क करें।

अलोकेशन हेड या आवंटन मद : 0401-09-298/21 के प्रति शुल्क के रूप में रु. 15,000/- डेबिट किया जायेगा। ई-नीलामी सूचना के प्रकाशन के उपरांत रिकार्ड हेतु संबंधित प्रेस क्लिप्पींग की प्रतिलिपि को इस कार्यालय पर प्रेषित किया जाए।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्यिक प्रबंधक, सिकंदराबाद

A0357

राजकीय रेलवे पुलिस ने बीटेक छात्र को बचाया

हैदराबाद, 10 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) की गश्ती टीम द्वारा त्वरित और समय पर की गई कार्रवाई ने शुक्रवार को सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन पर कथित रूप से आत्महत्या करने का प्रयास करने वाले एक इंजीनियरिंग छात्र की जान बचा ली। जीआरपी पुलिस के मुताबिक शुक्रवार को लगभग 11.45 बजे, 21 वर्षीय इंजीनियरिंग का छात्र, बचुपल्ली का निवासी कथित तौर पर अपनी वित्तीय समस्याओं से परेशान था। सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन पर काजीपेट की ओर जाने वाली पटरियों पर कूद गया और कथित तौर पर आत्महत्या करने की कोशिश की। ऐन वक्त पर वहां से गुजर रहे पुलिस के एक गश्ती दल ने इस घटना को देखा और तुरंत युवक को बचाने के लिए सक्रिय हो गया। जीआरपी के जवान युवक को थाने ले गए और समझाने के बाद परिजनों को सौंप दिया।

एलबी नगर में आरएचएस फ्लाईओवर जल्द ही खुलेगा

हैदराबाद, 10 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर हैदराबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन (जीएचएमसी) द्वारा एलबी नगर आरएचएस (दाईं ओर) फ्लाईओवर का निर्माण पूरा करने के साथ व्यस्त एलबी नगर खंड पर यातायात को और आसान बनाने के लिए तैयार है। राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी रणनीतिक सड़क विकास योजना के हिस्से के रूप में विकसित, एलबी नगर आरएचएस फ्लाईओवर के एमएलसी चुनावों के बाद खुल जाने की उम्मीद है। जीएचएमसी के एक अधिकारी ने कहा कि एमएलसी चुनाव अधिसूचना के कारण एलबी नगर आरएचएस फ्लाईओवर का उद्घाटन रोक दिया गया है।

एलबी नगर आरएचएस फ्लाईओवर, जो 960 मीटर लंबा और 12 मीटर चौड़ा है, एक दिशाहीन सुविधा है और तीन लेन से सुसज्जित है। परियोजना के लाभों में एलबी नगर जंक्शन के माध्यम से हयातनगर, वनस्थलीपुरम और एलबी नगर के अन्य क्षेत्रों की यात्रा करने वाले लोगों के लिए परेशानी मुक्त आवागमन शामिल है। अधिकारी ने कहा कि एक बार फ्लाईओवर का उद्घाटन हो जाने के बाद, लोग व्यस्त एलबी नगर जंक्शन और ट्रैफिक सिग्नल से बच सकते हैं और सीधे एलबी नगर में कॉलोनियों की यात्रा कर सकते हैं। मुसी रिवरफ्रंट डेवलपमेंट कॉरपोरेशन के अध्यक्ष और एलबी नगर के विधायक डी सुधीर रेड्डी ने कहा कि परीक्षण के आधार पर सुविधा का उद्घाटन करने की योजना है। मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर रावऔर एमए एंड यूडी मंत्री केटी रामाराव को धन्यवाद देते हुए, सुधीर रेड्डी ने कहा कि बुनियादी ढांचे के मामले में, पिछले कुछ वर्षों में, एलबी नगर निर्वाचन क्षेत्र में एक बड़ा परिवर्तन हुआ है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में, एसआरडीपी परियोजनाओं के हिस्से के रूप में, एलबी नगर निर्वाचन क्षेत्र में अन्य परियोजनाओं के अलावा चिंतलकुंटा अंडरपास के अलावा नागोले, कामिनेनी अस्पताल और बैरमलगुडा में फ्लाईओवर का निर्माण देखा गया है।

एलबी नगरके निवासियों ने यह भी कहा कि पिछले आठ वर्षों में किए गए विकास कार्यों की श्रृंखला के कारण आने-जाने का संकट काफी कम हो गया है और वे एलबी नगर आरएचएस फ्लाईओवर के उद्घाटन की प्रतीक्षा कर रहे हैं। यह फ्लाईओवर मेरे जैसे बहुत से लोगों के लिए उपयोगी होगा। हम हयातनगर, वनस्थलीपुरम और एलबी नगर में अन्य आवासीय इलाकों तक पहुंचने के लिए व्यस्त एलबी नगर जंक्शन और ट्रैफिक सिग्नल को छोड़ सकते हैं। अलकापुरी कॉलोनी, कोठापेट के साईं राज ने कहा, हमारे क्षेत्र में फ्लाईओवर और अंडरपास ने यात्रा के समय और दूरी को काफी कम कर दिया है।

उन्नाव में किसान की गोली मारकर हत्या, पुलिस पर लापरवाही का आरोप

उन्नाव, 10 मार्च (एजेंसियां)। शुक्रवार सुबह उन्नाव के बिहार थाना क्षेत्र में स्थित एक गांव में पुलिस की मौजूदगी में खेत की रखवाली कर रहे एक किसान की गोली मारकर हत्या कर दी गई. सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस से ग्रामीणों की तीखी नोकझोंक हुई. ग्रामीणों और परिजन ने शव पोस्टमार्टम के लिए देने पुलिस को मना कर दिया. पुलिस पर लापरवाही का आरोप लग रहे हैं. अपर पुलिस अधीक्षक शशि शेखर सिंह ने कहा कि आरोपी जल्द ही सलाखों के पीछे होंगे. उन्नाव के बिहार थाना क्षेत्र के अंतर्गत लोनियन खेड़ा गांव के रहने वाले राजाराम पुत्र श्यामलाल की उम्र 55 वर्ष थी. गांव के पास खेत पर खेत की रखवाली कर रहे थे.

दिल्ली एलजी का मायावती के खिलाफ केस चलाने की मंजूरी देने से इनकार

हाथरस, 10 मार्च (एजेंसियां)। नई दिल्ली दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने धार्मिक भावनाओं को आहत करने के मामले में यूपी की पूर्व सीएम मायावती के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी देने से इनकार कर दिया. दरअसल, सुप्रीम कोर्ट में एक केस की सुनवाई के दौरान मायावती की ओर से दाखिल हलफनामे में कहा गया था कि अगर यूपी सरकार अयोध्या में भगवान राम की मूर्ति बनवा सकती है, तो मैं अपनी मूर्ति क्यों नहीं बनवा सकती. मायावती के इस बयान के खिलाफ ही शिकायत दर्ज कराई गई थी.

एजेंसी के मुताबिक, शिकायतकर्ता छतर सिंह रचोया ने 20 अगस्त 2019 को मायावती पर अपनी तुलना भगवान राम से करने और धार्मिक भावनाओं को आहत पहुंचाने का आरोप लगाते हुए पश्चिमी दिल्ली के जिला मजिस्ट्रेट, गृह सचिव, भारत सरकार और एलजी को सीआरपीसी की धारा 196 के तहत उनके खिलाफ केस चलाने की मांग की थी. रचोया ने अपनी शिकायत में मायावती द्वारा सुप्रीम कोर्ट में दाखिल हलफनामे का जिक्र किया था. इसमें मायावती ने कहा था कि अगर यूपी में सत्ताधारी पार्टी अयोध्या में राम का 221 मीटर ऊंची मूर्ति बनवा सकती है, तो फिर मैं अपनी मूर्ति क्यों नहीं लगवा सकती. शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया था कि मायावती ने अपनी तुलना राम से की है. इससे उनकी धार्मिक भावना आहत हुई है. उन्होंने मायावती के खिलाफ नांगलोई के एसएचओ और सीआरपीसी की धारा 200 और 156 (3) के तहत मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट तीस हजारी की अदालत में शिकायत दर्ज कराई थी. राछोया ने बताया कि सीआरपीसी की धारा 196 के तहत प्रक्रियात्मक रोक के कारण, अदालत मामले में संज्ञान लेने में असमर्थ थी और ऐसे में उन्होंने दिल्ली सरकार से केस चलाने की अनुमति देने की मांग की थी. उपराज्यपाल ने केस चलाने की मंजूरी देने से इनकार करते हुए कहा कि मेरा मानना है कि प्रथम दृष्टया मायावती के खिलाफ कोई मामला नहीं बनता है. इसलिए, सीआरपीसी 1973 की धारा 196 के तहत अभियोजन मंजूरी के अनुरोध को खारिज किया जाता है.

अखिलेश यादव की अब एमपी

राजस्थान और छत्तीसगढ़ पर नजर, ममता बनर्जी के गढ़ में बनेगी खास रणनीति

लखनऊ, 10 मार्च (एजेंसियां)। आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर समाजवादी पार्टी ने अपनी तैयारी शुरू कर दी है. इस बार पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक पश्चिम बंगाल में तय की गई है. 17 से 19 मार्च तक कोलकाता में यह बैठक होनी है. इसमें 20 राज्यों के प्रदेश अध्यक्ष भी बुलाए गए हैं. पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष किरणमय नंदा ने बताया कि अगले साल होने वाले लोकसभा और कुछ जगहों पर विधानसभा चुनाव के लिए यहां पर रणनीति बनेगी. पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव 17 मार्च को कोलकाता आएंगे और कार्यकर्ताओं को संबोधित करेंगे. 18 मार्च से हमारी राष्ट्रीय कार्यकारिणी की दो दिवसीय बैठक शुरू होगी. पार्टी सूत्रों की मानें तो इसमें लोकसभा गठबंधन के आलावा छत्तीसगढ़, राजस्थान, मध्य प्रदेश जैसे राज्यों के लिए चर्चा होगी. इस दौरान अखिलेश यादव पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से मुलाकात कर सकते हैं. इससे पहले सपा ने लखनऊ में 29 सितंबर 2022 को हुए पार्टी के राष्ट्रीय सम्मेलन में अखिलेश यादव को तीसरी बार राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना था. उन्होंने इस साल 29 जनवरी को 67 सदस्यीय राष्ट्रीय कार्यकारिणी की घोषणा की. अब इसकी पहली बैठक कोलकाता में होने जा रही है.

लोकसभा चुनाव की रणनीति पर मंथन किया जाएगा

17 से 19 मार्च के बीच होने वाली इस बैठक में लोकसभा चुनाव की रणनीति पर मंथन किया जाएगा. चुनावी रणनीति के तहत फोकस ग्रुप तैयार किए जाएंगे. फिर पार्टी उस ग्रुप के लिए विशेष अभियान चलाएगी.समाजवादी पार्टी के प्रवक्ता डॉक्टर आशुतोष वर्मा ने बताया कि सपा अपने बंगाल में इससे पहले भी कई सम्मेलन आयोजित कर चुकी है. उन्होंने बताया कि बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष दूसरे राज्यों के प्रदेश अध्यक्षों से लोकसभा चुनाव के साथ ही विधान सभा चुनाव पर भी चर्चा करेंगे. बैठक में राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्यों को भी बुलाया गया है.

श्रीकृष्ण जन्मभूमि विवाद पर 15 मार्च को होगी सुनवाई

ज्ञानवापी की तरह शाही ईदगाह और मीना मस्जिद के सर्वे पर मथुरा कोर्ट लेगी फैसला

मथुरा, 10 मार्च (एजेंसियां)। मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मभूमि विवाद में कोर्ट सोमवार को 2 मामलों में सुनवाई होनी थी। कोर्ट ने सुनवाई के लिए अब 15 मार्च की तारीख तय की है। इसके बाद यह तय हो जाएगा कि शाही ईदगाह और मीना मस्जिद परिसर के सर्वे पर निचली अदालत सुनवाई करेगी या नहीं। शाही ईदगाह मामले की सुनवाई एडीजे कोर्ट में होनी है। जबकि मीना मस्जिद मामले में सिविल जज सीनियर कोर्ट फैसला सुनाएगा। अगर कोर्ट इन मामलों को सुनवाई योग्य मानता है, तब ही सर्वे पर सुनवाई होगी। इसके बाद निचली अदालत तय करेगी कि सर्वे होगा या नहीं। हिंदू पक्षकारों ने ये आरोप लगाया है कि मुस्लिम पक्ष के लोग शाही ईदगाह परिसर का विस्तार कर रहे हैं।

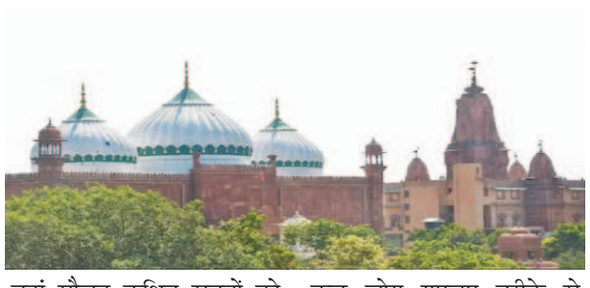

वहां मौजूद कथित सबूतों को मिटाने की कोशिश कर रहे हैं। ऐसे में मस्जिद का सरकारी अमीन की मदद से सर्वे किया जाए। इस अपील का मुस्लिम पक्ष ने कोर्ट में विरोध किया। 23 फरवरी को दोनों पक्षों की सुनवाई के बाद कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया था। दरअसल, श्री कृष्ण जन्मभूमि मुक्ति न्यास के अध्यक्ष महेंद्र प्रताप सिंह की ओर से दाखिल याचिका में आरोप लगाया गया था कि शाही ईदगाह परिसर में कुछ लोग गुपचुप तरीके से विस्तार कर रहे हैं। पुराने साक्ष्यों को मिटाने की कोशिश कर रहे हैं। ऐसे में जरूरी है कि सरकारी अमीन की मदद से परिसर का भौगोलिक सर्वे कराया जाए। ताकि सबूतों को सुरक्षित रखा जा सके। इस मामले में महेंद्र प्रताप सिंह ने जिला जज की अदालत में रिवीजन वाद दाखिल किया था। जिला जज ने रिवीजन दावे की एडीजे 6th की अदालत में ट्रांसफर कर दिया था। 23 फरवरी को एडीजे 6th की कोर्ट में सुनवाई हुई थी। इस दौराम सेंट्रल सुन्नी वक्फ बोर्ड के वकील ने भी कोर्ट के सामने अपनी दलीलें पेश कीं। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद कोर्ट ने बहस को पूरा माना और मामले पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। कोर्ट ने तय किया कि इस पर फैसला 10 मार्च को सुनाया जाएगा। इस फैसले के आने के बाद इस पर स्थिति साफ हो जाएगी कि मामले में सरकारी अमीन के द्वारा मस्जिद का भौगोलिक सर्वे कराया जाएगा या नहीं? कोर्ट कमीशन का ऑर्डर न्यायालय निचली कोर्ट को करेगी। दूसरा मामला मीना मस्जिद को लेकर है। अखिल भारत हिंदू महासभा के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष दिनेश शर्मा ने श्री कृष्ण जन्मस्थान के पूर्वी द्वार के पास बनी मीना मस्जिद के अमीन सर्वे की मांग को लेकर सिविल जज सीनियर डिवीजन कोर्ट में वाद दाखिल किया था। इस मामले में कोर्ट में 23 फरवरी को सुनवाई हुई थी। इस दौरान मुस्लिम पक्ष की तरफ से एडवोकेट डॉक्टर निगम हाजिर हुए। हिंदू पक्ष की तरफ से एडवोकेट दीपक शर्मा को जिरह करनी थी। एडवोकेट दीपक शर्मा ने मीना मस्जिद में अमीन सर्वे की मांग की। मुस्लिम पक्ष ने ये केस सुनवाई योग्य है या नहीं, पर बहस की मांग की थी। न्यायालय ने दोनों पक्षों को सुना। हिंदू महासभा ने मांग की थी कि मुस्लिम पक्ष साक्ष्यों को नष्ट करने में लगा है। इसलिए अमीन जांच रिपोर्ट बहुत जरूरी है। हिंदू महासभा के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष दिनेश शर्मा ने कहा कि औरंगजेब ने अतिक्रमण करके ईदगाह बनाई। सर्वे के बाद इसके सबूत मिल सकते हैं।

शारीरिक संबंध बनाते रंगे हाथों पकड़ा गया प्रेमी जोड़ा, लोगों ने घर वालों को बुलाकर तय कर दी शादी

पूर्णिया, 10 मार्च (एजेंसियां)। बिहार के पूर्णिया जिले में निर्माणाधीन मकान में चोरी छुपे प्रेमी जोड़े को शारीरिक संबंध बनाते रंगे हाथों पकड़ा गया. दोनों ने बताया कि वह एक दूसरे से प्रेम करते हैं और जल्द ही शादी करने वाले हैं. प्रेमी जोड़े की यह बात सुनकर उनके परिजनों को बुलाया गया और इनकी शादी करवाने पर फैसला हुआ. स्थानीय लोगों ने बताया कि मधुबनी टीओपी थाना क्षेत्र के केशव नगर प्रधान टोला में एक प्रेमी जोड़ा बाइक से आया और निर्माणाधीन मकान में घुसा. जब काफी देर तक दोनों बाहर नहीं निकले, तो लोगों को संदेह हुआ. उन्होंने मकान के अंदर जाकर देखा, तो दोनों शारीरिक संबंध बना रहे थे. जब दोनों से पूछताछ की तो उन्होंने बताया कि वह पहली बार यहां आए हैं. मौके पर मौजूद लोगों ने डांट लगाकर पूछा तो उन्होने बताया कि वह एक दूसरे से प्रेम करते हैं ।

प्रेमिका से बचने तमिलनाडु, लुधियाना, बनारस भागा..वो ढूंढ लाई:पीछा छुड़ाने के लिए चलती ट्रेन से भी कूदा

सीतामढ़ी, 10 मार्च (एजेंसियां)। तमिलनाडु इन दिनों बिहारी मजदूरों के पलायन की वजह से चर्चा में है। लेकिन अब एक ऐसी कहानी सामने आई है जिसे तमिलनाडु की प्रेम कहानी का नाम दिया जा सकता है। इस कहानी में लड़की ओडिशा की है। लड़का बिहार के सीतामढ़ी का है। दोनों की प्रेम कहानी तमिलनाडु में काम करने के दौरान शुरू हुई। 5 महीने पहले अनबन होने पर लड़का पीछा छुड़ाने के लिए 4 बार भागा, लेकिन हर बार लड़की ने उसे ढूंढ निकाला, और अब दोनों की शादी हो गई। बिहार का यह लड़का पीछा छुड़ाने के लिए सबसे पहले लुधियाना भागा। लेकिन लड़की भी पीछा करते हुए लुधियाना में उसके भाई के घर पहुंच गई।

एमएलसी चुनाव के लिए बीजेपी ने जारी की लिस्ट

पटना, 10 मार्च (एजेंसियां)। बीजेपी ने शुक्रवार को विधान परिषद चुनाव के लिए अपने उम्मीदवार तय कर दिए हैं। पार्टी की तरफ से सारण की स्नातक सीट से महाचन्द्र सिंह और सारण की शिक्षक सीट से डॉ धर्मेंद्र सिंह को चुना गया है। कोशी की शिक्षक सीट से रंजन कुमार को उम्मीदवार तय किया गया है। इसके अलावा गया की स्नातक सीट से अवधेश नारायण सिंह को उम्मीदवार बनाया गया है। बीजेपी केंद्रीय चुनाव समिति ने ये निर्णय लिया। इधर महागठबंधन भी बिहार विधान परिषद की खाली हुई सीटों की घोषणा करेगा।

महागठबंधन में विचार-विमर्श

महागठबंधन के सभी दल मिलकर अपने उम्मीदवारों की घोषणा करेंगे। 6 मार्च को बिहार विधान परिषद के चुनाव के लिए अधिसूचना जारी कर दी गई है। चार विधान परिषद की सीटों पर चुनाव होगा। इसमें दो स्नातक सीट है। वहीं दो शिक्षक सीट हैं। पिछले दिनों एमएलसी केदार नाथ पांडे के निधन के बाद खाली हुई सारण शिक्षक सीट पर भी उपचुनाव कराया जाएगा। बता दें कि इस इन पांचों सीटों के लिए अधिसूचना जारी कर दी गई है। फिर से पुराने उम्मीदवारों पर ही भरोसा जताने की तैयारी की जा रही है।

कई का कार्यकाल खत्म

गया स्नातक क्षेत्र से अवधेश नारायण सिंह का कार्यकाल खत्म हो रहा है। गया शिक्षक क्षेत्र से संजीव श्याम सिंह का कार्यकाल खत्म हो रहा है। सारण स्नातक क्षेत्र से वीरेंद्र नारायण यादव का कार्यकाल खत्म हो रहा है। कोसी शिक्षक क्षेत्र से संजीव कुमार सिंह का कार्यकाल खत्म हो रहा है। 8 मई 2023 को सभी का कार्यकाल समाप्त हो रहा है। एक सीट पर उपचुनाव होगा। सारण शिक्षक क्षेत्र का उपचुनाव होना है।

पुराने उम्मीदवारों को है उम्मीद

केदार नाथ पांडे के निधन से खाली हुई सारण शिक्षक निर्वाचन सीट पर उपचुनाव होगा। उम्मीद है कि सीपीआई केदारनाथ पांडेय के पुत्र आनन्द पुष्कर को इस सीट पर चुनाव लड़ाएगी। वही, जद (यू) के सदस्य संजीव श्याम सिंह (गया), संजीव कुमार सिंह (कोशी) शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र और वीरेंद्र नारायण यादव (सारण) स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से हैं। एकमात्र भाजपा विधान पार्षद अवधेश नारायण सिंह गया स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से हैं। सभी को अपने अपने दल से वापस टिकट मिलने की उम्मीद है। बिहार विधान परिषद की चार सीटों को लेकर सूचना जारी कर दी गई। नामांकन 13 मार्च तक किया जा सकेगा। उम्मीदवार वापसी की आखिरी तारीख 16 मार्च होगी। 31 मार्च को मतदान होगा।

यूपी निकाय चुनाव: आरक्षण को लेकर पिछड़ा वर्ग आयोग ने सीएम को सौंपी सर्वे रिपोर्ट

कैबिनेट की मंजूरी के बाद होगा ये उलटफेर

लखनऊ, 10 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश राज्य स्थानीय निकाय समर्पित पिछड़ा वर्ग आयोग ने यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पिछड़े वर्गों की आबादी की सर्वे रिपोर्ट सौंप दी है। रिपोर्ट 350 पेज की है जिसे शुक्रवार को कैबिनेट के सामने मंजूरी के लिए रखा जाएगा। गौरतलब है कि अप्रैल में निकाय चुनाव कराए जाने की पूरी संभावना है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, इस सर्वे के बाद यूपी में मेयर, नगर पालिका अध्यक्ष और नगर पंचायत अध्यक्ष की सीटों के आरक्षण में फेरबदल की संभावना जताई जा रही है। इस रिपोर्ट में राज्यभर के जिलेवार पिछड़े वर्गों का आंकड़ा दर्ज है। रिपोर्ट के मुताबिक, कई अनारक्षित सीटों के ओबीसी आरक्षण में बदले जाने की भी संभावना है। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश सरकार ने 28 दिसंबर 2022 को पैनल का गठन किया था। उससे एक दिन पहले इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने शहरी स्थानीय निकाय चुनावों पर सरकार की मसौदा अधिसूचना को रद्द करते हुए अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षण के बिना चुनाव कराने का आदेश दिया था। पैनल के चार अन्य सदस्य सेवानिवृत्त भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी चौब सिंह वर्मा और महेंद्र कुमार और राज्य के पूर्व कानूनी सलाहकार संतोष कुमार विश्वकर्मा तथा ब्रजेश कुमार सोनी हैं। शहरी विकास विभाग द्वारा इस सिलसिले में जारी एक अधिसूचना में कहा गया था कि पैनल का कार्यकाल पदभार ग्रहण करने के दिन से छह महीने की अवधि के लिए होगा। आयोग ने राज्य के 75 जिलों में सर्वे को पूरा करने के बाद रिपोर्ट सीएम को सौंप दी। सुप्रीम कोर्ट द्वारा निर्धारित 'ट्रिपल टेस्ट' फॉर्मूले के बाद आरक्षण का मसौदा तैयार करने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा नियुक्त पांच सदस्यीय पैनल ने 31 दिसंबर 2022 को लखनऊ में अपनी पहली बैठक की थी। सुप्रीम कोर्ट ने आयोग को निकाय चुनाव में पिछड़ों की हिस्सेदारी तय करने के लिए 31 मार्च तक का समय दिया है। सर्वे पूरा हो चुका है, जिसे यूपी कैबिनेट की मंजूरी का इंतजार है। रिपोर्ट के मुताबिक, नगर विकास विभाग की मंशा अप्रैल में चुनाव कराने की है। इसकी तैयारियां शुरू हो चुकी है। माना जा रहा है कि मई के पहले हफ्ते तक चुनावी प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी।

आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा-सभी क्षेत्रीय दल मोदी और शाह की सरकार हटाने का करें काम

संभल, 10 मार्च (एजेंसियां)। कल्कि पीठाधीश्वर एवं कांग्रेस नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए क्षेत्रीय दल कांग्रेस के साथ आएं, क्योंकि कांग्रेस एकमात्र पार्टी है जो राष्ट्रीय स्तर पर बीजेपी से लड़ सकती है. बुलडोजर की कार्रवाई पर जहां उन्होंने एसपी सांसद डॉ. बर्क का समर्थन किया तो वहीं उन्होंने कहा कि यह संविधान के खिलाफ है. संभल के ऐंचौड़ा कंबोह स्थित कल्कि धाम पहुंचे कांग्रेस नेता एवं कल्कि पीठाधीश्वर आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा कि जनमत का सम्मान करना चाहिए. कांग्रेस पार्टी जनमत का सम्मान करती है. नार्थ ईस्ट में जो हार हुई है उसको हम स्वीकार करते हैं. साथ ही हम प्रयास करेंगे कि नॉर्थ ईस्ट के साथ साथ पूरे देश में कांग्रेस को और मजबूत करके वर्ष 2024 के चुनाव के लिए तैयार किया जाए. कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व इस पर गंभीर चिंतन कर रहा है और कांग्रेस की जब नई कार्य समिति गठित हो जाएगी तो यह विषय प्रमुखता से लिया जाएगा.

बिहारी मजदूरों पर हिंसा को लेकर अफवाह फैलाने वालों की तलाश जारी, ईओयू ने फेसबुक-ट्विटर से मांगे साक्ष्य

पटना, 10 मार्च (एजेंसियां)। तमिलनाडु में अप्रवासी बिहारी मजदूरों पर हिंसा की भ्रामक पोस्ट और वीडियो शेयर करने वाले अभियुक्तों की तलाश में आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) की छापेमारी जारी है। ईओयू की विशेष जांच टीम (एसआइटी) आरा समेत कई जिलों में प्राथमिक अभियुक्तों की तलाश कर रही है। इस बीच ईओयू ने फेसबुक, ट्विटर और गूगल से भ्रामक पोस्ट करने वाले लोगों से जुड़े साक्ष्य मांगे हैं। तमिलनाडु प्रकरण से जुड़े पोस्ट को सुरक्षित रखने को लेकर तीन दिन पहले ईओयू ने प्रिजर्वेशन नोटिस जारी किया था। अब ऐसे पोस्ट से जुड़े लिंक मांगे जा रहे हैं, जिससे अफवाह फैलाने वालों को अन्य लोगों को चिह्नित किया जाए। फिर से रिमाइंडर भेजा गया है। तमिलनाडु प्रकरण से जुड़े आपत्तिजनक पोस्ट करने के मामले में चार लोगों पर प्राथमिकी दर्ज की गई है। इसमें जमुई से अमन कुमार को होली के पहले ही गिरफ्तार कर लिया गया था। पिछले दो दिनों से आरा और आसपास के इलाकों में एक अन्य अभियुक्त युवराज सिंह राजपूत की तलाश में छापेमारी की जा रही है। युवराज सिंह का आपराधिक इतिहास रहा है और वह भोजपुर के नारायणपुर थाना कांड मामले में भी वांछित है। युवराज की ओर से छपरा के मुबारकपुर घटना के बाद भी आपत्तिजनक पोस्ट किए जाने के साक्ष्य मिले हैं। यूट्यूब पर पोर्टल चलाने वाले मनीष कश्यप और राकेश तिवारी के विरुद्ध भी

प्राथमिकी कर जांच की जा रही है।

जांच कर लौटी तमिलनाडु पुलिस की टीम

भ्रामक पोस्ट की जांच को लेकर तमिलनाडु पुलिस की विशेष टीम भी बिहार आई थी। इस टीम का नेतृत्व तमिलनाडु पुलिस के एसीपी सर्वानन कर रहे थे। तमिलनाडु पुलिस की टीम ने पटना के अलावा आरा भी गई थी, जहां कई लोगों से पूछताछ की गई है। इसके अलावा ईओयू के वरीय अधिकारियों से भी तमिलनाडु पुलिस के अधिकारी मिले और सूचनाओं का आदान-प्रदान किया। गुरुवार की शाम तमिलनाडु पुलिस की टीम वापस लौट गई।

राज्य सरकार को टीम सौंपेगी रिपोर्ट

प्रवासी कामगरों पर कथित हमले की जांच के लिए तमिलनाडु गया बिहार के वरीय अफसरों का प्रतिनिधिमंडल जल्द ही राज्य सरकार को अपनी रिपोर्ट सौंपेगा। पुलिस सूत्रों के अनुसार, अब तक की जांच में तमिलनाडु में स्थिति शांतिपूर्ण है। बिहारी प्रतिनिधिमंडल को हमले से जुड़े कोई साक्ष्य नहीं मिले हैं। टीम के सदस्यों ने तमिलनाडु के वरीय पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों के अलावा स्थानीय और बिहारी श्रमिकों से भी बातचीत की। श्रमिक संगठनों के पदाधिकारियों से भी इनपुट लिया गया। चार सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल में ग्रामीण विकास के सचिव डी. बालामुरुगन, अपराध अनुसंधान विभाग (सीआइडी) के आइजी पी कन्नन, श्रम विभाग के आयुक्त आलोक कुमार और विशेष कार्य बल (एसटीएफ) के एसपी संतोष कुमार शामिल हैं। आर्थिक अपराध इकाई एडीजी नैयर हसनैन खान ने कहा कि तमिलनाडु में बिहारी श्रमिकों पर हमले का भ्रामक वीडियो पोस्ट करने वालों की पहचान के लिए एसपी के नेतृत्व में एसआइटी का गठन किया गया है। यह टीम डिजिटल साक्ष्य जुटाने के साथ संदिग्धों की तलाश में छापेमारी भी कर रही है। इस मामले में जल्द ही अन्य अभियुक्तों को भी गिरफ्तार किया जाएगा।

हाथरस कांड का एक मात्र दोषी सजा को इलाहाबाद हाई कोर्ट में देगा चुनौती

हाथरस, 10 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेशः हाथरस में 2020 के रेप और हत्या मामले में एकमात्र दोषी के परिवार ने निचली अदालत के फैसले को इलाहाबाद हाई कोर्ट में चुनौती देने का फैसला किया है। उसके वकीलों ने यह जानकारी दी। हाथरस की एक विशेष अदालत ने 2 मार्च को मामले के मुख्य आरोपी संदीप सिसोदिया को गैर-इरादतन हत्या और अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के तहत दोषी ठहराया था, लेकिन उन्हें बलात्कार के आरोपों से बरी कर दिया था। उसके साथ गिरफ्तार

तीन अन्य को सभी आरोपों से बरी कर दिया गया।

लड़की के बलात्कार और हत्या से संबंधित मामला

मामला 14 सितंबर, 2020 को चंदपा थाना क्षेत्र के बूलगढ़ी गांव में 19 वर्षीय दलित लड़की के कथित बलात्कार और हत्या से संबंधित था। चार स्थानीय लोगों पर पीड़िता के साथ उस समय बलात्कार करने का आरोप लगाया गया, जब वह मवेशियों के लिए चारा लेने निकली थी। हमले के बाद वह आंशिक रूप से लकवाग्रस्त हो गई थी और उसे पास के अलीगढ़ शहर के एक अस्पताल में ले जाया गया, जहां उसने अपना बयान भी दर्ज कराया। उसे इलाज के लिए दिल्ली ले जाया गया जहां उसकी मौत हो गई।

निचली अदालत के आदेश को हाई कोर्ट में चुनौती

संदीप सिसोदिया के परिवार के सदस्यों ने निचली अदालत के आदेश को हाई कोर्ट में चुनौती देने का फैसला किया है। अदालत में चारों आरोपियों का प्रतिनिधित्व करने वाले वकील एमएस पुंधीर ने कहा, संदीप भी निर्दोष था और उसके परिवार ने हाई कोर्ट में अपील का फैसला किया है। चारों के खिलाफ आरोप समान थे। अदालत ने तीन को बरी कर दिया और केवल संदीप सिसोदिया को दोषी ठहराया।

कश्मीरी पंडितों पर जुल्म की इंतेहा, 10 साल के आंकड़े बताते हैं कितना बहा खून

कश्मीर, 10 मार्च (एजेंसियां)। घाटी में कश्मीरी पंडितों और अल्पसंख्यकों के खिलाफ हत्या के मामले थमते नजर नहीं आ रहे. ताजा मामला बैंक गार्ड संजय शर्मा की हत्या का है. संजय शर्मा एक कश्मीरी पंडित थे. संजय शर्मा की हत्या के बाद एक बार फिर से कश्मीरी पंडितों की सुरक्षा को लेकर सवाल उठने लगे हैं. शर्मा की हत्या इस साल कश्मीरी पंडितों की हत्या का पहला मामला बना गया है. हालांकि शर्मा पर हमला करने वाला हमलावर मारा जा चुका है.

घाटी में हो रहे हमले से परेशान कश्मीरी पंडित

2022 में, जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी हमलों में तीन स्थानीय पंडितों, तीन अन्य हिंदुओं और आठ गैर-स्थानीय मजदूरों सहित 29 नागरिक मारे गए थे. इसी साल घाटी में फैली अशांति को देखते हुए 5,500 पंडितों ने घाटी छोड़ दी थी. रिपोर्टों के मुताबिक अगस्त, 2019 से मार्च 2022 तक, 14 कश्मीरी पंडित या हिन्दू और गैर-कश्मीरी मजदूरों की आतंकवादियों ने गोली मार दी.

कश्मीर में हत्या के ज्यादातर मामले आतंकवाद से जुड़े

साउथ एशिया टेरोरिज्म पोर्टल के मुताबिक जम्मू और कश्मीर में 2011 से 2016 के बीच कुल 562 हत्या की खबरें सामने आई. 2016 से 2022 के बीच यह आंकड़ा बढ़ कर 948 पर पहुंच गया. फीसदी में देखा जाए तो 2010 के बाद की घटनाएं ये बताती हैं कि कश्मीर में हत्या के मामलों में 70 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी हुई है. हत्या की सभी घटनाएं आतंकवाद से जुड़ी है. 2010 के मुकाबले 2016 के बाद नागरिकों और सुरक्षा बलों दोनों की मौतों में बढ़ोत्तरी दर्ज की गई थी. हालांकि, 2018 के बाद से इन दोनों की मौतों में गिरावट आई है. एसएटीपी रिकॉर्ड 2022 में 30 नागरिकों की मौत दिखाई गई है. उनमें से ज्यादातर होने वाली मौतें कश्मीरी पंडितों और प्रवासियों की थी. ये मौतें केंद्र शासित प्रदेश में अल्पसंख्यकों की टारगेट किलिंग की तरफ इशारा करती हैं. जो बेहद ही खतरनाक पैटर्न दर्शाता है. परेशान करने वाली बात ये है कि प्रशासन की तरफ से निवासियों को पर्याप्त सुरक्षा प्रदान करने का दावा करने के बावजूद ये हमले जारी हैं. अपराधियों के खिलाफ चलाए गए अभियान के दौरान सुरक्षा बलों के हताहत होने की खबरें भी लगातार आती रहती है. खासतौर से दक्षिण कश्मीर आतंकवादी हमलों से नागरिक की मौतों का केंद्र बन गया है. साल 2000 के बाद से नागरिकों की मौत के जिलावार हिस्से से पता चलता है कि दक्षिण कश्मीर, मध्य कश्मीर के बडगाम और श्रीनगर में इस तरह की मौतें ज्यादा हो रही हैं. 2022 में, कश्मीर के शोपिंया में 27 प्रतिशत नागरिकों की मौत हुई. वहीं 2006 तक यहां पर हमले की कोई वारदात सामने नहीं आती थी.

पुलवामा में सबसे ज्यादा आतंकवाद का शिकार हो रहे नागरिक

साल 2000 में जम्मू कश्मीर में मारे गए नागरिक अनंतनाग, बारामूला, डोडा और श्रीनगर से थे. 2010 में बारामूला में नागरिकों के मारे जाने की खबरें सबसे ज्यादा आई. ये 2017 में

कुल मौतों का 37 प्रतिशत था यह वह समय भी था जब दक्षिण कश्मीर में खासकर पुलवामा में नागरिक मौतों में बढ़ोत्तरी देखी जाने लगी. 2017 के बाद से, नागरिकों पर हमले ज्यादातर दक्षिण कश्मीर तक ही महदूद थे. लेकिन बाद में कुलगाम और शोपियां जिलों में भी नागरिकों की मौतें हुईं.

अपने ही घरों में दहशत में जी रहे कश्मीरी हिंदू

आंकड़े ये बताते हैं कि अब कश्मीर में हिन्दू और सिख पहले से ज्यादा असुरक्षित हो गए हैं. साल 2021 के आखिर में चार कश्मीरी हिंदुओं की हत्या के बाद घाटी का माहौल खराब हुआ था. तब मारे जाने के डर से हजारों कश्मीरी पंडितों ने अपना घर भी छोड़ दिया था. साल 1990 में घाटी में चरमपंथ बढ़ने के बाद केवल 800 कश्मीरी पंडितों के परिवार ही ऐसे थे, जिन्होंने घाटी से न जाने का फैसला किया. कश्मीरी पंडित संघर्ष समिति के प्रमुख संजय टिक्कू ने बीबीसी को बताया, 'कई हिंदू परिवारों में मारे जाने का डर है, ऐसे में घबरा कर वो अक्सर फोन करते हैं. प्रशासन के अधिकारियों ने उनको घर से निकाल कर किसी होटल में रखा है. लेकिन इस तरह के खौफ के माहौल में हम कैसे जी सकते हैं.' संजय टिक्कू का ये कहना था कि 2003 में पुलवामा के सुदूर नंदीमार्ग गांव में 20 से ज्यादा कश्मीरी पंडितों की हत्या हो जाना ये भी इशारा देता है सरकार कश्मीरी पंडितों को लेकर असंवेदनशील हो गयी है. उन्होंने कहा कि मैं सालों से चेतावनी देता आ रहा हूं. लेकिन एमएल बिंदू के मारे जाने तक उन लोगों की (सरकार की) नींद नहीं टूटी. माखन लाल बिंदू वो कश्मीरी पंडित थे जो चरमपंथी घटनाओं के बावजूद घाटी में डटे रहे. इनकी हत्या अक्टूबर 2021 में पांच कश्मीरियों के साथ कर दी गई थी. 68 साल के माखन लाल बिंदू श्रीगनर में पिछले चालीस सालों से दवाएँ बेचते थे और वहाँ लोग उन्हें घर-घर में पहचानते थे. इनकी और पांच कश्मीरी पंडितों की हत्या ने लगभग 1,000 कश्मीरी पंडित परिवारों को फिर से फिक्र में डाल दिया था. ऐसे में संजय टिक्कू इस बात का डर जताते हैं कि कहीं कश्मीर के हालात फिर से 1990 जैसे ना हो जाएं. 1990 का जिक्र आते ही कश्मीर की 19 जनवरी 1990 की रात याद आ जाती है. कड़ाके की ठंड वाली वो रात कश्मीरियों पंडितों की जिंदगी का एक बुरा सपना साबित हुआ था. उस दिन राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता, कट्टरपंथी इस्लामीकरण और उग्रवादी विद्रोह के बीच, कश्मीरी पंडितों और अल्पसंख्यक समुदाय ने बड़े पैमाने पर पलायन किया था. यही वजह है कि 30 साल से ज्यादा का वक्त बीत जाने के बाद आज भी वो घटना सबके जहन में है.

कितनी बदली है 19 जनवरी और उसके बाद की रात

1980 के दशक के अंत से लेकर अगले दशक तक कश्मीर में आतंकवाद अपने चरम पर था. जनवरी 1990 में भीषण घटनाएं हुईं. उस समय वहां पर नेशनल फ्रंट सरकार थी. घटनाएं इस कदर बढ़ी थी कि जम्मू-कश्मीर में राष्ट्रपति शासन लगा दिया गया और जगमोहन 19 जनवरी को तत्कालीन राज्य के राज्यपाल के रूप में कार्यभार संभालने के लिए पहुंचे थे. 19 जनवरी 1990 की रात करीब 9 बजे घाटी में चरमपंथियों ने लाउडस्पीकरों से युद्ध का ऐलान कर दिया था. वहीं एक भीड़ पाकिस्तान के समर्थन में नारे लगा रही थी. युवा, बूढ़े, बच्चे और महिलाओं सहित हजारों कश्मीरी मुसलमान सड़कों पर उतर आए और 'भारत मुर्दाबाद' और 'काफिरों की मौत' के नारे लगाने लगे. नारे सुबह तक चलते रहे, जिससे कश्मीरी पंडित और हिंदू काफी डर गए थे. उस दिन कश्मीर में कानून और व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त हो गई थी, पुलिस ने अपनी चौकियां तक छोड़ दी थी, और पंडितों को उनके हाल पर छोड़ दिया गया था. जगमोहन के राज्यपाल के रूप में कार्यभार संभालने के दो दिन बाद, 21 जनवरी को, गावकदल नरसंहार हुआ. इसमें भारतीय सुरक्षा बलों ने प्रदर्शनकारियों पर गोलीबारी की. हमले में कम से कम 50 लोग मारे गए. रात में बच गए हिंदुओं के खिलाफ हिंसा की खबरें सामने आईं, जिसने कई लोगों को घाटी से भागने के लिए मजबूर कर दिया. पलायन के दौरान कई कश्मीरी हिंदू महिलाओं का अपहरण, रेप और हत्या कर दी गई थी. इसी दौरान एक युवा सामाजिक कार्यकर्ता सतीश टिक्कू की फरवरी में उनके घर के पास हत्या कर दी गई थी.13 फरवरी को दूरदर्शन श्रीनगर के स्टेशन निदेशक लसा कौल की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी. 30-32 साल बीतने के बाद अब भी भारत प्रशासित कश्मीर के कुछ इलाको में हिंसक घटनाएं देखने और सुनने को मिलती रहती हैं. कश्मीर में हालात पहले से काबू में है लेकिन हिंसक झड़प आए दिन होती रहती है. वहां पर कश्मीरी पंडित सुरक्षित नहीं है. 2019 में पुलवामा में राजस्थान के एक सेब व्यापारी की ट्रक को जला दिया गया था. इसी दौरान पंजाब के दो निवासियों पर भी हमला किया गया था. इस तरह से कश्मीर में काम करने वाले मजदूरों के भीतर एक तरह का डर पैदा हो गया है.

कश्मीर छोड़ कर जा रहे हिंदुओं को रोकने के लिए सरकार क्या कर रही है

कश्मीरी पंडितों को घाटी वापस लाने के लिए भारत सरकार ने साल 2009 में नौकरी देने की पेशकश की थी. उस समय इन पंडितों को सुरक्षित रिहाइश का भी प्रावधान किया गया था. नौकरी और सुरक्षित रिहाइश के सरकार के वादे के बाद लगभग 5000 कश्मीरी अपनी सरजमीं पर लौटे भी थे. उन्हें घाटी में सरकारी नौकरी भी दी गई. ज्यादातर लोगों को शिक्षा विभाग में काम मिला.

बॉर्डर पर भी तनाव का माहौल

14 फरवरी, 2019 को भारतीय सुरक्षाबलों पर एक बम हमला हुआ जिसमें 40 सैनिकों की मौत हो गई थी. इस हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के रिश्तों में खटास बढ़ी थी. इस घटना के एक हफ्ते बीतते ही भारतीय वायु सेना ने पाकिस्तानी क्षेत्र में हवाई हमले किए थे.

टायर गोदाम में लगी भीषण आग, फायर ब्रिगेड की टीम कर रही आग बुझाने का प्रयास

इंदौर, 10 मार्च (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के इंदौर शहर में आज एक टायर के गोदाम में भीषण आग लग गई। दरहसल यह टायर गोदाम शहर के भंवरकुंआ क्षेत्र में है और गोदाम पुराने टायरों का बताया जा रहा है। आग इतनी भीषण है की उसकी लपटें दूर तक दिखाई दे रही है। गोदाम में लगी भीषण आग की सूचना फायर ब्रिगेड को मिलते ही वह मोके पर पर पहुंच गई है और आग बुझाने का प्रयास किया जा रहा है। आग लगने का कारण अभी स्पष्ट नहीं है। आग लगने से गोदाम रखें पुराने टायर जल कर खाक हो चुके है, नुकसान का आंकलन किया जा रहा है। फ़िलहाल दमकल की गाड़ी मोके पर है और आग पर काबू किया जा रहा है।

प्यार में मिला धोखा नहीं हुआ बर्दाश्त, फंदे पर झूली 26 वर्षीय युवती, पिता ने जताया ये शक

मोहाली (पंजाब), 10 मार्च (एजेंसियां)। पंजाब के मोहाली में एक युवती ने प्यार में धोखा मिलने पर पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। इस मामले में थाना फेज-8 की पुलिस ने एक युवक के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आरोपी की पहचान गैवी के रूप में हुई है। पुलिस को दी शिकायत में कमलदीप सिंह निवासी बरनाला ने बताया कि उसकी बड़ी बहन जसवीर कौर (26) करीब दस साल से मोहाली में रह रही थी। वह ब्यूटी पार्लर और शूटिंग का काम करती थी। छह मार्च को दोपहर करीब सवा तीन बजे जसवीर की सहेलियों का फोन आया कि जसवीर बीमार है और उसे वे फेज-6 स्थित अस्पताल लेकर जा रही हैं। कुछ समय बाद पता चला कि जसवीर ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली है।

प्रशासन ने रुकवाई नाबालिग की शादी, कार्रवाई की भनक लगते ही हरियाणा से आ रही बरात लौटी

देहरादून, 10 मार्च (एजेंसियां)। डुंडा तहसील के कुमारकोट गांव में प्रशासन ने नाबालिग लड़की की शादी रुकवा दी। नाबालिग लड़की और उसकी मां को वन स्टॉप सेंटर उत्तरकाशी लाया गया है। वहीं, हरियाणा से आ रही बरात रास्ते से ही लौट गई। बताया जा रहा कि परिजनों ने नाबालिग का फर्जी जन्म प्रमाणपत्र बनवा कुछ दिन पूर्व कोर्ट मैरिज भी करवा दी थी। देर शाम तहसील प्रशासन डुंडा को कुमारकोट गांव में एक नाबालिग लड़की शादी करवाने की शिकायत मिली, जिस पर प्रशासन की टीम देर शाम गांव पहुंची। गांव में शादी की तैयारियां पूरी कर बरात का इंतजार किया जा रहा था। बरात के लिए शामियाना सजाया गया था। तभी प्रशासन की टीम ने पहुंचकर जांच शुरू की।

कांग्रेस विधायक से मांगा टेरर टैक्स

कार में कट मारकर पुल से नीचे गिराने का प्रयास

मुरैना, 10 मार्च (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के मुरैना में कांग्रेस विधायक की कार को टक्कर मार पुल से नीचे गिराने की कोशिश का मामला सामने आया है। इसके साथ ही विधायक से टेरर टैक्स मांग जान से मारने की धमकी भी दी गई। पुलिस ने विधायक की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर लिया है। जानकारी के अनुसार मुरैना विधायक राकेश मावई की कार को कट मारकर सिविल लाइन थाना क्षेत्र स्थित नेशनल हाईवे ओवरब्रिज से नीचे गिराने का प्रयास किया गया। आरोपी ने रात ढाई बजे फोन पर विधायक से टेरर टेक्स मांगते हुए जान से मारने की धमकी भी दी है। आरोपी टीकरी गांव के सरपंच का भाई बताया गया है। मुरैना विधायक राकेश मावई ने दोपहर सिविल लाइन थाने पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराई।

गेहूं-चने, सरसों की 80% फसल पर संकट

भोपाल, 10 मार्च (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश में बेमौसम हो रही बारिश किसानों की मुश्किलें बढ़ा रही हैं। पांच दिन में तेज बारिश, ओलावृष्टि और आंधी की वजह से 20 से ज्यादा जिलों में गेहूं-चने और सरसों समेत अन्य फसलें बर्बाद हो चुकी हैं। 80% से ज्यादा फसलें या तो खेतों में खड़ी हैं, या फिर कटकर खलिहान में रखी है। इन पर फिर से संकट के बादल मंडरा रहे हैं। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक 15 मार्च से फिर बारिश का दौर शुरू होगा, जो तीन-चार दिन तक चलेगा। अरब सागर से आने वाली हवाओं के चलते पूरे प्रदेश में असर रहेगा। बारिश के साथ ओले गिरेंगे और तेज आंधी भी चलेगी।

महाराष्ट्र के विधायक के विवादित बयान पर असम विधानसभा में विपक्षी सदस्यों का हंगामा

गुवाहाटी, 10 मार्च (एजेंसियां)। असम के लोगों की कथित तौर पर 'कुत्ते का मांस' खाने की आदतों के बारे में महाराष्ट्र के एक विधायक की विवादित टिप्पणी को लेकर शुक्रवार को विधानसभा में जमकर हंगामा हुआ. विपक्ष के सदस्यों ने राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया के अभिभाषण में व्यवधान पैदा किया. विपक्षी सदस्य खड़े हो गए और नारेबाजी करने लगे इसके बाद कटारिया को बजट सत्र के पहले दिन अपना अभिभाषण 15 मिनट में ही खत्म करना पड़ा. उन्होंने यह भी जानना चाहा कि महाराष्ट्र के विधायक के खिलाफ क्या कार्रवाई की गई है. महाराष्ट्र विधानसभा के सदस्य बच्चू कडू ने कथित तौर पर सदन में एक प्रस्ताव रखा था कि आवारा कुत्तों की बढ़ती आबादी को नियंत्रित करने के लिए उन्हें असम भेजा जाए, क्योंकि इस पूर्वोत्तर राज्य में स्थानीय लोग इसका सेवन करते हैं. कटारिया ने जैसे ही अपना अभिभाषण शुरू किया, कांग्रेस विधायक कमलाख्या डे पुरकायस्थ ने यह मामला उठाया. निर्दलीय विधायक अखिल गोगोई ने भी कहा कि इस मुद्दे को राज्यपाल के अभिभाषण में शामिल किया जाना चाहिए. विपक्षी विधायकों द्वारा कार्यवाही में व्यवधान जारी रखने के कारण कटारिया ने अपना भाषण बीच में ही समाप्त कर दिया.

पानीपत में 4 बच्चों की मां प्रेमी संग भागी: 30 हजार कैश ले गई

पानीपत, 10 मार्च (एजेंसियां)। हरियाणा के पानीपत जिले के इसराना उपमंडल के एक गांव में 4 बच्चों की मां अपने प्रेमी के साथ भाग गई। आधी रात को महिला अपने बच्चों और पति को सोता हुआ छोड़कर 30 हजार कैश लेकर प्रेम संग फरार हो गई। प्रेमी साथी कर्मी ही है। पति ने इसकी शिकायत पुलिस को दी है। पुलिस ने मामले में गुमशुदगी का केस दर्ज कर लिया है। इसराना थाना पुलिस को दी शिकायत में एक व्यक्ति ने बताया कि वह मूल रूप से गांव नंदलारोखोया गबिदपुर लारुखो, उतर दिनाजपुर इस्लाम, वेस्ट बंगाल का रहने वाला है। हाल में वह पानीपत के गांव काकौदाद में रहता है।

नींद में था परिवार, तेंदुए ने खंगाला पूरा घर

सीसीटीवी में नजर आया तो खड़े हो गए रोंगटे

सतना, 10 मार्च (एजेंसियां)। सिविल लाइंस के एक मकान में रात तेंदुआ घुस आया था. आधे तक घर के अंदर दबे पांव इधर से उधर चहलकदमी की और जब कहीं कोई शिकार जैसी चीज नहीं मिली तो चुपचाप बाहर निकल गया. इस दौरान पूरा परिवार घर में ही सो रहा था, लेकिन किसी को भनक तक नहीं लगी. वहीं सुबह जब पड़ोसियों ने कुत्तों के भौंकने की जानकारी दी तो परिवार ने घर में लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज खंगाली. नजारा देखकर परिवार के सभी लोगों के रोंगटे खड़े हो गए. मामला महादेवा वार्ड नंबर 30 में रहने वाले दिनेश पांडेय के घर का है. मकान मालिक दिनेश पांडेय ने बताया कि मंगलवार बुधवार की रात उनका परिवार घर के अंदर ही सो रहा था. अचानक एक तेंदुआ रिहायशी बस्ती में घुसा और शायद किसी शिकार की तलाश करते हुए उनके घर में आ घुसा. सीसीटीवी देखने से पता चला कि तेंदुआ उनके

घर में करीब आधे घंटे तक रहा. इस दौरान उसकी चहलकदमी की वजह से घर खटरपटर भी हुई थी, लेकिन इसे सुनकर सभी लोगों ने इग्नोर कर दिया. लेकिन सुबह नींद खुलने के बाद पड़ोसियों ने बताया कि रात में कुत्ते भौंक रहे थे. संदेह होने पर उन्होंने सीसीटीवी चेक किया तो पूरे मामले की जानकारी हुई. ग्रामीणों ने बताया कि तेंदुआ घर में दबे पांव घुसा था. इसकी वजह से किसी को भनक तक नहीं लगी. वहीं पूरे घर में घुमने के बाद वह चुपचाप बाहर भी निकल गया.इस दौरान तेंदुए ने किसी को कोई नुकसान नहीं पहुंचाया. लेकिन सीसीटीवी फुटेज देखने के बाद सबकी हालत खराब हो गई. लोग अनुमान लगाने लगे कि ऐसे हालात में उनकी नींद खुल जाती या तेंदुआ हमला कर देता तो क्या स्थिति होती. सीसीटीवी देखने से पता चलता है कि दिनेश पांडेय के घर में घुसा तेंदुआ वयस्क नहीं है, बल्कि तेंदुए का बच्चा है, जो गलती से जंगल छोड़ कर आबादी में घुस आया था. संभवतः यह तेंदुआ किसी शिकार की तलाश में था और किसी कुत्ते या पालतू जानवर का पीछा करते हुए आबादी में आया था. फिलहाल स्थानीय लोगों ने इस घटनाक्रम के संबंध में वन विभाग के अधिकारियों को सूचित कर दिया है. सतना के जंगलों में तेंदुआ समेत कई जंगली जानवर हैं. आशंका है कि जंगलों में लोगों के जाने और हलचल बढ़ने की वजह से तमाम हिंसक जानवर भी जंगल छोड़ कर बाहर की ओर घूमने लगे हैं.

मामूली बात पर हुआ झगड़ा तो दो दोस्तों ने शख्स पर पेट्रोल डालकर लगा दी आग

नई दिल्ली, 10 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली के छावला इलाके में मामूली विवाद के बाद एक युवक और उसके दोस्त ने दूसरे शख्स पर पेट्रोल डालकर और आग लगाकर जिंदा जलाने की कोशिश की. रिपोर्ट के मुताबिक 23 साल के युवक पर कालू नाम के शख्स ने पहले पेट्रोल डाल दिया और फिर उसके दोस्त ने लाइटर से आग लगा दी. इससे पहले की दोनों मौके से भाग पाते पीड़ित युवक ने उन्हें दबोच लिया. दोनों को घायल हालत में पहले पास के अस्पताल में ले जाया गया जहां से उन्हें सफदरजंग अस्पताल भेज दिया गया. दोनों सफदरजंग अस्पताल में भर्ती हैं. पुलिस के मुताबिक झगड़े की वजह ये थी की दीपांशु को इस बात का शक था कि उसके साथ काम करने वाली लड़की की टीटू से दोस्ती है. द्वारका जिले के डीसीपी के मुताबिक एक पीसीआर कॉल की गई जिसमें कॉलर ने बताया कि हिमांशु नाम के एक लड़के ने एक लड़की को पेट्रोल डालकर आग लगा दी है.

हर दिन दम तोड़ रहे मासूम, अब तक 128 बच्चों की गई जान ममता सरकार को नहीं मिल रहा समाधान

कोलकाता, 10 मार्च (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में बुखार, सर्दी, खांसी से लगातार हो रही बच्चों की मौतों से हाहकार मचा हुआ है. गुरुवार (9 मार्च) की रात से शुक्रवार सुबह के बीच बीसी रॉय अस्पताल में 3 और बच्चों की जान चली गई. सर्दी और खांसी से बच्चों से मौत को लेकर पूरे बंगाल में दहशत फैल गई है. बच्चों की मौत को एडिनोवायरस के संक्रमण से जोड़कर देखा जा रहा है. मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने खुद स्वीकार किया था कि सूबे में एडिनोवायरस का संक्रमण है और इस संबंध में राज्य सरकार द्वारा एडवाइजरी भी जारी की गई थी. वहीं, विपक्ष ने इस मामले पर चर्चा की मांग करते हुए विधानसभा से वॉकआउट कर दिया था. गैर सरकारी सूत्रों के मुताबिक, जनवरी से अभी तक बंगाल में 128 बच्चों की मौत हो चुकी है. रिपोर्ट से मुताबिक, बीते 24 घंटों में फिर 3 बच्चों की जान गई है. एक मृत बच्चे का नाम शांतनु कीर्तन्य है, जिसकी आयु 1 साल 11 महीने है. उसे होली वाले दिन अस्पताल में एडमिट कराया गया था. इसी प्रकार से बनगांव निवासी अयान मंडल की आयु डेढ़ साल है. अयान की शुक्रवार को मौत हो गई. वहीं, ठाकुरनगर निवासी 2 वर्षीय बच्चे ने शुक्रवार तड़के दम तोड़ दिया था. वहीं, बच्चों की मौतों को देखते हुए राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की प्रमुख सुदेशना रॉय और सदस्य अनन्या चटर्जी ने बुधवार को बीसी रॉय चिल्ड्रन हॉस्पिटल का दौरा किया था. उन्होंने दावा किया था कि बच्चों को उचित सेवा प्रदान की जा रही है. अस्पताल में कई डॉक्टर भी हैं. एक बिस्तर पर 2 बच्चे होने जैसी कोई बात नहीं है. उन्होंने बदसलूकी के आरोप को भी गलत बताया था. राष्ट्रीय बाल संरक्षण आयोग के सदस्यों ने गुरुवार सुबह अस्पताल का मुआयना किया था. सूबे में बुधवार को 3 बच्चों की भी जान गई थी. गुरुवार सुबह तक बीसी रॉय चिल्ड्रन अस्पताल में 2 और कलकत्ता मेडिकल कॉलेज अस्पताल में एक बच्चे ने दम तोड़ दिया था. हालांकि, एक स्वास्थ्य अधिकारी का कहना है कि बाल मृत्यु दर काफी अधिक नहीं कही जा सकती है. उन्होंने कहा कि, 'हम बच्चों की मौतों को रोक नहीं पा रहे हैं. प्रतिदिन तीन की बजाय औसतन 4 जानें जा रही हैं. ऐसा नहीं है कि मौतें काफी बढ़ गई हैं, किन्तु उन्होंने यह भी माना कि, 'रेफर अब पहले जैसे नहीं रहे. हमने जिले में भी कई बेड बनाए हैं. मॉनिटर हैं, वेंटिलेटर देने का प्रबंध किया गया है. हमने कोरोना से निबट लिया है और इस पर नियंत्रण करने में कामयाब रहेंगे.' बता दें कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने जिला के अस्पतालों को कड़े निर्देश दिया है कि वे बहुत आवश्यक नहीं होने पर रेफर नहीं करें और जिला अस्पतालों में भी बच्चों की चिकित्सा की समुचित व्यवस्था की गई है. राज्य सरकार ने भी निर्देश जारी किया है और बच्चों को लेकर विशेष सतर्कता बरतने की सलाह दी है.

माधव नेशनल पार्क में दो ही बाघ छोड़े जाएंगे, पन्ना की बाघिन आना टला

शिवपुरी, 10 मार्च (एजेंसियां)। शिवपुरी जिले के माधव नेशनल पार्क में टाइगर की शिफ्टिंग के पहले ही एक बाघिन लापता हो गई, जिसका अब तक आधिकारिक रूप से पता नहीं चल सका। इन्हें मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया आज माधव नेशनल पार्क में आज एक बाघ और दो बाघिन छोड़ने वाले थे लेकिन पन्ना नेशनल पार्क से लाई जाने वाली बाघिन के लापता होने के चलते अब सिर्फ दो बाघ ही छोड़े जाएंगे। बताया जा रहा है कि बीते दो दिन से वन विभाग के अधिकारियों को बाघिन की लोकेशन नहीं मिल रही है। पन्ना टाइगर रिजर्व के क्षेत्र संचालक बिजेंन्द्र झा के मुताबिक 2 बाघों को तो पहले ही ट्रेंकुलाइज कर लिया गया था। लेकिन बाघिन को आखिरी समय ट्रेंकुलाइज करने की रणनीति बनाई गई थी। इस बाघिन पर लगातार निगाह रखी जा रही थी। इसे 8 मार्च को ट्रेंकुलाइज करने के लिए जैसे ही कहा गया तो पता चला कि बाघिन गायब हो गई। वन विभाग अमले ने बाघिन को ढूंढने में खूब पसीना भी बहाया। लेकिन पिछले 2 दिनों से बाघिन का कोई पता नहीं चल सका है। वन विभाग के अधिकारियों का कहना ये भी है कि बाघिन की तलाश में टीम जुटी हुई है, हालांकि इस मामले को लेकर बाकी अधिकारी कुछ भी बोलने को तैयार नहीं हैं। बताया जा रहा है कि बाघिन के लापता होने से शिवपुरी के माधव नेशनल पार्क में दो टाइगर को ही छोड़ा जाएगा। शिवपुरी के माधव नेशनल पार्क में करीबन 27 साल बाद बाघों की दहाड़ गूंजेगी। इसके लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। फिलहाल इन बाघों को अलग-अलग बाडों में रखा जाएगा। माहौल में ढलने के बाद कुछ दिन बाद इन्हें जंगल में छोड़ा जाएगा। इसके लिए यहां 3 बडे बाड़े बनाए गए हैं। शिफ्ट किए जा रहे बाघ में एक वही बाघ है।

स्वतंत्र वार्ता

शनिवार, 11 मार्च- 2023

पैर पसारता इन्फ्लूएंजा

अब तक तो यही माना जा रहा था कि वसंत को ऋ तुराज इसीलिए कहा जाता था कि इसमें बीमारी व बुखार का कहर नहीं आता था। लेकिन अब जिस तरह से पर्यावरणीय विसंगतियों की वजह से मौसम का मिजाज बदल रहा है, उसमें नई-नई बीमारियां पैदा करने वाले विषाणुओं के उत्पन्न होने की आशंका बढ़ने लगी है। वसंत के आगमन के साथ ही एक बार फिर नए विषाणु का संक्रमण तेजी से फैलना शुरू हो गया है। इन्फ्लूएंजा (Influenza) नाम का यह विषाणु भी कोविड विषाणु की तरह ही अपना प्रकोप फैला रहा है, जिससे लोग भयभीत हैं। हालांकि डाक्टरों ने कहा है कि इससे उस तरह भयभीत होने की जरूरत नहीं है, जैसे कोरोना से थे। फिर भी लोगों पर इसका लंबे समय तक असर बना रहता है। इससे प्रभावितों को खांसी, बुखार, गले में जलन आदि जैसी तकलीफें हो रही हैं। इस विषाणु के पैदा होने की खास वजह मौसम के अचानक सर्द से गर्म होने को बताया जा रहा है। अब यह विषाणु इतनी तेजी से पैर पसार रहा है कि अस्पतालों में भीड़भाड़ देखी जाने लगी है। यहां तक कि कई अस्पतालों ने इसके लिए अलग से वार्ड बना दिया है। बताया जा रहा है कि इसी विषाणु के प्रभाव में कोरोना के मामले भी बढ़ रहे हैं। इसे देखते हुए स्वास्थ्य विभाग लोगों से सावधान रहने और बचाव के उपाय आजमाने की अपील कर रहा है। बहरहाल, इसमें राहत की बात यह है कि भारत की अधिकतर आबादी को कोरोना के टीके लगाए जा चुके हैं, बहुत सारे लोग एहतियाती खुराक भी ले चुके हैं, इस तरह ज्यादातर लोगों में प्रतिरोधक क्षमता विकसित हो चुकी है। मगर जब भी कोई विषाणु अपने पांव पसारता है, तो स्वास्थ्य संबंधी सावधानियां बरतने की अपेक्षा की जाती है, क्योंकि विषाणु न सिर्फ तेजी से संक्रमण फैलाते हैं, बल्कि अपने रूप भी बदलते रहते हैं, जो ज्यादा खतरनाक हो सकते हैं। कोरोना के समय भी यही हुआ, जब विषाणु ने दूसरे दौर में अपना रूप बदल कर खुद को इतना ताकतवर बना लिया था कि बहुत सारे लोगों को उसका प्रकोप झेलना मुश्किल हो गया था। इसलिए इन्फ्लुएंजा के विषाणु का प्रभाव बेशक सामान्य मौसमी खांसी, जुकाम, बुखार जैसा लग रहा हो, पर उसे नजरअंदाज करना खतरनाक साबित हो सकता है। विषाणुओं के प्रभाव से बचने का सबसे बेहतर उपाय साफ-सफाई रखना, भीड़भाड़ से बचना, हाथ धोते रहना, मास्क पहनना बताया जा रहा है। इसलिए लोगों से कहा जा रहा है कि वे इस विषाणु से बचने के लिए कोरोना से बचने वाले उपाय करते रहें। आमतौर पर देखा जाता है कि कोई भी नया विषाणु इसलिए अधिक ताकतवर होकर फैलता है कि लोग उससे बचाव के उपाय को नजरंदाज कर देते हैं। भारत में आबादी का दबाव पहले से ही अधिक है और प्रायः बड़ी आबादी साफ-सफाई को लेकर सतर्क नहीं देखी जाती, विषाणुओं के संक्रमण का खतरा अधिक बना रहता है। इसलिए इससे बचाव को लेकर सतर्कता ही पहला और प्रभावी उपाय है। कई बार ऐसा भी होता है कि जब कोई विषाणु फैलना शुरू होता है तो लोगों में एक प्रकार से अफरा-तफरी मच जाती है। इन्फ्लुएंजा का यह विषाणु वैसा घातक नहीं है, इसलिए अधिक भयभीत होने की जरूरत नहीं है। सामान्य रूप से शारीरिक स्वच्छता, खानपान संबंधी सतर्कता के जरिए इसके प्रभावों से बचा जा सकता है। इसलिए भी लोगों से अपने स्वास्थ्य को लेकर लगातार सावधान रहने की अपेक्षा की जाती है। बाहर निकलते समय ऐसे तमाम उपाय करने की सलाह दी जाती है, जिनसे वातावरण में पनप रहे विषाणुओं को शरीर में प्रवेश करने से रोका जा सके। ऐसी स्थितियों में सरकारी स्वास्थ्य महकमें से भी अपेक्षा की जाती है कि वह अपनी तरफ से तैयारियां पहले ही पूरी कर ले, ताकि लोगों में भय का वातावरण न बनने पाए।

भारत सरकार की नीली अर्थव्यवस्था नीति

श्री मुरारीलाल

सृष्टि में सर्वप्रथम जीवन समुद्र में पाया गया और बाद में पृथ्वी की सतह पर। जिसे हरे-नीले एल्गे (एक जीव) का रूप कहा गया है। और फिर धीरे-धीरे सीप-मोती आदि जीव पनपते गए। महासागर से मोती प्राप्त होता है। अपने अथक प्रयास से मैंने भी काफी सोच-विचार करके महासागर से मोती के साथ-साथ अन्य खनिज को भी खोजने का प्रयास किया है। भारत सरकार के पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के अधीनस्थ कार्यालय हैदराबाद स्थित'इंकॉइस' संस्थान के वैज्ञानिकों के दैनिक 24 घंटे निरंतर अभ्यास और प्रयोगों के फलस्वरूप आज देश-विदेश के समस्त जन समुदाय को व्यावसायिक सेवा व सुरक्षा की विभिन्न प्रकार की विश्वसनीय जिम्मेदारियों के साथ अपनी भूमिका अदा कर रहा है। धार्मिक-पौराणिक कथा-वार्ता के अनुसार सागर-मंथन से प्राप्त कई प्रकार के उपयोगी बहु- मूल्य वस्तुएं जैसे-मोती, सीप, शंख, खनिज, तेल आदि को आज भी हम सभी अपने दैनिक धार्मिक कर्म-कांडों के प्रयोग में लाते हैं। हमारे देश का तीन-चौथाई भाग जल से घिरा है। जिसकी तट रेखा की लंबाई 8 किलो मीटर के लगभग है। जिस पर हमारे जीवन-यापन के रूप में बहुत सारे जल स्रोत आश्रित हैं जैसेः जलचर प्राणी हो या फिर वनस्पति। चाहे वह मछली-पालन के रूप में मत्स्य उद्योग। ये सभी समुद्री अर्थव्यवस्था नीति से जुड़े सामरिक आर्थिक विकास, बेहतर आजीविका और रोजगार सृजन के लिए समुद्री संसाधनों का सतत प्रयोग करते हुए और समुद्र की पारिस्थिकी स्वास्थ को बनाए रखते हुए आर्थिक विकास की अवधारणा को बनाए रखते हैं। विश्व बैंक ने ब्लू एकॉनोमी को टिकाऊ, बेहतर जीविका एवं संसाधनों के लिए उपयुक्त बताया है। जिसके परिणाम स्वरूप 09 अक्तूबर, 2014 को ऑस्ट्रेलिया के पर्थ शहर में 'आई ओ आर ए' (IORA) की बैठक में प्रथम बार ब्लू एकॉनोमी के बारे में विस्तृत चिंतन किया गया। इसके उपरांत 'बी ई सी' का गठन किया गया। जिसकी प्रथम बैठक 2 व 3 सितंबर, 2015 को मॉरीशस में हुई थी। 'बी ई सी' (BEC) द्वितीय बैठक मई, 2017 को इंडोनेशिया के ज़कारता शहर में हुई। इन बैठकों मीन ब्लू अर्थव्यवस्था से संबंधित अपार संभावनाओं के बारे में विस्तृत चर्चा की गई और प्रारूप तैयार किया गया। भारत सरकार की पहल और नीतिः वर्ष 2021 में पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय ने भारत का नोडल एक मंत्रालय के रूप में राष्ट्रीय ब्लू अर्थव्यवस्था का प्रारूप जारी किया। इसके चार मूल सिद्धांत हैंः भारत ब्लू एकॉनोमी को काफी संगीनता से ले रहा है। हर दिशा में हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। हाल ही में भारत देश के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने भी ब्लू एकॉनोमी पर काफी जोर दिया है। इस दिशा में भारत का "सागर-माला" परियोजना काफी चर्चा में है। इसे नदियों के अंतर्योजन से बंदरगाहों को जोड़ा गया है। भारत में लगभग 200 बंदरगाह हैं जिनमें से 12 बड़े बंदरगाह हैं, जिन्हें जोड़ने से समुद्री व्यापार और अधिक बढ़ेगा। भारत ने फ्रांस के साथ एक 'एम ओ यू' पर हस्ताक्षर किया है। जिसके अंतर्गत दोनों देश ब्लू एकॉनोमी को बढ़ावा देने में सहयोग करेंगे।

इसके अंतर्गत 'आई आई टी' गोवा के साथ भी एक 'एम ओ यू' पर हस्ताक्षर किया गया है। जिसके अंतर्गत समुद्री अनुसंधान, समुद्री विज्ञान एवं 5 विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति देने का प्रावधान है। समुद्री परिवहन एवं पर्यटनः भारतीय उप-महाद्वीप में सामाजिक अर्थव्यवस्था को बनाए रखने के लिए समुद्र और समुद्रीय परिवहन का बहुत बड़ा योगदान रहा है। हमारे देश का 9% भाग ही पर्यटन में भाग ले रहा है।

बेरोजगारी के दौर में युवा शक्ति कौशल और शिक्षा'

डॉ सत्यवान सौरभ

युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिये देश की व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण प्रणाली को सशक्त बनाना होगा। कोरोना ने देशवासियों को ऐसे स्थान पर लाकर खड़ा कर दिया है जहां पर अनेक लोगों को कौशल की आवश्यकता है । इस समय हर वर्ग के व्यक्ति को एक सभ्य आजीविका की जरूरत है। कौशल एवं व्यवसायिक शिक्षा की जरूरत केवल वंचित समुदायों के लोगों को ही नहीं बल्कि उन लोगों को भी जरूरत है जो औपचारिक शिक्षा भी प्राप्त नहीं कर पायें। भारत दुनिया में सबसे बड़ी आबादी वाला युवा देश है और यह युवा शक्ति न्यू इंडिया का आधारस्तंभ है। लिहाजा केंद्र सरकार की नीतियों में बजट में, योजनाओं में। युवाओं को लेकर भविष्य के विकास का विजन दिखाई देता है। जैसा कि अमृत काल के बजट में युवाओं और उनके भविष्य को सबसे ज्यादा महत्व दिया गया है। टेक्नोलॉजी, स्टार्टअप से कैसे युवाओं की तकदीर बदल रही है। सुधारों के साथ शिक्षा क्षेत्र की कैसे तस्वीर बदल रही है। युवाओं के दम पर दुनिया के सामने कैसे मजबूती से खड़ा हो रहा है भारत।

युवा किसी भी देश का भविष्य है, आज, भारत विश्व की सबसे बड़ी शक्ति के रूप में उभर रहा है। यहाँ प्रत्येक तीसरा व्यक्ति युवा है ऐसे में हमें, इस युवा ऊर्जा का प्रयोग सही दिशा में करने के लिए साधन सोचने होगें। युवाओं के लिए शिक्षा, कौशल विकास, रोजगार और स्वरोजगार के अवसर पैदा करने वाली नीतियां और कार्यक्रम मौजूदा वक्त की सबसे बडी आवश्यकता है। युवाओं को सशक्त बनाने की कुंजी, कौशल विकास के साथ है, जब एक युवा के पास आवश्यक कौशल होता है तो वह उसका उपयोग अपनी आजीविका व दूसरों की सहायता करने के लिए कर सकता है। वह आर्थिक रूप से राष्ट्र का भी समर्थन करता है। युवाओं को शिक्षा के साथ कौशल विकास और उद्यमशीलता से जोड़ना जरूरी है। साथ ही उन्हें स्कूली शिक्षा के साथ व्यावसायिक शिक्षा भी अति आवश्यक है। कोरोना माहमारी के समय अनेक लोगों को अपने रोजगार, व्यवसाय और नौकरी से हाथ धोना पड़ा इसलिये जरूरी है कि हमारे देश के सभी बच्चों को कौशल विकास की शिक्षा प्रदान की जाये ताकि उनमें उद्यमशीलता का गुण विकसित हो।

कौशल विकास न केवल आजीविका का साधन है बल्कि सामान्य दिनचर्या में स्वयं के जीवंत और ऊर्जावान महसूस करने का एक विशेष माध्यम भी है। अतः युवा शक्ति को शिक्षा, कौशल विकास और प्रशिक्षण द्वारा बेहतर मानव संसाधन के रूप में विकसित करने से न केवल गरीबी, बेरोजगारी और सामाजिक बुराईयो इत्यादि का समाधान मिल सकता है अपितु वे राष्ट्र के समग्र विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते है। आज यह आवश्यक हो गया है, कि युवाओं की ऊर्जा को उध्वगायी बनाया जाये, शिक्षा को रोजगारोन्मुखी बनाया जाये, युवाओं में कौशल और तकनीकी क्षमता विकसित की जाए, जिससे भारत उभरती अर्थव्यवस्था की मुख्य चुनौतियों से निपटने में सफल हो सके। वोकेशनल ट्रेनिंग के माध्यम से युवाओं को आज के अनुकूल कौशल का निर्माण करने वाला प्रशिक्षण देना होगा तभी कौशल विकास सफल हो सकता है। कौशल विकास एक बड़ी नैतिकता और जवाबदेही का कार्य है जिसके माध्यम से युवाओं को उद्यमशील बनाया जा सकता है। स्किल्ड युवा निश्चित रूप से कौशल युक्त भारत का निर्माण कर सकता है। कोरोना के समय में भारत में बेरोजगारी एक बड़ी समस्या बनकर उभरी है। इस समस्या को काफी हद तक कौशल विकास को विकसित कर कम किया जा सकता है, भारत में कौशल विकास तथा बेरोजगारी की समस्या के मूल में स्कूली स्तर पर व्यावसायिक शिक्षा की अनुपस्थिति है इसलिये स्कूली स्तर पर व्यावसायिक शिक्षा को शामिल करना बहुत जरूरी है।

युवाओं को सशक्त बनाने की कुंजी, कौशल विकास के साथ है, जब एक युवा के पास आवश्यक कौशल होता है तो वह उसका उपयोग अपनी आजीविका व दूसरों की सहायता करने के लिए कर सकता है। वह आर्थिक रूप से राष्ट्र का भी समर्थन करता है। कौशल विकास न केवल आजीविका का साधन है बल्कि सामान्य दिनचर्या में स्वयं के जीवंत और ऊर्जावान महसूस करने का एक विशेष माध्यम भी है। अतः युवा शक्ति को शिक्षा, कौशल विकास और प्रशिक्षण द्वारा बेहतर मानव संसाधन के रूप में विकसित करने से न केवल गरीबी, बेरोजगारी और सामाजिक बुराईयां इत्यादि का समाधान मिल सकता है अपितु वे राष्ट्र के समग्र विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते है।

युवाओं को सशक्त बनाने की कुंजी, कौशल विकास के साथ है, जब एक युवा के पास आवश्यक कौशल होता है तो वह उसका उपयोग अपनी आजीविका व दूसरों की सहायता करने के लिए कर सकता है। वह आर्थिक रूप से राष्ट्र का भी समर्थन करता है। कौशल विकास न केवल आजीविका का साधन है बल्कि सामान्य दिनचर्या में स्वयं के जीवंत और ऊर्जावान महसूस करने का एक विशेष माध्यम भी है। अतः युवा शक्ति को शिक्षा, कौशल विकास और प्रशिक्षण द्वारा बेहतर मानव संसाधन के रूप में विकसित करने से न केवल गरीबी, बेरोजगारी और सामाजिक बुराईयां इत्यादि का समाधान मिल सकता है अपितु वे राष्ट्र के समग्र विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते है। वर्ष 2014 की एक सरकारी रिपोर्ट के अनुसार, भारत को भली भांति प्रशिक्षित कुशल श्रमिकों की भारी कमी का भी सामना करना पडा है तालिका 1.0 के माध्यम से यह समझा जा सकता है कि यद्यपि भारत युवाओं का देश है परन्तु कुल कार्यबल में से केवल 2.3 प्रतिशत ही औपचारिक रूप से प्रशिक्षित है। जबकि अन्य विकसित देशों में प्रतिशत काफी अधिक है।

भारत में कौशल विकास में आने वाली सबसे बड़ी समस्या यह है कि यहां लगभग 93 प्रतिशत लोग अकुशल है। यहाँ प्रतिवर्ष लगभग 26.14 मिलियन अकुशल लोग रोजगार के लिए 15-45 उम्र समूह में सम्मिलित हो रहे है। अतः 7 वर्ष में लगभग 104.62 मिलियन अकुशल तथा पहले से कृषि एवं गैर कृषि में लगे हुए 298 मिलियन लोगो को 2022 तक कौशल युक्त करना एक बडी चुनौती है। इसके अतिरिक्त ऐसे बेरोजगार लोगो को शिक्षित करना जिन्होनें अपनी स्कूली शिक्षा प्राप्त नही की है या बीच में छोड़ दी है, भी एक बडी समस्या है। महिलाओं की घटती भागीदारी भी एक गंम्भीर समस्या है। 2011 की जनगणना के आँकडों के अनुसार महिलाओं की ग्रामीण क्षेत्रों में रोगजार में भागीदारी 33.3 प्रतिशत से घटकर 26.5 प्रतिशत तथा शहरी क्षेत्रों में भागीदारी 17.8 प्रतिशत से घटकर 15.5 प्रतिशत रह गई है। इसके अलावा सूक्ष्म, लघु एवं औद्योगिक सेक्टरों में भी अकुशल कार्यबल आर्थिक विकास के लिए बाधक बन रहा है जिसके परिणाम स्वरूप उत्पादकता प्रभावित हो रही है तथा बडी संख्या में बेरोजगारी की दर बढ़ती जा रही है। अतः युवाओं के लिए रोजगार उपलब्ध कराना भी एक बहुत बडी चुनौती है। इस दृष्टिकोण से हमें उद्यमिता विकास पर भी ध्यान देने की जरूरत है। उद्यमिता में भारत की स्थिति 143 देशों में 76वें स्थान पर है। भारत में प्रति 1000 वर्किंग लोगों पर 0.09 कम्पनी रजिस्टर्ड है, जो कि जी-20 देशों में सबसे कम है।

डिजिटल युग में भी करें पत्रों से संवाद

सुनील कुमार महला

आज डिजिटल तकनीक का युग है। इंटरनेट, सोशल नेटवर्किंग साइट्स फेसबुक, व्हाट्सएप, ट्विटर, इंस्टाग्राम का युग है। यही कारण है कि आज हम पत्रों से संवाद करना लगभग लगभग भूल चुके हैं। आज की युवा पीढ़ी डाकघर में मिलने वाले अंतर्देशीय पत्र, पोस्टकार्ड आदि के बारे में जानती ही नहीं होगी। आज सब टेक्स्ट मैसेज लिखते हैं, व्हाट्सएप, फेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम का जमकर प्रयोग करते हैं लेकिन पत्र लिखने में जो भावनाएं मौजूद थीं, जिस भाषा का हम पत्रों में इस्तेमाल करते थे, आज वह भाषा, भावनाएं दोनों ही नदारद हो गई हैं। आज पत्र-पत्रिकाओं के संपादकों को कोई विरले ही चिट्ठी लिखता होगा।वैसे भी आज के इंटरनेट, आधुनिक युग में किसी संपादक के पास इतना समय नहीं होता है कि वह पाठकों, लेखकों की एक एक चिट्ठियाँ खोलकर पढ़ें और बाद में उन्हें अपने अखबार में प्रकाशित करें। पहले संपादकों द्वारा पाठकों, लेखकों की चिट्ठियों को लंबे समय तक संभाल कर रखा जाता था और बहुत बार तो चिट्ठियां महीनों के अंतराल पर अखबार में प्रकाशित होती थी, जिसका आनंद ही कुछ और था। आज फटाफट का जमाना है। एक ही दिन में एक अखबार के पास सैकड़ों, हजारों ई मेल आते हैं, लिखा बहुत जा रहा है लेकिन इस प्रकार के लेखन से भावनाएं गायब हैं। पहले के जमाने में संदेश पहुंचाने का सबसे बेहतरीन माध्यम पत्र थे, लेकिन आज की युवा पीढ़ी इंटरनेट, सोशल नेटवर्किंग साइट्स पर तो आसानी से लिख सकती है लेकिन यदि उसे हाथ में अंतर्देशीय पत्र या पोस्टकार्ड थमा दिया जाए तो उसके वश की बात नहीं कि वह पत्र लिखकर अपनी भावनाओं को व्यक्त कर सके। सच तो यह है कि आज हमने लिखने-लिखाने की कला को खो दिया है। हम भावों को व्यक्त करते हैं लेकिन 'इमोजी' का प्रयोग करके। मुझे नहीं लगता है कि आज की युवा पीढ़ी कभी पोस्ट आफिस जाकर अंतर्देशीय पत्र, पोस्टकार्ड इत्यादि की मांग करती होगी। अब तो चिट्ठियां भी कम ही आतीं हैं, क्योंकि लिखने वाले नहीं बचे हैं, अथवा चिट्ठियां लिखने वालों की संख्या में अभूतपूर्व कमी आ गई है। पहले के जमाने में लोग डाकिए का बेसब्री से इंतजार करते थे, वह बैग लटकाये अपनी साईकिल से आता था और घर-घर चिट्ठियां बांटता था, सेना के लोग तो पहले रेडियो व चिट्ठियों पर ही (मनोरंजन, संदेश पहुंचाने) के लिए आधारित थे। चिट्ठियां लिखने-लिखाने का बड़ा प्रचलन था, महत्व था। छोटी कक्षाओं से ही बच्चों को चिट्ठी लिखना सिखाया जाता था, आज शायद नहीं अथवा बहुत ही कम। शायद यही कारण भी है कि आज हमारे पास शब्दों का भंडार भी कम हो गया है। इंटरनेट, फेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम, व्हाट्सएप, टेक्स्ट मैसेज हम आज शॉर्टकट में लिखते हैं। हम सिर्फ़ और सिर्फ़ अपने मैसेज को आज दूसरों को 'कनवे' करते हैं, पूरे शब्द विरले ही लिखते हैं, इससे हमारी भाषा शैली पर भी काफी प्रभाव पड़ा है। आज मोबाइल, लैपटॉप में आटो करैक्टर फीचर मौजूद हैं, स्पेलिंग्स अपने आप आटोमैटिक रूप से करेक्ट या ठीक हो जाती हैं। इससे हमारी वर्तनी कमजोर हो रही है, हम शुद्ध-अशुद्ध में फर्क नहीं कर पा रहे हैं, बहुत से मायनों में हम गलत या अशुद्ध ही लिख रहे हैं। आज सबकुछ हमारे मोबाइल, लैपटॉप की मैमोरी में सेव हो रहा है, पहले संपादक, घर के सदस्य, सेना के जवान सभी पत्रों को बहुत ही चाव से सहेज कर रखते थे, आज ऐसा करने का न तो किसी के पास समय रहा है और न ही ऐसे कार्यों में किसी की रूचि ही रही है। तकनीक के साथ ही आज संदेश भेजने के तरीकों में आमूल चूल परिवर्तन आ चुके हैं। इंटरनेट और मोबाइल के जमाने में क्या हमें पत्र-लेखन से दूर हो जाना चाहिए ? या आज नये जमाने के साथ चलते हुए तकनीक का उपयोग करना चाहिए ? तकनीक का उपयोग बुरा नहीं है लेकिन हमें पत्र-लेखन की कला तो आनी ही चाहिए, क्यों कि जो बात पत्र-लेखन में है, वह बात इंटरनेट, सोशल नेटवर्किंग साइट्स पर लेखन में नहीं हो सकती है। पत्र-लेखन का अपना महत्व व फायदे हैं। पत्र लेखन एक बहुत बड़ी कला है। पत्रों के माध्यम से हम हमारी भावनाओं, हमारे विचारों, हमारी अंदरूनी बातों को काग़ज़ के कैनवास पर उतारते हैं। पत्रों में अपने पन का अहसास होता है जो कि आधुनिक तकनीक में कभी नहीं हो सकता है। सच तो यह है कि आजकल पत्र लेखक को एक खोई हुई कला के रूप में जाना जाने लगा है। आप स्वयं को आज से बीच-पच्चीस बरस पहले के जमाने में ले जाइए आपको आज भी खत, डाकिये और खतों के इंतजार के लम्हे याद आयेंगे। आज संचार माध्यमों, वाट्सऐप, फेसबुक के चलन से पत्र लेखन का काम धीरे-धीरे खत्म होता जा रहा है। हालांकि सरकारी कामों में इन पत्र लेखन का काम जिंदा है। अब डाक विभाग से कहीं चिट्ठियां आतीं हैं तो अधिकतर सरकारी चिट्ठियां ही आतीं हैं। साक्षात्कार के लिए भी आजकल ई-मेल से मैसेज आने लगे हैं, जमाना पूरी तरह से बदल गया है। वर्तमान में संदेशों का आदान-प्रदान होता है, मगर जो जज्बात पत्र लेखन के समय उमड़ते थे, वह अब नदारद हो गए हैं। एक समय था जब डाकिया पत्र लेकर हमारे घर पहुंचता था तो हमें अपनों की यादें ताजा हो जाती थीं। आज संदेश व्यक्ति विशेष तक सीमित हो गए हैं, सबके पास एंड्रॉयड मोबाइल हैं, आज के संदेशों में परिवार की भावना नहीं होती। पहले चिट्ठियों को बारी-बारी से सभी पढ़ते थे। बच्चे पहले पत्र पढ़कर भाषा सीखते थे, वह पत्र की शैली का जाने-अनजाने में ही अध्ययन करते थे और पत्र लेखन सीख जाते थे। वो बड़ों की भावनाओं की अभिव्यक्ति का साकार रूप देख पाते थे, आजकल ऐसा नहीं है। संदेश व्यक्ति विशेष तक सीमित हैं। पत्र लेखन की उपयोगिता अथवा महत्व यह है कि किसी भी निजी अथवा व्यापारिक सूचनाओं को प्राप्त करने तथा भेजने के लिए पत्र व्यवहार विषय कारगर है। प्रेम, क्रोध, जिज्ञासा, प्रार्थना, आदेश, निमंत्रण आदि अनेक भावों को व्यक्त करने के लिए पत्र लेखन का सहारा लिया जाता है। आज युवाओं को औपचारिक, अनौपचारिक पत्रों के बारे में विशेष जानकारी विरले ही है। आज की युवा पीढ़ी शायद ही जानती हो कि औपचारिक पत्रों में व्यावसायिक, आधिकारिक, सामाजिक व रोजगार पत्र जबकि अनौपचारिक पत्रों में व्यक्तिगत जानकारी शामिल होती है।

स्वास्थ्य की रक्षा के लिए समय की महत्ता को समझें

संजीव ठाकुर

मानव जीवन में स्वास्थ्य सबसे बड़ा धन होता है। मनुष्य यदि स्वास्थ्य नहीं रहता तो वह न तो परिवार व समाज में रचनात्मक भूमिका निभा सकता है और ना ही राष्ट्र निर्माण में योगदान दे सकता है। इसी तरह समय को भी धन ही कहा जाता है समय का जो सही सदुपयोग करता है वह उन्नति के शिखर पर होता है। मजबूत राष्ट्र सदैव समय की कीमत समझता है और जो समय की कीमत समझता है समय उसकी कीमत समझता है। समय का सही सदुपयोग न करने वाले अस्वस्थ मनुष्य का जीवन निराश एवं कुंठा ग्रस्त रहता है। इसीलिए स्वास्थ्य को जीवन का अनमोल रत्न माना जाता है या यूं कहें कि स्वास्थ्य ही धन होता है। इसीलिए भारत में 2019 को राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर फिट इंडिया अभियान की शुरुआत की गई, जिसके माध्यम से लोगों को खेल और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया जाना है जिससे स्वस्थ भारत स्वच्छ भारत और सशक्त भारत का निर्माण हो सके। भारत को एक प्रगतिशील एवं मजबूत राष्ट्र बनाने की आवश्यकता है। इसी संदर्भ में भारत सरकार द्वारा एक महत्वकांक्षी योजना बनाकर इसके माध्यम से लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना है। इस अभियान को जन आंदोलन के रूप में पूरे भारत में विस्तृत कर पूरे भारतीय जनमानस को स्वास्थ्य के प्रति स्वच्छता के प्रति लगाव पैदा कर पूर्व संपूर्ण भारत को स्वस्थ बनाने का धीरे लेकर आगे बढ़ना होगा। फिट इंडिया मूवमेंट आगामी कई वर्षों तक संचालित रहेगा स्वास्थ्य को लेकर अलग-अलग विषयों पर अभियान चलाया जाएगा शुरुआत शारीरिक फिटनेस से,फिर भोजन की आदतें, तीसरे वर्ष पर्यावरण अनुकूलता और जीवन शैली पर प्रभाव,फिर रोगों तथा बीमारियों को दूर करने के तरीकों के प्रति लोगों को जागरूक किया जाएगा। विश्व स्वास्थ्य संगठन तथा भारत सरकार की स्वास्थ्य रिपोर्ट के अनुसार 1990 से लेकर 1920 के बीच गैर संक्रामक बीमारियां बढ़ने की दर 55% हो गई है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार कुपोषण के आंकड़े और भी ज्यादा गंभीर है। भारत सरकार की स्वास्थ्य रिपोर्ट के अनुसार हार्ट फेल, टी बी,अस्थमा डायबिटीज और क्रॉनिक किडनी डिजीज की वजह से देश में सबसे ज्यादा मृत्यु होती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार सबसे स्वस्थ्य देशों की सूची में भारत का प्रदर्शन काफी निराशाजनक है। इस रिपोर्ट के अनुसार स्वास्थ्य की सूची में स्पेन पहले नंबर पर है और भारत 120 वें नंबर पर है। भारत के संदर्भ में यह आंकड़े अत्यंत प्रतिकूल हैं,यह दर्शाते हैं कि भारत की आम जनता स्वास्थ तथा फिटनेस के प्रति कितनी गैर जिम्मेदार है। स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही के कारण हर साल भारत में हजारों लोग मृत्यु को प्राप्त हो जाते हैं। स्वास्थ्य गत कमी के कारण लोगों की मृत्यु तो होती ही है, साथ में आर्थिक क्षति की बहुत बड़ी होती है। इतनी ज्यादा मृत्यु तथा आर्थिक क्षति से देश की प्रगति तथा विकास में भी बाधा उत्पन्न होती है। भारत में वस्तुतः सभी प्रकार की बीमारी का मूल कारण भारतीय जनमानस की अनियमित जीवन शैली है। लोग अपने स्वास्थ्य पर ध्यान नहीं देते, व्यायाम करने की जगह आराम करना पसंद करते हैं,जिस कारण भारत में स्वास्थ्य संकट दिन प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है और इसीलिए फिट इंडिया मूवमेंट के संचालन की आवश्यकता बढ़ गई है, जिससे लोगों को उनकी सेहत के प्रति जागरूक किया जाना अत्यंत आवश्यक है। पूरा विश्व स्वास्थ्य के प्रति जागरूक है पड़ोसी देश चीन ने स्वस्थ चाइना मिशन 2030 तक चलाने का एक कार्यक्रम बनाया है। ऑस्ट्रेलिया ने भी वर्ष 2030 तक अपने नागरिकों को आलस भगाने तथा शारीरिक गतिविधियां बढ़ाने का मिशन चलाया है। जर्मनी ने फिट इनडीड ऑफ फैट अभियान चला रखा है। अमेरिका भी एक विशाल देश है जहां 32 करोड़ जनसंख्या है, उसने भी अपने नागरिकों को स्वस्थ तथा फिट रखने का अभियान चलाकर लोगों को फिटनेस ट्रेनिंग मुहैया करा दी है। मूलतः स्वस्थ रहने से अनेक बीमारियां स्वतह दूर चली जाती हैं, एवं बीमारियों में होने वाला खर्च की बचत भी होती है। इसके अलावा स्वस्थ व्यक्ति की कार्य क्षमता अत्यधिक बढ़ जाती है। स्वस्थ शरीर, स्वस्थ मन राष्ट्रीय निर्माण में सहायक होता है। नियमित व्यायाम तथा योगा करने से हार्ट, डायबिटीज,ब्लड प्रेशर आदि की बीमारियों से बचा जा सकता है हिंदुस्तान में हृदय रोग डायबिटीज और ब्लड प्रेशर के लाखों मरीज हैं, और सबसे ज्यादा इलाज में इन्हीं लोगों में धनराशि खर्च की जाती है अतः जनमानस को स्वस्थ रखकर इन बीमारियों से दूर रखने के लिए भारत सरकार ने क्विट इंडिया मूवमेंट चला रखा है जिससे जनमानस का स्वास्थ अच्छा रहकर विकास तथा प्रगति की राह पर इनके योगदान को बढ़ाया जा सके।

फालतू लेखन प्रदूषण

डॉ. सुरेश कुमार

"लेखक महोदय ! आपके अनुभव और पहुँच के चलते इस बार विश्व पुस्तक मेले में आपकी बड़ी धूम रही। जितनी बार साँसें नहीं लीं उतनी बार तो आपने पुस्तकों का लोकार्पण कर दिया। जहाँ देखिए वहाँ आप ही आप छाए हुए थे। मधुमक्खी के छत्ते की तरह फोटों खिंचवाने की लेखकों में बड़ी चुल मची थी। पता ही नहीं चल रहा था कि लेखक कौन है और उसके रिश्तेदार कौन हैं? एक सप्ताह-दस दिन गुजर जाने के बाद लेखक खुद को उन फोटो में ढूँढ़ने में गच्चा खा जाएगा। यह सब छोड़िए। यह बताइए इतनी सारी पुस्तकें घर ले आए हैं, इनका क्या करेंगे?" – मैंने पूछा। पहुँचे हुए लेखक थे। सो उन्होंने एक लंबी साँस छोड़ते हुए कहा – "पिछली बार की तुलना में इस बार इतनी किताबें मिली हैं कि घर में उन्हें रखने भर की जगह नहीं है। इसलिए किताबें बरामदे में कूड़े की तरह रख डाली हैं। सूखे कूड़े की तरह सूखी किताबें, गीले कूड़े की तरह गीली किताबें अलग करने का समय नहीं मिला। कोई बात नहीं है। इस बार मैंने एक बढ़िया उपाय ढूँढ़ निकाला है।" "उपाय? कैसा उपाय?" मैंने आश्चर्य से पूछा। "उपाय बता तो देता। डर है कहीं तुम किसी को बता न दो। पहले मैं इस उपाय का कॉपीराइट करवाऊँगा। फिर किसी को बताऊँगा।" लेखन ने संदेह की नजर से मेरी ओर देखा। "आपको मुझ पर इतना भी विश्वास नहीं है। मैंने कितनी सारी आपकी रचनाओं का टंकण किया है। चाहता तो उसमें कुछ इधर-उधर कर उसे अपनी रचना बना सकता था लेकिन मैंने ऐसा नहीं किया। कम से कम इतना तो विश्वास कीजिए।" – मैंने गिड़गिड़ाते हुए कहा। "कॉपी कर भी लेते तो क्या कर लेते। यहाँ लोग कंटेंट नहीं नाम देखकर किताबें खरीदते हैं। तुम्हारे जैसों की कोई किताब अपने पास रखकर अपनी भद्द थोड़े न पिटवायाएगा।" लेखक ने चिढ़ाते हुए कहा। "बात तो आपकी बिल्कुल सही है। यह सब छोड़िए। उपाय बताइए। मैं किसी को नहीं बताऊँगा।" – उत्सुकतावश पुनः पूछने लगा। "ठीक है! ठीक है! बताता हूँ। इस बार मैं इन पुस्तकों की कंपोस्टिंग खाद बनाऊँगा। इसके लिए सबसे पहले एक गड्ढा खोदूँगा। उसमें इन किताबों फेंक दूँगा। उसी में वे सुखेंगी, गलेंगी और सड़ेंगी। कुछ दिनों के बाद यह एक अच्छी खाद बन जाएगी। तब देखना एकदम ऑर्गानक साग-सब्जी, फल-फूल उगाऊँगा।

इस तरह कंपोस्ट की गई खाद से फालतू लेखकों का कचरा लेखन मिट जाएगा। भू, जल, ध्वनि, वायु प्रदूषण के बाद कचरा लेखन प्रदूषण बड़ा जानलेवा होता जा रहा है। इस तरह के खाद निर्माण से कई पाठकों की जान बचाई जा सकती है।""लेकिन इस तरह की खाद से आपके और आपके परिवार की जान को खतरा हो सकता है। उसका क्या?"

क्यों मनाई जाती है रंग पंचमी ?

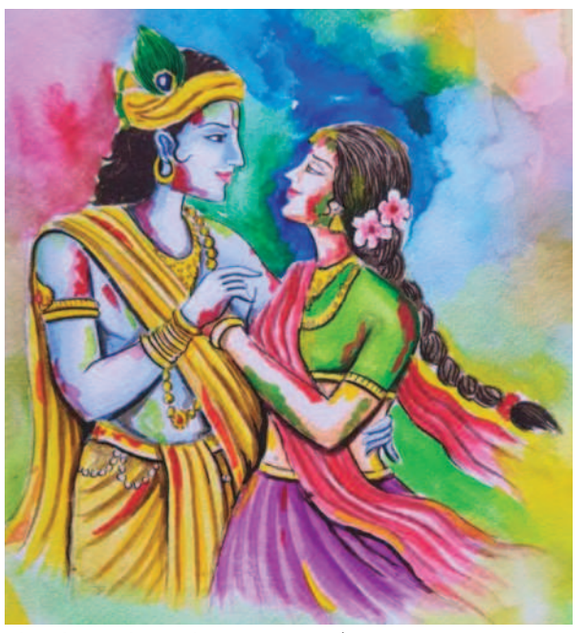

होली के बाद देशभर में रंगपंचमी का त्यौहार मनाया जाएगा, वही 12 मार्च 2023 को रंगपंचमी का त्योहार मनाया जाएगा। वैदिक पंचांग के मुताबिक, रंग पंचमी का त्योहार चैत्र कृष्ण पक्ष पंचमी के दिन मनाया जाता है। यह त्यौहार होली के पांच दिन बाद मनाया जाता है। रंगपंचमी के दिन रंगों से नहीं बल्कि गुलाल से होली खेली जाती है। ऐसा कहा जाता है कि रंग पंचमी के दिन वातावरण में गुलाल उड़ाना शुभ होता है।

रंगपंचमी से जुड़ी पौराणिक कथा

रंगपंचमी के दिन प्रभु श्रीकृष्ण ने राधारानी के साथ होली खेली थी। इसी वजह से इस दिन विधि-विधान से राधा-कृष्ण का पूजा करने के बाद गुलाल आदि अर्पित करके खेला जाता है। दूसरी पौराणिक कथा के मुताबिक, होलाष्टक के दिन महादेव ने कामदेव को भस्म कर दिया था जिसकी वजह से देवलोक में सब दुखी थे। मगर देवी रति और देवताओं की प्रार्थना पर कामदेव को दोबारा जीवित कर देने का आश्वासन भगवान महादेव ने दिया तो सभी देवी-देवता प्रसन्न हो गए और रंगोत्सव मनाने लगे। इसके बाद से ही पंचमी तिथि को रंगपंचमी का त्योहार मनाया जाने लगा।

रंग पंचमी देवी-देवताओं की होली

रंग पंचमी के दिन प्रभु श्री कृष्ण और प्रभु श्री विष्णु को पीला रंग अर्पित कर सकते हैं। ऐसे में उन्हें पीले रंग के वस्त्र पहनाएं तथा उनके चरणों में पीले रंग का अबीर चढ़ाएं। मां लक्ष्मी, बजरंगबली और भैरव महाराज को लाल रंग चढ़ाएं। मां बगलामुखी को पीले रंग का अबीर अर्पित करें। मां लक्ष्मी, बजरंगबली एवं भैरव महाराज को लाल रंग अर्पित करें। मां बगलामुखी को पीले रंग का अबीर चढ़ाएं। सूर्यदेव को लाल रंग चढ़ाएं या या सिंदूर अर्पित करें। शनि देव को नीला रंग बहुत प्रिय होता है।

संकष्टी चतुर्थी

8 मार्च से चैत्र महीना शुरू हो गया है जो 6 अप्रैल तक रहेगा। इस हिंदी महीने में 11 मार्च को कृष्ण पक्ष की संकष्टी चतुर्थी है। इस दिन भगवान गणेश की विशेष पूजा करने की परंपरा है। स्कंद और ब्रह्मवैवर्त पुराण के मुताबिक इस तिथि पर गणेश की विशेष पूजा के साथ व्रत रखने से परेशानियां दूर होती हैं और मनोकामनाएं पूरी होती है।

परेशानियों से मुक्ति के लिए इस दिन गणेश जी के भालचंद्र रूप को पूजने और व्रत करने की परंपरा है

संकष्टी गणेश चतुर्थी व्रत शनिवार को पड़ रहा है। इस दिन चतुर्थी तिथि पूरे दिन रहेगी और रात 10 बजे तक रहेगी। संकष्टी गणेश चतुर्थी व्रत चन्द्रोदय व्यापिनी चतुर्थी मे ही किया जाता है। यानी शाम को चतुर्थी तिथि में चंद्रोदय हो, तो उस दिन व्रत रखना चाहिए। इस व्रत में सूर्योदय के वक्त जो तिथि हो उसका विचार नहीं किया जाता।

डॉ. गणेश मिश्र बताते हैं कि संकष्टी चतुर्थी के दिन भगवान गणेश की विधि-विधान से पूजा की जाती है। ये व्रत नाम के मुताबिक ही है। यानी इसे सभी कष्टों का हरण करने वाला माना जाता है। मान्यता है कि इस दिन व्रत और भगवान गणेश की आराधना करने से सभी तरह के कष्टों से मुक्ति मिलती है।

संकष्टी चतुर्थी व्रत शादीशुदा महिलाएं पति की लंबी उम्र और सौभाग्य की कामना से करती हैं। वही, कुंवारी कन्याएं भी अच्छा पति पाने के लिए दिन भर व्रत रखकर शाम को भगवान गणेश की पूजा करती हैं।

व्रत विधि: फलाहार और दूध ही ले सकते हैं सूर्योदय से पहले उठकर नहाएं और सूर्य के जल चढ़ाने के बाद भगवान गणेश के दर्शन करें। गणेश जी की मूर्ति के सामने बैठकर दिनभर व्रत और पूजा का संकल्प लेना चाहिए।

इस व्रत में पूरे दिन फल और दूध ही लिया जाना चाहिए। अन्न नहीं खाना चाहिए। इस तरह व्रत करने से मनोकामनाएं पूरी होती है। भगवान गणेश की पूजा सुबह और शाम यानी दोनों वक्त की जानी चाहिए। शाम को चंद्रमा को अर्घ्य देने के बाद व्रत पूरा करें।

पूजा विधि: पहले गणेश पूजा फिर चंद्रमा को अर्घ्य पूजा के लिए पूर्व-उत्तर दिशा में चौकी स्थापित करें और भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापित करें। चौकी पर लाल या पीले रंग का कपड़ा पहले बिछा लें। गणेश जी की मूर्ति पर जल, अक्षत, दूर्वा घास, लड्डू, पान, धूप आदि अर्पित करें।

अक्षत और फूल लेकर गणपति से अपनी मनोकामना कहें और उसके बाद ऊँ गं गणपतये नमः मंत्र बोलते हुए गणेश जी को प्रणाम करने के बाद आरती करें। इसके बाद चंद्रमा को शहद, चंदन, रोली मिश्रित दूध से अर्घ्य दें. पूजन के बाद लड्डू प्रसाद स्वरूप ग्रहण करें।

समय को अपने वश में करने के लिए इस तरह लगाएं घर में घड़ी

किसी भी काम को पूरा करने के लिए समय के मुताबिक चलना बहुत ही जरूरी है। कहा जाता है कि जो व्यक्ति समय के साथ नहीं चलता, समय उसका साथ नहीं देता। घड़ी ही एक ऐसी वस्तु है, जो हमे समय का ज्ञान देती है। वास्तु के अनुसार घड़ी को सही दिशा में लगाने से जीवन...

किसी भी काम को पूरा करने के लिए समय के मुताबिक चलना बहुत ही जरूरी है। कहा जाता है कि जो व्यक्ति समय के साथ नहीं चलता, समय उसका साथ नहीं देता। घड़ी ही एक ऐसी वस्तु है, जो हमे समय का ज्ञान देती है। वास्तु के अनुसार घड़ी को सही दिशा में लगाने से जीवन सकारात्मक ऊर्जा से भर जाता है। तो आइए जानते हैं घड़ी को सही दिशा में लगाने से कौन से परिणाम मिलते हैं।

घड़ी लगाते समय रखें दिशा का ध्यानः घड़ी को पूर्व और उत्तर दिशा में लगाने से घर में पॉजिटिव वाइब्स का वास रहता है। वास्तु के मुताबिक इस जगह घड़ी लगाने से धन आगमन के स्त्रोतों में वृद्धि होती है और घर क सदस्यों का मन शांत और सरल रहता है।

दरवाजे के ऊपर न लगाएं घड़ीः घर के किसी भी दरवाजें के ऊपर घड़ी नहीं लगानी चाहिए। कहते हैं ऐसा करने से आने-जाने वाले व्यक्तियों के ऊपर नकारात्मक असर पड़ता है।

ड्राइंग रूम या बेडरूम में इस जगह लगाएं घड़ी: घड़ी को दीवार पर लगाने के लिए उत्तर, पूर्व एवं पश्चिम दिशा बेस्ट हैं। रुम में एंटर करते समय घड़ी नजर नहीं आनी चाहिए। घड़ी को साफ-स्वच्छ स्थान पर रखें। रोजाना आस-पास लगी धूल-मिट्टी साफ करें।

घर में न रखें बंद घड़ियां: वास्तु के अनुसार घर में बंद घड़ियां रखने से दरिद्रता का वास रहता है और बंद घड़ी के साथ व्यक्ति की किस्मत भी बंद हो जाती है। दफ्तर में लाल, काले या नीले रंग की घड़ी लगाने से बचना चाहिए।

समय से पीछे चलने वाली घड़ियां न करें इस्तेमाल: कहते है अगर घर की घड़ी का समय पीछे चलता है तो इसका असर घर के सदस्यों के ऊपर पड़ता है। यदि आप समय को कुछ मिनट आगे भी रखती हैं तब भी आपके लिए अच्छा माना जाता है। घड़ी का पीछे चलना नकारात्मकता का प्रतीक होता है।

महाराज मेघवाहन एक अत्यंत प्रतापी, न्यायप्रिय व परम दयालु राजा थे। एक बार वह जंगल से होकर गुजर रहे थे कि उन्हें 'मुझे बचाइए-मुझे बचाइए', ऐसी वाणी सुनाई पड़ी। आवाज सुनकर उन्होंने रथ रोकने का आदेश दिया और आवाज की दिशा में प्रस्थान किया। उन्होंने देखा कि एक योद्धा नंगी तलवार हाथ में लिए किसी निरपराध प्राणी की बलि देने हेतु तैयार है। वह व्यक्ति महाराज से अपने प्राणों की भिक्षा मांगने लगा। महाराज ने उस व्यक्ति को प्राणरक्षा का आश्वासन दिया।

योद्धा ने विवशता प्रकट करते हुए कहा, ''पर मैं इसे छोड़ नहीं सकता। मेरा पुत्र घातक रोग से पीड़ित है, मरणासन्न है। उसके बचने का उपाय मनुष्य का बलिदान बताया गया है।''

यह सुनकर महाराज सोच में पड़ गए। तभी उन्हें एक उपाय सूझा। महाराज मेघवाहन ने योद्धा से कहा, ''मैं अपना बलिदान देने को तैयार हूं, इससे उस निरपराध व्यक्ति और तुम्हारे बालक दोनों की रक्षा हो जाएगी।''योद्धा यह सुनकर कांपने लगा, उसने ऐसा करने से इंकार कर दिया। तब महाराज स्वयं ही अपनी बलि देने हेतु तत्पर हो गए। ज्यों ही उन्होंने तलवार उठाई, एक दिव्य पुरुष प्रकट हो गया। शेष सब कुछ अदृश्य हो गया। दिव्य पुरुष बोले, ''मैं वरुण देव हूं, आपके अहिंसा व्रत और प्रजापालन की परीक्षा ले रहा था। आप धन्य हैं। आप अपनी परीक्षा में सफल हुए। वरुण देव उन्हें सभी कामनाएं पूर्ण होने का आशीर्वाद देकर अंतर्ध्यान हो गए।

चाणक्य ने आदर्श गृहस्थ कैसा हो? उसका वर्णन करते हुए लिखा है, ''घर आनंदप्रद हो, संतानें बुद्धिशाली हों, पत्नी प्रिय बोलने वाली हो, सच्चे मित्र हो, प्रचुर धन हो, पत्नी में प्यार हो, सेवक आज्ञाकारी हो, अतिथि सत्कार हो, शिव जी की आराधना होती हो, घर में अन्न पान की सुंदर व्यवस्था हो तथा सज्जनों का संग हो - ऐसा गृहस्थाश्रम धन्य है।''

गृहस्थाश्रम की महिमा अकारण नहीं है। भक्त, ज्ञानी, संत, महात्मा, विद्वान, पंडित गृहस्थाश्रम से निकलकर आते हैं। उनके जन्म से लेकर शिक्षा-दीक्षा, पालन-पोषण, ज्ञान सवंर्धन गृहस्थाश्रम के मध्य ही होता है। इससे बड़ा प्रमाण और क्या हो सकता है, स्वयं प्रभु भी गृहस्थ के यहां प्रकट होते हैं।

प्रभु भजन और नाम स्मरण के लिए सबसे अच्छा आश्रम घर-परिवार ही है। इसमें मनुष्य प्रतिदिन आत्म संयम सीखता है, परिजन आदि में अपना प्रेम बढ़ाता है।

यही क्रम धीरे-धीरे आगे बढ़ता जाता है और मनुष्य सम्पूर्ण जड़ चेतन में प्रेम को समाया देखता है। उसे परमात्मा की दिव्य ज्योति दिखती है। पारिवारिक जीवन की परिभाषा करते हुए ऋषियों-मनीषियों ने कहा है, ''परिवार परमात्मा की परिभाषा से स्थापित एक ऐसा साधक है जिसके द्वारा हम आत्म विकास कर सकते हैं। आत्म में सतोगुण परिपुष्ट कर सुख समृद्ध जीवन प्राप्त कर सकते हैं।'' प्राचीन काल में सुधन्वा में जो अद्भुत शक्ति प्रकट हुई थी जिसके द्वारा उसने अर्जुन को भी पराभूत कर दिया था, वह केवल गृहस्थ धर्म के पालन से ही थी।

घटना कुछ इस प्रकार है- महाभारत के मध्य दोनों में घमासान युद्ध छिड़ गया। निर्णायक स्थिति आ नहीं रही थी। अंतिम निर्णय इस बात पर हुआ कि फैसला तीन बाणों में ही होगा-या तो इतने में ही किसी का वध हो

श्रीकृष्ण के पुण्य इस महारथी के आगे पड गए थे छोटे

जाएगा, अन्यथा युद्ध बंद करके दोनों पक्ष पराजय स्वीकार करेंगे।

जीवन-मरण का प्रश्न सामने आ खड़े होने पर श्री कृष्ण को भी अर्जुन की सहायता करनी पड़ी। उन्होंने हाथ में जल लेकर संकल्प किया कि ''गोवद्र्धन उठाने और ब्रज की रक्षा करने के पुण्य को मैं अर्जुन के बाण के साथ जोड़ता हूं।''

आग्नेयास्त्र और भी प्रचंड हो गया। काटने का प्रत्येक उपचार कम पड़ रहा था। सो सुधन्वा ने भी संकल्प लिया कि एक पत्नी व्रत पालने का मेरा पुण्य भी इस अस्त्र के साथ जुड़े।

दोनों ने दोनों के अस्त्र मध्य में काटने के प्रयत्न किए। अर्जुन का अस्त्र कट गया और सुधन्वा का आगे बढ़ा किन्तु निशाना चूक गया।

दूसरा अस्त्र फिर उठा। इस बार श्री कृष्ण ने अपना पुण्य उसके साथ जोड़ते हुए कहा, ''ग्राह से गज को बचाने और द्रौपदी की लाज बचाने वाला पुण्य अर्जुन के बाण के साथ जुड़ जाए।''

दूसरी ओर सुधन्वा ने भी वैसा ही किया, ''मैंने नीतिपूर्वक ही उपार्जन किया है और चरित्र के किसी भी पक्ष में त्रुटि न आने दी हो तो वह पुण्य इस अस्त्र के साथ जुड़ जाए।''

इस बार भी दोनों अस्त्र आकाश में टकराए और सुधन्वा के बाण से अर्जुन का बाण आकाश में ही कटकर धाराशायी हो गया। अब केवल तीसरा बाण ही शेष था। इसी पर अंतिम निर्णय निर्भर था।

श्री कृष्ण ने कहा, ''मेरे बार-बार अवतार लेकर धरती का भार उतारने का पुण्य अर्जुन के बाण के साथ जुड़े।''

दूसरी ओर सुधन्वा ने कहा, ''अगर मैंने स्वार्थ का क्षण भर चिंतन किए बिना मन को निरंतर परमार्थ में रखा हो तो मेरा वह पुण्य बाण के साथ जुड़े।''

इस बार भी सुधन्वा का बाण विजयी हुआ। उसने अर्जुन का बाण काट दिया। दोनों में कौन अधिक सामर्थ्यशाली है इसकी जानकारी देवलोक तक पहुंची तो वे सुधन्वा पर आकाश से पुष्प बरसाने लगे और युद्ध समाप्त कर दिया गया।

श्री कृष्ण ने सुधन्वा की प्रशंसा करते हुए कहा, ''तुमने सिद्ध कर दिया कि गृहस्थ धर्म किसी भी तपस्वी से कम नहीं होता।''

इस प्रकार यह सिद्ध होता है कि गृहस्थ धर्म सभी अन्य धर्मों से श्रेष्ठ और उत्तम है।

कर्तव्यनिष्ठ होते हैं तेज चलने वाले, चलने-फिरने का स्टाइल खोलता है कई राज, जानें अपना व्यक्तित्व

आपने राह चलते कई बार गौर किया होगा कि कुछ लोग बहुत तेज चलते हैं तो कुछ लोग धीरे, कुछ लंबे-लंबे कदम उठाते हैं। वहीं, कुछ लोग पैर घसीट कर चलते हैं। हर व्यक्ति के चलने का अपना एक तरीका होता है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि चलने का तरीका आपकी पर्सनालिटी के कई राज खोल सकता है? किसी व्यक्ति के चलने के तरीके से आप उसके बारे में काफी कुछ जान सकते हैं। ज्योतिष शास्त्र भी मानता है कि किसी व्यक्ति के चलने के तरीके से उसके स्वभाव का पता लगाया जा सकता है। ज्योतिष शास्त्र में माना जाता है कि चलने का तरीका इंसान के व्यक्तित्व और उसके आने वाले भविष्य के बारे में बताता है।

तेज चलने वाले लोग

आप ने कई बार कुछ लोगों को सड़क पर बहुत तेज चलते हुए देखा होगा। माना जाता है कि तेज चलने वाले लोग मेहनती और

कर्तव्यनिष्ठ होते हैं। ऐसे लोग रिस्क लेने से बिल्कुल भी नहीं घबराते, क्योंकि अपने जीवन में किसी भी प्रकार की टेंशन नहीं रखते। ये लोग किसी भी काम की पहल करने में बिल्कुल भी नहीं हिचकते हैं।

धीरे चलने वाले लोग

धीरे चलने वाले लोगों के बारे में कहा जाता है कि ये लोग दूसरे लोगों की अपेक्षा थोड़े ज्यादा सावधान रहते हैं। ये सेल्फ स्टैंडर्ड वाले होते हैं। धीरे चलने वाले लोग जहां काम करते हैं। वहां संतुष्ट और आराम से रहते हैं। इन लोगों को एक्टिव लाइफ स्टाइल कम पसंद होती है।

लंबे कदम लेकर चलने वाले लोग

जो लोग लंबे लंबे कदम लेकर के चलते हैं। ये लोग पॉजिटिव सोच से भरे हुए होते हैं। ऐसे लोग उग्र और प्रतिस्पर्धी पर्सनालिटी वाले होते हैं। इन लोगों की बुद्धि तेज होती है और ये काफी तार्किक भी होते हैं। पर्सनल रिलेशन के मामले में यह थोड़े से ठंडे पड़ जाते हैं। ऐसे लोगों को मल्टी टास्कर्स भी माना जाता है।

पैर घसीट कर चलने वाले लोग

कुछ लोग अपना पैर घसीट कर चलते हैं। ऐसे लोग ज्यादा फिक्र करने वाले और चिंतित किस्म के होते हैं। ये लोग अपने आप में ही उदास रहते हैं। इनमें ऊर्जा और उत्साह की कमी होती है और ये सुस्त किस्म के होते हैं।

आराम से चलने वाले लोग

जो लोग आराम से चलते हैं। ऐसे लोग अपनी शर्तों पर जिंदगी जीना पसंद करते हैं। इन लोगों को टेंशन फ्री लाइफ जीने में मजा आता है। ये भीड़भाड़ वाले जगहों पर भी शांत रहते हैं। इन लोगों की चाल को सबसे शानदार चलने की शैलियों में से एक माना जाता है।

तेलुगू स्टार नरेश ने इस हसीना संग रचाई चौथी शादी, अभिनेत्री ने भी तीसरी बार लिए सात फेरे

साउथ सिनेमा स्टार नरेश चौथी बार शादी के बंधन में बंध गए हैं। अभिनेता ने अपनी तीसरी पत्नी राम्या रघुपति से अलग होने के बाद पवित्रा लोकेश संग सात फेरे लिए हैं। नरेश और पवित्रा दोनों ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए अपनी नई जिंदगी की शुरुआत की खुशी फैंस के साथ साझा की है। कपल को फैंस की तरफ से ढेरों शुभकामनाएं मिल रही हैं।

तेलुगू स्टार नरेश ने एक ट्वीट साझा कर लोगों से अपने दामपत्य जीवन के लिए आशीर्वाद मांगा है। ट्वीट में अभिनेता ने लिखा है, 'हमारी इस नई यात्रा में जीवन भर शांति और आनंद के लिए आपका आशीर्वाद चाहता हूं ...!' इसके आगे नरेश ने पंक्तियों में लिखा, 'एक पवित्र बंधन, दो दिल, तीन गांठ, सात कदम, आपके आशीर्वाद का आकांक्षी - आपका नरेश।'

गौरतलब है कि पवित्रा लोकेश, नरेश की चौथी पत्नी हैं। इससे पहले अभिनेता ने तीन शादियां की थीं और तीनों ही पत्नियों से उनके एक-एक बच्चे हैं। नरेश ने सबसे पहले दिग्गज नृत्य गुरु श्रीनू की बेटी से शादी रचाई थी, जिससे उनका एक बेटा नवीन विजय कृष्ण है। इसके बाद उन्होंने प्रसिद्ध तेलुगु कवि और गीतकार देवुलापल्ली कृष्ण शास्त्री की पोती रेखा सुपिर्या से शादी की, जिनके साथ उनका तेजा नाम का एक बेटा है। नरेश ने तीसरी शादी अपने से 20 साल छोटी राम्या रघुपति से की। राम्या रघुपति 'केजीएफ' फिल्म निर्देशक प्रशांत नील और एपी राजनेता रघुवीरा रेड्डी की भतीजी हैं। राम्या से भी नरेश का एक बेटा है। वहीं, जिंदगी में आगे बढ़ते हुए नरेश ने कन्नड़-तेलुगू फिल्म की सहायक अभिनेत्री पवित्रा लोकेश से चौथी शादी कर ली है। दोनों की शादीशुदा जिंदगी के लिए फैंस उन्हें दिल खोलकर बधाइयां दे रहे हैं।

बता दें कि पवित्रा लोकेश की भी ये तीसरी शादी है। पवित्रा ने सबसे पहले एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर से शादी की थी और बाद में कन्नड़ फिल्म अभिनेता सुचेंद्र प्रसाद के साथ लंबे समय तक लिव-इन रिलेशनशिप में रहने के बाद शादी रचाई थी। रिपोर्ट्स की मानें तो पवित्रा और नरेश साल 2021 से लिव-इन रिलेशनशिप में थे और अब दोनों ने शादी कर अपने रिश्ते को ऑफिशियल कर दिया है।

क्या साउथ फिल्मों की एक्ट्रेस इलियाना डिक्रूज पर लगाया गया बैन?

एक्ट्रेस इलियाना डिक्रूज ने रणबीर कपूर और प्रियंका चोपड़ा स्टारर फिल्म 'बर्फी' से अपना बॉलीवुड डेब्यू किया था, लेकिन कुछ फिल्मों के बाद ही वो हिंदी फल्मों से गायब हो गईं. आखिरी बार उन्हें अभिषेक बच्चन के साथ फिल्म 'बिग बुल' में देखा गया था. बॉलीवुड के साथ इलियाना डिक्रूज ने साउथ फिल्मों में काम जारी रखा, लेकिन अब वो वहां भी बहुत कम एक्टिव हैं. उधर, सोशल मीडिया पर एक्ट्रेस की तगड़ी फैन फॉलोइंग है, जो उनकी फिल्मों का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं. इस बीच ऐसा दावा किया जा रहा है कि इलियाना डिक्रूज के साउथ फिल्मों में काम पर भी बैन लगा दिया गया है. आइए जानते हैं आखिर क्या है पूरा मामला?

तमिल समाचार पोर्टलों की रिपोर्ट की मानें तो कथित तौर पर इलियाना को साउथ फिल्म इंडस्ट्री में बैन कर दिया है. इसके पीछे की वजह एक तमिल निर्माता द्वारा दायर शिकायत को बताया जा रहा है, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया कि एक्ट्रेस ने एडवांस बुकिंग लेने के बावजूद फिल्म की शूटिंग में नहीं आई. जिसकी वजह से निर्माताओं को काफी नुकसान उठाना पड़ा. कई हिंदी मीडिया रिपोर्ट में भी कहा जा रहा है कि इलियाना को तमिल फिल्मों में काम करने से प्रतिबंधित कर दिया गया है. हालांकि इन आरोपों को लेकर फिल्म प्रोड्यूसर, इलियाना या उनकी टीम की तरफ से कोई ऑफिसियल स्टेटमेंट सामने नहीं आया है.

तमिल फिल्मों की बात करें तो इलियाना को 2012 में समीक्षकों द्वारा तारीफ मिली फिल्म 'नानबन' में कास्ट किया गया था, जिसने बॉक्स ऑफिस पर भी अच्छा प्रदर्शन किया. महज एक महीने पहले ही इलियाना अस्पताल में भर्ती हुई थीं, जहां से उन्होंने अपनी फोटो भी शेयर की थी. एक फोटो में वो अस्पताल के

बेड पर लेटी हुई हैं, तो दूसरी फोटो उस समय की थी, जब उन्हें हॉस्पिटल से छुट्टी मिल गई थी. फोटो के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा था, 'एक दिन में क्या फर्क पड़ता है. साथ ही, कुछ प्यारे डॉक्टर और IV फ्लूइड के 3 बैग.' हालांकि फिल्मों में ना सही लेकिन इलियाना सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं. वो अपने फैंस के लिए फोटो और वीडियो शेयर करती रहती हैं.

कास्टिंग काउच से बाल-बाल बची थीं विद्या बालन

डायरेक्टर ने कमरे में बुलाया था, सेफ फील नहीं हुआ तो स्मार्ट मूव से बच निकलीं

हाल ही में विद्या बालन ने अपना कास्टिंग काउच एक्सपीरिएंस शेयर किया है। विद्या बालन ने बताया कि उन्हें चेन्नई में किसी फिल्म डायरेक्टर ने अपने कमरे में बुलाया था, लेकिन सही समय पर उनकी 'फीमेल इंस्टिंक्ट' जाग गई और उन्होंने खुद को कास्टिंग काउच का शिकार बनने से बचा लिया। हालांकि, इसके बाद उन्हें फिल्म से हाथ धोना पड़ा। डायरेक्टर का नाम लिए बिना विद्या ने बताया कि कास्टिंग काउच से उनका पाला अब तक नहीं पड़ा है, लेकिन ऐसी ही एक घटना से वो बच निकलीं।

विद्या बोलीं- मुझे अपने साथ हुई एक घटना याद है। मैंने एक फिल्म साइन की थी। एक ऐड फिल्म शूट करने के सिलसिले में मैं चेन्नई गई हुई थी। फिल्म डायरेक्टर ने मिलने के लिए बुलाया था, क्योंकि मैंने फिल्म के लिए हां कर दी थी, इसलिए मैं डायरेक्टर से मिलने चली गई। हम कॉफी शॉप में मिले थे, लेकिन वो रूम में चलने पर जोर देने लगे। विद्या बोलीं- मैं बहुत, बहुत शुक्रगुजार हूं कि मैं इससे नहीं गुजरी, लेकिन मैंने ऐसी डरावनी कहानियां सुनी हैं। फिल्म इंडस्ट्री ज्वॉइन करने से पहले

ये मेरे पेरेंट्स का सबसे बड़ा डर था। इस वजह से मेरे पेरेंट्स मेरे फिल्मों में काम करने से खुश नहीं थे।

फीमेल इंस्टिंक्ट की मदद से बच निकलीं विद्या

मैं अकेली थी, इसलिए मैं समझ नहीं पाई, लेकिन मैंने एक स्मार्ट मूव लिया। जब हम कमरे में गए तो मैंने दरवाजा खुला छोड़ दिया। इसके बाद डायरेक्टर ने कोई जबरदस्ती नहीं की। इस तरीके से मैंने कास्टिंग काउच का शिकार होने से खुद को बचा लिया। डायरेक्टर ने कोई इशारा नहीं किया था, लेकिन मैं समझ गई थी कि मैं अनसेफ हूं। मुझे उस कमरे की वाइब सही नहीं लगी। फीमेल इंस्टिंक्ट इसी तरह काम करता है। हालांकि, इसके बाद मुझे फिल्म से हाथ धोना पड़ा।

विद्या ने अपने करियर के उस फेस का भी जिक्र किया जब उनकी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर लगातार फ्लॉप हो रही थीं। इस वजह से मुझे कई प्रोजेक्ट्स से निकाल दिया गया। विद्या बालन आखिरी बार शेफाली शाह के साथ 'जलसा' में नजर आई थीं।

'आप एक अच्छे मकान मालिक थे' : सतीश कौशिक के निधन पर भावुक हुए कार्तिक आर्यन, बोले- स्ट्रगल के दिनों में वो मेरे साथ थे

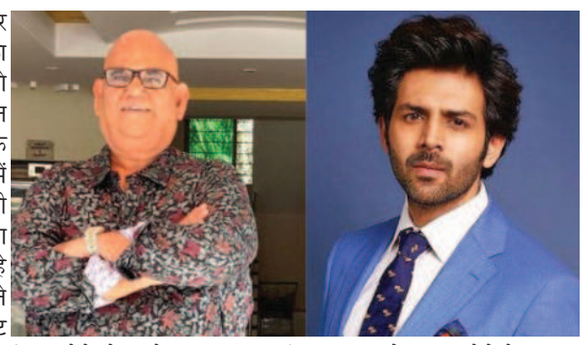

एक्टर और डायरेक्टर सतीश कौशिक का बुधवार देर रात निधन हो गया। गुरुवार सुबह निधन की खबर सामने आने के बाद से ही देश भर में शोक की लहर थी। कभी स्ट्रगल के दिनों में सतीश के घर पर किराएदार रहे एक्टर कार्तिक आर्यन ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। उन्होंने पोस्ट में बताया कि सतीश एक अच्छे इंसान होने के साथ-साथ, बेहतरीन मकान मालिक भी थे। इंस्टाग्राम स्टोरी पर दिवंगत एक्टर की फोटो शेयर करते हुए कार्तिक ने लिखा- 'एक महान एक्टर, एक महान इंसान और सबसे अच्छे मकान मालिक थे, जो मेरे स्ट्रगल के दिनों में मेरे पास थे। आपके हौसला अफजाई करने वाले शब्द और आपकी हंसी हमेशा याद रहेगी सर, रेस्ट इन पीस।'

ऐड शूट मिलने के बाद 12 लड़कों के साथ मिलकर खरीदा था फ्लैट

2019 में ह्यूमन्स ऑफ बॉम्बे के साथ बातचीत के दौरान कार्तिक ने मुंबई में अपने स्ट्रगल के दिनों का जिक्र किया था। उन्होंने कहा था- मैं ऑडिशन के लिए हफ्ते में 3-4 बार 6 घंटे के लिए ट्रैवल करता था। कभी-कभी मुझे स्टूडियो के बाहर से रिजेक्ट कर दिया जाता था, क्योंकि मैं आउटसाइडर था। लेकिन मुझे उम्मीद थी। जल्द ही मुझे कुछ एड प्रोजेक्ट्स मिले। तब जाकर मैंने 12 लड़कों के साथ अंधेरी में किराए पर फ्लैट लिया। मेरे पास बहुत कम पैसे रहा करते थे।'

कोरोना लॉकडाउन का दर्द बयां करेगी राजकुमार राव, भूमि पेडनेकर की भीड

राजकुमार राव और भूमि पेडनेकर की मोस्ट अवेटेड फिल्म भीड़ का ट्रेलर रिलीज हो गया है। फिल्म का ट्रेलर आपको उस गुजरे वक्त में लेकर जा रहा है जहां हमने कोरोना की लहर के बाद लॉकडाउन का दर्द झेला है। ट्रेलर की शुरुआत होती है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ऐलान से कि 'आज रात 12 बजे से पूरे देश में संपूर्ण लॉकडाउन होने जा रहा है'।

24 मार्च को रिलीज होगी फिल्म

फिल्म के ट्रेलर में तब्लीगी जमात, जातिवाद, गरीबी, पुलिस का अत्याचार, लोगों की बेबसी, शहरों की सीमाओं को बंद करने से लेकर अमीर आदमी के संघर्ष को दिखाया गया है। इस मुश्किल घड़ी में भी लोग इंसानियत को भूल धर्म और जाति के नाम पर लड़ते दिखाई दिए। फिल्म में राजकुमार राव, भूमि पेडनेकर, दीया मिर्जा, पंकज कपूर, आशुतोष राणा, कृतिका कामरा, वीरेंद्र सक्सेना और आदित्य श्रीवास्तव जैसे कई कलाकार नजर आएंगे। फिल्म 24 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

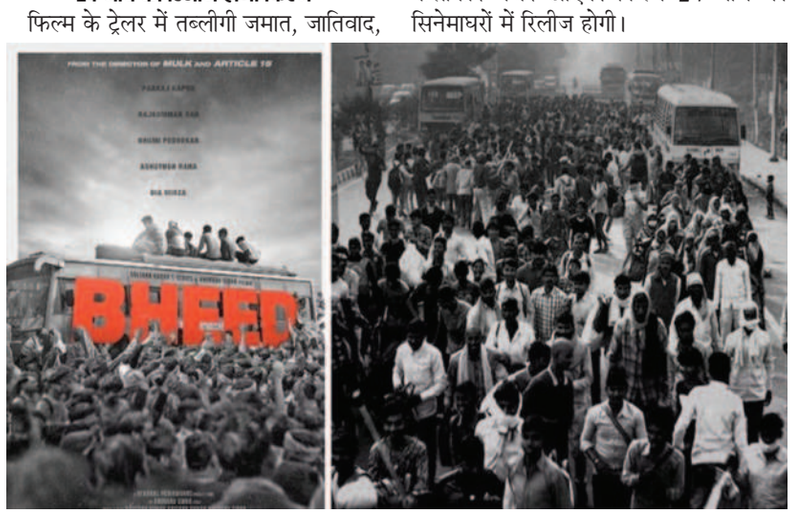

'खुद से छोटी और खूबसूरत लड़की से शादी करें' जब सैफ अली खान ने पुरुषों को दी थी ये सलाह

सैफ अली खान और करीना कपूर ने 2012 में शादी की थी. 2014 में सैफ ने एक इंटरव्यू में करीना के साथ अपनी शादीशुदा लाइफ पर खुलकर बात की थी और बताया था कि करीना से शादी उनकी लाइफ की बेस्ट चीजों में से एक है. इसके साथ ही उन्होंने अपने दोनों की उम्र में फासले को लेकर भी बातें की थी और कहा था कि सभी पुरुषों को खुद से छोटी और सुंदर लड़की से शादी करनी चाहिए. सैफ अली खान ने करीना कपूर से दूसरी शादी की है. दोनों की शादी को 12 साल से अधिक का समय हो चला है, लेकिन जब 2014 में दिए एक इंटरव्यू में सैफ से पूछा गया कि क्या करीना से शादी करना उनके लिए सबसे अच्छी बात थी, जिस पर एक्टर ने कहा था कि वे सभी पुरुषों को खुद से छोटी उम्र की महिलाओं से शादी करने की सलाह देंगे.

छोटी और सुंदर महिलाओं से शादी करें

साल 2014 में सैफ ने फिल्मफेयर को इंटरव्यू दिया था. इस दौरान जब उनसे पूछा गया कि क्या करीना के साथ शादी करना उनके लिए सबसे अच्छी बात थी. जिस पर एक्टर ने जवाब देते हुए कहा था, "बेशक मैं यह कह सकता हूं. नहीं, यह सबसे अच्छी चीज नहीं है. यह एक अच्छी चीज है जो मेरे साथ हुई है". इसी इंटरव्यू में जब एक्टर से पूछा गया कि क्या उम्र का फासला किसी रिश्ते को प्रभावित करता है, जिस पर सैफ ने कहा था, "मैं सभी पुरुषों को सलाह दूंगा कि वे बहुत छोटी और सुंदर महिलाओं से शादी करें. यह कैसे एक अच्छी बात है, पुरुष थोड़ी देर से मैच्योर होते हैं और महिलाओं की उम्र तेजी से बढ़ती है". यह काफी स्पष्ट है". बता दें कि सैफ और करीना 2008 में रिलीज हुई फिल्म टशन की शूटिंग के दौरान करीब आए थे. दोनों ने तकरीबन चार साल की डेटिंग और लिव इन रिलेशनशिप के बाद शादी कर ली थी.

करीना के साथ ऐसी थी पहली मुलाकात

सैफ अली खान का एक पुराना वीडियो इस समय खूब वायरल हो रहा है. इस वीडियो में वे करीना के साथ अपनी पहली मुलाकात को याद करते नजर आ रहे हैं. सैफ अली खान एक शो में खुलासा कर रहे हैं कि उन्होंने पहली बार करीना को मुंबई के स्टूडियो में देखा था. सैफ को करीना पहली नजर में ही पसंद आ गई थीं.

मुझे वह बहुत ही खूबसूरत लगीं

सैफ ने कहा था, "दरअसल, पहली बार मैंने करीना को तब देखा था जब मैं फिल्मिस्तान स्टूडियो में शूटिंग कर रहा था. इसी दौरान मेकअप रूम के बाहर मुझे एक छोटी लड़की बैठी दिखी. वो वहां अकेली बैठी थी और मेरी तरफ देख रही थी. मैंने किसी से पूछा कि ये कौन है? तो उसने बताया कि ये करीना कपूर हैं. करिश्मा कपूर की छोटी बहन. मुझे वह बहुत ही खूबसूरत लगीं और मेरे ख्याल से तभी से वह मुझे बहुत अच्छी लगी थी"।

'तू झूठी मैं मक्कार' की धूम जारी, दूसरे दिन की 9 करोड की कमाई

'तू झूठी मैं मक्कार' में रणबीर कपूर और श्रद्धा कपूर की फ्रेश जोड़ी ऑडियंस को बेहद पसंद आ रही है. इस फिल्म में श्रद्धा और रणबीर की जोड़ी पहली बार नजर आई है. ट्रेलर में दोनों के बीच जबरदस्त केमिस्ट्री को देखते हुए लोग इस फिल्म के रिलीज होने का इंतजार बेसब्री से कर रहे थे. 8 मार्च को होली के मौके पर फिल्म रिलीज हुई और आज फिल्म के दूसरे दिन के आंकड़े आ गए हैं और इसे देखकर बॉक्स ऑफिस के मालिकों को राहत मिलेगी.

30 करोड़ के पास पहुंची फिल्म

रणबीर कपूर- श्रद्धा कपूर स्टारर फिल्म 'तू झूठी मैं मक्कार' को दर्शकों का शानदार रिस्पॉन्स मिल रहा है. कमाई की बात करें तो फिल्म ने रिलीज के पहले ही दिन शानदार कलेक्शन किया. फिल्म ने पहले दिन यानी बुधवार को भारत में 15.73 करोड़ रुपये कमाए. वहीं 'तू झूठी मैं मक्कार' की कमाई के दूसरे दिन के शुरुआती आंकड़े भी आ गए हैं. फिल्म की कमाई में पहले दिन के मुकाबले काफी गिरावट आई है. सैकलिन की रिपोर्ट के मुताबिक रणबीर कपूर की फिल्म ने रिलीज के दूसरे दिन यानी गुरुवार को 9 करोड़ रुपयों का बिजनेस किया है. इसी के साथ फिल्म का कुल कलेक्शन अब 24.73 करोड़ रुपये हो गया है.

श्रद्धा और रणबीर की जोड़ी को प्यार मिल रहा है

आपको बता दें कि फिल्म 'तू झूठी मैं मक्कार' में श्रद्धा और रणबीर की जोड़ी को काफी प्यार मिल रहा है. होली पर रिलीज हुई फिल्म से वीकेंड पर अच्छा करने की उम्मीद लगाई जा रही है. इस फिल्म के निर्देशक लव रंजन हैं, जिन्होंने प्यार का पंचनामा और सोनू के टीटू की स्वीटी जैसी फिल्में बनाई हैं. रणबीर कपूर को इससे पहले फिल्म 'ब्रह्मास्त्र' में देखा गया था, जो बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट साबित हुई थी. वहीं श्रद्धा कपूर की आखिरी फिल्म 'बागी 3' थी. जल्द ही श्रद्धा अब 'नो मीन्स नो' नाम की फिल्म में नजर आएंगी. स्टार कास्ट की बात करें तो फिल्म में रणबीर कपूर और श्रद्धा कपूर के अलावा बोनी कपूर ने भी एक्टिंग करियर में डेब्यू किया है. वहीं डिंपल कपाड़िया ने भी अहम रोल प्ले किया है।

कंगना के 'लॉक अप' में कैद होंगी राखी-शर्लिन, इन नामों पर लग गई मुहर!

कंगना रनौत के मोस्ट कंट्रोवर्शियल शो एक बार फिर से डबल धमाल के साथ लौटने जा रहा है. 'लॉकअप सीजन 2' को लेकर फैंस में भी खूब एक्साइटमेंट दिखा रहे हैं, हर कोई जानना चाहता है कि 'लॉकअप' के नए सीजन में कौन-कौन से कंटेस्टेंट बवाल मचाने वाले हैं. इन्हीं के बीच अब खबरें सामने आ रही हैं कि बिग बॉस के कुछ चेहरे शो का हिस्सा बनेंगे. वहीं साथ ही ड्रामा क्वीन श्री सावंत और शर्लिन चोपड़ा भी नजर आने वाली हैं. रिपोर्ट्स की मानें तो कंगना रनौत के शो में ग्लैमर के साथ कंट्रोवर्सी का तड़का लगाने के लिए इस बार कई सारे कमाल के लोगो को बुलाया गया है.

इन नामों पर लग गई मुहर!

बिग बॉस खबरी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर छह कन्फर्म कंटेस्टेंट्स के नाम शेयर किये हैं. लॉक अप 2 शो के लिए जिन छह सेलिब्रिटीज कंटेस्टेंट के नाम कन्फर्म हुए हैं, उनमें ये हैं मोहब्बतें फेम अली गोनी, पारस छाबड़ा, राखी सावंत, एमीवे बंटाई और उमर रियाज का नाम शामिल है। हालांकि, मेकर्स की तरफ से अब तक इस पर कोई भी आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है.

ओटीटी विनर दिव्या अग्रवाल होंगी हिस्सा

रिपोर्ट्स की मानें तो कंगना रनौत के शो के लिए बिग बॉस ओटीटी विनर दिव्या अग्रवाल. दिव्या हाल ही में अपने एक्स बॉयफ्रेंड वरुण सूद को लेकर एक बार फिर से सुर्खियों में छा गई थीं. वरुण सूद से अलग हो जाने के महीनों बाद भी दिव्या और एक्टर के बीच सोशल मीडिया पर गर्मागर्मी देखने को मिली थी.

राखी और शर्लिन अब हो गए हैं दोस्त

लॉक अप सीजन 2 को लेकर इन दिनों काफी खबरें सामने आ रही हैं कि राखी और शर्लिन एक साथ नजर आने वाली हैं और एक समय में विवादों में रहने वाले ये दोनों अब दोस्त बन गए हैं. मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार ऐसा कहा जा रहा है कि शर्लिन चोपड़ा और राखी सावंत भी लॉक अप सीजन 2 में नजर आ सकती हैं. कहा जा रहा है कि मेकर्स ने दोनों अभिनेत्रियों को इस शो के लिए अप्रोच किया है. बता दें कि पिछले दिनों राखी और शर्लिन एकसाथ एकदूसरे को दोस्त कहती हुई नजर आई थीं. राखी को शर्लिन का साथ आदिल के केस में मिला था. इन दोनों के बीच साजिद खान को लेकर जमकर विवाद हुआ था और उस दौरान शर्लिन चोपड़ा की शिकायत पर ही राखी को हिरासत में लिया गया था।

भारत ऑस्ट्रेलिया सीरीज में सबसे ज्यादा विकेट अश्विन के नाम, कुंबले को पीछे छोड़ बनाए कई रिकॉर्ड

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच टेस्ट सीरीज का चौथा और आखिरी मुकाबला अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जा रहा है। इस मैच की पहली पारी में अश्विन ने छह विकेट अपने नाम किए। उन्होंने पहले ट्रेविस हेड को आउट किया। इसके बाद कैमरून ग्रीन और एलेक्स कैरी को अपना शिकार बनाया। थोड़े समय बाद स्टार्क भी उनकी ही गेंद पर आउट हुए और अंत में उन्होंने नाथन लियोन और टॉड मर्फी को आउट कर ऑस्ट्रेलिया की पारी खत्म की।

इस मैच की पहली पारी में उन्होंने 47.2 ओवर में 91 रन देकर छह विकेट अपने नाम किए। इस दौरान उन्होंने 15 मेडन ओवर भी किए। अश्विन ने इस मैच में शानदार प्रदर्शन कर एक साथ कई रिकॉर्ड अपने नाम किए।

भारत में सबसे ज्यादा बार पांच विकेट लेने वाले खिलाड़ी

अश्विन ने अपने टेस्ट करियर में 32वीं बार एक पारी में पांच विकेट अपने नाम किए। वह सबसे ज्यादा बार पारी में पांच विकेट लेने के मामले में दूसरे स्थान पर हैं। इस मामले में उनसे आगे सिर्फ अनिल कुंबले हैं, जिन्होंने 35 बार यह कारनामा किया है। अश्विन ने भारतीय जमीन पर 26वीं बार एक पारी में पांच विकेट झटके। इसके साथ ही वह भारत में सबसे ज्यादा बार पारी में पांच विकेट लेने वाले खिलाड़ी बन गए। इस मामले में भी उन्होंने अनिल कुंबले को पीछे थोड़ा, जिन्होंने भारतीय जमीन पर 25 बार पारी में पांच विकेट झटके हैं।

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2023 में सबसे ज्यादा विकेट

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच मौजूदा टेस्ट सीरीज में अश्विन 24 विकेट ले चुके हैं। इस सीरीज में सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में वह सबसे आगे हैं। उनके बाद रवींद्र जडेजा 22 विकेट के साथ दूसरे और नाथन लियोन 19 विकेट के साथ तीसरे स्थान पर हैं। हालांकि, जडेजा और लियोन के पास बाकी बची पारी में अश्विन से ज्यादा विकेट लेकर उन्हें पीछे छोड़ने का मौका है।

भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच सीरीज में सबसे ज्यादा विकेट

अश्विन ने भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच टेस्ट सीरीज में अब तक 113 विकेट झटके हैं। इस मामले में वह फिलहाल नाथन लियोन के साथ बराबरी पर हैं। हालांकि, अश्विन ने सिर्फ 41 पारियों में 113 विकेट हासिल किए हैं, जबकि नाथन लियोन ने 46 पारियों में यह कारनामा किया है।

भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच सीरीज में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले भारतीय

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में भी अश्विन ने अनिल कुंबले को पीछे छोड़ा है। वह अब इन दोनों देशों के बीच टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले भारतीय बन गए हैं। कुंबले ने 20 मैच की 38 पारियों में 111 विकेट लिए थे। वहीं, अश्विन 22 मैच की 41 पारियों में 113 विकेट ले चुके हैं। इस लिस्ट में अश्विन और कुंबले के बाद हरभजन सिंह का नाम है, जिन्होंने 95 विकेट लिए हैं।

रोहित मैदान से बाहर थे तो कुछ मिनट के लिए चेतेश्वर पुजारा को मिली कप्तानी डीआरएस लेकर ख्वाजा को किया आउट

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच टेस्ट सीरीज का चौथा और आखिरी मुकाबला अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जा रहा है। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने शानदार प्रदर्शन किया है। कंगारू टीम इस सीरीज में पहली बार 400 रन से ज्यादा का स्कोर बनाने में सफल रही है। ऑस्ट्रेलिया के बड़े स्कोर में सबसे अहम योगदान उस्मान ख्वाजा का रहा है। ख्वाजा ने 422 गेंद में 180 रन की पारी खेली। उन्होंने कुल 21 चौके लगाए।

ऑस्ट्रेलिया के लिए पारी की शुरुआत करने उतरे ख्वाजा ने मैच के छठे सत्र तक बल्लेबाजी की। इस मैच में वह शानदार लय में थे और भारतीय गेंदबाजों के पास उन्हें आउट करने का कोई तरीका नहीं था। दूसरे छोर पर सात विकेट गिर चुके थे, लेकिन ख्वाजा एक छोर पर जमे हुए थे। कप्तान रोहित ने भी अपने तरकश के सभी तीर आजमा लिए थे, लेकिन कोई नतीजा नहीं मिल रहा था। इस बीच रोहित चायकाल के बाद थोड़ी देर से मैदान पर लौटे।

रोहित की गैरमौजूदगी में कप्तानी की जिम्मेदारी चेतेश्वर पुजारा के कंधे पर आ गई। पुजारा ने अक्षर पटेल को गेंद थमाई और अक्षर ने ही दूसरी ही गेंद ख्वाजा के पैर में मार दी। अंपायर ने आउट नहीं दिया, लेकिन पुजारा ने तुरंत ही रिव्यू ले लिया। रीप्ले में दिखा कि ख्वाजा आउट थे और भारत को सबसे अहम विकेट मिल गया। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया के पुछल्ले बल्लेबाज क्रीज पर आ गए और ख्वाजा 422 गेंद खेलने के बाद पवेलियन लौट गए।

एमएस धोनी को लेकर मैथ्यू हेडन ने की भविष्यवाणी

ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज बल्लेबाज मैथ्यू हेडन का मानना है कि चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) आगामी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का जश्न शानदार तरीके से मनाएगा क्योंकि उनके करिश्माई कप्तान एमएस धोनी फ्रेंचाइजी आधारित टी20 लीग में बतौर खिलाड़ी संभवतः अंतिम बार खेलेंगे.

आईपीएल का 16वां सीजन 31 मार्च से शुरू होगा. पहला मैच गुजरात टाइटंस और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा. पूर्व भारतीय कप्तान धोनी 2008 में लीग के शुरूआती चरण से सीएसके की कप्तानी कर रहे हैं और टीम को चार ट्रॉफियां दिला चुके हैं.

हेडन ने स्टार स्पोर्ट्स से कहा, " देखिए सीएसके सफलता के लिए अपने अलग और विशेष तरीके ढूंढने में सफल रही है. उनका दो साल टूर्नामेंट से बाहर रहना दुर्भाग्यपूर्ण रहा लेकिन इसके बाद उन्होंने वापसी करते हुए आईपीएल जीता जबकि इसकी उम्मीद नहीं थी. धोनी का टीम को फिर से मजबूत करने, सुधार करने और इसके बिलकुल अलग 'लुक' देने का एक तरीका है." भारतीय टीम की अगुआई करते हुए धोनी देश को दो विश्व कप दिला चुके हैं, उन्होंने अगस्त 2020 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया था. हेडन ने कहा, " धोनी के लिये मुझे लगता है कि विशेषकर यह साल कुछ विशेष रहेगा और वे इसका जश्न शानदार तरीके से मनाएंगे. मुझे लगता है कि यह एमएसी धोनी की विरासत का अंत होगा और वह अपने प्रशंसकों के लिए 'स्टाइल' से जाना चाहेंगे और प्रशंसक भी उन्हें 'स्टाइल' से समापन करते हुए देखना चाहेंगे." हेडन ने चेपक स्टेडियम में सीएसके की वापसी पर कहा, " 2023 में आईपीएल शुरू होगा और पूरे भारत में कोविड-19 के बाद सभी स्टेडियमों में मैच खेले जाएंगे. यह शानदार होगा, समर्थकों की 'येलो आर्मी'चेपक स्टेडियम में दिखेगी. " पूर्व सलामी बल्लेबाज ने कहा कि धोनी का यह आईपीएल में बतौर खिलाड़ी अंतिम अभियान होगा. उन्होंने कहा, " और उनके कप्तान एमएस धोनी यकीनन अंतिम बार चेपक स्टेडियम में अपने प्रशंसकों को 'गुडबाय' कहेंगे. यह उन क्षणों में से एक होगा जिसे भुलाया नहीं जा सकेगा. आप सोच भी नहीं सकते, वे कितनी संख्या में स्टेडियम में पहुंचेंगे."

पीएसजी की हार से बौखलाए एक फैन ने मेसी को की धक्का देने की कोशिश! सुरक्षाकर्मियों ने दबोचा

अर्जेंटीना को फीफा विश्व कप जिताने वाले लियोनल मेसी और फ्रांस के स्टार फुटबॉलर किलियन एम्बाप्पे की मौजूदगी के बावजूद पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी/PSG) की टीम UEFA चैंपियंस लीग के राउंड ऑफ-16 में हारकर बाहर हो गई है। एम्बाप्पे और मेसी की मौजूदगी भी पीएसजी को चैंपियंस लीग में बायर्न म्यूनिख के खिलाफ जीत नहीं दिला पाई। लीग के प्री-क्वार्टर फाइनल के दूसरे चरण के मुकाबले में जर्मनी के क्लब ने पीएसजी को 2-0 से पराजित कर क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। पहले चरण का अंतिम-16 का मुकाबला भी बायर्न ने 1-0 से जीता था। लियोनल मेसी भी मैच के दौरान कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर सके और फैन्स को प्रभावित करने में असमर्थ दिखे। मैच खत्म होने के बाद पीएसजी की हार और टूर्नामेंट से बाहर होने से बौखलाए एक फैन ने मेसी को धक्का देकर गिराना चाहा। हालांकि, वह नाकाम रहा। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। दरअसल, एक शख्स ऑन-फील्ड सुरक्षाकर्मियों को चकमा देने में कामयाब रहा और मैदान में घुस आया। म्यूनिख के एलियांज एरिना में जर्मन चैंपियन बायर्न म्यूनिख के खिलाफ पीएसजी की हार के बाद एक फैन मेसी की ओर दौड़ा। हालांकि, मेसी को धक्का देने से पहले ही वह फिसल कर गिर गया। ऐसे में मेसी बाल-बाल बच गए। तभी सुरक्षाकर्मी भी आनन-फानन में मैदान में पहुंचे और स्थिति को नियंत्रित किया।

हम क्यों बनवाते है स्पिनर फ्रेंडली पिचें

टॉस का रोल खत्म करना मकसद

ऐसा नहीं है कि इस तरह की पिच पहली बार देखने को मिली है। भारत में पिछले कुछ सालों में जितने भी टेस्ट मैच हुए हैं उनमें ज्यादातर में ऐसी ही पिच पर खेल हुआ है। सवाल उठता है कि भारत अपने घर में इस तरह की पिचें क्यों बनवा रहा है। क्या सामान्य पिच पर टीम को जीत नहीं मिल सकती? इस सवाल का विस्तार से जवाब इस स्टोरी में जानेंगे। साथ ही यह भी जानेंगे कि ऐसी पिचों के क्या साइड इफेक्ट भारत को झेलने पड़ रहे हैं। आखिर में हम यह भी देखेंगे कि स्पिनर फ्रेंडली पिचें बनवाई कैसे जाती हैं। टीम मैनेजमेंट की ओर से ग्राउंड स्टाफ को क्या संदेश दिए जाते हैं।

शुरुआत करते हैं उन दो कारणों से जो इन पिचों के लिए जिम्मेदार हैं

*** टॉस की अहमियत को खत्म करना**

भारत की ट्रैडिशनल पिचें पहले दो दिन बल्लेबाजी के लिए स्वर्ग होती हैं। तीसरे दिन से गेंद टर्न लेना शुरू करती हैं और चौथे-पांचवें दिन ये स्पिनर्स के लिए स्वर्ग बन जाती जाती हैं। मजबूत टीमों के खिलाफ ऐसी पिचों पर एक बड़ा खतरा टीम इंडिया झेल रही थी। वह खतरा था टॉस हारने का। टॉस हारने की स्थिति में सामने वाली टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए अगर 500-600 रन का स्कोर टांग देती थी तो फिर भारत के लिए मैच में वापसी मुश्किल हो जाती थी। 2021 में इंग्लैंड के खिलाफ चेन्नई में कुछ ऐसा ही हुआ था। इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी चुनी और कप्तान जो रूट के दोहरे शतक की बदौलत 578 रन बना दिए। भारत यह मैच 227 रन से हारा।

ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि पहले दो दिन स्पिनर्स को न के बराबर मदद मिली और इंग्लैंड के बल्लेबाजों ने आसानी से रन बनाए। तीसरे दिन भारत को बल्लेबाजी मिली और तब तक स्पिनर्स गेम में आ चुके थे। भारत वापसी नहीं कर सका। इसके बाद दूसरे टेस्ट से ऐसी पिचें बनवाई गईं जिन पर पहले दिन से टर्न मौजूद हो। नतीजा। भारत ने अगले तीनों टेस्ट जीत लिए और सीरीज को 3-1 से अपने नाम कर ली।

*** वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप पॉइंट्स हासिल करने का दबाव**

जब से वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप की शुरुआत हुई है तब से हर टीम को दो साल के टाइम पीरियड में तीन टेस्ट सीरीज अपने घर में और तीन सीरीज बाहर जाकर खेलना होता है।

पहली वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (2019-21) में भारत को अपनी आखिरी सीरीज इंग्लैंड के खिलाफ अपने घर में खेलनी थी। फाइनल में पहुंचने के लिए भारत को 4 में से तीन टेस्ट मैच जीतना था। पहले मुकाबले में हार के बाद भारत के ऊपर सभी मैच जीतने का दबाव था। फिर ऐसी पिचें बनवाई गईं जिन पर भारत की जीत की संभावना सबसे ज्यादा हो।

मौजूदा वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (2021-23) में भारत को फाइनल में जगह बनाने के लिए अपने आखिरी 6 में से 5 मैचों में जीत हासिल करने की जरूरत थी। भारत ने बांग्लादेश को 2 टेस्ट मैचों की सीरीज में 2-0 से हराया। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चार मैचों की सीरीज में कम से कम 3-1 के अंतर से जीत हासिल करने का दबाव था। फिर ऐसी पिचें बनवाई जा रही हैं जिन पर भारतीय टीम की जीत की संभावना ज्यादा हो। सीरीज के पहले दो टेस्ट मैच में जीत से इस थ्योरी को बल भी मिला कि पिचें ऐसी हों जहां पहले दिन से टर्न मिले।

हालांकि, ऑस्ट्रेलिया ने तीसरे टेस्ट में बाजी पलट दी है और भारतीय टीम अपने ही ट्रैप में फंसती नजर आ रही है। इसके बावजूद भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने संकेत दिए हैं कि चौथे टेस्ट में भी वैसी ही पिच देखने को मिल सकती है जैसी पहले तीन टेस्ट मैचों में थी।

पिच के मिजाज पर क्या कहते हैं ICC के नियम

आगे हम जानेंगे कि स्पिनर्स की जरूरत से ज्यादा मददगार पिचें भारत के लिए कितनी नुकसानदायक रही हैं। उससे पहले यह जानते हैं कि टेस्ट मैच की पिचें कैसी हों इस पर ICC का स्टैंड क्या है।

आईसीसी किसी बायलैट्रल (द्विपक्षीय) सीरीज में होम टीम को अपनी स्ट्रेंथ के मुताबिक पिचें तैयार करने की छूट देती है। दुनियाभर की तमाम टीमें 146 साल से ऐसा करती भी रही हैं। इसलिए भारतीय टीम मैनेजमेंट का स्पिन ट्रैक बनवाना किसी नियम और नैतिकता का उल्लंघन नहीं करता है। हालांकि, ICC बैट और बॉल के बीच फेयर कॉन्टेस्ट पर भी जोर देती है। इसका मानना है कि पिचें बिल्कुल ऐसी न बन जाए जिन पर या तो बल्लेबाज पूरी तरह हावी हो जाएं या फिर गेंदबाज। इसलिए ICC हर मैच के बाद पिच की रेटिंग जारी करती है।

भारत-ऑस्ट्रेलिया सीरीज के पहले दो टेस्ट मैचों की पिचों को एवरेज रेटिंग मिली थी। एवरेज का मतबल है काम चलाऊ। लेकिन इंदौर की पिच को पुअर रेटिंग मिली है। इसका मतलब है कि ऐसी पिचें स्वीकार्य नहीं हैं।

भारत को स्पिन ट्रैक बनवाने के क्या नुकसान

1. हमारे बल्लेबाज रन बनाना भूले

स्पिनिंग ट्रैक पर सिर्फ विदेशी बल्लेबाज ही नहीं हमारे सितारे भी स्ट्रगल कर रहे हैं। 2021 से पहले तक 50 के ऊपर की औसत से रन बनाने वाले विराट कोहली इस दौरान भारत में 10 टेस्ट मैचों में 25 की औसत महज 400 रन बना पाए हैं। चेतेश्वर पुजारा की औसत 23 की है। अजिंक्य रहाणे ने सिर्फ 18 की औसत से रन बनाए।

2. विदेशों में भी मिलती हैं स्पाइसी पिचें

अगर हम विदेशी बल्लेबाजों के फेल होने के लिए स्पिन फ्रेंडली ट्रैक बनावाते हैं तो बदले में हमें भी विदेश में पेस फ्रेंडली ट्रैक मिलते हैं। विदेशी टीमें भारत से हिसाब बराबर करने के लिए ऐसा करती हैं।

3. घर में अपने जाल में फंसने का खतरा

अगर पिचें गेंदबाजों के लिए बहुत ज्यादा मददगार हो जाती है तो इस पर कई बार विदेशी टीमें भी हावी हो जाती हैं। 2017 में पुणे टेस्ट में बिखरी हुई पिच पर ऑस्ट्रेलिया ने हमें हरा दिया। तब स्टीव ओ कीफ नाम के गुमनाम से स्पिनर ने हमारे बल्लेबाजों का जीना मुहाल कर दिया था। अब इंदौर टेस्ट में भी वैसा ही नजारा देखने को मिला है।

अगर डेढ़ घंटे और बैटिंग करते उस्मान ख्वाजा तो टूट जाता यूनिस खान का बड़ा रिकॉर्ड

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच चार टेस्ट मैचों की सीरीज का चौथा मुकाबला अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जा रहा है। इस मैच में ऑस्ट्रेलियाई कप्तान स्टीव स्मिथ ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया। ओपनर उस्मान ख्वाजा ने अपने शानदार फॉर्म को जारी रखते हुए इस मैच में शतक जड़ा। यह उनके टेस्ट करियर का 14वां शतक रहा।

...तो टूट जाता यूनिस खान का रिकॉर्ड

ख्वाजा ने 180 रन की पारी खेली। हालांकि, इसमें सबसे खास बात यह रही कि उन्होंने 422 गेंदें खेलीं। ऑस्ट्रेलिया की पूरी टीम पहली पारी में 167.2 ओवर में 480 रन पर सिमट गई। इसमें से ख्वाजा ने अकेले 70 ओवर बल्लेबाजी की। वह गुरुवार को बल्लेबाजी के लिए उतरे थे और दूसरे दिन चायकाल के बाद आउट हुए। ख्वाजा ने मैच में करीब 10 घंटे बल्लेबाजी की। अगर वह डेढ़ घंटे और बल्लेबाजी कर जाते तो पाकिस्तान के पूर्व कप्तान यूनिस खान का एक बड़ा रिकॉर्ड तोड़ देते।

यूनिस खान ने बनाया था यह रिकॉर्ड

दरअसल, भारत में किसी विदेशी बल्लेबाज द्वारा सबसे ज्यादा देर बल्लेबाजी करने का रिकॉर्ड यूनिस के नाम ही है। उन्होंने मार्च 2005 में बैंगलोर में भारत के खिलाफ टेस्ट में साढ़े 11 घंटे बल्लेबाजी की थी। तब यूनिस ने 267 रन बनाए थे। अब उस्मान ने 10 घंटे बल्लेबाजी की है, लेकिन यूनिस का रिकॉर्ड नहीं तोड़ पाए। हालांकि, अपनी इस पारी के दौरान उस्मान ने कई रिकॉर्ड अपने नाम किए।

उस्मना ख्वाजा ने स्टीव स्मिथ को पीछे छोड़ा

उस्मान ख्वाजा भारत के खिलाफ भारत में टेस्ट में सबसे ज्यादा व्यक्तिगत स्कोर वाले तीसरे ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज हैं। ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों द्वारा भारत में सबसे ज्यादा व्यक्तिगत स्कोर के मामले में डीन जोन्स टॉप पर हैं। उन्होंने 1986 में चेन्नई में 210 रन बनाए थे। वहीं, मैथ्यू हेडन ने 2001 में चेन्नई में 203 रन बनाए थे। स्टीव स्मिथ ने 2017 में रांची में नाबाद 178 रन बनाए थे। वह ख्वाजा के बाद चौथे स्थान पर हैं। अक्षर पटेल का यह इस टेस्ट में पहला विकेट रहा। इससे पहले उन्होंने तीसरे और चौथे टेस्ट के बीच 47.4 ओवर डाले हैं। यह टेस्ट में उनके द्वारा लिए गए दो विकेटों के बीच उनके द्वारा फेंके गए सबसे ज्यादा ओवर हैं।

ख्वाजा ने अपनी पारी में 21 चौके लगाए। उनके अलावा कैमरन ग्रीन ने 114 रन की पारी खेली। वहीं, टॉड मर्फी ने 41 रन, स्टीव स्मिथ ने 38 रन, नाथन लियोन ने 34 रन और ट्रेविस हेड ने 32 रन बनाए। भारत की ओर से रविचंद्रन अश्विन ने छह विकेट झटके। टेस्ट में उन्होंने 32वीं बार पारी में पांच विकेट लिए।

अहमदाबाद में अंपायर बन गए जडेजा भारत की अपील पर किया रिव्यू का इशारा

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच टेस्ट सीरीज का चौथा और आखिरी मुकाबला अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जा रहा है। इस मैच में ऑस्ट्रेलियाई टीम ने अब तक बल्ले से कमाल किया है, लेकिन भारतीय खिलाड़ियों ने भी फैंस का मनोरंजन करने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। रवींद्र जडेजा इस मैच के दौरान अंपायर बन गए और रीप्ले का इशारा भी किया। जडेजा के अलावा रोहित शर्मा ने भी फैंस को खूब मनोरंजन किया। इस टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने शानदार प्रदर्शन किया है। कंगारू टीम इस सीरीज में पहली बार 480 रन से ज्यादा का स्कोर बनाया। ऑस्ट्रेलिया के बड़े स्कोर में सबसे अहम योगदान उस्मान ख्वाजा का रहा है। ख्वाजा ने 422 गेंद में 180 रन की पारी खेली। उन्होंने कुल 21 चौके लगाए। इस दौरान अश्विन की गेंद पर भारतीय टीम ने अपील की, लेकिन अंपायर ने आउट नहीं दिया। इस समय जडेजा स्क्वायर लेग पर फील्डिंग कर रहे थे। उन्होंने भारत की अपील पर रिव्यू का इशारा कर दिया। जडेजा यह इशारा करते हुए कैमरे में कैद हो गए। इसके बाद उनका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

8वें दिन भी इन चार शेयरों पर अपर सर्किट

अडानी के बाकी स्टॉक्स का ऐसा रहा हाल

नई दिल्ली, 10 मार्च (एजेंसियां)। शेयर बाजार में भले ही दो दिनों से गिरावट आ रही हो, लेकिन अडानी समूह के शेयरों में तेजी का ट्रेंड बरकरार है। सप्ताह के अंतिम दिन शुक्रवार को समूह के चार शेयरों पर फिर से अपर सर्किट लग गया। इस तरह इन चार शेयरों पर आज लगातार 8वें दिन अपर सर्किट लगा। हालांकि समूह की फ्लैगशिप कंपनी समेत कुछ शेयरों में गिरावट भी आई। आज के कारोबार में बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी दोनों प्रमुख सूचकांक नुकसान में रहे। सेंसेक्स में करीब 670 अंक की

गिरावट आई, जबकि निफ्टी करीब 1 अंक के नुकसान के साथ बंद हुआ। वहीं अडानी समूह के 10 में से 5 शेयरों में तेजी का रुख बना रहा। दिन का कारोबार समाप्त होने के बाद अडानी समूह की 04 कंपनियों अडानी ग्रीन , अडानी पावर , अडानी ट्रांसमिशन और अडानी टोटल गैस के शेयरों पर अपर सर्किट लगा। इन सभी 04 शेयरों पर पिछले आठ दिनों से लगातार अपर सर्किट लग रहा है। आज अडानी पोर्ट्स ने भी वापसी की और शुरुआती गिरावट से उबरकर अंततः 0.09 फीसदी की मामूली तेजी में बंद हुआ।

नुकसान में रहे ये 05 शेयर

अडानी ग्रीन, अडानी पावर, अडानी ट्रांसमिशन और अडानी टोटल गैस के शेयर 5-5 फीसदी की बढ़त लेने में कामयाब रहे। समूह की अन्य कंपनियों को देखें तो फ्लैगशिप स्टॉक अडानी एंटरप्राइजेज में 2.90 फीसदी की गिरावट आई। समूह के 02 शेयर अडानी विल्मर और एनडीटीवी आज लोअर सर्किट का शिकार हो गए। इनके अलावा एसीसी में 0.81 फीसदी और अंबुजा सीमेंट में 1.66 फीसदी की गिरावट आई। इससे पहले गुरुवार को समूह के उन शेयरों में गिरावट आई थी, जो एफएंडओ के दायरे में हैं। एफएंडओ के तहत अडानी समूह के सिर्फ चार शेयरों अडानी एंटरप्राइजेज, अडानी पोर्ट्स, एसीसी और अंबुजा सीमेंट्स की ट्रेडिंग होती है।

इन शेयरों का हाल आज भी कमोबेश कल जैसा ही रहा।

घर बैठे 20 लाख कमाने का मौका, बस सेबी को बतानी होगी इतनी सी बात

नई दिल्ली, 10 मार्च (एजेंसियां)। क्या आप भी घर बैठे मोटा पैसा कमाना चाहते हैं? अगर हां तो बाजार नियामक सेबी ने खुद आपके लिए सुनहरा मौका दिया है। आपको बस इतना करना होगा कि गायब हो चुके डिफॉल्टर्स की प्रॉपर्टी के बारे में सेबी को जानकारी दे दें। बाजार नियामक ने ऐसे लापता डिफॉल्टर्स से जुर्माना वसूलने के लिए इस अनोखी व्यवस्था की शुरुआत की है। आपको बता दें कि भारत में टॉप 50 विलफुल डिफॉल्टर्स यानी जानबूझकर कर्ज की किस्तें नहीं चुकाने वाले शीर्ष 50 लोगों के ऊपर बैंकों का 92,570 करोड़ रुपये बकाया है। हाल ही में सरकार ने संसद में यह जानकारी दी थी। ऐसे डिफॉल्टर्स से वसूली के तमाम प्रयास नाकाफी साबित हुए हैं। वहीं सेबी ने हाल ही में 09 मोस्ट वांटेड डिफॉल्टर्स की सूची जारी की है। सेबी की लिस्ट में शामिल सभी सर्वाधिक वांछित डिफॉल्टर्स फिलहाल लापता हैं। नियामक ऐसे डिफॉल्टर्स से जुर्माना वसूल करने के प्रयासों को तेज कर रहा है।सेबी के रिवार्ड मैकेनिज्म के दिशानिर्देशों के अनुसार, लापता डिफॉल्टर्स की संपत्तियों के बारे में जानकारी देने वाले लोगों को दो चरणों में रिवार्ड दिया जाएगा। अंतरिम चरण में सूचना देने वाले को संपत्ति की रिजर्व कीमत के 2.5 फीसदी के बराबर रकम रिवार्ड के रूप में दी जाएगी। हालांकि इस चरण में 05 लाख रुपये से ज्यादा का रिवार्ड नहीं मिलेगा। वहीं अंतिम चरण में 20 लाख रुपये तक या संपत्ति की कीमत के 10 फीसदी के बराबर का रिवार्ड मिलेगा।अगर आप सेबी को किसी डिफॉल्टर या उसकी संपत्ति के बारे में सूचना देते हैं, तो नियामक ने यह भरोसा दिया है कि आपकी पहचान गोपनीय रखी जाएगी।

बाजार में लौटी मुनाफावसूली, सेंसेक्स 671 तो निफ्टी 176 अंकों की गिरावट के साथ हुआ बंद

नई दिल्ली, 10 मार्च (एजेंसियां)। हफ्ते का आखिरी कारोबारी दिन भारतीय शेयर बाजार के लिए बेहद निराशाजनक रहा है। निवेशकों की तरफ से भारी बिकवाली देखी गई। सबसे ज्यादा पिटाई बैंकिंग शेयरों की हुई है। आज का कारोबार खत्म होने पर बीएसई सेंसेक्स 671 अंकों की गिरावट के साथ 59,135 तो नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 176 अंकों की गिरावट के 17,412 अंकों पर बंद हुआ है। आज कारोबार के दौरान एफएमसीजी, एनर्जी, और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स सेक्टर के शेयरों में तेजी रही जबकि बैंकिंग, आईटी, ऑटो, इंफ्रा, हेल्थकेयर, ऑयल एंड गैस सेक्टर के शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। मिडकैप और स्मॉलकैप के शेयरों में भी गिरावट रही। निफ्टी के 50 शेयरों में 15 शेयर तेजी के साथ तो 35 गिरावट के साथ बंद हुए। सेंसेक्स के 30 शेयरों में 9 शेयर तेजी के साथ तो 21 शेयर गिरकर बंद हुए। आज के ट्रेडिंग सत्र में टाटा मोटर्स का शेयर 0.84 फीसदी, एनटीपीसी 0.72 फीसदी, मारुति सुजुकी 0.70 फीसदी, ब्रिटैनिया 0.45 फीसदी, बीपीसीएल 0.37 फीसदी, डॉ रेड्डीज लैब 0.33 फीसदी, पावर ग्रिड 0.33 फीसदी, टाइटन कंपनी 0.31 फीसदी, सन फार्मा 0.30 फीसदी, बजाज ऑटो 0.22 फीसदी और एचयूएल 0.16 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ है। जिन शेयरों में गिरावट रही उनपर नजर डालें तो अडानी एंटरप्राइजेज 2.92 फीसदी, एचडीएफसी बैंक 2.58 फीसदी, अपोलो हॉस्पिटल 2.28 फीसदी, एचडीएफसी 2.18 फीसदी, इंडसइंड बैंक 2.14 फीसदी, एसबीआई 2.07 फीसदी, एक्सिस बैंक 1.83 फीसदी, बजाज फिनसर्व 1.75 फीसदी, महिंद्रा एंड महिंद्रा 1.72 और लार्सन 1.61 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ है।

आज के कारोबार सत्र में निवेशकों को बड़ा नुकसान हुआ है। बीएसई पर लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप 262.61 लाख करोड़ रुपये पर आ गिरा है जो गुरुवार को 264.30 लाख करोड़ रुपये रहा था यानि आज के सत्र में निवेशकों को 1.70 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है।

फिर चढ़े सोने के दाम, खरीदने से पहले देख लें आपके शहर में क्या हैं नए रेट

नई दिल्ली, 10 मार्च (एजेंसियां)। डॉलर की कीमतों में कमी के कारण सोना शुक्रवार को सोने की कीमत में बढ़ोतरी देखी गई है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर 10 ग्राम सोने के रेट 55,325 रुपये के उच्चे स्तर पर खुले और 55360 रुपये प्रति 10 ग्राम दिन के हाई लेवल पर था। 10 मार्च 2023 को 11.30 बजे तक गोल्ड के रेट 55350 रुपये प्रति ग्राम पर कारोबार कर रहे थे। एमसीएक्स में बदलाव का असर भारतीय सोना और चांदी के मार्केट पर भी पड़ता है। घरेलू बाजार में इस तेजी के बाद आज सोने की कीमत अब 58,847 रुपये प्रति 10 ग्राम के अपने हाई स्तर के करीब 3,500 रुपये प्रति 10 ग्राम दूर है। इसके अलावा

इंटरनेशनल मार्केट में भी सोने के दाम में मजबूती देखी गई है। एमसीएक्स में आज चांदी के दाम 61353 रुपये प्रति किलो के निचले स्तर पर था। इसकी कीमत में 330 रुपये की गिरावट देखी गई है और ये 61654 रुपये प्रति किलोग्राम पर कारोबार कर रहा था। सिल्वर के रेट्स 61750 रुपये प्रति किलो के साथ दिन के उच्च स्तर पर थे।

0

देश की राजधानी नई दिल्ली में 24 कैरेट सोने के रेट 56,210 प्रति 10 ग्राम और चांदी 65,250 रुपये प्रति किलो है। मुंबई में 24 कैरेट सोने के दाम 56,210 रुपये प्रति 10 ग्राम और चांदी 65,250 प्रति किलो है। चेन्नई में एक किलो चांदी 67,300 रुपये और सोना 56,620 प्रति 10 ग्राम पर बिक रहा है। कोलकाता में सोना 56,070 रुपये प्रति 10 ग्राम और चांदी 65,250 रुपये प्रति किलो है।इंटरनेशनल मार्केट में सोने की कीमत आज 1,834 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहे हैं, जिसमें 0.01 फीसदी की तेजी देखी गई है।

वहीं चांदी के दाम इंटरनेशनल मार्केट में 20.052 डॉलर प्रति औंस हैं, जिसकी कीमत 0.51 फीसदी की गिरावट आई है।

एप्पल भारत में पहली बार बनाएगी अलग बिक्री क्षेत्र, कैंपा 50 साल बाद फिर हुआ लॉन्च

नई दिल्ली, 10 मार्च (एजेंसियां)। एप्पल भारत में बड़ा दांव खेलने की तैयारी में है। यह भारत पर ज्यादा फोकस करने के लिए अपने अंतरराष्ट्रीय कारोबार के प्रबंधन में बदलाव कर रही है। पहली बार कंपनी में भारत को एक अलग सेल्स रीजन (बिक्री क्षेत्र) बनाया जा रहा है। एप्पल इसी साल देश में पहला रिटेल आउटलेट खोलने की तैयारी है। कंपनी भारत में अपने प्रमुख आशीष चौधरी को प्रमोट कर रही है। अब वे सीधे एप्पल के प्रोडक्ट बिक्री के प्रमुख माइकल फेंगर को रिपोर्ट करेंगे। पिछली तिमाही में भारत में कंपनी की बिक्री 5 फीसदी घटी थी। कंपनी के सीईओ टिम कुक ने कंपनी के परिणाम के अवसर पर कहा कि एप्पल भारतीय बाजार पर बहुत जोर दे रही है। भारत में उसी तरह काम किया जा रहा है जैसे उसने पहले चीन में किया थाकोला सेगमेंट में देशी ब्रांड कैंपा 50 साल बाद फिर से लॉन्च हुआ है। इस बार रिलायंस ने तीन प्रकार के पेय उतारे हैं। रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लि. ने शुरुआत में कैंपा कोला, कैंपा लेमन और कैंपा ऑरेंज को उतारा है। कैंपा 1977 में लॉन्च हुआ था।लक्जरी कार निर्माता मर्सिडीज ने कहा है कि वह एक अप्रैल से गाड़ियों की कीमतें 2 से 12 लाख रुपये तक यानी 5% तक बढ़ाएगी। कंपनी का कहना है कि विदेशी विनिमय पर असर होने से उसे तीन महीने में दूसरी बार भाव बढ़ाना पड़ रहा है।पावर ग्रिड के बोर्ड ने बॉन्ड्स के जरिये 900 करोड़ रुपये जुटाने को मंजूरी दे दी है। कंपनी ने बृहस्पतिवार को कहा कि इसका मूल आकार 300 करोड़ रुपये का होगा और इसमें 600 करोड़ रुपये तक जुटाने का विकल्प होगा। यह शेयर बाजार में सूचीबद्ध होगा। बैंकों का सकल बुरा फंसा कर्ज यानी एनपीए 31 मार्च, 2024 तक एक दशक के निचले स्तर पर पहुंच सकता है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति			लग्नारभ समय	
सूर्य-	कुंभ	में	कुंभ -	05-04 बजे
चंद्र-	तुला	में	मीन...	06-42 बजे
मंगल	वृष	में	मेष--	08-18 बजे
बुध-	कुंभ	में	वृष--	10-02 बजे
गुरु-	मीन	में	मिथुन..	12-02 बजे
शुक्र-	मीन	में	कर्क...	14-15 बजे
शनि-	कुंभ	में	सिंह...	16-27 बजे
राहु-	मेष	में	कन्या..	18-34 बजे
केतु-	तुला	में	तुला..	20-40 बजे
			वृश्चिक.	22-51 बजे
			धनु.....	01-03 बजे
			मकर..	03-10 बजे

विक्रम श्री नल नाम संवत्- **2079**
शक संवत **-1944,** कलियुग अवधि-**432000**
भोग्य कलि वर्ष-**426878**
कलियुग संवत् **-5123** वर्ष सूर्य-उत्तरायणे
कल्पारंभ संवत् **-1972949123**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885123**
महावीर निर्वाण संवत् **-2549,**हिजरी सन् **-1443**
ऋतु-बसंत**दिशाशूल-** पूर्व • अदरक खाकर घर से निकले
तिथि- **चतुर्थी - 22 -05** उपरान्त पंचमी
मास - चैत्र कृष्ण पक्ष , शनिवार **Mar 11**
नक्षत्र -चित्रा **-07 -10** तक उपरान्त स्वाति
योग - धुव्र - **19 - 50** - तक उप व्याघात
करण- बव - **09 - 57** - तक उप- बालव
विशेष:- चैत्री चतुर्थी व्रत,चंद्रोदय **22-17**
व्रत -त्योहार -सर्वार्थ सिद्ध योग- **07-10** से

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए ।

राहुकाल 09:27 से 10:57 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
काल.	06:31 - 07:58 अशुभ	लाभ	18:21 - 19:54 शुभ
शुभ.	07:58 - 09:27 शुभ	उत्पात	19:54 - 21:25 अशुभ
रोग	09:27 - 10:57 अशुभ	शुभ	21:25 - 22:55 शुभ
उत्पात	10:57 - 12:26 अशुभ	अमृत	22:55 - 00:26 शुभ
चंचल	12:26 - 13:56 शुभ	चंचल	00:26 - 01:56 शुभ
लाभ	13:56 - 15:25 शुभ	रोग	01:56 - 03:27 अशुभ
अमृत	15:25 - 16:54 शुभ	काल	03:27 - 04:57 अशुभ
काल.	16:54 - 18:21 अशुभ	लाभ	04:57 - 06:31 शुभ

आपका राशिफल

मेष चू चे चो ला ली लू ले लो आ

पिछले कुछ समय से आप जिस असंतुष्टि के दौर से गुजर रहे हैं,अंतत अब उससे बाहर आ पायेंगे । आपको खुद ही पता चल जाएगा कि आपने जीवन में अपना उत्कृष्ट प्राप्त कर लिया है और अब अपने सपने पूरे करने के लिए भी कोशिश कर सकते हैं । आप यह भी समझ पायेंगे कि अपने काम और अपनी सेहत दोनों को बेहतर बनाने के लिए कुछ बदलाव करने जरूरी हैं ।

वृष इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

आपकी वर्तमान जिंदगी में काफी उतार चढ़ाव आ रहे हैं । लेकिन आपको उनसे जल्दी ही छुटकारा मिलने वाला है । अपना नजरिया हमेशा की तरह सकारात्मक बनाये रखें,स्थिति जल्दी ही बेहतर होगी । लोग आपसे सहायता मांगेंगे और आप उनकी सहायता में व्यस्त होकर अपनी चिंताएं भूल जायेंगे ।सांस सम्बन्धी दिक्कतें आज आपको परेशान करेंगी।

मिथुन का की कू घ ङ छ के को हा

अपने जीवन पर नियंत्रण रखें और और सब के कहने या कुछ करने की कोई भी परवाह ना करें । इसके स्थान पर आराम से खुद की इच्छाओं और आवश्यकताओं को समझने की कोशिश करें और उन का विश्लेषण करें ताकि किसी स्पष्ट निष्कर्ष पर पहुंच सकें । इस बात का विशेष ध्यान रखें की आपके फैसले से ऐसी किसी व्यक्ति को दुःख न हो जो आप पर भावनात्मक रूप से निर्भर है ।

कर्क डी डू डे डो डा डी डू डे डो

लम्बे समय के बाद आज आपको रहत महसूस होगी । किसी महत्वपूर्ण खबर से खुशी मिलेगी । यदि माता-पिता हैं तो बेटे/बेटी के लिए सुयोग्य वर मिल सकता है । किसी लंबित अदालती मामले का फैसला आपके पक्ष में हो सकता है । करियर के मामले में छोटे से प्रयास से बड़ी सफलता मिलनी तय है । आज से जिन्दगी वापस पटरी पर आती दिख रही है ,प्रियजनों के साथ खुश रहें ।

सिंह मा मी मू मे मो टा टी टू टे

आपका अत्यधिक भावनात्मक होना और लोगों के लिए तो मददगार है लेकिन इससे आप कई बार मुश्किल में फँस जाते हैं । ऐसी स्थिति से बाहर आने में अपने पार्टनर की मदद लें । यह कुछ निजी और गुप्त बातचीत करने का समय है । वित्तीय लाभ होने की उम्मीद है लेकिन अधिक जोखिम से बचें । बोलने से पहले सोच लें ,कहीं किसी करीबी को नाराज ना कर दें ।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

आज आपके विचार उलझे और बिखरे हुए से हैं । आप एक साथ बहुत सारी बातों के बारे में सोच रहे हैं । इसका परिणाम यह होगा की आज कोई भी काम पूरा नहीं कर पायेंगे । ध्यान को केन्द्रित रखने की जरुरत है । थोडा सा मानसिक अभ्यास करें और दूसरों से सलाह ना लें क्योंकि अलग-अलग सलाह से आप और भी उलझते जायेंगे ।

तुला रा री रु रे रो ता ती तू ते

आज आप व्यावहारिकता की अपेक्षा रखने वाले कई मुद्दों में भावनात्मक व्यवहार करेंगे ।स्पष्ट सोच रखते हुए यह समझने की कोशिश करें की आपकी इच्छाएं क्या हैं और आपके लिए अच्छा क्या हैं । आपके भीतर कुछ ऐसी भावनाए पैदा हो सकती हैं जो आपको कुछ सीमायें लांघने के लिए उकसा सकती हैं । ऐसी कोई भी फैसला लेने से पहले सब को सूचित कर दें ।

वृश्चिक तो ना नी नू ने नो य यी यू

आज आप जो भी करेंगे ,उसमे एक नयी उर्जा और नया लक्ष्य दिखाई देगा ।आपकी बातचीत का स्तर अविश्वसनीय रूप से बेहतर हो गया है और आप ऐसे किसी व्यक्ति से भी मिल सकते हैं जो आपकी जिंदगी को वित्तीय या आध्यात्मिक रूप से काफी प्रभावित करेगा । आप खुद को ज्यादा अच्छे से समझ पायेंगे और इससे आपको जीवन की दिशा तय करने में मदद मिलेगी ।

धनु ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

आप अपने दोस्त की गलती की जिम्मेदारी खुद लेने पर तुले हुए हैं ,लेकिन इसके नतीजों के बारे में भी सोच लें । किसी कानूनी पचड़े में भी पड़ सकते हैं । कोई ऐसी घटना होगी जो आपको कभी ना भूलने वाला सबक देगी । कुछ अलग दिखें,कपड़े या अपना बाल बनाने का तरीका बदल लें ।

मकर भे जा जी खी खू खे खो गा गी

आज का दिन गृहों की स्थिति के कारण उलझन में डालने वाला रहेगा । आप किसी परेशान करने वाली समस्या के बारे में लगातार सोचते रहेंगे । लेकिन केवल सोचते रहने से कुछ समाधान हाथ न लगेगा । आप जैसा सोच रहे थे आज आपको उससे विपरीत सूचनाएं मिलेंगी जिसके कारण आपको अपने पहले से सोचे हुए में बदलाव करना पड़ेगा ।

कुंभ गू गे गो सा शी सू से सो दा

आज का दिन घटनाओं से भरा रहेगा ,स्थितियां आपके सामने किसी पुरानी अवांच्छित बात को फिर से लाकर खड़ी कर सकती हैं,जिससे आप बचना चाहते थे । आपको इस समस्या से निपटने के लिए सहनशील नजरिये से सोचना होगा क्योंकि आज आप बिना पर्याप्त कारण अपने आप सहित हर किसी पर सख्त रहें हैं । इस टकराव से नए अवसरे भी आयेंगे ।अंतिम परिणाम अच्छा ही होगा।

मीन दी दू थ झ ञ के दो चा ची

इस बात की सम्भावना है कि कोई आपके आसपास आपके विचार चुराकर आने करियर में प्रगति करना चाहता है । इसीलिए किसी से बात करते हुए सावधान रहें ।आपको इस समय बड़ी गंभीरता से अपने हित के बारे में सोचना है । अपने लम्बे सहकर्मी रह चुके लोगों के साथ भी अपनी जानकारियां साझी न करें । इस दौरान धीरज से काम लेंगे तो जल्दी ही अपने शुभचिंतकों को भी पहचान जायेंगे ।

पं महेशचन्द्र शर्मा 9247132654,8309517693

फरवरी में ईंधन की मांग ने तोड़े रिकॉर्ड 24 साल के हाई लेवल पर पहुंची

नई दिल्ली, 10 मार्च (एजेंसियां)। भारत में फ्यूल की डिमांड तेजी से बढ़ी है। जारी हुए एक आंकड़े के मुताबिक, भारत में ईंधन की मांग 24 साल के हाई लेवल पर पहुंच चुकी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ये मांग सस्ते रूसी तेल से बढ़ी है। फरवरी में ईंधन की खपत 5 फीसदी से बढ़कर 4.82 मिलियन बैरल प्री-डे (18.5 मिलियन टन) हो गई है, जो साल दर साल 15वीं बढ़ोतरी है। रॉयटर्स की रिपोर्ट में कहा गया है भारतीय तेल मंत्रालय के पेट्रोलियम योजना और विश्लेषण सेल (पीपीएसी) द्वारा संकलित आंकड़ों में मांग 1998 से ज्यादा दर्ज की गई है। Kpler के लीड क्रूड एनालिस्ट विक्टर कैटोना ने कहा कि फरवरी के दौरान ये मांग मजबूत रही है और अभी भी देश में खपत ज्यादा हो रही है। ऐसे में इसकी मांग और बढ़ने की संभावना है। रिपोर्ट के मुताबिक फरवरी में गैसोलीन या पेट्रोल की बिक्री सालाना आधार पर 8.9 फीसदी बढ़कर 2.8 मिलियन टन हो गई, जबकि डीजल की खपत 7.5 फीसदी बढ़कर 6.98 मिलियन टन हो गई। वहीं जेट ईंधन की बिक्री 43 फीसदी से ज्यादा बढ़कर 0.62 मिलियन टन हो गई है। जेट फ्यूल की कीमत में ये रिकॉर्ड बढ़ोतरी है। ईंधन बिक्री के आंकड़ों से पता चलता है कि गैसोलीन और डीजल की कुल मात्रा जनवरी की तुलना में फरवरी में गिरी है और डेली खपत बढ़ी है।

फैक्ट्रियों में 12-12 घंटे काम करने के लिए हो जाइए तैयार

चीन की राह चला भारत का ये राज्य

नई दिल्ली, 10 मार्च (एजेंसियां)। ऐपल के लिए आईफोन समेत तमाम अन्य इलेक्ट्रनिक्स प्रोडक्ट बनाने वाली ताइवानी कंपनी फॉक्सकॉन कर्नाटक में जल्दी ही एक बड़ा प्लांट लगाने जा रही है। इसके लिए कंपनी मोटा निवेश भी करेगी। ऐसा दावा किया जा रहा है कि इस प्लांट से बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर सृजित होंगे। हालांकि इन सब बातों के बीच एक चिंताजनक खबर भी सामने आई है।

अब दो ही शिफ्टों में होगा काम

खबर के अनुसार, ऐपल और फॉक्सकॉन के दबाव में आकर कर्नाटक सरकार ने श्रम कानूनों में कुछ बदलाव किया है। इस बदलाव के बाद अब कर्नाटक में भी कंपनियां अपनी फैक्ट्रियों में तीन के बजाय दो शिफ्टों में काम करा सकती हैं।

इसका मतलब हुआ कि अब कर्नाटक में 8-8 घंटे की शिफ्ट के

बजाय चीन की तरह 12-12 घंटे की शिफ्ट में काम कराना संभव होगा।

बदलाव से होगा ये असर

कानून में किए गए ताजा बदलाव के बाद अब एक हफ्ते में अधिकतम 48 घंटे काम करने की अनुमति होगी। हालांकि तीन महीने की अवधि के लिए ओवरटाइम को 75 घंटे से बढ़ाकर 145 घंटे कर दिया गया है।

चीन से हटा रही है प्रोडक्शन

आपको बता दें कि ताइवानी कंपनी फॉक्सकॉन अभी चीनी शहर झेंगझोउ स्थित प्लांट में ऐपल के लिए आईफोन बना रही है।

इस आईफोन प्लांट में करीब 02 लाख लोग काम करते हैं। हालांकि कोविड-19 के कारण आए व्यवधान के चलते झेंगझोउ प्लांट में प्रोडक्शन पर असर हुआ है।

इस कारण फॉक्सकॉन चीन के बजाय अन्य विकल्पों पर गौर कर रही है। वहीं अमेरिका और चीन के बीच बढ़ते तनाव के चलते भी कंपनियां चीन से अपना प्रोडक्शन शिफ्ट कर रही हैं। इसी क्रम में फॉक्सकॉन अब बेंगलुरू एयरपोर्ट के पास 300 एकड़ में प्लांट लगाने जा रही है।

यह प्लांट फॉक्सकॉन की फ्लैगशिप यूनिट होन हाई प्रीसिजन इंडस्ट्री कंपनी लगाएगी, जो ऐपल के लिए आईफोन बनाती है।

इसके लिए कंपनी 700 मिलियन डॉलर का भारी-भरकम निवेश कर सकती है। ऐसा दावा किया जा रहा है कि प्रस्तावित प्लांट से रोजगार के करीब 01 लाख अवसर पैदा हो सकते हैं।

अब बिना वाहन बीमा कराए नहीं दिया जाए पेट्रोल-डीजल? जानें क्यों उठ रही ऐसी मांग

नई दिल्ली, 10 मार्च (एजेंसियां)। अगर आपके गाड़ी का बीमा नहीं है तो हो सकता है कि आपको पेट्रोल या डीजल नहीं मिले और आपसे पहले बीमा करवाने के लिए कहा जाए। ये चर्चा इसलिए हो रही है, क्योंकि इंश्योरेंस इंडस्ट्री ने एक प्रस्ताव पेश किया है, जिसमें कहा गया है कि बिना बीमा कराने वाले वाहनों को ऑयल पंपों पर तेल भरने की अनुमति नहीं दी जाए। ईटी की एक रिपोर्ट के मुताबिक, ऑटोमोबाइल बीमा के प्रस्ताव को देखते हुए बीमा उद्योग ने ये प्रस्ताव रखा है। प्रस्ताव इस महीने की शुरुआत में बीमा नियामक, भारतीय बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण या आईआरडीएआई की ओर से आयोजित 'बीमा मंथन' के दौरान की गई पेशकश का एक पार्ट है।

ये ऐप बताएगा बीमा हुआ है या नहीं

ये प्रस्ताव पेश करने के साथ ही एक ऐप की भी पेशकश की है, जो एम परिवहन से रजिस्टर्ड होगा और बताएगा कि किस वाहन का बीमा हुआ है और किसका नहीं। रिपोर्ट के मुताबिक, अगर इस प्रस्ताव को स्वीकार किया जाता है तो ये ऐप तेल कंपनियों के साथ शेयर किया जाएगा और हर पेट्रोल पर इसकी उपलब्धता होगी।

कैमरा स्कैनर से वाहनों स्कैन कर लिए जाएंगे और ये ऐप तुरंत गाड़ी के बीमा स्टेटस के बारे में जानकारी देगी।

बीमा नहीं कराने वाले 54 फीसदी वाहन

मौजूदा रेगूलेशन के अनुसार थर्ड पार्टी मोटर इंश्योरेंस कराना अनिवार्य है। बीमा उद्योग के आंकड़ा बताता है कि देश में 54 फीसदी वाहना अभी भी बिना बीमा के हैं। इसमें ज्यादातर कॉमर्शियल वाहन जैसे ट्रैक्टर और थ्री व्हीलर हैं, जिन्होंने अपने इंश्योरेंस को रिन्यू नहीं कराया है। वहीं अब दो पहिया वाहनों में भी ऐसा ही कुछ दिख रहा है। बीमा उद्योग का मानना है कि इससे सरकार के राजस्व में भी बढ़ोतरी होगी।

पिछले कुछ साल से हो रहा नुकसान

इंश्योरेंस इंडस्ट्री का कहना है कि ये प्रस्ताव अगर सरकार पेश करती है तो तुरंत बीमा कराया जाएगा। एक आंकड़े के अनुसार, अभी मोटर वाहन सेगमेंट में बीमा साइज 80,000 करोड़ से ज्यादा है। पिछले कुछ सालों में बीमा उद्योग में 80 फीसदी से ज्यादा की गिरावट देखी गई है।

आईपीओ बाजार में टाटा समूह देगी दस्तक, टाटा टेक्नोलॉजीज ने सेबी के पास दाखिल किया ड्रॉफ्ट पेपर

नई दिल्ली, 10 मार्च (एजेंसियां)। दो दशकों के बाद एक बार फिर टाटा समूह आईपीओ लाने की तैयारी में जुट गई है। टाटा समूह अपनी ग्रुप कंपनी टाटा टेक्नोलॉजीज के स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्टिंग कराने की तैयारी में है। टाटा ग्रुप ने टाटा टेक्नोलॉजीज का आईपीओ लॉन्च करने के लिए शेयर बाजार के रेग्युलेटर सेबी के पास ड्रॉफ्ट पेपर दाखिल कर दिया है। टाटा टेक्नोलॉजीज का आईपीओ पूरी तरह से ऑफर फॉर सेल होगा। यानि कंपनी की प्रमोटर टाटा मोटर्स आईपीओ के जरिए अपनी हिस्सेदारी बेचेगी। टाटा टेक्नोलॉजीज के आईपीओ में नए शेयर्स नहीं जारी किए जायेंगे। टाटा मोटर्स ने अपने बयान में कहा है कि, हम ये सूचित करना चाहते हैं टाटा मोटर्स की सब्सिडियरी कंपनी टाटा टेक्नोलॉजीज ने 9 मार्च 2023 को आईपीओ लाने के लिए सेबी के पास ड्रॉफ्ट पेपर दाखिल कर दिया है। टाटा टेक्नोलॉजीज के आईपीओ में ऑफर फॉर सेल के तहत कुल 9.57 करोड़ (95,708,984) शेयर्स जारी किए जायेंगे जो कंपनी 23.60 फीसदी पेड-अप शेयर कैपिटल के बराबर है। टाटा टेक्नोलॉजीज में टाटा मोटर्स की 74.42 फीसदी हिस्सेदारी है। टाटा कैपिटल एडवाइजर्स द्वारा मैनेज किए जाने वाले सिंगापुर बेस्ड इंवेस्टमेंट अल्फा टीसी होल्डिंग्स पीटीई लिमिटेड के पास 8.96 फीसदी हिस्सेदारी है तो टाटा कैपिटल ग्रोथ के पास 4.48 फीसदी हिस्सेदारी है। इसके अलावा कंपनी में टाटा मोटर्स फाइनैंस, टाटा इंटरप्राइजेज ओवरसीज, रतन टाटा और एस रामादोराई के पास भी कंपनी के शेयर्स मौजूद हैं।

4000 करोड़ रुपये का आईपीओ संभव

टाटा टेक्नोलॉजीज के आईपीओ में ऑफर फॉल सेल के तहत बेचे जा रहे कुल शेयर्स में 81,133,706 शेयर्स टाटा मोटर्स के, 9716853 शेयर्स अल्फा टीसी होल्डिंग, 4858425 शेयर्स टाटा कैपिटल ग्रोथ फंड बेचने जा रहा है।

आईपीओ में 35 फीसदी कोटा रिटेल निवेशकों के लिए रिजर्व रखा जाएगा। टाटा टेक्नोलॉजीज ने कहा है कि कि वो प्री-आईपीओ प्लेसमेंट नहीं करने जा रही है।

बिना शादी के बच्चे, पति की जगह भाई का नाम

गाजीपुर, 10 मार्च (एक्सक्लूसिव डेस्क)। ना डोली सजी, ना दुल्हन बनी, ना शादी हुई। अपनी जिंदगी वीरान है, पर दुनिया को दिखाने के लिए सजना पड़ता है, संवरना पड़ता है। ढलती उम्र में भी गाढ़ा मेकअप लगाकर चेहरों की झुर्रियां छुपानी पड़ती हैं। बच्चे हैं, लेकिन उनके पिता का नाम नहीं। पति के नाम की जगह भाई का नाम लिखने की मजबूरी। महफिल में लोग वाहवाह करते हैं, प्यार लुटाते हैं, पैसे लुटाते हैं। पर जैसे ही महफिल खत्म होती है, उन्हीं सभ्य लोगों के लिए हम अछूत हो जाती हैं, वेश्या का ठप्पा जो लग चुका है।

ये कहानी है उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जिले के बासुका गांव की। 15 हजार की आबादी वाले इस गांव में 50-60 घरों की महिलाएं नाच-गाकर अपना गुजारा करती हैं। उन्हें राह चलते कोई मां-बहन की गाली देता है, तो कोई जबरदस्ती करता है। बासुका बनारस से 120 किलोमीटर दूर है।

गांव के बाहर एक दुकान पर कुछ लोग बैठकर बातें कर रहे थे। देश, दुनिया, राजनीति की बात होने लगी। इसी बीच जब उन्हें पता चला कि मैं यहां की महिलाओं पर स्टोरी करने आया हूं तो भडक उठे। खुद को इज्जतदार और सभ्य बताने वाले ही मर्यादा भूल गए। उन महिलाओं को मां-बहन की गालियां देते हुए कहने लगे- उनकी वजह से गांव का नाम बदनाम हो गया है। दूसरे गांव के लोग कहते हैं कि तुम लोग अपनी बहनों के लिए ग्राहक ढूंढते हो। ये लोग कहती हैं कि हम वेश्या नहीं हैं। आप ही बताइए वेश्या नहीं हैं, तो बिना शादी के इनके बच्चे कैसे हो गए।

बहरहाल, कुछ दूर चलने पर एक तवायफ के घर का दरवाजा खटखटाता हूं। कुछ देर तक कोई आवाज नहीं आती। फिर अंदर से जवाब मिलता है- 'हमें कोई बात नहीं करनी। आप इंटरव्यू लेकर क्या करेंगे। लोग आते हैं और वीडियो बनाकर नेट (इंटरनेट) पर डाल देते हैं। वहां भी लोग हमें गालियां देते हैं।' बहुत समझाने पर 50 साल की एक महिला बाहर निकलती हैं। अपना नाम रानीबाई बताती हैं। इसके बाद बातचीत शुरू होती है। रानीबाई के साथ एक हफ्ते पहले गांव के प्रधान ने बदतमीजी कोशिश की थी। रानीबाई वो वाकया बताती हैं।

''हम 7 लोग थे। इसमें तीन नाचने वालीं। एक स्टेज प्रोग्राम करके बिहार के सीवान से लौट रहे थे। रात में निकले थे, गांव पहुंचते-पहुंचते सुबह के 4 बज गए। हमारे घर के बाहर गाड़ी रखने की जगह नहीं है। इसलिए अपनी गाड़ी प्रधान के घर के सामने पार्क करते थे। उस दिन जैसे ही हमने गाड़ी लगाने की कोशिश की, प्रधान गालियां देने लगा। ऐसी गालियां जिसे मैं आपसे बता भी नहीं सकती। कहने लगा पैसा दो या मेरे साथ सोने चलो, तब यहां गाड़ी पार्क करने देंगे। कुछ देर बाद उसके घर वाले भी आ गए। उन लोगों ने हमारे साथ मार-पीट की, गलत तरीके से छूने की कोशिश की।

हमारे लिए यह कोई नई बात नहीं है। मां के साथ भी ऐसा ही हुआ। हमारे साथ भी हो रहा है। मैं नहीं चाहती मेरी बेटियां इस दल-दल में फंसे। पता नहीं कब तक उन्हें बचा पाऊंगी।इसके बाद रानीबाई मेरे साथ घर के बाहर निकलती हैं। आसपास के घरों को दिखाते हुए कहती हैं- 'ये सभी तवायफों के घर हैं। सामने वाले घर की नूरन बाई का लड़का फौज में है। बदनामी के चलते वो गया में रहती है। लड़का बाहर ही रहता है, वह यहां नहीं आता, लेकिन उसकी बहन अभी भी नाच-गाकर पेट पाल रही है।'

वे मुझे पायलरानी के घर लेकर जाती हैं। पायलरानी के घर शादियों में बुकिंग के लिए बिहार से कुछ लोग आए हैं। उनसे बातचीत के बाद पता चला कि वे लोग पायलबाई का नाम सुने हैं, लेकिन अभी वे दो घंटे पायलबाई और उनके ग्रुप की महिलाओं की परफॉर्मेंस देखेंगे। पसंद आने पर ही बुकिंग फाइनल करेंगे। रानीबाई बताती हैं, 'लोग बुकिंग से पहले लड़कियों का डांस देखते हैं, उनका रंग-रूप देखते हैं। सबको नई उम्र की लड़कियां ही पसंद आती हैं। जरा सी उम्र ढली या सांवला चेहरा हुआ, तो उसे ये लोग रिजेक्ट कर देते हैं।'

थोड़ी देर बाद तबला, हारमोनियम, ढोलक-झाल की धुन के साथ पायलबाई परफॉर्म करना शुरू करती हैं। एक के बाद एक तीन गानों पर 15 मिनट नाचने के बाद पायलबाई थोड़ा रुकती हैं। मुझसे उम्र का जिक्र करते हुए बताती हैं, 'पहले एक बार में तीन-तीन घंटे तक परफॉर्म

करती थी, लेकिन अब नहीं हो पाता। कमर और घुटने में दर्द रहता है। कभी-कभी मन करता है कि ये काम छोड़ दूं, लेकिन नाचूंगी नहीं, तो खाऊंगी कहां से।

हम अपने ग्रुप के साथ शादी-ब्याह में जाते हैं। वहां परफॉर्म करते हैं। कई बार लोग स्टेज पर चढ़ जाते हैं। गलत तरीके से छूने की कोशिश करते हैं। भद्दे इशारे करते हैं। कपड़े के अंदर हाथ डाल देते हैं। पैसे देकर सेक्स की डिमांड करते हैं। गाड़ी के ड्राइवर भी तंग करते हैं। चलती गाड़ी में गलत तरीके से छूते हैं।' जेहराबाई तवायफ हैं। कहती हैं- घर में दादी-बुआ सब डांस करती थीं। बचपन से मैंने घर में डांस का माहौल देखा। मां चाहती थी कि मैं इस पेशे में ना आऊं, लेकिन बड़ी हुई तो मैं भी डांस करने लगी। स्टेज प्रोग्राम करने लगी। दो भाई हैं, वे शहर में रहते हैं। नॉर्मल लाइफ जी रहे हैं। वे खुद को इस दल-दल से दूर रखते हैं, इसलिए यहां नहीं आते।'

मैं पूछता हूं- आपकी शादी नहीं हुई? जवाब मिलता है तवायफों की शादी नहीं होती। कुछ साल पहले की बात है। मैं डांस प्रोग्राम में छपरा गयी थी। वहां स्टेज पर एक आदमी पैसे लुटा रहा था। वह मुझे पसंद आ गया। इसके बाद वह हर प्रोग्राम में आने लगा। उससे मेरा दिल लग गया। उस आदमी से मेरे दो बच्चे हैं। खर्चा भी वही उठाते हैं। क्या उनसे बात हो सकती है? नहीं, वे सबके सामने नहीं आ सकते। उनका भी परिवार है, बच्चे हैं। जब मुझे जरूरत होती है, मैं फोन करके उन्हें बुला लेती हूं। बच्चों से वे मिलते हैं? नहीं। बच्चे कई बार जिद करते हैं कि उन्हें पापा से मिलना है। तब मैं कोई ना कोई बहाना बना देती हूं। बहुत जिद करते हैं, तो फोन पर उनसे बात करा देती हूं।

जेहराबाई बताती हैं, 'जब मैं प्रेग्नेंट थी तो अस्पताल में नर्स पति का नाम पूछ रही थी। मुझे समझ नहीं आ रहा था कि क्या नाम लिखूं। फिर पति के नाम की जगह भाई का नाम लिखवा दिया। स्कूल में भी जहां पति के नाम की जरूरत पड़ती है, भाई का नाम लिख देती हूं। क्या करिएगा, तवायफों का जीवन ऐसा ही होता है।'

स्टेज प्रोग्राम से कितनी कमाई हो जाती है?

जेहराबाई खुलकर बोलने से बचती हैं। बार-बार इस सवाल को टाल देती हैं। फिर कहती हैं- 'लोगों को लगता है कि नाचने-गाने वालों को बहुत पैसे मिलते हैं, लेकिन ऐसा नहीं है। शादियों के सीजन में चार महीने कमाते हैं और बाकी महीने बैठकर खाते हैं। बचत कुछ नहीं होती। कई बार शौकिया लोग घर पर भी मुजरा देखने आते हैं। उनके सामने हम डांस परफॉर्म करते हैं। वे पैसे लुटाते हैं। इससे अच्छी-खासी कमाई हो जाती है, लेकिन गांव के दबंग नहीं चाहते कि हम कमाएं। वे जबरन मुजरा बंद करा देते हैं।'

गाजीपुर जिले का यह गांव भूमिहार और नट मुस्लिम बाहुल्य है। सवर्ण जाति के लोग नहीं चाहते कि तवायफें यहां रहें। इसी वजह से दोनों पक्षों में विवाद होते रहता है। इस विवाद के चलते 50 से ज्यादा लोगों पर कभी ना कभी पुलिस केस हो चुका है।

70 साल के सहदेव राय, तवायफों को गांव से भगाने के लिए 1983 में नौकरी छोड़कर गांव आ गए। वे बताते हैं, 'तब मैं बनारस में ट्रक चलाता था। एक दिन खलासी एक अखबार की कटिंग लेकर आया। उसमें हमारे गांव के बारे में खबर छपी थी। जिस पर लिखा था- बसुका के नौजवान अपनी बहनों के लिए ग्राहक खोजते हैं। खबर पढ़कर मुझे बहुत गुस्सा आया। मैंने उसी दिन ट्रक चलाना छोड़ दिया और गांव चला आया।' गांव आने के बाद सहदेव राय ने तवायफों के घर जाकर काम बंद करने की धमकी दी। उनकी बात नहीं मानी गई तो उन्होंने थाने जाकर मुकदमा कर दिया। इसके बाद विवाद और बढ़ गया, जो आगे चलकर हिंसा में बदल गया।

मुजरा बंद कराने के चक्कर में हत्या हो गई

गांव वालों ने मुझे हत्या वाला वो किस्सा सुनाया- '1983 की बात है। मुजरा के विरोध में कुछ लोग गांव की पहरेदारी करते थे। वे किसी बाहरी को गांव में नहीं आने देते थे। अगर कोई आता था तो उससे कड़ी पूछताछ करते थे। उसके पीछे-पीछे चलते थे। तब गांव में घुसने देते थे। एक रात चोरी-छुपे एक तवायफ के घर मुजरा चल रहा था। गांव वालों को जैसे ही खबर मिली, वे लाठी-डंडे लेकर वहां पहुंच गए। उन्हें देखकर मुजरा करने वाले फरार हो गए। तवायफों ने अपना दरवाजा बंद कर लिया।

उसी दौरान गांव के तालाब के पास एक शख्स शौच कर रहा था। झगड़े की आवाज सुनकर वह खड़ा हो गया। गांव वालों को लगा कि ये मुजरा देखने वालों में से है। आनन-फानन में किसी ने गोली चला दी। इस घटना के बाद पांच महीने तक बासुका में तबला नहीं बजा। कोई परफॉर्मेंस नहीं हुई। इसके बाद प्रशासन ने दखल दी। फिर सुबह 10 बजे से 4 बजे तक का वक्त मुजरा के लिए तय किया गया। हालांकि अब ऐसी कोई समय-सीमा नहीं है।'ज्यादातर तवायफें अपने बच्चों को गांव से दूर शहर में पढ़ाती हैं।

यहां की ज्यादातर तवायफों का आरोप है कि गांव के प्रधान उन्हें तंग करते हैं। मैंने इसको लेकर प्रधान से बात करने की कोशिश की, लेकिन वक्त नहीं होने के बहाना बनाकर वे निकल गए। घर के बाहर सैफ खड़े थे। वे प्रधान के भतीजे हैं। मैंने उनसे जैसे ही तवायफों का नाम लिया वे भड़क गए। सैफ कहते हैं- देखिए ये महिलाएं मुजरे की आड़ में वेश्यावृति करती हैं। इन्हें तवायफ मत कहिए। इनकी वजह से हमारी बदनामी हो रही। हमारे गांव के बच्चों की शादी नहीं हो रही। कोई यहां अपनी बेटी की शादी नहीं करना चाहता है। हम दूसरे गांवों में जाते हैं तो लोग हमारा मजाक उड़ाते हैं। वे हमारे गांव को मीठका गांव कहते हैं।'

मैं पूछता हूं आपके पास इस आरोप का कोई सबूत है क्या? जवाब मिलता है- 'सबूत क्या होता है बिना शादी, बिना पति ये महिलाएं बच्चे पैदा करती हैं। बताइए मुजरा गाती हैं, डांस करती हैं, तो बच्चे कहां से आ जाते हैं। किसी मर्द से इनका नाजायज रिश्ता है, तभी तो ऐसा हो रहा है।'गांव में कई और लोगों का ऐसा आरोप था।

इन आरोपों पर तवायफें बिफर जाती हैं। मुझ पर नाराज होती हैं और पास रखे तबले की कसमें खाने लगती हैं। वो इसे अपना शौक बताती हैं और इस गांव को अपना सगा गांव। वो कहती हैं, 'यह काम करना मेरी मजबूरी नहीं है, शौक है। ये मेरी कला है। कोई नौकरी करता है, कोई दुकान चलाता है, हम डांस करते हैं। इसमें क्या बुराई है?'

एएसआई की हत्या, बैरक में खून से लथपथ मिली लाश

धारदार हथियार से हाथ और गले पर किया गया वार, हिरासत में लिए गए कुछ युवक

कोरबा, 10 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले के बांगो थाने में पोस्टेड एएसआई नरेंद्र परिहार की खून से लथपथ लाश उनके कमरे में मिली है। थाने के सामने बनी नई बैरक में वे रहते थे। जानकारी के मुताबिक नाइट शिफ्ट के बाद वह अपने रूम में चले गए थे। फिर शुक्रवार सुबह उनकी लाश मिली। सूचना पर तत्काल पुलिस के आला अधिकारी मौके पर पहुंचकर जांच में जुटे हैं।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के मुताबिक शुरुआती जांच में हत्या का मामला लग रहा है। उनकी माने तो हमलावरों ने पहले कमरे का दरवाजा तोड़ा उसके बाद अंदर घुसकर उनकी हत्या कर भाग निकले।

शरीर पर चोट के कई निशान पाए गए हैं, जिसकी जांच के लिए फॉरेंसिक एक्सपर्ट और डॉग स्क्वॉयड को भी मौके पर बुलाया गया। जांच के लिए विशेष टीम को भी तैयार किया गया है।

थाने से 10 कदम दूर बनी है नई बैरक

बांगो थाने से 10 कदम दूर नई बैरक बनी है । नरेंद्र सिंह उसी के एक कमरे में रहते थे। उनका परिवार एनटीपीसी जमनी पाली में रहता है। उनकी पोस्टिंग बांगो में होने के कारण वह यहां से आना-जाना करते थे। प्रारंभिक जांच में जो बातें सामने आई हैं उसके मुताबिक हत्यारों ने पहले दरवाजे को फरसा नुमा धारदार हथियारों से तोड़ा इसके बाद वे अंदर घुसे और सो रहे नरेंद्र सिंह पर ताबड़तोड़ वार किए।

एक वार उनके हाथ पर किया फिर गले पर वार किया गया। सुबह पहुंची डॉग स्क्वायड की टीम ने जब डॉगी को घटनास्थल पर छोड़ा तो वह अंबिकापुर रोड पर कुछ दूर जाकर रुक गया। पुलिस इस मामले में एएसआई के हाल ही में जांच किए जा रहे मामलों की भी पड़ताल कर रही है। पुलिस का मानना है की हत्या दुश्मनी या फिर बदला लेने की नीयत से की गई है।

पुलिस को कुछ युवकों पर भी संदेह है। गुरुवार रात आसपास के कुछ लड़के शराब के नशे में झगड़ा कर रहे थे। ऐसा माना जा रहा है कि उन्होंने हुड़दंग करने से उन्हें मना किया होगा। इसके बाद विवाद बढ़ा होगा। बाबा पारा इलाके के कुछ युवकों को संदेह के आधार पर हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

18 साल में बनाई 100 करोड़ की प्रॉपर्टी

जीयूजेएसएआईएल के पूर्व सीईओ के खिलाफ जांच शुरू सरकारी एयरक्राफ्ट से 100 निजी यात्रा करने पर सस्पेंड हैं

अहमदाबाद, 10 मार्च (एजेंसियां)। गुजरात स्टेट एविएशन इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी लिमिटेड (जीयूजेएसएआईएल) के पूर्व सीईओ कैप्टन अजय चौहान को कुछ दिन पहले ही सरकारी एयरक्राफ्ट से 100 से ज्यादा पर्सनल यात्राएं करने के आरोप में सस्पेंड कर दिया गया था। अब हाल ही में उनकी 100 करोड़ की अवैध संपत्ति का खुलासा हुआ है। उनकी ये प्रॉपर्टीज देश और विदेश में हैं। उनके खिलाफ शिकायत की दर्ज की गई है। जिसके बाद सरकार एक्शन में आ गई है और जांच की जा रही है।

कहां-कहां हैं अजय की प्रॉपर्टी

इस मामले में सहयोगी के पास तारीख, जगह के साथ 26 यात्राओं के सबूत हैं। साथ ही संपत्तियों के सबूत भी हैं। अजय के पास उनकी इनकम से भी ज्यादा प्रॉपर्टी मिली है। अहमदाबाद के प्रह्लादनगर में रिवेरा एलिगेंस में दो फ्लैट, करई गांधीनगर और शेला में दो बड़े फार्म हाउस, एसजी हाईवे और कॉमर्स सिक्स रोड पर प्रमुख स्थानों पर कॉमर्शियल प्रॉपर्टीज, नोएडा में एक फ्लैट समेत की देश में ही करीब 66 करोड़ की प्रॉपर्टी है। अजय पाली जिले के श्रीसेला गांव के रहने वाले हैं। यहां भी उनके पास कई जमीनें हैं। इन सभी प्रॉपर्टीज का हर महीने लगभग 15 लाख रुपए किराया आता है। इतना ही नहीं अमेरिका के ग्रीनकार्ड होल्डर कैप्टन अजय एनआरआई अकाउंट होल्डर हैं। यहां उनकी पत्नी के नाम से कई प्रॉपर्टी भी हैं। वहीं सरकार ने अजय चौहान के स्वामित्व वाले गांधीनगर के फार्म हाउस में जीयूजेएसएआईएल के नाम से खरीदे गए आलीशान फर्नीचर सहित पूरे केबिन को जब्त कर लिया है. जो वर्तमान में कंपनी के परिसर में है।

13 साल जीयूजेएसएआईएल के सीईओ रहे अजय

अजय गुजरात के नागरिक उड्डयन विभाग में 18 साल बतौर नियामक रहे। इसी अवधि में 13 साल गुजरात स्टेट एविएशन इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी लिमिटेड (जीयूजेएसएआईएल) के सीईओ भी रहे। उनके खिलाफ एयरक्राफ्ट इस्तेमाल करने की शिकायत मिली थी। जिसकी जांच की गई और यह आरोप साबित हो गए कि अजय ने मुख्यमंत्री, राज्यपाल के लिए इस्तेमाल होने वाले सरकारी जेट का इस्तेमाल अपने परिवार को घुमाने के लिए कर रहे थे। इसके चलते उन्हें सस्पेंड कर दिया गया था। वह अभी बतौर एकाउंटेबल मैनेजर सरकारी सेवा में हैं, लेकिन लंबी छुट्टी पर चल रहे हैं। उनकी जगह अब आईएएस नितिन सांगवान को प्रभार दिया गया है।

गुजरात के सीएम की मंजूरी के बिना ही अजय ने यात्राएं कीं और सरकार के खाते में करोड़ों रुपए का खर्च दिखाया। दरअसल, दोनों पदों पर रहे कैप्टन अजय चौहान ने 2019 में मुख्यमंत्री के एयरक्राफ्ट में आई खराबी के बाद एयरबस कंपनी की उस रिपोर्ट को दबाए रखा था, जिसमें एयरक्राफ्ट के इंजन को बदलने की दो टूक ताकीद की गई थी।

स्थान साक्ष्य के पास 26 यात्रा की तारीख है, अजय ने अपने परिवार से मिलने के लिए बड़ौदा, केवड़िया, फालना और गांधीनगर से पुणे तक की यात्रा के लिए आठ बार हेलीकॉप्टर का इस्तेमाल किया है। उन्होंने अहमदाबाद से मुंबई या मुंबई से अहमदाबाद तक उड़ान भरने के लिए कई बार निजी तौर पर सरकारी विमानों का इस्तेमाल किया। परिवार के सदस्यों की निजी सुविधा के लिए एयरपोर्ट से देर रात कई उड़ानें भरी गई हैं।

मेंटेनेंस के नाम पर सालाना 4.80 करोड़ की कमीशनखोरी

गुजरात सरकार के नए 650 चैलेंजर जैट विमान का हर महीने मेंटनेंस 50 लाख रुपए के आसपास होता है। इसके उलट मेंटेनेंसकर्ता कंपनी से ऊंची रकम का बिल बनवा कर रिकॉर्ड पर 90 लाख रुपए दर्ज करते थे। इस तरह हर महीने 40 लाख, साल में करीब 4.80 करोड़ रुपए का चूना सरकार को लगाया।

मरम्मत के नाम पर लाखों रुपए के फर्जी बिल भी बनाए

2019 में आणंद में इंजन में खराबी आने पर एयर क्रॉप्ट को ग्राउंड कर दिया गया था। एयरबस कंपनी ने 2019 में ही राज्य के सिविल एविएशन डिपार्टमेंट को रिपोर्ट भेज कर कहा कि हेलिकॉप्टर की ब्लेड (पंखे) में क्रैक और बहुत हद तक जंग लग गई है, हेलिकॉप्टर का इंजन जल्द से जल्द बदलने की जरूरत है। एयरबस कंपनी ने जब यह अति गंभीर अलर्ट वाली रिपोर्ट दी तब मुख्यमंत्री के हेलिकॉप्टर के मेंटनेंस का ठेका नोएडा स्थित इंडोकॉप्टर नामक कंपनी के पास था। कैप्टन अजय ने कंपनी का फायदा पहुंचाने के लिए एयरबस की रिपोर्ट को दबा दिया था।

कैप्टन अजय चौहान के फ्लैट और फॉर्म हाउस से 3 करोड़ रुपए का सरकारी फर्नीचर जब्त किया गया है। ये वह फर्नीचर है जिसे सरकारी दफ्तरों के नाम पर खरीदा गया।

कैप्टन अजय चौहान अपने रुतबे के दम पर अपने अहमदाबाद स्थित लग्जरी फ्लैट और फार्म हाउस में ले गए। जीयूजेएसएआईएल से सस्पेंड होने के बाद शुरू हुई जांच के क्रम में यह फर्नीचर वापस लिया गया है।

पंजाब बजट में न नया टैक्स, न कोई छूट

स्कूलों का काम मैनेजर देखेंगे, टीचर सिर्फ पढ़ाएंगे, बॉर्डर एरिया को पहली बार 40 करोड़, 2.5 लाख जॉब मिलेंगी

चंडीगढ़, 10 मार्च (एजेंसियां)। पंजाब में मुख्यमंत्री भगवंत मान की अगुवाई वाली आम आदमी पार्टी (एएपी) की सरकार ने शुक्रवार को विधानसभा में अपना पहला पूर्ण बजट पेश किया। इसमें न तो कोई नया टैक्स लगाया गया और न ही किसी तरह की छूट दी गई।

राज्य के वित्तमंत्री हरपाल सिंह चीमा ने वित्त वर्ष 2023-24 के लिए पंजाब का कुल 1 लाख 96 हजार 462 करोड़ रुपए का बजट पेश किया जो पिछले साल से 26% ज्यादा रहा। 2022-23 में पंजाब का कुल बजट एक लाख 55 हजार 860 करोड़ रुपए का था। सरकार का सबसे ज्यादा फोकस एजुकेशन और हेल्थ सेक्टर पर रहा। स्कूलों में पहली बार एस्टेट मैनेजर लगाने का ऐलान किया गया जो वहां का रूटीन कामकाज देखेंगे। वित्तमंत्री ने कहा कि एस्टेट मैनेजर लगने के बाद टीचर्स सिर्फ पढ़ाने पर फोकस करेंगे जिससे एजुकेशन का लेवल सुधरेगा। बजट में पंजाब की बॉर्डर बेल्ट के लिए पहली बार 40 करोड़ रुपए देने का दावा किया गया। वित्तमंत्री ने इंडस्ट्री के लिए 5 नई स्कीम के साथ-साथ 147 नए मोहल्ला क्लीनिक और होशियारपुर-कपूरथला में नए मेडिकल कॉलेज खोलने की घोषणा की। उन्होंने ढाई लाख नौकरियां देने की बात भी कही। एएपी सरकार के इस पहले पूर्ण बजट में राज्य की 18 साल से अधिक उम्र की हर महिला को हर महीने एक हजार रुपए देने की केजरीवाल की गारंटी को लेकर कोई जिक्र नहीं किया गया। अरविंद केजरीवाल ने यह गारंटी वर्ष 2022 में हुए पंजाब विधानसभा चुनाव से पहले दी थी। बजट में कर्मचारियों के लिए लागू की जा चुकी ओल्ड पेंशन स्कीम (ओपीएस) पर भी कुछ नहीं कहा गया। हालांकि वित्तमंत्री ने दावा किया कि उनकी सरकार ने अपने बहुत सारे वादे और गारंटियां पूरी कर दी हैं। बजट के दौरान ही कांग्रेस विधायकों ने हंगामा शुरू कर दिया। इस पर स्पीकर कुलतार सिंह संधवां ने विपक्षी सदस्यों को समझाते हुए कहा कि वित्तमंत्री चीमा को टोकना ठीक नहीं है। उन्हें बजट पूरा पढ़ने दिया जाए। कांग्रेसी विधायकों को जिन पॉइंट्स पर आपत्ति है, वह उन्हें नोट करके रख लें। बजट पर चर्चा के दौरान कांग्रेसी विधायकों को अपनी बात रखने का पूरा समय दिया जाएगा। सिर्फ खबरों में आने के लिए और अपनी हाजिरी लगवाने के लिए इस तरह का व्यवहार ठीक नहीं है। स्पीकर के समझाने के बावजूद जब कांग्रेसी विधायकों का हंगामा जारी रहा तो वित्तमंत्री हरपाल सिंह चीमा ने उन्हें संबोधित करते हुए कहा कि सुनने का माद्दा रखिए।

लुधियाना में एडिशनल सेशन जज की कोठी में चोरी

छुटिटयों में गए थे चंडीगढ़, वापस आने पर बिखरा मिला सामान, बाथरुम के नल भी चुराए

लुधियाना, 10 मार्च (एजेंसियां)। पंजाब के जिला लुधियाना में चोरों ने एडिशनल सेशन जज की कोठी को निशाना बना लिया। बदमाशों ने जज की कोठी में घुस कर सामान बिखेरा और बाथरुम से नल चोरी कर लिए। थाना डिवीजन नंबर 8 की पुलिस को घटना संबंधी जानकारी दी गई। मौके पर पहुंचे अधिकारियों ने कोठी का जायजा लिया।

जज रवदीप हुंदल के गनमैन सरदूल सिंह ने पुलिस को बयान दर्ज करवाए हैं। सरदूल सिंह ने कहा कि जज रवदीप हुंदल माल रोड स्थित कोठी नंबर 5 में रहते हैं। 6 मार्च को जज छुट्टियां होने के कारण चंडीगढ़ चले गए थे। 9 मार्च को जब वह वापस आए तो

कोठी में सारा सामान बिखरा मिला। कोठी में बने बाथरुम से अज्ञात चोर गीजर व कई टूंटियां आदि चुरा कर ले गए। इस वारदात के बाद इलाका पुलिस पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। सेशन जज की कोठी तक इलाका में सुरक्षित नहीं है तो आम लोगों की पुलिस किस तरह राखी कर पाएगी। इलाका पुलिस मुताबिक मामले की जांच जा रही है। इलाके में आस-पास लगे सीसीटीवी कैमरे चेक किए जा रहे हैं।

लालू यादव के करीबी के ठिकानों पर छापेमारी

रांची के कडरु में ईडी की छापेमारी, लालू के दूसरे करीबियों पर भी कस सकता है शिकंजा

रांची, 10 मार्च (एजेंसियां)। लालू यादव के करीबी और परिजनों के यहां ईडी ने छापेमारी की है। झारखंड की राजधानी रांची में भी लालू करीबी माने जाने वाले अबू दोजाना के ठिकानों पर छापेमारी की गयी है। ईडी की टीम शुक्रवार की सुबह कडरू इलाके में छापा मारा है। ईडी दिल्ली, मुंबई और बिहार में कुल 15 ठिकानों पर छापेमारी कर रही है।

कौन है अबू दोजाना

अबू दोजाना सीतामढ़ी के सुरसंड से विधायक रह चुके हैं। वे लालू यादव के खास माने जाते हैं। छापेमारी को लेकर जांच एजेंसियों ने कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है। झारखंड में अबू दोजाना को ठिकाना था। बिहार दिल्ली-एनसीआर समेत कई ठिकानों पर हुई एक साथ छापेमारी में रांची के कडरू इलाका भी शामिल है।

रही है छापेमारी

सूत्रों के अनुसार छापेमारी सुबह छह बजे से चल रही है। इस छापेमारी में रांची से क्या-क्या मिला है इस संबंध में भी अबतक जानकारी सामने नहीं आयी है। सुबह से यहां तलाशी चल रही है। पटना स्थित सगुना मोड़ के पास बन रहे सूबे के सबसे बड़े मॉल का काम अबू दोजाना की कंपनी ही देख रही थी, यह मॉल लालू परिवार का बताया जाता था। हालांकि, वर्तमान में मॉल के निर्माण कार्य को रोक दिया है।

14 साल पहले लालू यादव ने जमीन के बदले नौकरी देने के नाम पर कई लोगों की जमीन लिखवा ली थी। लालू यादव 2004 से 2009 तक रेल मंत्री रहे थे। सीबीआई ने इस मामले में 18 मई को केस दर्ज किया था। सीबीआई के मुताबिक, लोगों को पहले रेलवे में ग्रुप डी के पदों पर सब्स्टीट्यूट के तौर पर भर्ती किया गया और जब उनके परिवार ने जमीन का सौदा किया, तब उन्हें रेगुलर कर दिया गया।

जिनपिंग तीसरी बार चीन के राष्ट्रपति बने

मुट्ठी बंद कर देश को ताकतवर और महान बनाने की शपथ ली, करीबी कियांग को बनाएंगे पीएम

बीजिंग, 10 मार्च (एजेंसियां)। चीन की रबर स्टैंप पार्लियामेंट नेशनल पीपल्स कांग्रेस ने शुक्रवार को राष्ट्रपति शी जिनपिंग के कार्यकाल को तीसरी बार बढ़ा दिया। उन्हें तीसरी बार राष्ट्रपति बनाने का प्रस्ताव 2952 वोटों से पास हुआ। कम्युनिस्ट पार्टी के किसी एक नेता ने भी उनके खिलाफ वोट नहीं किया।

शी जिनपिंग को तीसरी बार राष्ट्रपति बनाने का रास्ता पिछले साल अक्टूबर में ही साफ हो गया था जब चाइना की कम्युनिस्ट पार्टी ने एकमत होकर उनके नाम पर मुहर लगाई थी। अब वो अपने भरोसेमंद ली कियांग को चीन का प्रीमियर यानी प्रधानमंत्री बनाएंगे।

शी के तीसरी बार राष्ट्रपति बनने से जुड़ी चार बड़ी बातें

शी जिनपिंग ने बीजिंग में हुई सेरेमनी में अपने दाहिनें हाथ की मुट्ठी उठाकर और बाएं हाथ को चीन के संविधान पर रख कर शपथ ली। इस दौरान उन्होंने चीन को ताकतवर, खुशहाल, महान सोशलिस्ट देश बनाने का वादा किया।

तीसर टर्म मिलने से शी जिनपिंग माओ के बाद चीन के सबसे ज्यादा समय तक राष्ट्रपति बनने वाले दूसरे नेता बनेंगे।

जिस ली कियांग को शी जिनपिंग अपना प्रीमियर यानी प्रधानमंत्री बनाने वाले हैं, उन्हीं के नेतृत्व में चीन ने कोरोना की चुनौती को पार किया था।

पीपल्स लिबरेशन आर्मी के कमांडर भी बनाए गए हैं शी जिनपिंग

तीसरी बार कार्यकाल बढ़ाए जाने से एक दिन पहले ही शी जिनपिंग ने नेशनल पीपल्स कांग्रेस में चीन के लिए अपनी प्राथमिकताओं को साफ कर दिया था। गुरुवार को उन्होंने सेना को मजबूती देने की बात कही थी। शी जिनपिंग ने संसद में कहा था- हमें सेना का तेजी से विस्तार करना होगा और चीन को स्ट्रैटिजिक चुनौतियों और खतरों से बचाने के लिए पीपल्स लिबरेशन आर्मी को दुनिया की टॉप क्लास फौज बनना होगा।

शी ने बढ़ाया सेना का बजट

चीन की नेशनल पीपल्स कांग्रेस ने पिछले हफ्ते ही डिफेंस बजट पर घोषणा की थी। चीन अपनी रक्षा पर साल 2023 में 18 लाख करोड़ रुपए खर्च करेगा। यह भारत के डिफेंस बजट से लगभग 3 गुना ज्यादा है। डिफेंस बजट में 7.2% की बढ़ोतरी की गई है। इसके लिए वहां की कम्युनिस्ट सरकार ने बाहरी चुनौतियों का हवाला दिया।

शी जिनपिंग के सामने कोरोना से तबाह हुई चीन की अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाना, ताइवान और अमेरिका के साथ लगातार खराब हो रहे रिश्ते अहम चुनौतियां होंगी। 2012 में जब शी जिनपिंग पहली बार सत्ता में आए थे उस समय उन्होंने चाइनीज ड्रीम को पूरा करने यानी चीन को दुनिया की बड़ी ताकत बनाने की बात कही थी। तब से उनका मेन फोकस चीनी सेना यानी पीपल्स लिबरेशन आर्मी को और मजबूत बनाने पर रहा है।

लगातार अपनी ताकत बढ़ा रहे हैं शी जिनपिंग

साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की

रिपोर्ट के मुताबिक शी जिनपिंग चीन के सबसे ताकतवर व्यक्ति हैं। उन्हें ये सारी ताकत राष्ट्रपति होने की वजह से नहीं बल्कि, चीन की कम्युनिस्ट पार्टी का जनरल सेक्रेटरी होने की वजह से मिली हुई है।

कम्युनिस्ट पार्टी और चाइना सिर्फ चीन ही नहीं बल्कि दुनिया की सबसे बड़े पार्टी मानी जाती है, जिसके 89 मिलियन मेंबर्स हैं। चीन के पॉलिटिकल सिस्टम की सभी ब्रांचों पर इसका ही दबदबा रहता है। पिछले साल चीन की कम्युनिस्ट पार्टी ने उस नियम खत्म कर दिया था जिसमें कोई नेता केवल दो बार ही राष्ट्रपति बन सकता है। इस बदलाव के बाद शी जिनपिंग के जीवन भर राष्ट्रपति बने रहने का रास्ता साफ हो गया था। जिनपिंग चीन के उन नेताओं में शामिल हो चुके हैं जिनके विचारों को संविधान में शामिल किया जा चुका है।

जिनपिंग का राष्ट्रपति बने रहना भारत के लिए खतरा कैसे है

1. भारत-चीन बॉर्डर पर टकराव बढ़ सकता है

भारत और चीन के बीच चार हजार किलोमीटर से ज्यादा लंबा बॉर्डर है। इसमें कई जगह पर विवाद है। डोकलाम और गलवान घाटी के विवाद भी इसी तरह के थे। जिनपिंग को आजीवन प्रेसिडेंट बने रहने की आजादी से असीमित ताकत मिल जाएगी। ऐसे में चीन बॉर्डर के साथ लाइन ऑफ कंट्रोल पर अपनी ताकत दिखा सकता है। इससे भारत की सुरक्षा को खतरा हो सकता है।

2. बीआरआई और पाकिस्तान में कॉरिडोर को बढ़ावा

जिनपिंग के प्रेसिडेंट रहने के दौरान ही चीन का बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव, यानी बीआरआई प्रोजेक्ट शुरू हुआ था। इसके जरिए वन बेल्ट वन रोड के जरिए चीन दुनिया भर के देशों को जोड़ रहा है। भारत के पड़ोसी देशों में इस सड़क से चीनी सैन्य बलों की आवाजाही आसान हो जाएगी। वहीं, जिनपिंग की अगुआई में चीन-पाकिस्तान इकोनॉमिक कॉरिडोर को बढ़ावा मिलेगा, जिसका भारत विरोध करता रहा है।

3. भारत को तीन तरफ से घेरने की रणनीति

चीन के कर्ज तले दबकर श्रीलंका बदहाल हो चुका है। अब चीन उसका हंबनटोटा पोर्ट इस्तेमाल कर रहा है। हाल ही में चीन का जासूसी जहाज भी वहां पहुंचा था। इधर, पाकिस्तान को चीन लगातार सैन्य सहायता दे रहा है। इनमें आधुनिक हथियार भी शामिल हैं, जिनका सीधा टारगेट भारत ही है। वहीं, नेपाल में भी चीन बीआरआई के जरिए अपना दखल बढ़ा रहा है। इससे भारत की तीन तरफ से घेराबंदी होने का खतरा बढ़ गया है।

4. इंडो-पेसिफिक और हिंद महासागर में दखल

हिंद महासागर में चीनी नौसेना का दखल तो है ही, साथ ही साउथ चाइना सी (दक्षिण चीन सागर) में उसका जापान, वियतनाम, फिलिपींस और मलेशिया से भी टकराव है। शेनकाकू आईलैंड्स को लेकर उसका जापान से पुराना टकराव है। चीन इन आईलैंड्स पर कब्जा करके वहां फाइटर जेट्स और मिसाइल तैनात करना चाहता है। इससे भारत की सुरक्षा को बड़ा खतरा पैदा हो जाएगा।

इमरान खान पर हत्या-आतंकवाद का केस

रैली के दौरान पीटीआई कार्यकर्ता की मौत के बाद एक्शन, 100 पार्टी वर्कर्स गिरफ्तार

लाहौर, 10 मार्च (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमारन खान और उनके 400 कार्यकर्ताओं के खिलाफ मर्डर और आतंकवाद का केस दर्ज हुआ है। लाहौर पुलिस ने 100 कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार भी किया है। ये कार्रवाई इमरान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के कार्यकर्ताओं की रैली में पुलिस के साथ हुई झड़प के बाद की गई है।

झड़प के दौरान पीटीआई के एक कार्यकर्ता की मौत हो गई थी। जिसके बाद पुलिस ने कार्यकर्ताओं के खिलाफ ही केस दर्ज कर दिया। इस पर पीटीआई के नेता फवाद चौधरी ने कहा- पुलिस ने हमारे कार्यकर्ता की हत्या के आरोप में अपने साथियों पर एफआईआर दर्ज करने की जगह इमरान और 400 कार्यकर्ताओं पर मर्डर का आरोप लगाया है।

दरअसल, 8 मार्च को पीटीआई के कार्यकर्ता इमरान के घर से एक रैली निकालने वाले थे, जिसे देखते हुए लाहौर में धारा 144 लगा दी गई थी। इसके बाद जमान पार्क के बाहर इकट्ठा हुए पीटीआई कार्यकर्ताओं और पुलिस में झड़प हो गई। पुलिस ने उन्हें हटाने के लिए आंसू गैस और वॉटर कैनन का भी इस्तेमाल किया। झड़प को बढ़ता देख इमरान ने रैली वापस लेने की घोषणा की थी।

पीटीआई के मुताबिक, झड़प में पुलिस ने एक कार्यकर्ता अली बिलाल की हत्या कर दी थी और कई कार्यकर्ता घायल हुए थे। वहीं एफआईआर के मुताबिक, पीटीआई के मेंबर्स ने पुलिसकर्मियों पर पत्थर फेके, जिसमें 11 पुलिसकर्मी घायल हुए थे। इमरान ने कहा- सरकार पंजाब में चुनाव टालने का बहाना ढूंढ रही है और इसके लिए उसे शवों की जरूरत है। पुलिस ने हमारे 100 कार्यकर्ताओं को उठा लिया है। हम सरकार और उनके नेताओं के नापाक मंसूबों को कामयाब नहीं होने देंगे।

शाहबाज शरीफ की पार्टी पीएमएल-एन के सत्ता में आने के 11 महीनों में इमरान के खिलाफ ये 80वां केस दर्ज हुआ है। पीटीआई ने इस मामले में पंजाब के केयरटेकर चीफ मिनिस्टर मोहसिन नकवी सहित गृहमंत्री राणा सनाउल्लाह, पंजाब आईजी उसमान अनवर और लाहौर पुलिस के चीफ बिलाल कामयान के खिलाफ केस दर्ज करवाने की घोषणा की है। वहीं पंजाब आईजी ने जमान पार्क के बाहर हुई झड़प की जांच के लिए 2 सदस्यीय कमेटी का गठन किया है।

ईरान के स्कूलों में लड़कियों को जहर देने का मामले में गहराता ही जा रहा है रहस्य

तेहरान, 10 मार्च (एजेंसियां)। ईरान में हाई स्कूल की छात्राओं को जहर दिए जाने का मामला मीडिया में लगातार सुर्खियों में हैं। बीते दो हफ्तों से ऐसी घटनाओं की खबर लगातार आई है। ऐसी पहली खबर पिछले साल 30 नवंबर को कॉम शहर से आई थी। वहां थकान, चक्कर आने और कमजोरी महसूस होने की शिकायत के बाद एक गर्ल्स हाई स्कूल की 18 छात्राओं को अस्पताल ले जाना पड़ा था। तब अस्पताल के डॉक्टरों ने कहा था कि उन छात्राओं को जहर दिया गया है। उसके बाद ऐसी घटनाएं लगातार होती रही हैं, जिनमें बीते दो हफ्तों में काफी तेजी आ गई है।

वेबसाइट क्रैडल.कॉ पर छपी एक लंबी रिपोर्ट के मुताबिक जनवरी के अंत तक ऐसी सारी खबरें कॉम शहर से ही आई थीं और सभी मामले गर्ल्स हाई स्कूलों में हुए थे। उन छात्रों ने बताया था कि पहले उन्हें दुर्गंध महसूस हुई और फिर सिरदर्द, उल्टी आने या शरीर सूना पड़ने जैसी दिक्कतें उन्हें होने लगीं।

नॉर्थ कोरियाई सेना जंग के लिए तैयार रहे

तानाशाह ने सैन्य अभ्यास तेज करने का आदेश दिया, बेटी के साथ मिसाइल टेस्ट देखा

प्योंगयांग, 10 मार्च (एजेंसियां)। नॉर्थ कोरिया के राष्ट्रपति किम जोंग उन ने अपनी सेना को असली जंग के लिए मिलिट्री ड्रिल तेज करने का आदेश दिया है। किम पहले भी अपनी सेना को युद्ध अभ्यास का विस्तार करने और जंग की तैयारियों को मजबूत करने का आदेश दे चुके हैं। किम ने नया आदेश 9 मार्च को नॉर्थ कोरिया ने 6 मिसाइलों के परीक्षण के दौरान दिया।

इस परीक्षण की तस्वीरें शुक्रवार को सामने आईं। तस्वीरों में किम जोंग अपनी बेटी के साथ नजर आए। इस दौरान कई सीनियर मिलिट्री ऑफिसर्स मौजूद रहे। तस्वीरें कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी (केसीएनए) ने जारी की हैं। इसमें किम जोंग और उनकी बेटी दोनों ही ब्लैक जैकेट पहने दिखे।

दो मिशन के लिए तैयार रहे सेना

केसीएनए के मुताबिक, किम ने मिलिट्री ड्रिल के दौरान सेना से जंग से जुड़ी सभी परिस्थितियों के लिए तैयार रहने की बात कही। उन्होंने कहा- सैनिकों दो स्ट्रैटेजिक मिशन के लिए तैयार रहें। पहला- जंग रोकने के लिए और दूसरा- जंग शुरू करने के लिए।

नॉर्थ और साउथ कोरिया के बीच बढ़ रहा तनाव

ये टेस्टिंग 13 मार्च से शुरू होने वाली अमेरिका और साउथ कोरिया की ज्वॉइंट मिलिट्री एक्सरसाइज के पहले हुई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस परीक्षण की वजह साउथ कोरिया और अमेरिका के नजदीकी रिश्ते हैं। इसके चलते नॉर्थ और साउथ कोरिया के बीच तनाव बढ़ रहा है। साउथ कोरिया का मानना है कि नॉर्थ कोरिया ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएन सिक्योरिटी कॉउंसल) के कानून का उल्लंघन किया है।

प्रतिबंध के बावजूद मिसाइल टेस्टिंग कर रहा नॉर्थ कोरिया

संयुक्त राष्ट्र यानी यूएन ने नॉर्थ कोरिया पर परमाणु और बैलिस्टिक हत्यारों की टेस्टिंग को लेकर प्रतिबंध लगाए हैं। आसान शब्दों में कहें तो नॉर्थ कोरिया परमाणु और बैलिस्टिक मिसाइलों का परीक्षण नहीं कर सकता है। इसके बावजूद लगातार मिसाइल टेस्ट किए जा रहे हैं।

नॉर्थ कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन और उनकी बेटी की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है।

नॉर्थ कोरिया की केसीएनए न्यूज एजेंसी के मुताबिक, तस्वीर में किम अपनी बेटी का हाथ पकड़े हुए हैं। व्हाइट कलर की जैकेट पहनी उनकी बेटी और किम एक मिलिट्री फैसिलिटी के बाहर खड़े हैं।

जंग के खिलाफ बोले बच्चे, सजा दे रहा रूस

पुलिस ने पिता को टॉर्चर किया, युद्ध की आलोचना को रेप करने जैसा बताया

मॉस्को, 10 मार्च (एजेंसियां)। रूस ने इस हफ्ते एक व्यक्ति को डिटेंशन सेंटर में रखा है, कुछ ही दिनों में उसका ट्रायल शुरू होगा। एलेक्सी मोस्कालयेव नाम के इस व्यक्ति को गुनाह ये था कि इसकी बेटी ने यूक्रेन जंग का विरोध करते हुए एक पेंटिंग बना दी थी। जिसके बाद दोनों बाप-बेटी पर रूसी सेना का अपमान करने का केस दर्ज कर लिया गया।

इतना ही नहीं पुतिन की पुलिस ने उससे 32 हजार रूबल (रूसी करेंसी) का जुर्माना भी वसूला। उसे कहा गया कि वो अपनी बेटी की परवरिश ठीक से नहीं कर रहा है। इंवेस्टिगेशन एजेंसी ने यूक्रेन जंग पर किए उनके कमेंट्स की तुलना रेप के गुनाह से की।

स्कूल में बनाई पेंटिंग से शुरू हुआ मामला

पिछले साल जंग शुरू होने के दो महीने बाद ही अप्रैल में एलेक्सी की बेटी के स्कूल में रूस की जंग का समर्थन करते हुए एक पेंटिंग बनाने को कहा गया था। इस पर एलेक्सी की बेटी माशा ने एक पेंटिंग बनाई जो जंग के खिलाफ थी।

माशा ने पेंटिंग में एक बच्चे और उसकी मां को दिखाया था। उस पर लिखा था- जंग नहीं होनी चाहिए। साथ ही यूक्रेन के समर्थन में नारे लिखे थे। इसके एक दिन बाद ही माशा के टीचर्स ने एलेक्सी को स्कूल बुलवा लिया। दोनों बाप-बेटी को एक गाड़ी में बिठाकर पूछताछ के लिए ले जाया गया।

बिना वारंट के गिरफ्तार किया

रूस में जंग की आलोचना रोकने के लिए पुतिन हर तरह से पाबंदियां लगा रहे हैं। इसी का शिकार एलेक्सी भी बना। लोकल पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया और उसकी बेटी माशा को एक केयर सेंटर में भेज दिया गया।

एलेक्सी ने रूस के ह्यूमन राइट्स ग्रुप को बताया कि 30 दिसंबर को उनके घर के बाहर उन्हें पकड़ने के लिए पुलिस की

पांच गाड़ियां और एक फायर ट्रक आया था। वो उन्हें बिना वारंट के अपने घर में नहीं घुसने देना चाहता था। लेकिन उनके जबरदस्ती करने पर उसने दरवाजा खोल दिया। इसके बाद पुलिस और रूस की फेडरल सिक्योरिटी सर्विस यानी एफएसबी ने उनके घर की तलाशी लेनी शुरू कर दी। वो सामान को तोड़ने लगे। एलेक्सी का आरोप है कि वो अब तक की बचाई उसकी सारी पूंजी के साथ मोबाइल फोन, लैपटॉप और उनकी बेटी माशा की बनाई पेंटिंग को साथ ले गए। अलजजीरा के मुताबिक रूस ने एलेक्सी के आरोपों पर कोई कमेंट नहीं किया है।

कमरे में कैद कर घंटों रूस की नेशनल एंथम सुनाई

एलेक्सी का कहना है कि सिक्योरिटी ऑफिशियल्स ने उसे एक कमरे में कैद कर लिया। उसके सिर को दीवार में पटक-पटक कर उन्हें टॉर्चर किया गया। साथ ही उन्हें तेज आवाज में रूस की नेशनल एंथम सुनाई जाती थी। जो असहनीय थी।

एलेक्सी का कुछ ही दिनों में ट्रायल शुरू होने की आशंका है। अभी उन्हें हाउस अरेस्ट किया गया है। एलेक्सी को उसके वकील और इंवेस्टिगेशन एजेंसी के अलावा कोई भी कॉन्टैक्ट नहीं कर सकता है। माशा को अभी शेल्टर में रखा गया है। एलेक्सी के वकील बिलियेंको ने बताया कि हम माशा को वापस घर लाने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। अगर उसके पिता को जेल हो जाती है तो उसे चिल्ड्रन्स होम (बाल सुधार गृह) में रहना पड़ेगा। इस मामले में कम से कम तीन साल की सजा होगी। पॉलिटिकल मामला होने के कारण एलेक्सी की सजा बढ़ भी सकती है।

चीन ने फिलीपींस कोस्ट गार्ड के प्लेन को धमकाया

साउथ चाइना सी के विवादित इलाके में घूम रहा था, कहा- यहां से तुरंत निकल जाओ

मनिला, 10 मार्च (एजेंसियां)। साउथ चाइना सी के विवादित हिस्से में घूम रहे एक फिलीपींस कोस्ट गार्ड के प्लेन को चीन के रेडियो ऑपरेटर ने धमकी दी। रिपोर्ट्स के मुताबिक रेडियो ऑपरेटर ने 3500 फीट नीचे कोस्ट गार्ड के वेसल से अनाउंस करते हुए कहा- यहां से तुरंत निकल जाओ। दरअसल, फिलीपींस के इस प्लेन में दुनिया भर के पत्रकार थे। जिन्हें साउथ चाइना सी के विवादित इलाके को दिखाने के लिए बुलाया गया था। जिस समय इसे निकल जाने की धमकी दी गई उसे दौरान ये प्लेन स्प्रैटली इलाके में उड़ रहा था।

चीन के कोस्ट गार्ड वेसल ने साउथ चाइना सी पर उड़ रहे प्लेन से कहा कि वो चीन के इलाके में घूसे गए हैं और वहां की सुरक्षा के लिए खतरा बन गए हैं। चीन की तरफ से ये घोषणाएं चीनी और इंग्लिश भाषा में की गई। इसका पलटवार करते हुए फिलीपींस का प्लेन उड़ा रहे पायलट ने कहा- हम किसी चीनी इलाके में नहीं हैं हम फिलीपींस के इलाके में उड़ान भर रहे हैं।

करीब चार घंटों की उड़ान में फिलिपींस के कोस्ट गार्ड ने उनके 9 आईलैंड और रीफ्स में 20 चीनी वेसल्स को देखा। जिनमें मिलिशिया बोट्स भी शामिल थी। वहीं 17 मैरिटाइम मिलिशिया बोट्स को फिलीपींस के ही सबिना शोल में स्पॉट किया गया था।

फिलीपींस ने पिछले महीने भी चीन पर साउथ चाइना सी में दादागिरी करने का आरोप लगाया था। फिलीपींस ने कहा था कि चीन ने एक लेजर लाइट से उनके वेसल को रोकने की कोशिश की। इससे फिलीपींस के जहाज में सवार चालक दल को दिखना बंद हो गया था। फिलीपींस ने कहा था कि चीन ने ऐसा जानबूझ कर किया था। जो साउथ चाइना सी में उनके अधिकारों का उल्लंघन है। इस पूरे मामले में अमेरिका के विदेश प्रवक्ता नेड प्राइस ने प्रतिक्रिया दी थी। उन्होंने कहा था कि इस मामले में उनका देश फिलीपींस के साथ खड़ा है। लेजर लाइट का इस्तेमाल कर उनके एक जहाज को रोकने की कोशिश की है।

चीन पर माइक्रोनेशिया के राष्ट्रपति का बड़ा आरोप

बोले- हमारे अफसरों को घूस देता है चीन, मेरी जान को भी खतरा

नई दिल्ली, 10 मार्च (एजेंसियां)। चीन पर माइक्रोनेशिया के राष्ट्रपति डेविड पैनुएलो ने बड़ा आरोप लगाया है। पैनुएलो ने कहा कि चीन प्रशांत क्षेत्र में 'राजनीतिक युद्ध' में लगा है। वह हमारे देश के नेताओं और अधिकारियों को रिश्वत देकर खरीदने की कोशिश करता है। पैनुएलो ने चीन से खुद की जान को भी खतरा बताया।

राष्ट्रपति डेविड पैनुएलो का कार्यकाल दो महीने में खत्म हो रहा है। इसके पहले उन्होंने एक पत्र लिखकर चीन पर बड़ा हमला किया। डेविड पैनुएलो के पत्र में आरोप लगाया गया है कि चीन ताइवान के द्वीप पर संघर्ष की तैयारी कर रहा था। चीन का उद्देश्य फेडरेटेड स्टेट्स ऑफ माइक्रोनेशिया (एफएसएम) में हस्तक्षेप करके किसी भी संभावित प्रशांत क्षेत्र में युद्ध कराना था।

राष्ट्रपति ने क्या-क्या आरोप लगाया?

माइक्रोनेशिया के राष्ट्रपति ने कहा, 'चीन यह सुनिश्चित करने की कोशिश कर रहा है कि माइक्रोनेशिया के रिश्ते अमेरिका से बिगड़ जाएं।' उन्होंने कहा कि माइक्रोनेशिया अमेरिका का एक पुराना सहयोगी है। राष्ट्रों के पास एक औपचारिक मुक्त संघ का संघ है और इसकी रक्षा के लिए अमेरिका पूरी तरह से प्रतिबद्ध है।

माइक्रोनेशिया की कांग्रेस और राज्य के राज्यपालों को लिखे अपने पत्र में पैनुएलो ने खुले तौर पर देश की राजनयिक मान्यता को बीजिंग से ताइपे में बदलने का सुझाव दिया। कहा कि उन्होंने इस साल फरवरी में ताइवान के विदेश मंत्री जोसेफ वू से मुलाकात की थी। इस दौरान हमने उनको बताया कि हम चीन के बजाय उन्हें समर्थन देने के लिए राजनयिक संबंधों को बदल दें सकते हैं। इसके बदले में वह हमें 50 मिलियन डॉलर के इंजेक्शन देने के लिए भी तैयार हैं। जिससे भविष्य की जरूरतों को पूरा किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि माइक्रोनेशिया को वार्षिक 15 मिलियन डॉलर का सहायता पैकेज भी प्राप्त होगा।

पनुएलो ने माइक्रोनेशिया में चीन की वर्तमान गतिविधियों के लिए चीन की निंदा भी की। कहा कि उनका मानना है कि चीन माइक्रोनेशिया के समुद्री क्षेत्र में अनुसंधान की आड़ में जासूसी कर रहा था। उन्होंने इसके लिए अमेरिका में मिले जासूसी गुब्बारे का उदाहरण भी दिया।

पानीपत की ऐतिहासिक धरती पर बनेगी संघ की शताब्दी वर्ष योजना

12 से 14 तक समालखा के पट्टीकल्याणा स्थित सेवा साधना केंद्र में होगी संघ की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा

1400 से अधिक प्रतिनिधि बनाएगे संघ कार्य की योजना

पानीपत, 10 मार्च (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आम्बेकर ने कहा कि अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा में पिछले वर्ष किए गए कार्यों की समीक्षा व संघ द्वारा आगामी वर्ष में किए जाने वाले कार्यों की योजना तैयार की जाती है। इस वर्ष यह प्रतिनिधि सभा पानीपत जिला के समालखा स्थित पट्टीकल्याणा के सेवा साधना एवं ग्राम विकास केंद्र में 12, 13 व 14 मार्च को होने जा रही है। इस सभा में देशभर से संघ के 1400 से अधिक प्रतिनिधि भाग लेंगे। इसमें 34 विविध संगठनों के कार्यकर्ता भी शामिल होंगे। इससे पहले 11 मार्च को अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल की बैठक होगी। इसमें प्रतिनिधि सभा में आने वाले प्रस्तावों पर चर्चा की जाएगी। प्रतिनिधि सभा के अंतिम दिन 14 मार्च को सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले पत्रकारों से बातचीत कर प्रस्ताव के बारे में जानकारी देंगे। सुनील आम्बेकर शुक्रवार को सेवा साधना एवं ग्राम विकास केंद्र पर पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। इस अवसर पर उनके साथ अखिल भारतीय सह प्रचार प्रमुख नरेंद्र ठाकुर व आलोक कुमार, क्षेत्र प्रचार प्रमुख अनिल कुमार, हरियाणा प्रांत के संघचालक पवन जिंदल भी उपस्थित रहे। सुनील आम्बेकर ने कहा कि 12 मार्च को प्रतिनिधि सभा का शुभारंभ होगा। जिसमें सरसंघचालक मोहन भागवत, सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले, सभी सह सरकार्यवाह, अखिल भारतीय कार्यकारिणी, विविध संगठनों के पदाधिकारी, सभी क्षेत्र व प्रांतों के संघचालक व कार्यवाह उपस्थित रहेंगे। उन्होंने कहा कि वर्ष 2025 में संघ स्थापना के 100 वर्ष पूरे होने जा रहे हैं। प्रतिनिधि सभा में शताब्दी वर्ष कार्य विस्तार योजना 2022-23 की समीक्षा व अनुभव के आधार पर 2023-24 की कार्य योजना बनेगी। इस वर्ष की समीक्षा के साथ-साथ 2025 तक नए लोगों को संघ से जोडना, वर्ष 2023-24 की कार्य योजना तैयार करने पर चर्चा की जाएगी। उन्होंने कहा कि संघ की रीढ़ शाखा है और शाखा सामाजिक परिवर्तन का केंद्र है। शाखा के स्वयंसेवक सामाजिक परिस्थितियों के अध्ययन के आधार पर विषयों का चयन करते हैं, और समाज परिवर्तन के लिए कार्य करते हैं। समाज को स्वावलंबी बनाने, सेवा कार्यों का विस्तार, समाज में सामाजिक समरसता का वातावरण बनाने, पर्यावरण संरक्षण, अमृतकाल के तहत देशभर में क्या कार्य किए जाएं ये सभी विषय शाखा के माध्यम से स्वयंसेवकों द्वारा समाज में चलाए जाते हैं। आम्बेकर ने बताया कि महर्षि दयानंद के जन्म को 2024 में 200 वर्ष पूरे होने जा रहे हैं तथा भगवान महावीर स्वामी के 2550वें निर्वाण वर्ष के बारे में भी विशेष वक्तव्य जारी किये जाएंगे।

राजस्थान में 'कोरोना' जैसा वायरस

बच्चे ज्यादा शिकार : फेफड़ों में भी फैल रहा इंफेक्शन, आईसीयू में करना पड़ रहा भर्ती

जयपुर, 10 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान ही नहीं देशभर में H3N2 नाम के वायरस का प्रकोप तेजी से बढ़ता जा रहा है। इस वायरस की चपेट में सबसे ज्यादा बच्चे-बुजुर्ग आ रहे हैं, उन्हें ठीक होने में 10 से 12 दिन तक लग रहे हैं। 7% बच्चों को तो कंडीशन बिगड़ने पर आईसीयू तक में भर्ती करना पड़ रहा है।

वायरस फ्लू श्रेणी का है, लेकिन इसका असर कोरोना की तरह देखा जा रहा है। यानी बुखार के साथ फेफड़ों को नुकसान पहुंचा रहा है। चिंता की बात ये है कि कर्नाटक और हरियाणा में इस वायरस से दो लोगों की मौत की खबर आ रही है। एक्सपर्ट्स ने बताया कि ओपीडी में आने वाला हर तीसरा या चौथा मरीज H3N2 या इससे मिलते-जुलते वायरस की चपेट में आ रहा है। मरीज के तेज बुखार के बाद लंबे समय तक खांसी चलने की शिकायत ज्यादा आ रही है। प्रदेश में अचानक से केस बढ़ने लगे तो प्रदेश के सबसे बड़े एसएमएस अस्पताल और मेडिकल कॉलेज के विशेषज्ञों की मदद ली। उनसे यह जाना कि यह वायरस क्या है? कितना कहर

बरपा रहा है? इससे बचने के क्या तरीके हैं?

6-7 दिन रहता है बुखार

एसएमएस मेडिकल कॉलेज जयपुर में जनरल मेडिसिन डिपार्टमेंट के सीनियर प्रोफेसर डॉ. पुनीत सक्सेना ने बताया कि यहां ओपीडी में हर तीसरा-चौथा मरीज तेज खांसी-बुखार की शिकायत लेकर आ रहा है। इसमें ज्यादातर मामले H3N2 के अलावा इससे मिलने अपर रेस्पिरेटरी इंफेक्शन (यूआरआई), एडिनोवायरस, पैरा इन्फ्लूएंजा वायरस के हैं।

ये वायरस मौसम में बदलाव के साथ एक्टिव होते हैं और तेजी से स्प्रैड हो रहे हैं। इसमें बुखार सामान्यतः 3-4 दिन रहता है, लेकिन कुछ केस में 6-7 दिन में भी बुखार ठीक नहीं हो रहा। हालांकि राहत की बात ये कि जितने भी मरीज इन वायरस की चपेट में आ रहे हैं, उसमें 95 फीसदी केस हल्के लक्षण वाले यानी सीवियर नहीं हैं। हालांकि कुछ मरीजों में निमोनिया जैसी कंडीशन बन रही है।

बुखार टूटने के बाद लंग्स पर असर, सूखी खांसी बन रही मुसीबत

डॉक्टर सक्सेना के मुताबिक इन वायरस की चपेट में आने वाले मरीजों में बुखार टूटने के बाद खांसी शुरू होती है और ये लंबे समय तक रहती है। खांसी काफी तेज होती है और ये ठीक होने में 10 से 12 तक ले रही है। इन दिनों देखने को मिल रहा है कि कई मरीजों में खांसी 3 सप्ताह में भी पूरी तरह खत्म नहीं हो रही।

कई मरीजों में निमोनिया की कंडीशन बन रही

डॉक्टरों का कहना है कि H3N2 वायरस के संक्रमित हो रहे कुछ मरीजों में लंग्स में ज्यादा इंफेक्शन फैल रहा है। इससे निमोनिया होने की भी कंडीशन बन रही है। अक्सर बुजुर्ग या छोटे बच्चों में केस ज्यादा बिगड़ने पर उन्हें अस्पताल में भर्ती करने की भी नौबत आ रही है।

कोटा, अजमेर, उदयपुर, जोधपुर में बढ़े मामले

इस वायरस को लेकर स्पेसिफिक कोई जांच प्रदेश में नहीं हो रही है। राहत की बात ये है कि अभी तक कोई मौत प्रदेश भी दर्ज नहीं हुई है। सिर्फ लक्षणों के आधार पर जैसे खांसी-जुकाम लंबे समय तक बुखार पर ही डॉक्टर इलाज कर रहे हैं। ओपीडी की अगर बात करें तो अभी ज्यादातर मरीज खांसी-जुकाम-बुखार के ही अस्पतालों में पहुंच रहे हैं।

भाजपा ने लिखा राजस्थान में जंगलराज

सीएम के ओएसडी ने की तस्वीर की निंदा

जयपुर, 10 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान में भाजपा की आईटी टीम ने जंगलराज बताते हुए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की एक तस्वीर ट्वीट की है । राजस्थान भाजपा ने लिखा है कि राजस्थान में जंगलराज । वहीं सीएम अशोक गहलोत ने ट्वीट करके प्रतिक्रिया दी है कि कि विरोध करते-करते ये बीजेपी के मानसिक दिवालियापन की निशानी है। मुख्यमंत्री को इस तरह दिखाना शर्मनाक व निंदनीय है। राजनीति तथ्यों द्वारा आलोचना के साथ हो, सीएम पद की गरिमा होती है कुछ शिष्टाचार और अदब-ओ-आदाब हुआ करते हैं लेकिन खुद को पार्टी विद डिफरेंस बताने वाले उसे तार-तार कर रहे हैं।

राजस्थान यूनिवर्सिटी छात्रसंघ अध्यक्ष के ऑफिस में तोड़फोड़

जयपुर, 10 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान यूनिवर्सिटी के छात्रसंघ अध्यक्ष निर्मल चौधरी के ऑफिस में तोड़फोड़ का मामला सामने आया है। घटना देर रात की बताई जा रही है। इस दौरान छात्र संघ अध्यक्ष ऑफिस का मैन गेट टूटा हुआ मिला। ऑफिस में गमले भी टूटे हुए मिले। मौके पर लगे सीसीटीवी में भी कुछ नहीं दिखाई दे रहा है। अब पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है।

पूरे मामले में छात्रसंघ अध्यक्ष निर्मल चौधरी ने कहा- देर रात अज्ञात व्यक्ति के द्वारा मुख्य गेट पर पत्थर फेंका गया। इससे गेट का एक हिस्सा टूट गया है। हमला एक व्यक्ति द्वारा ही किया गया है। हालांकि इस दौरान किसी को किसी भी प्रकार की कोई चोट नहीं लगी है। न ही कार्यालय के अंदर से कोई चीज गायब हुई है। तोड़फोड़ के दौरान ऑफिस में कोई भी मौजूद नहीं था। पुलिस ने भी अपने स्तर पर जांच शुरू कर दी है। निर्मल ने कहा- किसी शराबी ने हंगामा किया होगा। उन्हें किसी व्यक्ति विशेष पर किसी भी प्रकार का कोई शक नहीं है।

यह पहला वाक्य नहीं है। जब राजस्थान विश्वविद्यालय परिसर के अंदर तोड़फोड़ की घटनाएं हुई हो। इससे पहले भी राजस्थान विश्वविद्यालय परिसर में स्थित हॉस्टल से लोहे की रॉड और गेट चोरी होने की रिपोर्ट भी दर्ज हुई। एक बार तो हॉस्टल के छात्रों ने इस तरह की वारदात करने वाले युवकों का पीछा कर उन्हें पुलिस को सुपुर्द किया। गांधीनगर थाने के ड्यूटी ऑफिसर मुकेश ने बताया- तोड़फोड़ की जानकारी मिली थी। इसके बाद सुबह 7 बजे पुलिस टीम मौके पर पहुंची। आसपास लगे हुए सीसीटीवी फुटेज को खंगाले जा रहे हैं।

निर्मल के साथ पहले भी हो चुका थप्पड़ कांड

बता दें कि 23 जनवरी को महारानी कॉलेज छात्रसंघ कार्यालय के उद्घाटन के दौरान आरयू के छात्रसंघ अध्यक्ष निर्मल और महासचिव अरविंद के बीच झगड़ा हुआ था।

मंच पर केन्द्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत और विधायक रामलाल शर्मा के सामने अरविंद जाजड़ा ने निर्मल चौधरी के थप्पड़ मारकर मंच से नीचे गिरा दिया था। इसके बाद दोनों छात्र गुटों के बीच काफी मारपीट हुई। दोनों छात्रनेताओं का झगड़ा होने के बाद जाट समाज के लोग एक करने में जुट गए थे। फिर दोनों के बीच सुलह करवा दी गई थी। नों ने एक-दूसरे से हाथ मिलाया था।

भाजपा सांसद किरोड़ीलाल मीणा हिरासत में

> पुलिस पर लगाया मारपीट का आरोप
> धरना खत्म करवाकर 3 वीरांगनाओं को रातोंरात घर पहुंचाया

जयपुर, 10 मार्च (एजेंसियां)। पुलवामा शहीदों की तीन वीरांगनाओं के धरने को जबरन खत्म करने के बाद अब पुलिस ने भाजपा सांसद किरोड़ीलाल मीणा को हिरासत में ले लिया है। हालांकि, पुलिस ने इसकी पुष्टि नहीं है। इधर, पुलिस पर मीणा ने हाथापाई का आरोप लगाया है।

किरोड़ी लाल मीणा दोपहर 12 बजे सामोद हनुमान जी के मंदिर दर्शन करने जा रहे थे। इसके बाद वह वीरांगना मंजू जाट के परिवार से मिलने उनके घर जाने वाले थे। इसी दौरान पुलिस ने सामोद थाने के पास में किरोड़ी लाल मीणा को रोका। इस दौरान पुलिस और किरोड़ी लाल मीणा के बीच तीखी नोकझोंक भी हुई।

करीब डेढ़ घंटे तक किरोड़ी लाल मीणा को मुख्य सड़क पर पुलिस ने रोक कर रखा। करीब 1:30 बजे सीनियर ऑफिसर्स मौके पर पहुंचे। किरोड़ी लाल को वापस लौट जाने के लिए समझाया। किरोड़ी लाल मीणा जब मौके से नहीं हटे तो पुलिस ने मीणा को जबरन मौके से हटाया। किरोड़ी लाल मीणा के शरीर पर चोट लगी है, इसलिए उनका एक अस्पताल में उपचार

चल रहा है।

किरोड़ीलाल बोले-पुलिस ने मारपीट की

किरोड़ीलाल मीणा ने पुलिस पर बदसलूकी करने का आरोप लगाया है। किरोड़ी मीणा ने ट्वीट किया- पुलिस का एक सांसद के साथ में यह कैसा व्यवहार है? हिरासत में लेने के लिए मेरे साथ धक्का-मुक्की व हाथापाई की गई। मेरे कपड़े फाड़ दिए गए। सरकार कान खोलकर सुन ले- इस तानाशाही के बाद मैं झुकने और रुकने वाला नहीं हूं। शहीदों की वीरांगनाओं को हर हाल में न्याय दिलवा कर रहूंगा। दरअसल, मंजू को धरना स्थल से उठाकर पुलिस ने उनके देर रात करीब तीन बजे उनके गांव गोविंदपुरा बासड़ी छोड़ा था। अब उन्हें अमरसर पीएचसी में भर्ती करवाया गया है, किरोड़ी मंजू से मिलने के लिए जा रहे थे। वहीं एक अन्य वीरांगना सुंदरी को भरतपुर के अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।

सुंदर को अस्पताल में भर्ती कराने के विरोध में आया परिवार

जयपुर में धरने में शामिल 3 वीरांगनाओं में से एक भरतपुर की सुंदरी देवी गुर्जर को पुलिस ने जबरन नगर (भरतपुर) हॉस्पिटल में भर्ती करा दिया। सुंदरी देवी भरतपुर के गांव सुंदरावली के शहीद जवान जीतराम गुर्जर की पत्नी हैं। नगर अस्पताल के बाहर भारी संख्या में पुलिस तैनात है। शुक्रवार सुबह पुलिस शहीद की पत्नी सुंदरी, देवर विक्रम और बड़ी बेटी सुमन को धरना स्थल जयपुर से उठा लाई और यहां नगर के अस्पताल में जबरन भर्ती करा दिया। विक्रम का कहना है कि हम स्वस्थ हैं, फिर भी हमें जबरन भर्ती करा दिया। पहले पुलिस सुंदरी को घर लेकर आई, फिर अस्पताल ले गई।

शहीद के भाई विक्रम का कहना है कि भाई की शहादत के बाद 50 लाख की आर्थिक मदद मिल गई। नगर के सरकारी कॉलेज का नाम शहीद भाई के नाम पर रखने की फाइल अभी प्रोसेस में है। अब मेरे लिए सरकारी नौकरी की मांग की जा रही है। सरकार कहती है कि भाई को नौकरी नहीं दी जा सकती।

इससे पहले देवर को नौकरी देने सहित विभिन्न मांगों को लेकर जयपुर में धरना दे रहीं वीरांगनाओं को पुलिस ने देर रात 3 बजे जबरन उठा दिया था और वीरांगनाओं को उनके घरों तक अलग-अलग एंबुलेंस में भेजा गया था। वहीं, उनके परिजनों सहित आठ लोगों को भी गिरफ्तार कर लिया गया है।

सीएम गहलोत का केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत के खिलाफ ट्वीट युद्ध

जयपुर, 10 मार्च (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत द्वारा मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के खिलाफ उनके परिवार पर संजीवनी घोटाले में कथित तौर पर आरोप लगाने के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर करने के कुछ दिनों बाद, राजस्थान के मुख्यमंत्री ने एक ट्वीट युद्ध शुरू कर दिया है और विभिन्न घोटाले के पीड़ितों के वीडियो पोस्ट किए हैं, जो आपबीती साझा करते नजर आ रहे हैं। सीएम ने पीड़ितों के वीडियो ट्वीट करते हुए कहा, संजीवनी घोटाले का पूरा तानाबाना पीड़ित बता रहे हैं, सरकार इस घोटाले में शामिल सभी लोगों को जेल भेजेगी। गहलोत ने एक अन्य ट्वीट में लिखा, 'लाभ और राहत के नाम पर लोगों की मजबूरियों का फायदा उठाकर संजीवनी में खेला जाने वाला फर्जीवाड़ा परत दर परत सामने आ रहा है। घोटाले ने बेईमानी का ऐसा तंत्र विकसित कर लिया है कि न केवल निवेशक, बल्कि एजेंट भी मुश्किलों का सामना कर रहे हैं। राज्य सरकार जनता के पैसे की लूट के पूरे सिस्टम के मास्टरमाइंड और हर सहयोगी को उनके सही अंजाम तक ले जाएगी। न्याय की इस लड़ाई में उन्होंने कहा कि राज्य सरकार हर कदम पर पीड़ितों के साथ है।

गहलोत ने लिखा, हमारे किसान भाई सर्दी और गर्मी में दिन-रात मेहनत करके पैसा कमाते हैं। अपनी जरूरतों के लिए उन्होंने अपनी गाढ़ी कमाई को संजीवनी में लगाया, लेकिन धोखाधड़ी के कारण आज घर-घर जाने को मजबूर हैं। हम लोग इन अन्नदाताओं को न्याय दिलाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। गहलोत ने संजीवनी के एजेंटों का वीडियो शेयर करते हुए लिखा, यह हर उस एजेंट की पीड़ा है, जो संजीवनी की जिम्मेदारियों को मानते थे और अपने व्यवहार के आधार पर दूसरे लोगों से निवेश करवाते थे। आज न केवल उनके स्वाभिमान को ठेस पहुंची है, वे डरे हुए भी हैं।

राज्य सरकार आपके निडर और गरिमापूर्ण जीवन के लिए हर संभव प्रयास करेगी। संजीवनी घोटाले के शिकार पारसमल जैन ने सीएम से कहा, मैं आपसे पांच बार मिल चुका हूं। मेरे संजीवनी खाते में ढाई करोड़ रुपये जमा थे। मेरा बच्चा बीमार है, पैसा नहीं है, अब सरकार से सिर्फ उम्मीद है। ,

मेरी सहायता करो। इस पर गहलोत ने जवाब दिया, इस तरह से जमा की लूट किसी के परिवार के लिए वज्रपात के समान है। हम आपके आंसू और दर्द समझ सकते हैं। गजेंद्र सिंह शेखावत ने होली से पहले दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के खिलाफ मानहानि का दावा दायर किया।

राष्ट्रवादी विचार मंच की बैठक जयपुर में जल्द होगी

जयपुर, 10 मार्च (एजेंसियां)। राष्ट्रवादी विचार मंच के संस्थापक- हैदराबाद प्रवासी सोहनलाल कड़ेल के नेतृत्व में राष्ट्रवादी विचार मंच राजस्थान प्रदेश संयोजक सुमेर मौसुण (महरिवाला)के संग कार्यकर्ताओं के एक शिष्ट मंडल ने भाजपा - राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष डॉ सतीश पूनिया एवं प्रदेश संगठन महामंत्री चंद्रशेखर से मुलाकात कर विचार मंच के द्वारा अब तक किए गए कार्यों का विवरण दिया। राजस्थान के अधिकांश जिलों में संयोजकों एवं सह-संयोजकों की नियुक्ति एवं भावी कार्यप्रणाली पर गहन चिंतन मनन किया गया। आगामी समय में सभी संयोजकों एवं सह-संयोजकों की एक सभा जयपुर में रखने एवं उस सभा को प्रदेश अध्यक्ष , संगठन महामंत्री तथा पार्टी के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा संबोधित एवं दिशानिर्देशित करने पर विचार विमर्श हुआ।

उपरोक्त शिष्ट मंडल में सोहन लाल कड़ेल (हैदराबाद), सुमेरमल मौसुण (महरीवाला), सुशील वर्मा-सीए, बद्रीलाल सोनी-रिटायर्ड आईएएस, लादूराम सर्दनवाल, अजय सर्दनवाल, सूरज सोनी, आर.के.जी डाँवर-सीए, विजेन्द्र सोनी, नवरत्न रोडा, प्रेमनारायण अग्रोया, राकेश संणखत, तेजप्रकाश सुनालिया, शिवकुमार कड़ेल-पार्षद, सितेंद्र मौसुण एवं श्यामसुंदर जौड़ा मौजूद रहे ।

राजस्थान में 14 मार्च से फिर बारिश-ओलों का अलर्ट

जयपुर, 10 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान में इस बार मार्च के शुरुआती दिनों में तेज गर्मी की मौसम विभाग की चेतावनी गलत साबित हुई है। दरअसल, फरवरी के आखिरी दिन मौसम केंद्र ने मार्च से मई का फोरकास्ट जारी किया था। इसमें मार्च के पहले सप्ताह में तापमान सामान्य से ऊपर रहने और तेज गर्मी पड़ने की आशंका जताई गई थी। पिछले 3-4 दिनों से प्रदेश में बारिश और ओले गिरने से तापमान कंट्रोल रहा। वहीं, अब 14 मार्च से 6 जिलों में एक बार फिर बारिश की संभावना है। जयपुर में स्थिति देखें तो मार्च में औसत तापमान 31 डिग्री सेल्सियस के करीब रहता है। पिछले दो दिन जयपुर में दिन का अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस से भी नीचे है। यह सामान्य से 2 डिग्री सेल्सियस नीचे चला गया है। जयपुर में 15 फरवरी के बाद से तापमान 30 डिग्री सेल्सियस या उससे ऊपर ही दर्ज हो रहा था, जो 34 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था। इसी तरह कोटा, बाड़मेर, जैसलमेर, फलौदी में तापमान 37 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था। मार्च में अब तक तापमान इतना ऊपर नहीं गया है, जितना फरवरी में पहुंच गया था। लगातार 3-4 दिन थंडरस्ट्राम एक्टिविटी (बादल, बारिश, ओलावृष्टि) होने से राज्य के कई शहरों में तापमान सामान्य के आसपास पहुंच गया है। इससे गर्मी कंट्रोल रही है।

राशन किट स्कीम छीनने पर मंत्री खाचरियावास नाराज

कहा-मेरे डिपार्टमेंट का काम दूसरे को दिया जाता है, फिर इस विभाग की जरूरत कहां?

जयपुर, 10 मार्च (एजेंसियां)। बजट की सबसे लोकलुभावन योजना मानी जाने वाली राशन किट वितरण योजना को लेकर विवाद हो गया है। सरकार ने खाद्य विभाग से इस योजना का काम छीनकर सहकारी संस्था कॉनफैड (राजस्थान राज्य सहकारी उपभोक्ता संघ लिमिटेड) को दे दिया है। राशन किट योजना का काम कॉनफैड को देने पर खाद्य मंत्री प्रतापसिंह खाचरियावास ने नाराजगी जताई है। इस मामले में अब विभागीय स्तर पर भी खींचतान सामने आने के आसार बन गए हैं।

प्रतापसिंह खाचरियावास ने कहा- मेरे विभाग का काम किसी दूसरे को दिया जाता है। फिर इस विभाग की जरूरत कहां है? फिर तो बंद कर दीजिए। देखते हैं क्या सिचुएशन बनती है? मैं मुख्यमंत्री से बात करुंगा। खाचरियावास ने कहा-कॉनफैड खुद क्या काम कर रहा है, पहले वह देख ले। ऐसी क्या और किसे तकलीफ हो गई। पहले यह तो पता चले कि समस्या क्या है? योजना का काम पहले तो फूड में आता है। फिर कॉनफैड को चला जाता है। कॉनफैड के पास जो काम पहले से है। वही ठीक तरीके से कर ले तो बहुत है। कॉनफैड की तो पहले से बहुत शिकायतें हैं। वह अपना काम ही ठीक से नहीं कर पा रहा। उसे राशन किट बांटने का काम कैसे दिया जा सकता है?

हमारा विभाग टेंडर से काम करता है, कॉनफैड बिना टेंडर काम करता है

खाचरियावास ने कहा- मेरा मानना है कि फूड डिपार्टमेंट अच्छी तरह से राशन किट योजना का काम कर सकता है। राशन का गेहूं बांटने का फूल प्रूफ सिस्टम ही हमारे पास है। हम पॉस मशीनों से गेहूं बांट रहे हैं। कॉनफैड तो बिना टेंडर नोमिनेशन से काम कर रहा है। जबकि हम आरटीपीपी एक्ट के तहत टेंडर से काम करते हैं।

अफसरों ने गड़बड़ी की है तो परिणाम भुगतेंगे

खाचरियावास ने कहा- अभी तो बजट ही पास नहीं हुआ है। अभी तो विधानसभा चल रही है। बिना विधानसभा को विश्वास में लिए कोई कुछ कर रहा है तो सच्चाई सामने आ जाएगी। योजना का काम मेरे विभाग से ले लिया है। कारण तो पूछना ही होगा। आखिर कारण क्या है? कई ऐसे अफसर हैं जिन्होंने मुझसे बिना पूछे यह किया तो परिणाम भुगतेंगे। इस तरह नहीं चलता है।

खाचरियावास ने कहा- इस तरह कार्यकारी एजेंसियां नहीं बदली जातीं हैं। हमारे विभाग के नाम से योजना की घोषणा हुई। अब हमारे डिपार्टमेंट से छीनकर और किसी को देंगे। उससे अच्छा सिस्टम तो हमारा है। राशन हमारे जरिए ही बंट रहा है। हमारा पूरा पॉस सिस्टम है? ऑनलाइन है। कॉनफैड की तो वैसे ही बहुत शिकायतें हैं। मिड डे मील का पूरा सिस्टम है, उसमें शिकायतें हैं।

मर्डर के आरोपी ने एसएचओ के पेट में गोली मारी

बहरोड़ में बीजेपी कार्यकर्ता की हत्या की थी; पुलिस ने रोका तो फायरिंग

अलवर, 10 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता को गोलियों से भूनने वाले दो आरोपियों को अलवर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। रेवाड़ी से बहरोड़ (अलवर) की ओर आ रहे एक आरोपी को जब पुलिस ने रोकने का प्रयास किया तो उसने फायरिंग कर दी। भिवाड़ी पुलिस अधीक्षक अनिल बेनीवाल ने बताया कि इस एनकांउटर में बहरोड़ एसएचओ के पेट में गोली लगी, लेकिन बुलेट प्रूफ जैकेट से उनकी जान बच गई।

वहीं, पुलिस की फायरिंग में आरोपी के पैर में गोली लगी है और उसका इलाज चल रहा है। जबकि दूसरे आरोपी को भिवाड़ी के करीब पहाड़ी क्षेत्र से पकड़ा है। बेनीवाल ने बताया कि शुक्रवार सुबह बहरोड़ हत्याकांड के दो आरोपियों अजय खोरी और रवि बेगपुर को गिरफ्तार किया है। रवि को नाकाबंदी के दौरान निंभोर (बहरोड़) से और रवि को भिवाड़ी क रामपुर से पकड़ा गया है। एसपी ने बताया कि दोनों आरोपी घायल हैं। इलाज के बाद उन्हें थाने ले जाया गया है। आरोपी अजय के पैर में गोली लगी है जबकि रवि अंधेरे के कारण पहाड़ी से गिरने से घायल हो गया।

फायरिंग कर भागने की कोशिश की

भिवाड़ी एसपी के अनुसार सात मार्च को बहरोड़ के खोरी गांव के एक मंदिर में भाजपा कार्यकर्ता संजय यादव की सिर में पांच गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इसके बाद से वे आरोपियों की तलाश में बहरोड़ में ही कैंप कर रहे थे। आरोपियों को पकड़ने के लिए पुलिस की 3 टीमों का गठन किया गया था। बहरोड़ एसएचओ वीरेंद्र पाल सिंह ने बताया कि गुरुवार रात मुखबिर से सूचना मिली थी कि आरोपी अजय और रवि बाइक पर रेवाड़ी (हरियाणा) से बहरोड़ (अलवर, राजस्थान) की तरफ आ रहे हैं।

इस इनपुट पर पुलिस टीम को अलर्ट किया गया। देर रात 3 बजे पुलिस ने बहरोड़ थाना इलाके के गांव निंभोर से बसई खोर के बीच रास्ते पर नाकाबंदी कर दी। इस दौरान शुक्रवार सुबह 4 बजे के आसपास आरोपी अजय खोरी अकेला बाइक पर आता नजर आया। पुलिस की टीम वहां मौजूद थी। पुलिस को देख वह बाइक घुमाने लगा तो बाइक स्लिप हो गई। अजय खोरी ने पिस्टल से पुलिस टीम पर फायर कर दिया। गोली पुलिस की बोलेरो कार के बोनट पर लगी। अगले ही पल अजय ने दूसरा फायर किया जो एसएचओ वीरेंद्र पाल सिंह को लगी। बुलेटप्रूफ जैकेट होने के कारण एसएचओ की जान बच गई।

सत्ता में आने पर विवादास्पद धरणी पोर्टल से संबंधित समस्याओं का होगा समाधान

कांग्रेस ने धरणी पोर्टल की समस्याओं पर लोगों को गारंटी कार्ड जारी किया

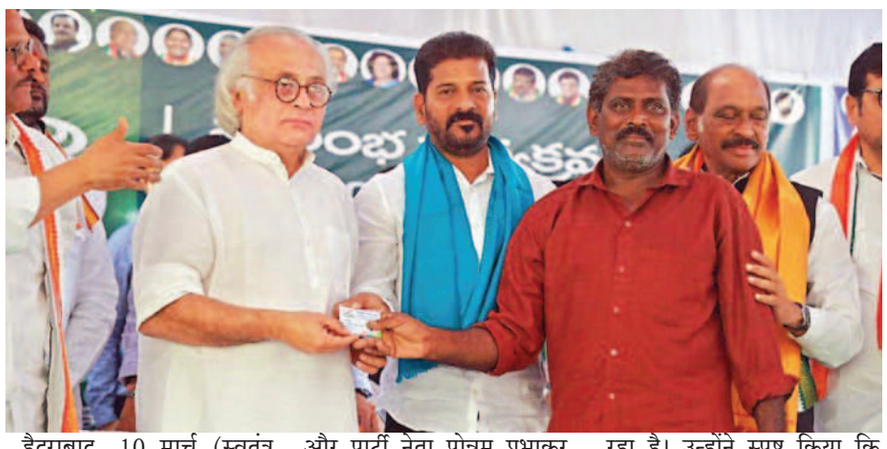

हैदराबाद, 10 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस पार्टी ने एक गारंटी कार्ड लॉन्च किया है और राज्य के लोगों से वादा किया है कि वह सत्ता में आने के 100 दिनों के भीतर विवादास्पद धरणी पोर्टल से संबंधित समस्याओं का समाधान करेगी। कार्ड को पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर पेड्डापल्ली जिले में जारी किया गया है। एआईसीसी के राज्य प्रभारी माणिक राव ठाकरे, एआईसीसी के महासचिव जयराम रमेश, वरिष्ठ नेता कोप्पुला राजू, टीपीसीसी अध्यक्ष ए. रेवंत रेड्डी, सीएलपी नेता मल्लू भट्टी विक्रमार्क, पार्टी विधायक डी. श्रीधर बाबू और पार्टी नेता पोन्नम प्रभाकर, सिरिसिला राजैया, महेश कुमार गौड़ इस अवसर पर कार्ड जारी किए। पार्टी नेताओं ने जिले के एलिगेदू मंडल के सुल्तानपुर गांव के 31 किसानों व भू-स्वामियों को गारंटी कार्ड बांटे हैं। इस अवसर पर बोलते हुए, जयराम रमेश ने कहा कि तेलंगाना राज्य में 15 लाख काश्तकार किसान हैं और उन्हें राज्य सरकार से कोई सहायता नहीं मिल रही है। धरणी पोर्टल पर 60 लाख किसानों के नाम होने की बात बताते हुए 20 लाख किसानों को विभिन्न समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि धरणी पोर्टल का मुख्य उद्देश्य भू-स्वामियों को भूमि अधिकार प्रदान करना है न कि उनकी तस्वीरों को फिर से लगाना। उन्होंने भूमि सर्वेक्षण करने और सत्ता में आने के दो साल के भीतर इसे पूरा करने का वादा किया। उन्होंने कहा कि जमीन से जुड़े 125 कानून और 30,000 जीओ हैं। उन्होंने कहा कि वे भूमि विवादों को हल करने के लिए एक व्यापक अधिनियम बनाएंगे। उन्होंने राज्य के लोगों को याद दिलाया कि उनकी पार्टी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने भूमि मालिक की सहमति के बिना भूमि अधिग्रहण पर रोक लगाने वाला कानून बनाया था और कहा कि कांग्रेस पार्टी न केवल अनिवार्य भूमि अधिग्रहण को रोकेगी बल्कि कानून को सख्ती से लागू भी करेगी। सीएलपी नेता मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि धरणी पोर्टल को खत्म करने से ही सामाजिक तेलंगाना का निर्माण होगा। उन्होंने कहा कि जमीन विवाद को लेकर सर्वे शुरू कर दिया गया है। टीपीसीसी प्रमुख रेवंत ने सत्ता में आने के 100 दिनों के भीतर भूमि विवाद को हल करने का वादा किया। उन्होंने याद दिलाया कि कांग्रेस पार्टी ने पिछले 70 वर्षों में किसानों की कई समस्याओं का समाधान किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ही वन भूमि अधिकार अधिनियम लेकर आई थी। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार द्वारा लाया गया धरणी पोर्टल गरीब लोगों के लिए नहीं बल्कि अमीर जमींदारों के लिए है। गारंटी कार्ड कार्यक्रम के तहत पार्टी राज्य के हर मंडल में पांच भूरक्षकों की नियुक्ति करेगी और उन्हें धरणी पोर्टल और जमीन की समस्याओं पर विशेष प्रशिक्षण देगी।

जांच एजेंसियों के निशाने पर विपक्ष! क्या सियासत में कोई बड़ा गुल खिलाएगी यह छापेमारी

नई दिल्ली, 10 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली से लेकर हैदराबाद और पटना तक एजेंसियों के निशाने पर विपक्ष के बड़े-बड़े नेता आ गए हैं। इसी छापेमारी के दौरान विपक्षी नेताओं का समूह एकजुट होकर सत्ता पक्ष के विरोध में बड़ा धड़ा बनाने में लगा है। फिलहाल केसीआर की मुहिम पर खड़ा हो रहा विपक्ष तेलगाना से लेकर महाराष्ट्र तक की बड़ी बड़ी रैलियां कर चुका है। इसी कड़ी में शुक्रवार को जंतर-मंतर पर भी 14 बड़े विपक्षी दलों का विरोध प्रदर्शन भी शुरू हुआ। हालांकि विपक्षी दलों के इस समूह में फिलहाल दूर-दूर तक कांग्रेस तो नजर नहीं आ रही है। लेकिन सियासी गलियारों में चर्चा इस बात की हो रही है कि क्या एजेंसियों की छापेमारी से विपक्ष को कोई सियासी रूप से फायदा हो पाएगा या नहीं।

बीते कुछ समय से केंद्रीय एजेंसियों का शिकंजा हैदराबाद से लेकर पटना और दिल्ली में जमकर कसा जा रहा है। इन एजेंसियों ने आम आदमी पार्टी के दूसरे नंबर के सबसे बड़े नेता और दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को जेल के पीछे पहुंचा दिया। आम आदमी पार्टी के ही पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन पहले से ही जेल में हैं। दिल्ली की एक्साइज पॉलिसी मामले में आम आदमी पार्टी से लेकर हैदराबाद में बीआरएस की बड़ी नेता और केसीआर की बेटी कविता से भी जांच एजेंसियां पूछताछ कर रही हैं। सिर्फ दिल्ली और हैदराबाद में आम आदमी पार्टी और बीआरएसी नहीं बल्कि बिहार की राजनीति के माहिर लालू यादव पर भी जांच एजेंसियों ने शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। केंद्रीय जांच एजेंसियों की छापेमारी को लेकर विपक्ष के नेता लगातार हमलावर रहे हैं। मनीष सिसोदिया की गिरफ्तारी के बाद ही विपक्ष के ज्यादातर नेताओं ने न सिर्फ केंद्रीय एजेंसियों के दुरूपयोग की बात की बल्कि प्रधानमंत्री मोदी को चिट्ठी भी लिखी।

सियासी जानकारों का कहना है कि जांच एजेंसियों के शिकंजा कसने से ही विपक्ष के नेता एकजुट हो रहे हैं। विपक्ष के नेताओं का लगातार यह आरोप रहा है कि केंद्र जांच एजेंसियों के माध्यम से उनके ऊपर न सिर्फ दबाव डालता है, बल्कि विपक्ष को कमजोर करने के लिए जेल भी भेज रहा है। मनीष सिसोदिया की गिरफ्तारी के बाद समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव से लेकर कांग्रेस के नेताओं ने विरोध जताया।

नारी का सम्मान परमात्मा का सम्मान है : डॉ. चक्रधर त्रिपाठी

कोरापुट, 10 मार्च (एजेंसियां)। ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट के महिला सेल के तत्वावधान में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन आज हुआ। जिसमें विश्वविद्यालय परिवार के सभी विभागों के शिक्षक और विद्यार्थी सम्मिलित हुए। मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमती रेखा लोहानी (पूर्व डी.जी.पी.महिला एवं बजेल अपराध शाखा ओड़िशा) ने कहा कि समाज और राष्ट्र के सम्यक विकास के लिए नारी सशक्तिकरण परमावश्यक है। समाज रूपी गाड़ी समुचित रूप से तभी चल सकती है, जब नारी और पुरुष रूपी दोनों पहिये मजबूत और सुदृढ़ हों। विशिष्ट अतिथि के रूप में कोरापुट जिला की बाल संरक्षण पदाधिकारी श्रीमती राजश्री दाश ने बालकों के संरक्षण और विकास पर महिलाओं की भूमिका पर गहन प्रकाश डाला। विशिष्ट अतिथि के रूप में बोलते हुए कुलपति के शैक्षणिक सलाहकार डॉ. सुधेन्दु मंडल ने कहा कि भारत में नारियों के सम्मान का इतिहास बहुत पुराना है। भारत नारियों को सम्मान देना जानता है। श्रीमती इंदिरा गांधी भारत की प्रथम महिला प्रधानमंत्री, डॉ. प्रतिभा देवीसिंह पाटिल प्रथम राष्ट्रपति, श्रीमती द्रौपदी मुर्मू प्रथम आदिवासी राष्ट्रपति और डॉ. सरोजनी नायुडू उप्र की प्रथम महिला राज्यपाल बनीं, यह महिलाओं के लिए गौरव का संदर्भ है। विशिष्ट अतिथि के रूप में बोलते हुए हिंदी के अतिथि प्राध्यापक डॉ.जे.बी. पाण्डेय ने कहा कि नारी सृष्टि के आरम्भ से अबला नहीं सबला रही है। मनुष्य को विद्या के लिए सरस्वती की, धन के लिए लक्ष्मी की और शक्ति के लिए दुर्गा की आराधना और उपासना करनी पड़ती है।

नारी की महिमा अपरंपार है

संगोष्ठी की अध्यक्षता कर रहे कुलपति डॉ. चक्रधर त्रिपाठी ने कहा कि भारत नारी पूजक देश रहा है। भारत में सती अनुसूया, शबरी, गार्गी, मैत्रेयी, सती सावित्री, सीता जैसी नारियां हुई हैं, जिनका विश्व में नाम है। अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली 7 महिलाओं को शाल, मेमेंटो और प्रशस्ति पत्र देकर कुलपति ने सम्मानित किया, जिनके नाम हैं- डॉ. रुद्राणी मोहांती, राजश्री दाश, विजया लक्ष्मी टाकरी, बाला स्वर्ण माला, लक्ष्मी खिल्ला, बंसती बे रा, और बी.रोजलीन। इस अवसर पर डॉ. हिमांशु महापात्र, डॉ. संजीत कुमार दाश, डॉ. कपिला खेमेंद, डॉ. नूपुर पट्टनायक, डॉ. गणेश प्रसाद साहु, डॉ. आलोक बराल, डॉ. जयंत नायक, डॉ. प्रदोष कुमार स्वाई, डॉ. सौम्य रंजन दाश, डॉ. रानी सिंह, डॉ. सौरभ गुप्ता, डॉ. फग्गू भोई, डॉ. सोनी पाढ़ी, डॉ. प्रदीप सामंराय, श्री प्रशांत कुमार नायक, डॉ. देवेंदर रागुला, मोहित चांदवानी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

अग्रवाल समाज अत्तापुर सेन्ट्रल शाखा की बैठक सम्पन्न

हैदराबाद, 10 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज अत्तापुर शाखा (सेन्ट्रल) के तत्वावधान मे होली के शुभ अवसर पर होली स्नेह मिलन का आयोजन रविवार 19 मार्च को किया जा रहा है। आज यहाँ अग्रवाल समाज अत्तापुर शाखा (सेन्ट्रल) द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञाप्ती मे मंत्री विरेन्द्रकुमार अग्रवाल ने बताया कि एक बैठक बुधवार 8 मार्च को अध्यक्ष नवीनकुमार अग्रवाल की अध्यक्षता मे गंडीपेट, नारसिंगी स्थित तारामती बारामती मे आयोजित की गई जिसमे होली स्नेह मिलन का आयोजन करने का निर्णय लिया गया। बैठक मे अध्यक्ष नवीनकुमार अग्रवाल, मंत्री विरेन्द्रकुमार अग्रवाल, रामकिशन अग्रवाल, प्रशांत गुप्ता, विनोद पित्ती, विनय अग्रवाल, रोशन फिटकरीवाला, केन्द्रीय समिति सदस्य मुकेश अग्रवाल एवं ललीत अग्रवाल उपस्थित थे। मंत्री विरेन्द्र अग्रवाल ने कहा कि रविवार दि. 19 मार्च 2023 को सायं 7 बजे से श्री रामदेव बाबा मंदिर शिवरामपल्ली पर आयोजन किया जा रहा है। प्रथम गणपती पूजन, श्री अग्रसेन महाराज की आरती, फुलो की होली के पश्चात सहभोज का आयोजन रखा गया है। होली कार्यक्रम के अवसर पर महिला शाखा का गठन भी किया जायेगा। सभी पदाधीकारीयो ने अत्तापुर सेन्ट्रल शाखा सदस्यों को अपने परिवार सहित पधारने का निवेदन किया गया।

शर्मिला ने साधा एमएलसी कविता पर निशाना

हैदराबाद, 10 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। वाईएसआरटीपी के संस्थापक-अध्यक्ष वाईएस शर्मिला ने आज जंतर-मंतर पर धरना आयोजित करने के अपने फैसले पर बीआरएस एमएलसी के. कविता की आलोचना की। दिल्ली और आरोप लगाया कि विरोध के नाम पर सनसनीखेज दिल्ली शराब घोटाले से बचने के लिए सत्ता पक्ष के नेता नए नाटक कर रहे हैं। उन्होंने कविता को अपने पिता और सीएम केसीआर के कैंप कार्यालय प्रगति भवन के सामने अपना विरोध प्रदर्शन करने के लिए कहा, जिसमें उनके पिता से पहले अपनी ही पार्टी में 33 प्रतिशत महिला आरक्षण नियम लागू करने की मांग की गई थी। उन्होंने कविता से पूछा कि केसीआर द्वारा 2014 के विधानसभा चुनावों में कितनी महिला नेताओं को पार्टी का टिकट दिया गया था और कहा कि सीएम ने कुल 119 विधानसभा क्षेत्रों में से केवल छह महिला उम्मीदवारों को मैदान में उतारा था। उन्होंने आरोप लगाया कि सीएम केसीआर ने 2018 के विधानसभा चुनाव में पार्टी की महिला नेताओं को सिर्फ चार टिकट दिए थे. उन्होंने सोचा कि राज्य सरकार ने राज्य महिला आयोग का गठन कब किया? उन्होंने कविता से पूछा कि उन्होंने अपनी ही पार्टी के नेताओं को निशाना क्यों नहीं बनाया, जिन्होंने महिला राज्यपाल तमिलिसाई सौदरराजन की आलोचना की थी? उन्होंने कहा कि कविता की इस मुद्दे पर कोई प्रतिबद्धता नहीं है। उन्होंने दावा किया कि कविता ने महिला आरक्षण का मुद्दा इसलिए उठाया क्योंकि उन्हें आने वाले दिनों में शराब घोटाले में अपनी गिरफ्तारी का डर था।

अग्रवाल समाज तेलंगाना मुरली नगर शाखा का होली मिलन कार्यक्रम आज

हैदराबाद, 10 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज तेलंगाना मुरलीनगर शाखा की कार्यकारिणी मीटिंग मुरली नगर स्थित शाखा कार्यालय में शाखा अध्यक्ष राजेंद्र कुमार अग्रवाल भालवाले की अध्यक्षता में संपन्न हुई। इस अवसर पर शाखा द्वारा होली मिलन कार्यक्रम 11 मार्च को करने का निर्णय लिया गया। होली मिलन कार्यक्रम मुरली नगर में संकट मोचन हनुमान मंदिर के समीप प्रमोद केडिया के निवास स्थान के समक्ष मैदान में करने का निर्णय लिया गया। हर वर्ष की भांति इस बार भी होलिका दहन कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। होली मिलन कार्यक्रम पर सांस्कृतिक व पारिवारिक कार्यक्रम किया जाएगा। इस अवसर पर अध्यक्ष राजेंद्र कुमार अग्रवाल भालवाले, उपाध्यक्ष दिनेश शाहबाजपुरिया, मंत्री उमेश अग्रवाल, कोषाध्यक्ष दिनेश कुमार केडिया, केंद्रीय समिति सदस्य शिवकुमार भालवाले व दिनेश कुमार अग्रवाल परामर्शदाता सुनील कुमार केडिया कार्यकारिणी सदस्य निलेश भालवाले सुरेश कुमार गुप्ता, महेंद्र कुमार सिंग्रोडिया, राकेश पचेरिया व अन्य अग्रबंधु उपस्थित थे।

सिकंदराबाद छावनी परिषद में मतदाता सूची में हजारों नाम काटे जाने का आरोप लगाते हुए तेलंगाना स्टेट मिनरल डेवलपमेंट कार्पोरेशन के चेयरमैन माने कृशंक के नेतृत्व में लोगों ने धरना-प्रदर्शन किया। इस दौरान सीईओ को ज्ञापन सौंपा गया।

महिला आरक्षण विधेयक पर सियासत तेज, आगामी सत्र में बिल पेश करने की मांग पर अड़ी कांग्रेस

नई दिल्ली, 10 मार्च (एजेंसियां)। महिला आरक्षक विधेयक को लेकर सियासत तेज हो गई है। इस बिल को पारित कराने के लिए बीआरसी नेता के कविता भूख हड़ताल पर है। वहीं, कांग्रेस ने भी शुक्रवार को इस विधेयक को लेकर भाजपा से सवाल किया है। कांग्रेस ने भाजपा से इस मुद्दे पर अपना रुख साफ करने की मांग की है। साथ ही कांग्रेस ने इसे संसद के बजट सत्र में पेश करने की भी मांग की है। गौरतलब है कि संसद के बजट सत्र का दूसरा चरण 13 मार्च से शुरू होने वाला है, जो कि चार अप्रैल तक चलेगा।

2010 में राज्यसभा में हुआ था पारित

कांग्रेस सरकार के नेतृत्व में 2010 के राज्यसभा में यह विधेयक पारित तो हुआ था, लेकिन लोकसभा में इसे समर्थन नहीं मिला था। इस पर पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने एक ट्वीट पर कहा, 9 मार्च 2010 को राज्यसभा में कांग्रेस नेतृत्व के प्रयासों के कारण ऐतिहासिक महिला आरक्षण विधेयक पारित किया गया था। लेकिन लोकसभा में इसे समर्थन नहीं मिला। यह विधेयक लैप्स नहीं हुआ है बल्कि अभी तक जीवित और लंबित है।

अलका लांबा ने की यह टिप्पणी

एक संवाददाता सम्मेलन में जब विधेयक पर कांग्रेस नेता अलका लांबा से बातचीत की गई तब उन्होंने कहा कि जब यह विधेयक राज्यसभा में पारित हुआ था, तब कांग्रेस के पास बहुमत नहीं था। उस समय यह गठबंधन वाली सरकार थी। उन्होंने आगे कहा, हम राज्यसभा में बहुमत पारित कराने में कामयाब हुए थे। यह अभी भी जीवित है और भाजपा के पास लोकसभा में बहुमत भी है। उन्होंने भाजपा सरकार को निशाने पर लेते हुए कहा, अपने 2019 के घोषणापत्र में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने का वादा किया था, लेकिन नौ साल सरकार में रहने के बाद भी इस पर चुप्पी बनाकर बैठे हैं। संसद सत्र के शुरू होने से पहले अलका लांबा ने भाजपा सरकार को घेरते हुए इस विधेयक पर अपना रुख स्पष्ट करने के अलावा महिला आरक्षण विधेयक को लोकसभा में पेश करना और महिलाओं के अधिकारों को सुनिश्चितता की मांग की है।

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यालय, नामपल्ली हैदराबाद में तेलंगाना घोसा-बीजेपी भरोसा कार्यक्रम में भाग लेते हुए बजरंग सेना के प्रदेश उपाध्यक्ष एन. आर. लक्ष्मण, जी. रजनी, सूर्या शुक्ला, कृष्णा व अन्य।

आल इंडिया रेलवे रिटायर मंच द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला के दिवस के मौके पर रेलवे कॉलोनी रेल निलयम सिकंदराबाद में महिला रेलकर्मियों शोभा जेजे, नाजवंती, ए. ऊषा आदि महिलाओं को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष एस. श्रीधर, कृष्णा कुमार, के गिरजा, पी. योगिन्दर, के. एन. स्वामी, राजेन्दर पाल, राज आदि उपस्थित रहे।

देश नए युग के हिटलर के शासन में : संबाशिव राव

हैदराबाद, 10 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। भाकपा के राज्य सचिव कुनामनेनी संबाशिव राव ने आज भाजपा नीत केंद्र सरकार की जमकर आलोचना की और आरोप लगाया कि देश नए दौर के हिटलर के शासन में है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि केंद्र सरकार विपक्षी दल के नेतृत्व वाले राज्य को अस्थिर करने के बारे में सोच रही है आम आदमी पार्टी (आप) के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार और बीआरएस पार्टी के नेतृत्व वाली तेलंगाना सरकार सहित हर समय की सरकारों ने कहा कि भाजपा का ध्यान अब सभी विपक्षी दल शासित राज्यों पर था। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार अपनी साजिशों को अंजाम देने के लिए ईडी और सीबीआई जैसी स्वतंत्र जांच एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है। उन्होंने पार्टी की तीन दिवसीय राज्य कार्यकारिणी की बैठक को संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की। इस अवसर पर बोलते हुए राव ने भाजपा से पूछा कि क्या उसने अपने पिछले नौ साल के शासन में अपने किसी भ्रष्ट नेता को गिरफ्तार किया है?

दानापुर व हुबली के लिए विशेष ट्रेनें

हैदराबाद, 10 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। यात्रियों की भीड़ को देखते हुए दक्षिण मध्य रेलवे ने विभिन्न गंतव्यों के बीच विशेष ट्रेनें चलाने की घोषणा की है। दमरे के अनुसार ट्रेन नंबर 07219 सिकंदराबाद-दानापुर रविवार 12 मार्च को सुबह 10 बदे रवाना होकर सोमवार को शाम .630 बजे दानापुर पहुंचेगी। इसी क्रम में ट्रेन नंबर 07319 हुबली-सिकंदराबाद रविवार12 मार्च को दोपहर 3.35 रवाना होकर भोर में 4.30 बजे पहुंचेगी। सोमवार 13 मार्च को ट्रेन नंबर 07320 सिकंदराबाद से सुबह 8.15 बजे रवाना होकर शाम 6.20 बजे हुबली पहुंची। इसी प्रकार ट्रेन नंबर 07219 सिकंदराबाद-दानापुर स्पेशल ट्रेन काजीपेट, पेद्दापल्ली, रामागुंडम, बेलमपल्ली, सिरपुर कागजनगर, बल्हारशाह, नागपुर, जुझारपुर, इटारसी, जबलपुर, कटनी, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छैवकी, पं. डीडी उपाध्याय जक्शन, बक्सर और आरा स्टेशन से होकर गुजरेगी। ट्रेन नंबर 07319/07320 हुबली-सिकंदराबाद-हुबली स्पेशल ट्रेनें दोनों दिशाओं में गडग, कोप्पल, होस्पेट, बल्लारी, अदोनी, मंत्रालयम, रायचूर, यादगीर, सेरम, तंदूर, विकाराबाद और लिंगमपल्ली स्टेशनों पर रुकेंगी। इन विशेष ट्रेनों में सेकेंड एसी, थर्ड एसी शयनयान श्रेणी और सामान्य द्वितीय श्रेणी डिब्बे होंगे।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

सिसोदिया 17 मार्च ...

उन्होंने कहा, दक्षिण के ग्रुप ने आप नेताओं को 100 करोड़ की घूस दी। एक ग्रुप बनाया गया ताकि दिल्ली में 30 प्रतिशत शराब कारोबार को चलाया जा सके। दस्तावेज दिखाते हैं कि नायर ने सिसोदिया के प्रतिनिधि के तौर पर कविता से मुलाकात की। नायर कविता को यह बताना चाहता था कि सिसोदिया किस तरह से लिकर पॉलिसी को प्रभावित कर सकते हैं।

जोहेब ने कहा, एक साल के समय में 14 फोन इस्तेमाल किए गए और बदले गए। इन्हें तोड़ भी दिया गया। सिसोदिया ने उन फोन का इस्तेमाल किया, जिन्हें दूसरों ने खरीदा था। सिम कार्ड भी सिसोदिया के नाम पर नहीं था ताकि बाद में वो अपने बचाव में इस बात को इस्तेमाल कर सकें।

उन्होंने दलील दी, एक फोन भी सिसोदिया के नाम पर नहीं थे। एक सिम कार्ड देवेंदर शर्मा के नाम पर था। यह दिखाता है कि इस केस में बड़े पैमाने पर सबूतों को तबाह किया गया। आप खुद देखिए कि हम सिसोदिया की कस्टडी क्यों चाहते हैं। यह शुरूआत से ही टालमटोल कर रहे हैं।

मनीष सिसोदिया के वकील दयान कृष्णन ने कहा, ईडी कह रहा है कि यह पॉलिसी गलत है। एक चुनी हुई सरकार ने यह पॉलिसी बनाई है। यह कई परतों से गुजरती है। ये सरकार के पास जाती है, अफसरों के पास जाती है। फाइनेंस और लॉ सेक्रेटरी के पास जाती है। ये पॉलिसी उप-राज्यपाल के पास जाती है।

उन्होंने कहा, यह शराब नीति उप-राज्यपाल के पास गई। एलजी यानी केंद्र सरकार। उन्होंने 3 बातें पूछी थीं, लेकिन इनमें से एक भी प्रॉफिट मार्जिन या एलिजिबिलिटी से जुड़ी हुई नहीं थी। ईडी जल्दबाजी के बारे में बात कर रही है। मैं जल्दबाजी के ऐसे बहुत सारे उदाहरण दे सकता हूं। नोटबंदी की गई और इसे सुप्रीम कोर्ट ने भी संवैधानिक करार दिया।

कृष्णन बोले, ईडी कह रही है कि विजय नायर सिसोदिया की ओर से काम कर रहे थे। ईडी अभी तक ऐसा कुछ भी नहीं ढूंढ पाई है, जिसमें सिसोदिया को एक भी रुपया भेजा गया हो। अभी तक वो ऐसा क्यों नहीं कर पाए हैं? दस्तावेज देख लीजिए। सब जगह ईडी कह रही है, हमने सुना, हमने सुना।

सिसोदिया के दूसरे वकील मोहित माथुर ने कहा, इन दिनों ये फैशन बन गया है कि जांच एजेंसी अपने अधिकार समझकर लोगों को अरेस्ट कर रही हैं। समय आ गया है, कोर्ट को ऐसे मामलों में सख्ती से पेश आना चाहिए।

मनीष सिसोदिया ने जेल से देश के नाम एक लेटर लिखा। इसमें उन्होंने 'शिक्षा पॉलिटिक्स' बनाम 'जेल पॉलिटिक्स' की बात कही। सिसोदिया का 3 पेज का यह लेटर अरविंद केजरीवाल ने सोशल मीडिया पर शेयर किया है। मनीष सिसोदिया ने लेटर में पूछा है- क्यों पावर वाली पोजिशन पर बैठे नेताओं ने अच्छे स्कूल-कॉलेज नहीं बनाए हैं। क्यों शिक्षा को दरकिनार किया जाता रहा है? अगर राजनेताओं ने अपनी पूरी एनर्जी और संसाधन लगाए होते तो विकसित देशों की तरह भारत का भी हर बच्चा अच्छे स्कूल में पढ़ पाता।

उन्होंने कहा, शिक्षा की राजनीति कठिन काम है। इसमें बच्चों, उनके पेरेंट्स और टीचर्स को मोटिवेट करने के लिए काफी प्रयास करने होते हैं। वहीं जेल पॉलिटिक्स में किसी को जेल भिजवाने के लिए जांच एजेंसियों पर दबाव डालना बहुत आसान होता है। आलोचकों को चुप कराने के लिए उन्हें जेल भेज दिया जाता है। जब उत्तरप्रदेश में एक लोक गायिका ने आवाज उठाई तो उसे जेल में डालने की धमकी दी गई।

लालू के करीबियों ...

ट्वीट में उन्होंने लिखा, भाजपा सरकार का हिटलर शाही फरमान है, ईमान बेचने का पैगाम है, मगर झुकने को तैयार नहीं, बिहारी माटी का जो लालू तेजस्वी लाल है। इससे पहले लिखा- लालू जी और लालू जी का परिवार डरना नहीं लड़ना जानते हैं। 2 घंटे पहले उन्होंने पहला ट्वीट किया, जिसमें लिखा- छापे पर छापा भाजपा ने खोया जो आपा।

27 फरवरी को दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने आरजेडी सुप्रीमो लालू यादव, पूर्व सीएम और उनकी पत्नी राबड़ी देवी, बड़ी बेटी और राज्यसभा सांसद मीसा भारती को समन जारी किया। जमीन के बदले नौकरी देने के मामले में सीबीआई की चार्जशीट पर कोर्ट ने समन जारी किया था। जिसमें 15 मार्च को कोर्ट में सभी को पेश होने के आदेश दिए गए हैं।

सीबीआई ने मई 2022 में लालू, राबड़ी देवी, उनकी बेटियों मीसा भारती और हेमा यादव समेत 17 ठिकानों पर छापेमारी की थी। सीबीआई ने इस मामले में लालू यादव, राबड़ी देवी, मीसा यादव और हेमा यादव के अलावा नौकरी के बदले में कम कीमत पर जमीन देने वाले कुछ अयोग्य उम्मीदवारों समेत 16 लोगों पर एफआईआर दर्ज की थी।

ऑस्ट्रेलिया पहली पारी में 480 रन पर ऑलआउट

ख्वाजा ने सबसे ज्यादा 180 रन बनाए, अश्विन को 6 विकेट; भारत 36/0

रविचंद्रन अश्विन ने सबसे ज्यादा 6 विकेट लिए

अहमदाबाद, 10 मार्च (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के चौथे टेस्ट में भारत से 444 रन से आगे है। शुक्रवार को दूसरे दिन स्टंप्स पर भारत ने बगैर नुकसान के 44 रन बना लिए हैं। कप्तान रोहित शर्मा 17 और शुभमन गिल 18 रन के निजी स्कोर पर नाबाद हैं।

अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में टॉस जीतकर बैटिंग करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी में 480 रन पर ऑलआउट हो गई है। ओपनर उस्मान ख्वाजा ने सबसे ज्यादा 180 रनों की पारी खेली, जबकि कैमरून ग्रीन (114 रन) ने अपना पहला टेस्ट शतक जमाया। ख्वाजा-ग्रीन के अलावा, टॉड मर्फी ने 41, कप्तान स्मिथ ने 38, नाथन लायन ने 34 और ट्रेविस हेड ने 32 रन का योगदान दिया। भारत की ओर से रविचंद्रन अश्विन ने सबसे ज्यादा 6 विकेट लिए। मोहम्मद शमी को 2 विकेट मिले। अक्षर पटेल और रवींद्र जडेजा को एक-एक विकेट।

ख्वाजा-ग्रीन के बीच 200+ की साझेदारी

ओपनर उस्मान ख्वाजा और कैमरून ग्रीन ने 208 रन की साझेदारी कर ऑस्ट्रेलिया को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया। इस साझेदारी को रविचंद्रन अश्विन ने तोड़ा। उन्होंने ग्रीन को भरत के हाथों कैच कराया। तब ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 378 रन था।

लगातार तीसरा सेशन कंगारुओं के नाम

दूसरे दिन के पहले सेशन में गेंदबाजों को विकेट से ज्यादा मदद नहीं मिला, नतीजा ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज हावी रहे।

लंच तक ख्वाजा और ग्रीन ने मिलकर टीम का स्कोर 347/4 पहुंचा दिया है। उस्मान ख्वाजा ने 150 रन पूरे कर लिए हैं, जबकि कैमरून ग्रीन 95 रन पर नाबाद लौटे। इस सेशन में 92 रन बने, जबकि भारत को कोई विकेट नहीं मिला। ख्वाजा-ग्रीन ने 255/4 से दिन की शुरुआत की। दोनों बांह में काली पट्टी बांधकर उतरे, क्योंकि टीम के कप्तान पैट कमिंस की मां का लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया है।

अश्विन ने कराई भारत की वापसी

स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने दूसरे सेशन में भारत की वापसी कराई। उन्होंने कंगारू टीम को एक के बाद एक करके तीन झटके दिए। इस सेशन में मेहमान टीम ने 62 रन बनाने में ग्रीन, कैरी और स्टार्क के विकेट गंवाए।

ऑस्ट्रेलिया की मजबूत शुरुआत

पहले दिन ऑस्ट्रेलियाई टीम को मजबूत शुरुआत मिली। टीम ने पहले दिन चार विकेट पर 255 रन बना लिए हैं। ओपनर उस्मान ख्वाजा 104 और कैमरून ग्रीन 49 रन पर नाबाद लौटे। कप्तान स्टीव स्मिथ 38, ट्रेविस हेड 32, पीटर हैंड्सकम्ब 17 और मार्नस लाबुशेन 3 रन बनाकर आउट हुए। भारत के लिए मोहम्मद शमी ने सबसे ज्यादा 2 विकेट लिए। रवींद्र जडेजा और रविचंद्रन अश्विन को 1-1 विकेट मिला।

पहली पारी में ऐसे गिरे ऑस्ट्रेलिया के विकेट

पहला: 16वें ओवर की तीसरी बॉल पर जडेजा ने ट्रेविस हेड को कैच किया। हेड अश्विन की इस बॉल पर बड़ा हिट करना चाहते थे।
दूसरा : 23वें ओवर की दूसरी बॉल पर मोहम्मद शमी ने मार्नस लाबुशेन को बोल्ड कर दिया। लाबुशेन 20 बॉल पर 3 रन ही बना सके।
तीसरा : रवींद्र जडेजा ने स्टीव स्मिथ को बोल्ड कर दिया।
चौथा : पीटर हैंड्सकॉम्ब को शमी ने कमाल का बोल्ड किया।
पांचवां : आर अश्विन की बॉल ग्रीन के बल्ले का किनारा चूमते हुए भरत के दस्तानों में चली गई।
छठा : एलेक्स कैरी को अश्विन ने शार्ट थर्ड मैन पर अक्षर पटेल के हाथों कैच कराया।
सातवां : अश्विन की बॉल पर श्रेयस अय्यर ने मिचेल स्टार्क को शार्ट लेग पर कैच किया।
आठवां : तीसरे सेशन की आखिरी बॉल पर अक्षर पटेल ने उस्मान ख्वाजा को एलबीडब्ल्यू कर दिया।
नौवां : अश्विन ने टॉड मर्फी को एलबीडब्ल्यू कर दिया।

कैमरून ग्रीन (114 रन) ने अपना पहला टेस्ट शतक जमाया

ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस की मां का निधन

ब्रेस्ट कैंसर से पीड़ित थीं, काली पट्टी बांधकर खेलने उतरे ख्वाजा और ग्रीन

अहमदाबाद, 10 मार्च (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलियाई टीम के रेग्युलर कप्तान पैट कमिंस की मां मारिया कमिंस का निधन हो गया। वे लंबे समय से बीमार थीं। उन्हें ब्रेस्ट कैंसर था।

मारिया पिछले कुछ दिनों से पैलेएटिव केयर में थीं। इसके चलते वे भारत दौरे को बीच में ही छोड़कर ऑस्ट्रेलिया लौट गए थे। वह दूसरे टेस्ट के बाद अपनी मां के पास लौट गए थे। कमिंस की मां के निधन पर शोक जाहिर करने के लिए ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज बांह में काली पट्टी बांधकर खेलने उतरे।

सीए ने सोशल पोस्ट में दी जानकारी

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने शुक्रवार को एक सोशल पोस्ट पर यह जानकारी दी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने अपने ऑफिशियल ट्विटर हैंडल पर लिखा- मारिया कमिंस के निधन से हमें गहरा दुख हुआ है। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट की ओर से हम पैट कमिंस परिवार और उनके दोस्तों के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त करते हैं।

बीसीसीआई ने भी व्यक्त की संवेदना

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड की ओर से भी पैट कमिंस के मां के निधन पर दुख जताया है। बीसीसीआई ने अपने पोस्ट में लिखा है कि इस दुख की घड़ी में हमारी प्रार्थना उनके और उनके परिवार के साथ है।

कमिंस की जगह स्मिथ कर रहे हैं कप्तानी

पैट कमिंस की अनुपस्थिति में स्टीव स्मिथ ऑस्ट्रेलियाई टीम की कप्तानी कर रहे हैं। उनकी कप्तानी में ऑस्ट्रेलिया ने इंदौर टेस्ट अपने नाम कर लिया। अब मुकाबला अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में जारी है।

नई दिल्ली में 'खेलो इंडिया दस का दम' के उद्घाटन समारोह और मेगा लॉन्च के अवसर पर केंद्रीय सूचना और प्रसारण, युवा मामले और खेल मंत्री, अनुराग सिंह ठाकुर।

ग्लू से चिपकाए जूते, खुद हवाई यात्रा का खर्च उठाया

तब जाकर एशियाई चैंपियन बनीं भारत की बेटियां

नई दिल्ली, 10 मार्च (एजेंसियां)। बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में लॉन बॉल का ऐतिहासिक स्वर्ण पदक जीतकर सिर आंखों पर बिठाई गईं पिंकी, नैनमोनि सैकिया, लवली चौबे और रूपारानी की उपलब्धि कुछ माह बाद ही भुला दी गई। 10 दिन पहले यही चारों बेटियां इपोह (मलयेशिया) में पहली बार एशियाई चैंपियन बनीं, लेकिन इन चारों समेत पूरी टीम को खुद से पैसा लगाकर इस चैंपियनशिप में खेलना पड़ा। नैनमोनि ने तो अर्जुन अवार्ड की पुरस्कार राशि से यह टूर्नामेंट खेला। पिंकी के तो चैंपियनशिप के दौरान जूते फट गए। उनके पास अतिरिक्त बॉलिंग जूते नहीं थे। उन्होंने ग्लू से जूते चिपकाकर टूर्नामेंट खेला।

शिविर में अपने पैसे गुवहाटी गए खिलाड़ी

राष्ट्रमंडल खेलों की तरह यह पहली बार था जब लॉन बॉउल फोर में भारत ने स्वर्ण जीता। 20 से 26 फरवरी को हुई इस चैंपियनशिप में भारत ने एक स्वर्ण, तीन रजत और एक कांस्य जीता। चैंपियनशिप की तैयारियों के लिए साई ने शिविर लगाने में मदद नहीं की। नतीजन भारतीय बॉलिंग संघ ने उधार के पैसे लेकर गुवहाटी में शिविर लगाया। हालांकि तैयारियों के लिए शिविर मलयेशिया में लगना था, लेकिन अंतिम क्षणों में पैसे कम पड़ जाने के कारण इसे रद्द कर गुवहाटी में तैयारियां कराई गईं। शिविर में भी खिलाड़ी अपने पास से पैसा खर्च कर पहुंचे।

ठहरने, खाने के पैसे भी खुद भरे

राष्ट्रमंडल खेलों के बाद से भारतीय बॉलिंग संघ को अब तक साई से कोई आर्थिक मदद नहीं मिली है। अदालत की ओर से खेल संघों की आर्थिक मदद रोके जाने के आदेश के बाद से ऐसा हुआ है। संघ ने चैंपियनशिप के लिए खिलाड़ियों की किट और तैयारी शिविर को अपने पास से पैसों का इंतजाम कर लगाया, लेकिन उसके पास टीम भेजने और इपोह में ठहराने का पैसे नहीं थे। टीम से जब इस बारे में चर्चा की गई तो उन्होंने कहा कि उन्हें यह टूर्नामेंट हर हालत में खेलना है। इसके बाद सभी ने हवाई यात्रा का खर्च खुद उठाया।

बेटियां बोलीं कम से कम हवाई यात्रा का खर्च उठाए जाया

नैनमोनि कहती हैं कि उन्होंने अर्जुन अवार्ड की पुरस्कार राशि से हवाई यात्रा का टिकट लिया। पिंकी कहती हैं कि राष्ट्रमंडल खेलों की सफलता के बाद कम से कम उनके साथ इतना किया जाना चाहिए था कि उन्हें हवाई यात्रा का खर्च खुद न उठाना पड़ता। बॉलिंग संघ के पास इतना पैसा ही नहीं था कि टीम का खर्च उठाता। इसके बाद ही खिलाड़ियों ने खेलने के लिए हवाई यात्रा का खर्च उठाने का फैसला लिया। इस टूर्नामेंट में पहली बार पुरुष सिंगल्स में पुतुल ने रजत पदक जीता। वह भी अपने खर्च पर गए थे।

कहीं से नहीं मिल रही आर्थिक मदद

बॉलिंग संघ के एक पदाधिकारी का कहना है कि उन्हें कहीं से आर्थिक मदद नहीं मिल रही है, जितना पैसा उन्होंने जुटाया उसे तैयारियों पर लगा दिया। खिलाड़ियों के पास खुद का खर्च कर खेलने के अलावा कोई चारा नहीं था।

भारत की अंकिता रैना, ब्रेंडा आईटीएफ महिला ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचीं

बेंगलुरु, 10 मार्च (एजेंसियां)। भारत की अंकिता रैना और शीर्ष वरीयता प्राप्त चेक गणराज्य की ब्रेंडा फ्रुहविटोर्वा ने गुरुवार को यहां केएसएलटीए स्टेडियम में जीत के साथ आईटीएफ महिला ओपन में एकल क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। नंबर 4 सीड रैना ने बिना पसीना बहाए राउंड-ऑफ-16 के मैच में थाईलैंड की लनलाना तारारुडी को 6-2, 6-1 से मात दी। दूसरी ओर, 15 वर्षीय टेनिस सनसनी फ्रुहवितोर्वा को थाईलैंड की पीनगटार्न प्लिप्यूच के खिलाफ तीन सेट तक चले मुकाबले में 6-4, 3-6, 6-2 से जीत दर्ज करनी पड़ी।

मैच रैना ने मैच के बाद कहा, यह एक अच्छा मैच था क्योंकि यह सीधे सेटों में जीत थी। मुझे अपने मौके मिले और मैंने उन्हें सही से उपयोग किया। मैंने पिछले साल दिसंबर में भारत में लनलाना खेला था और वह भी सीधे सेटों में जीत थी। चल रहे 40के डॉलर टूर्नामेंट की मेजबानी कर्नाटक राज्य लॉन टेनिस एसोसिएशन (केएसएलटीए) द्वारा की जाती है और यह केपीबी फैमिली ट्रस्ट द्वारा प्रायोजित है।

केरल में सुनील छेत्री के खिलाफ आक्रोश

पत्नी सोनम ने दिया करारा जवाब

नई दिल्ली, 10 मार्च (एजेंसियां)। खेल चाहे फुटबॉल हो या क्रिकेट, फैन्स की भावनाएं हमेशा उस खेल से जुड़ी रहती हैं. अपनी टीम की जीत से फैन्स फूले नहीं समाते हैं, तो हार से उन्हीं फैन्स का पारा सातवें आसमान पर पहुंच जाता है. ऐसा ही कुछ भारतीय घरेलू फुटबॉल टूर्नामेंट इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) में भी देखने को मिला है. आईएसएल में इस समय नॉकआउट राउंड के मुकाबले खेले जा रहे हैं. इसी के तहत एक मुकाबले में बेंगलुरु एफसी ने केरल ब्लास्टर्स को 1-0 से करारी शिकस्त दी.

मैच में एकमात्र गोल सुनील ने दागा

मैच में यह एक गोल सुनील छेत्री ने एक्स्ट्रा टाइम के 96वें मिनट में फ्री-किक से दागा. बस इसी गोल पर एक ऐसा विवाद उपजा, जो अब तक शांत होने का नाम नहीं ले रहा है. इसी विवाद के चलते केरल में सुनील छेत्री के खिलाफ जमकर प्रदर्शन हो रहे हैं. उनका पुतला तक जलाया गया. विवाद बढ़ने पर सुनील छेत्री की पत्नी सोनम भट्टाचार्य को सामने आना पड़ा और उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए आलोचकों को करारा जवाब दिया. सोनम ने कहा कि हम लोग सभ्य समाज में रहते हैं और अपनी सभ्यता कैसे भूल सकते हैं.

फ्री-किक से दागे गोल पर उपजा विवाद

दरअसल, मैच में केरल टीम के फाउल पर बेंगलुरु को फ्री-किक मिली थी. यह फ्री-किक सुनील छेत्री ने ली. इसी दौरान स्टार प्लेयर सुनील छेत्री ने फ्री-किक पर तेजी से शॉट खेलकर गोल दाग दिया. जबकि केरल ब्लास्टर्स के खिलाड़ियों ने विरोध करते हुए कहा कि वे तैयार नहीं थे और सुनील छेत्री ने पहले ही शॉट लगा दिया था. विरोध के साथ ही केरल के प्लेयर्स मैदान छोड़कर बाहर चले गए थे. तब बेंगलुरु को जीत दे दी गई. इसके बाद से ही केरल में सुनील और उनकी फैमिली को आलोचनाएं झेलनी पड़ रही हैं.

पहली पारी में श्रीलंका 355 पर ऑलआउट, दिन का खेल खत्म होने तक न्यूजीलैंड का स्कोर 162/5

क्राइस्टचर्च, 10 मार्च (एजेंसियां)। श्रीलंका और न्यूजीलैंड के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला क्राइस्टचर्च में खेला जा रहा है। श्रीलंका ने दूसरे दिन 305/6 के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया। टीम 355 रन पर ऑलआउट हो गई।

शुक्रवार को दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक न्यूजीलैंड ने 5 विकेट के नुकसान पर 162 रन बना लिए हैं, और वह श्रीलंका से 193 रन पीछे है। न्यूजीलैंड के लिए टॉम लाथम ने सबसे ज्यादा 67 रन बनाए। डेरिल मिचेल 40 और माइकल ब्रेसवेल 9 रन बनाकर नाबाद हैं।

लाथम का अर्धशतक

न्यूजीलैंड का पहला विकेट 67 रन के स्कोर पर गिर गया था। ओपनर डेवोन कॉनवे 88 गेंदों पर 30 रन बनाकर असिता फर्नान्डो के गेंद पर एलबीडब्ल्यू हो गए। टीम को चार रन के अंदर ही दूसरा झटका लगा। केन विलियमसन 11 गेंदों पर 1 रन बनाकर लाहिरू कुमारा के गेंद पर दिमुथ करुणारत्ने को कैच थमाकर पवेलियन लौट गए। हेनरी निकोलस के रूप में टीम को तीसरा झटका लगा। हेनरी 6 गेंदों पर 2 रन बना कर आउट हो गए। तीन विकेट पर स्कोर महज 76 रन था। शुरूआती 3 झटके के बाद लाथम ने टीम के लिए बड़ी पारी खेली। उन्होंने 144 गेंदों का सामना कर 67 रन बनाए। श्रीलंका के लिए असिता फर्नान्डो और लाहिरू कुमारा ने 2-2 विकेट लिए, वहीं 1 विकेट कसून रजीथा के हिस्से आया।

श्रीलंका की पहली पारी

इससे पहले न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर पहले फील्डिंग करने का फैसला किया था। श्रीलंका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पहली पारी में 355 रन बनाए। श्रीलंका के लिए कुशल मेंडिस और दिमुथ करुणारत्ने के बीच शतकीय और एंजेलो मैथ्यूज- दिनेश चांदीमल के बीच अर्धशतकीय साझेदारी हुई। श्रीलंका के लिए कुशल मेंडिस ने सबसे ज्यादा 87 रन बनाए। उनके अलावा दिमुथ करुणारत्ने 50, एंजेलो मैथ्यूज 47 और धनंजय डिसिल्वा ने 46 रन की महत्वपूर्ण पारी खेली।

बीजेपी के उत्पीड़न का मुंहतोड़ जवाब देंगे : केसीआर

तेलंगाना प्रति व्यक्ति आय के मामले में देश में पहले स्थान पर * राष्ट्रीय अध्यक्ष की अध्यक्षता में हुई पार्टी पदाधिकारियों की बैठक

हैदराबाद, 10 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और सीएम केसीआर की अध्यक्षता में तेलंगाना भवन में पार्टी की एक विस्तृत बैठक हुई। इस बैठक में मंत्रियों, सांसदों, एमएलसी, विधायकों, पार्टी की राज्य कार्यकारी समिति, विभिन्न निगमों के अध्यक्षों, महापौरों, डीसीसीबी के अध्यक्षों, डीसीएमएस और अन्य लोगों ने भाग लिया। पार्टी प्रमुख सीएम केसीआर दोपहर 3 बजकर 20 मिनट पर तेलंगाना भवन पहुंचे। सबसे पहले सीएम केसीआर ने हाल ही में दिवंगत पार्टी विधायक सायन्ना को पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस मौके सीएम केसीआर ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि तेलंगाना राज्य प्रति व्यक्ति आय के मामले में देश में पहले स्थान पर है। हमने कई बाधाओं को पार किया है जो स्व-शासन को असफल बनाने के लिए प्रारंभिक चरण में बनाई गई थीं। तेलंगाना राज्य द्वारा हासिल की गई प्रगति को देखते हुए लोग बाद के हर चुनाव में हमारे साथ खड़े रहे। हमने बिना बिजली कटौती के काम किया है और सिंचाई क्षेत्र में सुधार किया है। आज हर घर में पाइप के माध्यम से पीने के पानी की आपूर्ति की जाती है। कल्याण और विकास के क्षेत्र में तेलंगाना देश में पहले स्थान पर पहुंच गया है। चावल की फसल के उत्पादन में तेलंगाना नंबर वन बन गया है। तेलंगाना राज्य ने आज शिशुओं, वृद्धों से लेकर बालिकाओं, किसानों से लेकर आईटी और उद्योगों तक हर क्षेत्र में कल्याण और विकास हासिल कर समावेशी विकास हासिल किया है। सीएम ने कहा कि आज, विदेशों से तेलंगाना में निवेश का प्रवाह जारी है। दुनिया हमारी औद्योगिक नीतियों की सराहना करती है। विश्व प्रसिद्ध कंपनियां हैदराबाद में निवेश करने के लिए आगे आ रही हैं। हैदराबाद आईटी क्षेत्र में प्रगति कर रहा है, बैंगलोर को पीछे छोड़ रहा है जिसे कभी आईटी क्षेत्र की सिलिकॉन वैली कहा जाता था। हम सभी को यह कहते हुए गर्व हो रहा है कि हाल ही में आए विश्व प्रसिद्ध कंपनी फॉक्सकॉन के अध्यक्ष द्वारा तेलंगाना के विकास से बहुत कुछ सीखा जा सकता है। हमारी पार्टी की महान उपलब्धियों को याद करते हुए जिसने इतना विकास हासिल किया है, लोगों को हमारी पार्टी और हमारी सरकार द्वारा की गई प्रगति के बारे में अधिक बताने की आवश्यकता है। सीएम ने बीजेपी पर वार करते हुए कहा कि तेलंगाना की तरक्की बीजेपी बर्दाश्त नहीं करेगी। भाजपा पार्टी उस विकास को बर्दाश्त नहीं कर सकती जो तेलंगाना हासिल कर रहा है। देश के लिए आदर्श बन चुकी तेलंगाना की कल्याणकारी योजनाओं की पृष्ठभूमि में अन्य राज्यों को आकर्षित कर भाजपा अनेक षड्यंत्रों में लिप्त है, इस उम्मीद में कि उनकी पार्टी की अक्षमता उजागर हो जाएगी। टीआरएस जनप्रतिनिधियों को परेशान कर रही है। पहले से ही हमारी पार्टी मंत्रियों, सांसदों, विधायकों, एमएलसी को सीबीआई, आईटी और ईडी के छापे झूठे आरोपों से परेशान कर रही है।

हम बीजेपी के उत्पीड़न का किसी भी हद तक मुंहतोड़ जवाब देंगे। हमारा संघर्ष तब तक जारी रहेगा जब तक भाजपा को इस देश से बाहर नहीं कर दिया जाता। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता बीआरएस पार्टी की ताकत हैं। उनके साथ आध्यात्मिक बैठकें करें। विधायकों को इसकी जिम्मेदारी लेनी चाहिए। प्रत्येक दस गांवों को एक इकाई के रूप में लेते हुए विधायक दल के सदस्यों के साथ आध्यात्मिक बैठकें आयोजित करें। स्थानीय सांसद, एमएलसी, विधायक, निगम अध्यक्ष, डीसीसीबी, डीसीएमएस और पार्टी के अन्य नेताओं को इन विधानसभाओं में शामिल किया जाना चाहिए। इन आध्यात्मिक योगों को दो महीने के भीतर पूरा किया जाना चाहिए। सीएम ने जनप्रतिनिधि से कहा कि वे ज्यादा से ज्यादा जनता के बीच रहें। नेत्र ज्योति शिविरों से लोगों का अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है। स्थानीय विधायकों को ड्यूटी के तौर पर रोजाना इनका दौरा करना पड़ता है। जनप्रतिनिधियों को आगामी ग्रामीण विकास एवं शहरी विकास कार्यक्रमों के लिए भी तैयार रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि बीआर अंबेडकर जयंती पर 14 अप्रैल को अंबेडकर की 125 फीट की प्रतिमा का अनावरण होगा। इस अवसर पर हम एनटीआर स्टेडियम में एक विशाल जनसभा का आयोजन कर रहे हैं।

इस सभा में सभी विधानसभा क्षेत्रों के दलित बच्चे भाग लेंगे। बीआरएस पार्टी स्थापना दिवस पर आध्यात्मिक सभाओं का आयोजन होगा। बीआरएस पार्टी के स्थापना के संबंध में 25 अप्रैल को पार्टी के झंडों के अनावरण के बाद सुबह से शाम तक निर्वाचन क्षेत्रों में जनप्रतिनिधियों की सभा होगी।

अडानी मामले में कांग्रेस का एसबीआई शाखा के बाहर विरोध-प्रदर्शन

हैदराबाद, 10 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को हैदराबाद के ओल्ड सिटी के याकुतपुरा, करमनघाट स्थित स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) की शाखा के बाहर विरोध-प्रदर्शन किया। उन्होंने संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) और प्रवर्तन निदेशालय द्वारा हिंडनबर्ग रिपोर्ट में उजागर अडानी समूह की कथित वित्तीय अनियमितताओं की जांच की मांग की। हैदराबाद जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष समीर वलीउल्लाह के नेतृत्व में, कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मोदी-अडानी गठजोड़ की जांच की मांग वाली तख्तियां लेकर केंद्र की भाजपा सरकार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अदानी समूह के खिलाफ नारेबाजी की। हैदराबाद प्रभारी और पूर्व मंत्री के. पुष्पा लीला, टीपीसीसी महासचिव उज्मा शाकिर, दिलावर हुसैन, दानिश, नूर मोहम्मद, ओबीसी विभाग समन्वयक विनय और अन्य सहित वरिष्ठ नेताओं ने विरोध प्रदर्शन में भाग लिया। समीर वलीउल्लाह ने भाजपा सरकार पर एलआईसी और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के प्रबंधन पर अडानी समूह की कंपनियों में बड़ी रकम निवेश करने का कथित रूप से दबाव बनाने का आरोप लगाया। अडानी समूह द्वारा कथित अनियमितताओं पर हिंडनबर्ग रिसर्च के खुलासे के बाद, शेयर गिर गए और एलआईसी और एसबीआई को भारी नुकसान हुआ। उन्होंने कहा कि एसबीआई और एलआईसी में निवेश किए गए आम लोगों के पैसे की सुरक्षा करना मोदी सरकार की जिम्मेदारी है। हालांकि, मोदी ने कथित तौर पर एसबीआई और एलआईसी पर अडानी समूह की कंपनियों के शेयरों में भारी निवेश करने के लिए अपने दोस्त अडानी को लाभ पहुंचाने के लिए दबाव डाला। नतीजतन, अडानी समूह के शेयरों के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद एसबीआई और एलआईसी दोनों को हजारों करोड़ रुपये का नुकसान हुआ, जिसका आम निवेशकों पर दीर्घकालिक प्रभाव पड़ेगा।

पूर्व मंत्री पुष्पा लीला ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी शुरू से ही अडानी ग्रुप शेयर क्रैश मामले में जेपीसी जांच की मांग कर रहे हैं। हालांकि आम निवेशकों को भारी नुकसान होने के बावजूद मोदी सरकार अभी भी इस मुद्दे पर चुप्पी साधे हुए घोटाले के शिकार अडानी समूह को बचाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने पूछा कि मोदी सरकार अडानी समूह की फर्मों के खिलाफ स्टॉक हेरफेर और लेखा धोखाधड़ी के आरोपों की जांच का आदेश देने में क्यों हिचकिचा रही है।

वन्यजीव शिकारियों के गिरोह का भंडाफोड़ , तेंदुए की खाल जब्त की

हैदराबाद, 10 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के कोत्तागुडेम जिले में वन्यजीव शिकारियों और व्यापारियों के एक अंतर्राज्यीय गिरोह का भंडाफोड़ किया गया। वन अधिकारियों द्वारा एक तेंदुए की खाल जब्त की गई और आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और छत्तीसगढ़ राज्यों के नौ लोगों को गिरफ्तार किया गया। शुक्रवार को यहां मीडिया से बात करते हुए सहायक वन संरक्षक ए अप्पैया ने बताया कि छत्तीसगढ़ के चिंतलनार जंगलों में छह महीने पहले एक नर तेंदुए को मार दिया गया था और उसकी खाल को आंध्र प्रदेश के चिंटूर ले जाया गया था। गिरोह तेंदुए की खाल के साथ शुक्रवार को खाल की बिक्री के बारे में बातचीत करने के लिए कोत्तागुडेम के पास एक वन क्षेत्र में इकट्ठा हुआ। एसीएफ अप्पैया और एफआरओ एस सुरेश के नेतृत्व में वन कर्मियों की टीम ने गिरोह को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार लोगों की पहचान तेलंगाना के जी वेंकट वेणु, आंध्र प्रदेश के कंदुकुरी फणींद्र, पी चिरंजीवी, एस श्रीनिवास, एम कोसैय्या और के एरुमैया, छत्तीसगढ़ के मडकाम मुकेश, एम जितेंद्र और पुनेम सिंघा के रूप में हुई है।

मंत्री केटीआर दिल्ली रवाना

हैदराबाद, 10 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष और मंत्री के टी रामा राव अपनी बहन और एमएलसी के. कविता को नैतिक समर्थन देने के लिए शुक्रवार शाम नई दिल्ली के लिए रवाना हो गए। कविता दिल्ली आबकारी नीति घोटाले के संबंध में शनिवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के सामने पेश होंगी। मामले में रामचंद्र पिल्लई और दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया सहित प्रमुख व्यक्तियों की गिरफ्तारी के बाद कविता को हिरासत में लिए जाने की अटकलों के बीच, मंत्री केटी रामाराव की यात्रा एक महत्व रखती है। शुक्रवार को यहां तेलंगाना भवन में पार्टी अध्यक्ष और मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव की अध्यक्षता में आयोजित पार्टी की आम बैठक में भाग लेने के बाद केटी रामाराव तुरंत नई दिल्ली रवाना हो गए। पता चला है कि के टी रामा राव कानूनी विशेषज्ञों के साथ बातचीत करेंगे और मामले के संबंध में कार्रवाई की योजना पर चर्चा करेंगे।

साउथ सेंट्रल रेलवे मजदूर यूनियन ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया

हैदराबाद, 10 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर, दक्षिण मध्य रेलवे मजदूर यूनियन (एससीआरएमयू) ने शुक्रवार को रेल निलयम, सिकंदराबाद में रेलवे के कर्मचारियों की संख्या में महिलाओं को मनाने और सम्मानित करने के लिए एक कार्यक्रम आयोजित किया। अरुण कुमार जैन, महाप्रबंधक, दक्षिण मध्य रेलवे इस अवसर पर मुख्य अतिथि थे। राजीव किशोर, प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी, दमरे, श्रीमती रजनी झा, उप वित्तीय सलाहकार और मुख्य लेखा अधिकारी/कार्यशाला, डॉ. षणमुका प्रिया, मध्य रेलवे अस्पताल, लालागुडा, डॉ. साजिदा खान, प्रेसिडेंट अवार्डी और पहली महिला संगीत तकनीशियन, श्रीमती बी कविता यादव, पैनल एडवोकेट, उच्च न्यायालय, तेलंगाना, डॉ. चौ. शंकर राव, महासचिव, एससीआरएमयू, के श्रीनिवास, अध्यक्ष, एससीआरएमयू और अन्य सदस्यों ने भी कार्यक्रम में भाग लिया। इस अवसर पर बोलते हुए अरुण कुमार जैन ने कहा कि यह प्रत्येक महिला का कर्तव्य है कि वह जीवन के सभी क्षेत्रों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए एक दूसरे को शिक्षित और प्रेरित करे। उन्होंने कहा कि पहले महिलाओं के कठिन काम करने की क्षमता पर हमेशा सवाल उठाए जाते थे। लेकिन पिछले कुछ दशकों में, महिलाओं ने यह साबित कर दिया है कि वे पुरुषों के बराबर कोई भी कर्तव्य निभाने में समान रूप से सक्षम और सक्षम हैं। उन्होंने कहा कि आज महिलाएं रेलवे से लेकर सेना, नौसेना, खेल, प्रशासनिक कार्यालयों आदि विभिन्न क्षेत्रों में काम कर रही हैं और वे किसी पुरुष से कम नहीं हैं। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि यह सराहनीय है कि महिलाएं कैसे अपने आधिकारिक कर्तव्यों का पालन करने में सक्षम हैं और साथ ही साथ अपने परिवार और घर के कामों का भी ध्यान रखती हैं। उन्होंने सभी महिला कर्मचारियों की कड़ी मेहनत और कर्तव्य के प्रति समर्पण की सराहना की। राजीव किशोर, प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी ने कहा कि महिलाएं पुरुषों के समान ही सक्षम, कुशल और बुद्धिमान हैं। उन्होंने कहा कि दक्षिण मध्य रेलवे की कुछ सबसे अच्छी कर्मचारी महिलाएं हैं जो कर्तव्य के प्रति पूरी लगन और समर्पण के साथ अपना काम उत्कृष्ट रूप से करती हैं। आज के कार्यक्रम में विभिन्न उपलब्धि हासिल करने वाली महिलाओं के प्रेरणादायक भाषण भी शामिल थे जिन्होंने महिला कर्मचारियों को खुद को सशक्त बनाने और स्वतंत्र होने के लिए प्रेरित किया। डॉ. षणमुका प्रिया ने स्वास्थ्य जागरूकता पर एक संक्षिप्त प्रस्तुति दी और महिलाओं को सचेत रूप से अपने मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य का ख्याल रखने के लिए निर्देशित किया। इससे पहले, श्रीमती सरोजिनी रेड्डी, जोनल महिला समन्वयक, एससीआरएमयू ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। इस समारोह में स्किट और गायन प्रदर्शन भी देखा गया, जिसका महिला कर्मचारियों के विशाल जमावड़े ने भरपूर आनंद लिया।

जी. जॉन प्रसाद अमरावती खंडपीठ में तकनीकी सदस्य नियुक्त

हैदराबाद, 10 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। प्रधान मुख्य वाणिज्यिक प्रबंधक (पीसीसीएम), दक्षिण मध्य रेलवे जी. जॉन प्रसाद को अमरावती बेंच में ट्रिब्यूनल (आरसीटी) रेलवे दावों में तकनीकी सदस्य के रूप में नियुक्ति के लिए चुना गया है। वह जून 2019 से पीसीसीएम के रूप में काम कर रहे हैं। वह भारतीय रेलवे यातायात सेवा (आईआरटीएस) के 1986 बैच के हैं। दक्षिण मध्य रेलवे में पीसीसीएम के रूप में अपने कार्यभार से पहले, वह दक्षिण पश्चिम रेलवे, हुबली, कर्नाटक में प्रधान मुख्य परिचालन प्रबंधक के पद पर कार्यरत थे। जी. जॉन प्रसाद को रेलवे में वाणिज्यिक, संचालन और दावों के निपटान का विविध अनुभव है और उन्होंने हाल के दिनों में दक्षिण मध्य रेलवे पर टिकटिंग प्रणाली अनारक्षित सेवाओं के डिजिटलीकरण में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

ब्रेन स्ट्रोक से मृत सिपाही के परिवार को आर्थिक सहायता

हैदराबाद, 10 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा पुलिस आयुक्तालय में उप्पल पुलिस स्टेशन में काम करने के दौरान ब्रेन स्ट्रोक से मरने वाले कॉन्स्टेबल शेखर बार्या के की पत्नी हेमावती और बच्चों को रचाकोंडा सीपी डी.एस. चौहान ने 8 लाख सुरक्षा अनुग्रह राशि के चेक सौंपे। तीन नाबालिग बच्चों पर एक-एक लाख तैंतीस हजार तीन सौ की सावधि जमा कराने की कार्रवाई की गई है। सीपी ने बच्चों का हालचाल पूछा और कहा कि जब भी कोई परेशानी होती है तो हम साथ होते हैं।

सीपी ने कहा कि राचकोंडा पुलिस आयुक्तालय में 30 वर्ष से अधिक आयु के सभी कर्मचारियों का बीपी और शुगर की जांच कराएं और अधिकारियों को उचित उपाय करने का निर्देश दिया गया है। इस कार्यक्रम में डीसीपी एडमिन पी. इंदिरा, पुलिस ऑफिसर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष भद्रा रेड्डी समेत अन्य ने शिरकत की।

जीडब्ल्यूएमसी ने एकीकृत कमांड कंट्रोल सेंटर स्थापित करने की प्रक्रिया शुरू की

हैदराबाद, 10 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। वारंगल में ग्रेटर वारंगल नगर निगम (जीडब्ल्यूएमसी) ने स्मार्ट सिटी मिशन (एससीएम) के तहत एक एकीकृत कमांड एंड कंट्रोल सेंटर (आईसीसीसी) स्थापित करने की प्रक्रिया फिर से शुरू कर दी है। ग्रेटर वारंगल स्मार्ट सिटी कॉरपोरेशन लिमिटेड को लागू करने के लिए स्थापित एक विशेष प्रयोजन वाहन (एसपीवी) के हितधारकों के साथ एक बैठक सोमवार को बुलाई गई थी जहाँ विभिन्न विंगों और अन्य कार्यालयों द्वारा आवश्यकताओं पर विवरण एकत्र किया गया था। जीडब्ल्यूएमसी और जीडब्ल्यूएससीसीएल के प्रबंध निदेशक पी प्रविण्य ने कहा कि उन्होंने पहले ही पहली मंजिल पर आईसीसीसी की एक अस्थायी प्रणाली स्थापित कर ली है। यह एक स्मार्ट शहर की एक आवश्यक शर्त है जो वास्तविक समय की निगरानी और सेवा वितरण दक्षता में सुधार सहित कई शहर सेवा संचालन का संचालन और प्रबंधन करता है। यह संचालन और आपदा प्रबंधन के लिए 'तंत्रिका केंद्र' के रूप में कार्य करेगा। यह नागरिक निकाय को स्मार्ट समाधान प्रदान करता है और शहर की सुरक्षा और निगरानी का प्रबंधन करने में मदद करता है। एक अधिकारी ने कहा, "आईसीसीसी को गृह मंत्रालय के तहत सीसीटीएनएस (अपराध और आपराधिक ट्रैकिंग नेटवर्क और सिस्टम) नेटवर्क से जोड़ा जा सकता है।" हालांकि आईसीसीसी के लिए दिसंबर 2017 में निविदा जारी की गई थी, लेकिन परियोजना में बदलाव के कारण इसे रद्द कर दिया गया था। हालांकि, अधिकारियों ने आखिरकार फिर से शुरू कर दिया है और 70 महीनों में इस परियोजना को पूरा करने का फैसला किया है।

अब राजस्व बढ़ाने का माध्यम बनेगा आउटर रिंग रोड

30 साल में 7 हजार करोड़ रुपये तक का राजस्व बनाने के लिए की योजना

हैदराबाद, 10 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद आउटर रिंग रोड (ओआरआर) एक्सप्रेसवे के टोल, ऑपरेट और ट्रांसफर लीज़ के माध्यम से उत्पन्न राजस्व के मामले में इस बार एक और रिकॉर्ड स्थापित करने की संभावना है। हैदराबाद ग्रोथ कॉरिडोर लिमिटेड (एचजीसीएल), जो ओआरआर के संचालन और रखरखाव में लगी हुई है, ने टोल, संचालन और हस्तांतरण पर सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी) के माध्यम से (टीओटी) आधार 30 वर्ष की अवधि के लिए 158 किमी एक्सप्रेसवे के टोल, संचालन और रखरखाव का निर्णय लिया है।

इस आशय के लिए, एचजीसीएल ने पट्टे पर अनुबंध निष्पादित करने के लिए बोलीदाताओं को आमंत्रित किया है। एचजीसीएल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि हमारी उम्मीद के मुताबिक 30 साल की लीज से एचजीसीएल को 6,000-7,000 करोड़ रुपये का राजस्व मिलेगा। वर्तमान में, एचजीसीएल निजी एजेंसियों को वार्षिक आधार पर संचालन और रखरखाव अनुबंध प्रदान करता है। इस वित्तीय वर्ष में लीज अनुबंध से लगभग 400 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ, लेकिन वार्षिक पट्टे को क्रियान्वित करने में संगठन के लिए कुछ चुनौतियाँ है। एचजीसीएल को अगले साल के अनुबंध के लिए हर साल काफी पहले ही निजी एजेंसियों से बोली आमंत्रित करनी पड़ती थी और बोली लगाने वालों को अंतिम रूप देने में काफी समय लगता था।

उदाहरण के लिए, यदि अनुबंध की अवधि मार्च में समाप्त हो जाती है, तो कम से कम 90 दिन पहले दिसंबर से बोलियां आमंत्रित की जानी थीं। इसके अलावा, कुछ अवसरों पर कुछ एजेंसियों ने अलग-अलग कारणों का हवाला देते हुए अनुबंध को बढ़ाने के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाया। इन सभी मुद्दों को हल करने के लिए, एचजीसीएल ने अब लीज अवधि को 30 साल तक बढ़ाने का फैसला किया है। कैबिनेट, जिसने हाल ही में मुलाकात की, ने 30 साल की लीज अवधि को मंजूरी दे दी। यह भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के दिशानिर्देशों के अनुसार किया जा रहा है। एचजीसीएल संभावित बोलीदाताओं की शंकाओं को दूर करने के लिए पहले ही ऑनलाइन प्री-बिड मीटिंग आयोजित कर चुकी है। बोली लगाने वालों में से एक ने देखा कि कुछ रैंप टोल प्लाजा पर पीक ऑवर्स के दौरान ट्रैफिक जाम था। टोल प्लाजा पर रैंप को चौड़ा करने या टोल प्लाजा की संख्या बढ़ाने की जरूरत थी। एचजीसीएल के अधिकारियों ने कहा कि अतिरिक्त टोल लेन के निर्माण के लिए जहां भी जमीन उपलब्ध होगी, उपलब्ध कराई जाएगी।

लेफ्टिनेंट जनरल ने 1 ईएमई सेंटर में अग्निवीरों के प्रशिक्षण की समीक्षा की

हैदराबाद, 10 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। 1 ईएमई केंद्र, सिकंदराबाद, आईए के मॉडल प्रशिक्षण केंद्रों में से एक, जहां वर्तमान में भारत सरकार द्वारा घोषित अग्निपथ योजना के हिस्से के रूप में 965 अग्निवीर प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। लेफ्टिनेंट जनरल तुमुल वर्मा, एसएम, वीएसएम डीजीईएमई और ईएमई कोर के सीनियर कर्नल कमांडेंट ने आज ईएमई सेंटर सिकंदराबाद में अग्निवीरों के बुनियादी ढांचे, प्रशिक्षण सहायता और चल रहे प्रशिक्षण व्यवस्था की समीक्षा की। जनरल ऑफिसर ने 11 मार्च को बुनियादी सैन्य प्रशिक्षण के बाद उत्तीर्ण होने वाले अग्निवीरों और 1 मार्च से नए शामिल हुए अग्निवीरों के साथ भी बातचीत की। ब्रिगेडियर सुरेश जी कमांडेंट, 1 ईएमई केंद्र द्वारा सामान्य अधिकारी को तकनीकी बुनियादी ढांचे, कर्मचारियों की तैयारी और केंद्र में अग्निवीरों के त्वरित अनुकूलन के लिए केंद्र की सैन्य प्रशिक्षण बटालियन और तकनीकी प्रशिक्षण बटालियनों में लागू नई प्रशिक्षण पद्धति के बारे में जानकारी दी गई। डीजी ईमई ने ईएमई कोर के अग्निवीरों के प्रशिक्षण में अपनाई गई सक्रिय पहल के लिए टीम 1 ईएमई केंद्र द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना की। जनरल ने कहा कि ईएमई कॉर्प्स सभी नामित प्रशिक्षण प्रतिष्ठानों में अग्निवीरों की सभी आवश्यक प्रशिक्षण आवश्यकताओं के साथ अच्छी तरह से तैयार है, ताकि अग्निवीरों को एक प्रौद्योगिकी सक्षम सैनिक के रूप में परिवर्तित किया जा सके, जो फील्ड सेना के लिए निर्दिष्ट इंजीनियरिंग सहायता प्रदान कर सके।

स्वतंत्र वार्ता

Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

बैद्यनाथ
असली आयुर्वेद
कब्ज़ एवं पाईल्स की चिकित्सा में सहायक
सिड्पाईल्स
टैबलेट
बवासीर, फिस्टुला, कब्ज़, गुदा मार्ग की सूजन, जलन, चुभन, खुजली, असहनीय वेदना आदि तकलीफें दूर करने में सहायक।
SIDPILES TABLET For Piles
अभयामृत
पुराने से पुराने कब्ज़ को दूर कर पाचन ठीक रखने में सहायक।
बैद्यनाथ सलाह : 8448444935
www.baidyanath.co

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.